THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

राबड़ी देवी को खाली करना होगा आवास

पटना, 25 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में सत्ता परिवर्तन के बाद अब आवास आवंटन को लेकर नई व्यवस्था बन रही है। इसी क्रम में, पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) की नेता राबड़ी देवी को आवंटित सरकारी आवास में बदलाव किया गया है।

नई एनडीए सरकार के तहत, राबड़ी देवी को 10 सर्कुलर रोड स्थित अपना मौजूदा आधिकारिक आवास खाली करना होगा। भवन निर्माण विभाग ने उन्हें अब 39 हार्डिंग रोड का नया आवास आवंटित किया है, जो उन्हें विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष की हैसियत से दिया गया है। इस संबंध में विभाग के संयुक्त सचिव-सह-भू-सम्पदा पदाधिकारी शिव रंजन ने औपचारिक आदेश जारी कर दिया है।

वर्ष-30 अंक : 240 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष शु.6 2082 बुधवार, 26 नवंबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मानसिक गुलामी से मुक्ति का लक्ष्य : पीएम

> ध्वजा दंड पर लगा 21 किलो सोना, 7 हजार वीआईपी पहुंचे

अयोध्या, 25 नवंबर (एजेंसियां)। अयोध्या का राम मंदिर आज संपूर्ण हो गया। प्राण प्रतिष्ठा के 673 दिनों बाद पीएम मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया। सुबह 11.50 बजे अभिजीत मुहूर्त में बटन दबाते ही 2 किलो की केसरिया ध्वजा 161 फीट ऊंचे शिखर पर फहराने लगी। पीएम भावविभोर हो गए। उन्होंने धर्मध्वजा को हाथ जोड़कर प्रणाम किया। पीएम मोदी ने कहा- आज सदियों के घाव भर गए हैं। हम देश को गुलामी की मानसिकता से मुक्त करके रहेंगे। यह मानसिकता इतनी हावी हो गई थी कि वर्षों तक भगवान राम को काल्पनिक बताया गया। ध्वजारोहण से पहले पीएम मोदी ने मोहन भागवत के साथ मंदिर की पहली मंजिल पर बने रामदरबार में पूजा और आरती की। इसके बाद रामलला के दर्शन किए। पीएम रामलला के लिए वस्त्र और चंवर लेकर पहुंचे थे। पीएम ने साकेत कॉलेज से रामजन्मभूमि तक डेढ़ किमी लंबा रोड शो भी किया। इस दौरान स्कूली छात्रों ने काफिले पर फूल बरसाए और जगह-जगह महिलाओं ने उनका स्वागत किया। पहले चर्चा थी कि ध्वजारोहण समारोह के लिए अमिताभ बच्चन समेत कई सेलिब्रिटीज को न्योता भेजा गया है, लेकिन कोई नहीं पहुंचा। चारों शंकराचार्यों को छोड़कर देशभर के मठों के संत मंदिर परिसर में मौजूद रहे। शहर को 1000 क्विंटल फूलों से सजाया गया। मंदिर में 5-लेयर सुरक्षा रही। एटीएस, एनएसजी, एसपीजी, सीआरपीएफ और पीएसी के जवान तैनात रहे। रामलला ने आज सोने और रेशम के धागों से बने पीतांबर वस्त्र धारण किए।

मोदी ने 32 मिनट भाषण दिया। सियावर राम चंद्र की जय से संबोधन की शुरूआत की :

सदियों के घाव भर रहे हैं, सदियों की वेदना आज विराम पा रही है। सदियों से आस्था डिगी नहीं, एक पल भी विश्वास टूटा नहीं। धर्म ध्वजा केवल ध्वजा नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता के पुनर्जागरण का प्रतीक है। आने वाले सदियों तक यह ध्वज प्रभु राम के आदर्शों का उद्घोष करेगा। यह ध्वज प्रेरणा देगा कि प्राण जाए पर वचन न जाए।

अयोध्या वह भूमि है, जहां आदर्श आचरण में बदलते हैं। यह वही भूमि है, जहां राम ने जीवन शुरू किया। इसी धरती ने बताया कि एक व्यक्ति अपने समाज की शक्ति से कैसे मर्यादा पुरुषोत्तम बनता है। जब भगवान यहां से गए तो युवराज राम थे, लौटे तो मर्यादा पुरुषोत्तम बनकर लौटे। हर कालखंड में राम के विचार ही हमारी प्रेरणा बने हैं। विकसित भारत की यात्रा को गति देने के लिए ऐसा रथ चाहिए, >14

भागवत बोले-जिन्होंने प्राण अर्पण किए आज उनकी आत्मा तृप्त हुई

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा- राम मंदिर आंदोलन में लोगों ने अपने प्राण अर्पण किए। आज उनकी आत्मा तृप्त हुई होगी। आज वास्तव में अशोक जी को वहां शांति मिली होगी। उन्होंने अपने प्राण अर्पण किए और अपना पसीना बहाया। जो पीछे रहे, वे भी मन में इच्छा करते रहे कि मंदिर बनेगा और आज मंदिर निर्माण की शास्त्रीय प्रक्रिया पूर्ण हो गई।

ध्वजारोहण हो गया, हमने इसे अपनी आंखों से देखा है। रथ चलाने के लिए सात-सात घोड़े हैं, उन्हें नियंत्रित करने के लिए लगाम है। रस्सा नहीं है, सारथी नहीं है तो ऐसी गाड़ी नहीं चल सकती। शांति बांटने वाला भारतवर्ष खड़ा करना है.. यही विश्व की अपेक्षा है। सीएम योगी ने कहा कि ध्वजारोहण यज्ञ की पूर्णाहुति नहीं, बल्कि नए युग का शुभारंभ है। भाजपा सरकार बनने पर 2014 में जिस संभावना, संकल्प और विश्वास का सूर्योदय हुआ, आज वही तपस्या और अनगिनत पीढ़ियों की प्रतीक्षा साकार हुई। श्रीराम मंदिर पर फहराता केसरिया ध्वज धर्म, मर्यादा, सत्य-न्याय और राष्ट्रधर्म का भी प्रतीक है। >14

शीतकालीन सत्र से पहले राज्यसभा का फरमान!

कोई नारेबाजी नहीं...विपक्ष को लग सकती है मिर्ची

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र से पहले राज्यसभा की ओर से एक बुलेटिन जारी कर सदस्यों को सदन के सामान्य शिष्टाचार के बारे में आगाह किया गया है। इस बुलेटिन में सदस्यों को यह याद दिलाया गया है कि चेयर की ओर से जो भी रूलिंग दी जाती है, उसकी सदन के अंदर या बाहर कहीं भी आलोचना नहीं होनी चाहिए। साथ ही साथ इसमें नारेबाजी से भी मनाही की गई है। बता दें कि सीपी राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति बनने के बाद यह राज्यसभा के सभापति के रूप में उनका पहला संसदीय सत्र है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक राज्यसभा की ओर से जारी बुलेटिन में कहा गया है कि चेयर की ओर से सदन की निर्धारित मान्यताओं के आधार पर ही निर्णय दिए जाते हैं और अगर ऐसा कोई उदाहरण मौजूद नहीं है तो आम संसदीय परंपराओं का पालन करते हुए फैसला सुनता है। चेयर की ओर से दिए जाने वाले निर्णय की सदन के भीतर या बाहर सीधे अथवा परोक्ष रूप से आलोचना नहीं होनी चाहिए। इस बुलेटिन में आगे कहा गया है कि सदन की कार्यवाही की मर्यादा और गंभीरता बनाए रखने के लिए यह जरूरी है कि 'थैंक्स', 'थैंक्य यू' या यहां तक कि 'जय हिंद', 'वंदे मातरम' या अन्य कोई भी नारेबाजी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए संसदीय रीतियों और परंपराओं का हवाला दिया गया है। >14

मोदी ने गुरु तेग बहादुर को श्रद्धासुमन किए अर्पित

कुरुक्षेत्र, 25 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के पावन अवसर पर गुरु महाराज को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए शीश नवाया। इस दौरान मंच पर गुरबाणी का भावपूर्ण आयोजन किया गया, जिसमें रागियों ने गुरु तेग बहादुर जी के जीवन, त्याग और बलिदान को समर्पित शबदों का सुंदर कीर्तन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं ने गुरु महाराज के प्रति अपनी आस्था और कृतज्ञता व्यक्त की।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने गुरु तेग बहादुर जी के अद्वितीय बलिदान और मानवता की रक्षा के लिए दिए गए सर्वोच्च त्याग को नमन करते हुए देशवासियों को भी उनकी शिक्षाओं पर चलने का संदेश दिया।

'हिरासत में मौत सिस्टम पर धब्बा'

> शीर्ष कोर्ट की सख्त टिप्पणी-देश नहीं करेगा बर्दाश्त

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि पुलिस हिरासत में हिंसा और मौतें हमारी व्यवस्था पर एक 'बड़ा दाग' हैं और देश अब इसे किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं करेगा।

क्या है मामला :

सुप्रीम कोर्ट एक मामले का स्वत: संज्ञान लेते हुए सुनवाई कर रहा है, जो देशभर के पुलिस थानों में सीसीटीवी के ठीक से न चलने से जुड़ा है। अदालत ने इस दौरान राजस्थान में आठ महीनों में 11 हिरासत मौतों पर गहरी चिंता जताई। दो जजों की बेंच न्यायमूर्ति

विक्रम नाथ और संदीप मेहता ने मामले में कहा, देश अब ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं करेगा। यह सिस्टम पर धब्बा है। हिरासत में मौतें नहीं हो सकतीं।

वहीं सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि हिरासत में मौत को कोई भी व्यक्ति सही नहीं ठहरा सकता। लेकिन कोर्ट इस बात से नाराज हुआ कि केंद्र सरकार ने अब तक अपना अनुपालन रिपोर्ट दाखिल नहीं किया है। अदालत ने इस पर तीखा सवाल किया और पूछा केंद्र सरकार इस अदालत को हल्के में क्यों ले रही है? इसके बाद केंद्र ने तीन हफ्ते के भीतर हलफनामा देने का वादा किया।

सीसीटीवी लगाने के पुराने आदेश और धीमी प्रगति :

सुप्रीम कोर्ट ने 2018 और 2020 में आदेश दिया था कि, सभी पुलिस थानों, सीबीआई, ईडी, एनआईए जैसी केंद्रीय एजेंसियों के दफ्तरों में फुल कवरेज वाले सीसीटीवी कैमरे और रिकॉर्डिंग सिस्टम लगाएं। लेकिन कोर्ट को बताया गया कि, केवल 11 राज्यों ने ही अब तक अपनी रिपोर्ट दाखिल की है। कई राज्य और केंद्र के कई विभागों ने अब तक कोई जानकारी नहीं दी। तीन केंद्रीय एजेंसियों में सीसीटीवी लग चुके हैं, लेकिन बाकी अभी भी पीछे हैं।

वहीं शीर्ष कोर्ट ने कहा कि मध्य प्रदेश ने बेहद अच्छा काम किया है, हर पुलिस स्टेशन और चौकी को डिस्ट्रिक्ट कंट्रोल रूम से लाइव जोड़ा गया है। इसे बेंच ने काबिल-ए-तारीफ बताया। मामले की सुनवाई के दौरान बातचीत में अमेरिका के मॉडल का जिक्र आया, वहां सीसीटीवी की लाइव स्ट्रीमिंग भी होती है और कुछ निजी जेलें भी हैं। >14

'समाज को जाति के आधार पर न बांटें'

> महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनाव मामले में सीजेआई सूर्यकांत

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। सीजेआई सूर्यकांत ने मंगलवार को कहा कि हम जो भी करें, हमें समाज को जाति के आधार पर नहीं बांटना चाहिए। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने यह टिप्पणी महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनाव मामले की सुनवाई के दौरान की।

लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, देश के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की यह टिप्पणी ऐसे वक्त आई, जब राजनीतिक दलों ने स्थानीय निकाय चुनावों में आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा लागू रहने पर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को जमीनी स्तर के लोकतंत्र में प्रतिनिधित्व से वंचित किए जाने की चिंता व्यक्त की है।

वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने आरक्षण का समर्थन करते हुए कहा कि चूंकि महाराष्ट्र के कई इलाकों में आदिवासी आबादी अच्छी-खासी है, इसलिए उन इलाकों में अकेले एससी-एसटी आरक्षण ही 50 प्रतिशत होगा, और इसलिए ओबीसी आरक्षण के लिए कोई जगह नहीं बचेगी। उन्होंने यह भी बताया कि 1931 के बाद से कोई जाति जनगणना नहीं हुई है, लेकिन उन्होंने कहा कि अब एक नई जनगणना प्रस्तावित है, जिससे ओबीसी जनसंख्या प्रतिशत निर्धारित करने में मदद मिलेगी। यह मानते हुए कि ओबीसी को पूरी तरह से बहिष्कृत नहीं किया जा सकता,

सीजेआई कांत ने टिप्पणी की, ओबीसी को बहिष्कृत करके लोकतंत्र कैसे स्थापित हो सकता है? बाद में न्यायाधीश ने अपनी यह धारणा व्यक्त की कि समाज को जाति के आधार पर विभाजित नहीं किया जाना चाहिए। जब सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि समाज को जाति के आधार पर विभाजित नहीं किया जाना चाहिए, तो जयसिंह ने कहा कि वह केवल आनुपातिक प्रतिनिधित्व की मांग कर रहे थे।

गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब सीजेआई सूर्यकांत ने जाति-विभाजन के खिलाफ बात की हो। फरवरी में, बेंगलुरू स्थित एडवोकेट्स एसोसिएशन में अनुसूचित जाति/जनजाति और पिछड़े समुदायों के वकीलों के लिए आरक्षण की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए, जस्टिस सूर्यकांत ने कहा था कि वह बार के सदस्यों को जाति/धर्म के आधार पर विभाजित नहीं होने देंगे। जस्टिस कांत (अब मुख्य न्यायाधीश) ने कहा था, हम नहीं चाहते कि बार को जाति या धर्म के आधार पर विभाजित किया जाए। यह हमारा इरादा नहीं है और हम इसकी अनुमति भी नहीं देंगे। मंगलवार को सीजेआई कांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों में ओबीसी आरक्षण के कार्यान्वयन के मुद्दे पर विचार कर रही थी, जो 2021 से रुका हुआ है।

दिसंबर 2021 में कोर्ट ने ओबीसी आरक्षण पर यह कहते हुए रोक लगा दी थी कि इसे 'त्रिस्तरीय परीक्षणों' से संतुष्ट होने के बाद ही लागू किया जा सकता है। बाद में, राज्य सरकार ने स्थानीय निकाय चुनावों में ओबीसी आरक्षण के मुद्दे की जांच के लिए मार्च 2022 में जयंत कुमार बंठिया आयोग का गठन किया। बंठिया आयोग ने जुलाई 2022 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। मई 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने बंठिया आयोग की रिपोर्ट से पहले के कानून के अनुसार ओबीसी आरक्षण देकर चार महीने के भीतर चुनाव कराने का निर्देश दिया था। पिछले हफ़्ते कोर्ट ने कहा था कि राज्य के अधिकारियों ने इस आदेश की गलत व्याख्या की है कि आरक्षण 50 प्रतिशत से ज्यादा हो सकता है।

नेविगेशन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन

तिरुवनंतपुरम, 25 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के चेयरमैन डॉ.वी. नारायणन ने अनंत टेक्नोलॉजीज द्वारा स्थापित नेविगेशन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन किया। समारोह के दौरान उन्होंने संबोधन में कहा कि आज का दिन उनके लिए बेहद खास है और यहां आकर उन्हें ऐसा महसूस हुआ कि जैसे वे अपने ही इसरो परिवार के बीच हों। उन्होंने कहा, आज सुबह सोच रहा था कि मैं लगभग 30 प्रतिशत समय देशभर में यात्रा करने में बिताता हूं, बजाय इसरो ऑफिस में रहने के। इसके कारण मन में थोड़ी असहजता थी। यहां आने के बाद वह असहजता पूरी तरह खत्म हो गई, क्योंकि लगा जैसे मैं अपने परिवार के बीच हूं। नारायणन ने नेविगेशन, गाइडेंस और कंट्रोल सिस्टम को अत्यधिक उन्नत और तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण क्षेत्र बताया। उन्होंने कहा कि इस तकनीक में मौजूद विशेषज्ञों की तुलना में उनका ज्ञान 10 प्रतिशत से भी कम है।

पेंशन पर सरकार की दो टूक

केंद्रीय कर्मी 30 नवंबर तक लें फैसला, नहीं तो चूकेंगे इस फायदे से

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। वित्त मंत्रालय ने केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों और राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के ग्राहकों को याद दिलाया है कि वे यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) का विकल्प चुनने के लिए 30 नवंबर, 2025 तक अपना अनुरोध जमा करें। यह अंतिम समयसीमा है, जिसके बाद इस नई योजना का लाभ उठाने का मौका खत्म हो जाएगा। सरकार की ओर से यूपीएस चुनने की डेडलाइन जारी करना इसलिए अहम है, क्योंकि सरकार और कर्मचारियों के बीच पेंशन योजना पर लंबे समय से तनातनी बनी हुई है।

क्या है यूपीएस :

यूपीएस एक नई वैकल्पिक पेंशन योजना है, जिसे इस साल 1 अप्रैल से लागू किया गया। यह योजना एनपीएस के भीतर काम करती है, लेकिन इसमें बाजार के उतार-चढ़ाव का जोखिम नहीं है। यूपीएस के तहत कम से कम 25 साल की सेवा पूरी करने वाले कर्मचारियों को उनकी अंतिम 12 महीनों की औसत मूल वेतन का 50 प्रतिशत पेंशन के रूप में मिलेगा। इसके साथ ही जीवनसाथी को पेंशन और ग्रेच्युटी का भी प्रावधान है।

यूपीएस क्यों है खास :

यूपीएस के तहत केंद्रीय कर्मियों को मुख्य रूप से तीन तरह के लाभ देने की बात कही गई है। ये हैं-

गारंटीड आय : यूपीएस एनपीएस की तरह बाजार-निर्भर नहीं है, बल्कि इसके तहत निश्चित और महंगाई के आधार पर पेंशन तय करने की बात कही गई है।

लचीलापन : यूपीएस के साथ कर्मियों को लचीलेपन की सुविधा मिलेगी। यूपीएस चुनने वाले कर्मचारियों के लिए भविष्य में फिर से एनपीएस में लौटने का विकल्प खुला रहेगा। अतिरिक्त लाभ : यूपीएस के तहत बेहतर टैक्स छूट, इस्तीफा और अनिवार्य सेवानिवृत्ति से जुड़ी अन्य सुविधाओं का भी प्रावधान है।

कैसे कर सकते हैं यूपीएस से जुड़ने का आवेदन :

मंत्रालय ने बताया कि इच्छुक कर्मचारी दो तरीकों से आवेदन कर सकते हैं। एक तरीका ऑनलाइन है। जबकि दूसरा तरीका ऑफलाइन है। कर्मचारी सेंट्रल रिकॉर्डकीपिंग एजेंसी (सीआरए) सिस्टम के जरिए ऑनलाइन आवेदन दाखिल कर सकते हैं। वहीं वे अपने संबंधित नोडल ऑफिस में भरे हुए फॉर्म जमा करके यूपीएस से जुड़ने का ऑफलाइन आवेदन दे सकते हैं। सरकार की ओर से सभी नोडल ऑफिस को निर्देश दिए गए हैं कि वे प्राप्त आवेदनों को तय प्रक्रिया के अनुसार समय पर निपटाएं। सरकार ने जोर देकर कहा कि यह अंतिम विंडो है, जिसमें कर्मचारी अपनी दीर्घकालिक पेंशन प्राथमिकताओं की समीक्षा कर सही निर्णय ले सकते हैं।

शंघाई हवाई अड्डे पर भारतीय महिला का उत्पीड़न

> हिरासत में लिए जाने से चीन पर भड़के सीएम खांडू

ईटानगर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने मंगलवार को चीनी आव्रजन अधिकारियों की निंदा की। खांडू ने राज्य की एक महिला के साथ किए गए व्यवहार को अस्वीकार्य और भयावह बताया। महिला को शंघाई पुडोंग हवाई अड्डे पर करीब 18 घंटे तक हिरासत में रखा गया, क्योंकि अधिकारियों ने कथित तौर पर उसका भारतीय पासपोर्ट पहचानने से इनकार कर दिया था। सीएम खांडू ने कहा कि वह ब्रिटेन में रहने वाली भारतीय नागरिक पेमा वांगजोम थोंगडोक के साथ हुई घटना से सदमे में हैं। उन्होंने दावा किया कि चीनी अधिकारियों का आचरण 'अपमानजनक और नस्लीय उपहास' के जैसा है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, वैध भारतीय पासपोर्ट होने के बावजूद उनके साथ ऐसा व्यवहार करना भयावह है। उन्होंने कहा, अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और हमेशा रहेगा। इसके विपरीत कोई भी आरोप निराधार और आपत्तिजनक है।

इस घटना को अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों का उल्लंघन और भारतीय नागरिकों की गरिमा का अपमान बताते हुए खांडू ने कहा कि उन्हें भरोसा है कि विदेश मंत्रालय इस मामले को तत्काल उठाएगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। पश्चिमी कामेंग जिले के रूपा की निवासी थोंगडोक फिलहाल ब्रिटेन में रहती हैं। 21 नवंबर को लंदन से जापान जा रही थीं, जब उनका तीन घंटे का ट्रांजिट एक लंबे और कष्टदायक टकराव में बदल गया।

रविवार को एक्स पर एक विस्तृत पोस्ट में, उन्होंने लिखा, मुझे 21 नवंबर 2025 को चीन के आव्रजन और चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस की ओर से शंघाई हवाई अड्डे पर 18 घंटे से ज्यादा समय तक रोके रखा गया। उन्होंने मेरे भारतीय पासपोर्ट को अमान्य घोषित कर दिया, क्योंकि मेरा जन्मस्थान अरुणाचल प्रदेश है, जिसे उन्होंने चीनी क्षेत्र बताया।

नक्सलवाद के खिलाफ फाइनल प्लानिंग, फोर्स के मूवमेंट को लेकर नई रणनीति

पीएम मोदी, अमित शाह-अजीत डोभाल होंगे शामिल

रायपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में पहली बार अखिल भारतीय डीजीपी-आईजीपी सम्मेलन होना है। यह सम्मेलन 28 नवंबर से 30 नवंबर तक नवा रायपुर में स्थिति आईआईएम परिसर में होगी। सम्मेलन का उद्घाटन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह करेंगे जबकि समापन सत्र में पीएम मोदी शामिल होंगे। इस कॉन्फ्रेंस में राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े अहम मसलों पर चर्चा होगी। खास जोर साइबर सिक्योरिटी, आतंकवाद विरोधी प्रयास, ड्रग्स नियंत्रण, साइबर सुरक्षा और सीमा प्रबंधन को लेकर रहेगा। इसके साथ ही इस बार सबसे प्रमुख मुद्दा नक्सलवाद होगा।

बीते दो सालों से बदले हालात :

नक्सलवाद के मोर्चे पर सुरक्षाबल के जवानों को लगातार सफलता मिल रही है। नक्सल प्रभावित बस्तर में बीते दो सालों में हालात बदल गए हैं। केंद्र सरकार ने मार्च 2026 नक्सलवाद के खात्मे के लिए डेडलाइन तय की है। ऐसे में इस बैठक में नक्सलवाद को लेकर स्पेशल रणनीत बन सकती है।

फोर्स के मूवमेंट पर होगी चर्चा :

सूत्रों के अनुसार, बैठक में फोर्स के मूवमेंट पर प्रमुखता से विचार किया जाएगा। इसके साथ ही आगे की लड़ाई के लिए ब्लू प्रिंट तैयार होगा। इस मीटिंग में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी शामिल होंगे। नक्सलवाद के खिलाफ अंतिम लड़ाई को लेकर अब रणनीति तय की जाएगी। इसके साथ ही नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास को लेकर योजना बनाई जाएगी। वहीं, बचे हुए टॉप लीडरों पर एक्शन लेने की सख्त रणनीति बन सकती है।

सीएम ममता बनर्जी ने एसआईआर के खिलाफ निकाला मार्च

> चांदपारा से मतुआ-हार्टलैंड ठाकुरनगर तक विरोध-प्रदर्शन

ठाकुर नगर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को राज्य में मतदाता सूची को लेकर चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में नॉर्थ 24 परगना जिले के बनगांव के चांदपारा से मतुआ के गढ़ ठाकुरनगर तक तीन किमी का मार्च निकाला।वहीं तृणमूल कांग्रेस के एक नेता ने बताया कि यह जुलूस, जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारत-बांग्लादेश बॉर्डर के पास बनगांव शहर में एसआईआर के खिलाफ एक रैली को संबोधित करने के बाद निकाला, ठाकुरनगर के ढाकुरिया स्कूल में खत्म होगा। बता दें कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस जुलूस-प्रदर्शन की अगुवाई कर रही थीं, जिसमें शामिल लोग नीले और सफेद गुब्बारे लिए हुए थे, तृणमूल कांग्रेस के झंडे लहरा रहे थे और एसआईआर के खिलाफ नारे लगा रहे थे। चुनाव आयोग (ईसीआई) ने पश्चिम बंगाल समेत देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची की शुद्धता के लिए एसआईआर शुरू की है। पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। लेकिन एसआईआर को लेकर राज्य की सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस और मुख्य विपक्षी दल भाजपा में आरोप-प्रत्यारोप का दौर चरम पर है। विपक्षी दलों, खासकर कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों का आरोप है कि एसआईआर की प्रक्रिया में गंभीर विसंगतियां हैं और इसका उद्देश्य कुछ खास लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटाना है, जिससे चुनावों में लाभ पहुंचाया जा सके। हाल ही में एसआईआर से जुड़े कुछ लोगों की मौत की खबरें भी आई हैं, हालांकि इन मौतों के कारणों की स्वतंत्र जांच की मांग की जा रही है। निर्वाचन आयोग ने 27 अक्टूबर को 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों की शुद्धि का अभ्यास शुरू करने का एलान किया था।

शिक्षिकाओं को वॉट्सएप पर अश्लील मैसेजः प्रिंसिपल निलंबित, नगर निगम की कार्रवाई

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। बाहरी दिल्ली। वाट्सएप ग्रुप पर शिक्षिकाओं को अभद्र संदेश भेजने वाले प्रिंसिपल अवधेश महतो को नगर निगम ने निलंबित कर दिया है। निगम ने चार दिन पहले प्रिंसिपल का किशनगढ़ निगम स्कूल से सुल्तानपुरी एमसीपीएस सी-6 ब्लॉक-दो रोहिणी जोन स्थानांतरित कर दिया गया था। इस मामले में आरोपित प्रिंसिपल के खिलाफ अभी जांच चल रही है। नगर निगम के प्रशासनिक अधिकारी (शिक्षा) की ओर से जारी किए आदेश में रोहिणी जोन के सुल्तानपुरी एमसीपीएस सी-6 ब्लाक-दो में तैनात प्रिंसिपल अवधेश महतो को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। विभाग ने यह कार्रवाई डीएमसी सर्विस रेगुलेशन 1959 के तहत निलंबन किया गया है। उल्लेखनीय है कि किशनगढ़ निगम स्कूल में अपनी तैनाती के दौरान अवधेश महतो पर स्कूल के वाट्सएप ग्रुप में अभद्र संदेश भेजने का आरोप लगा था। इसके बाद शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश वर्मा ने उप निदेशक (शिक्षा) को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की।

ईडी ने ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों पर मारे छापे

गुरुग्राम, 25 नवंबर (एजेंसियां)।

मनी लॉन्ड्रिंग में कसा शिकंजा; विन्जो व दूसरी कंपनी की 520 करोड़ की संपत्ति फ्रीज

गुरुग्राम में ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के शक में ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग की दो बड़ी कंपनियों पर एक साथ शिकंजा कसा है। बेंगलुरु और गुरुग्राम में चले सर्च ऑपरेशन में ईडी ने करीब 520 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति फ्रीज की। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की गई है। ईडी की बेंगलुरु जोनल यूनिट ने सबसे पहले बेहद लोकप्रिय ऑनलाइन गेमिंग ऐप 'विन्जो' चलाने वाली कंपनी विन्जो गेम्स प्राइवेट लिमिटेड के चार ठिकानों पर छापा मारा। विन्जो ऐप रियल मनी गेमिंग के क्षेत्र में तेजी से उभरी कंपनियों में से एक है।

505 करोड़ रुपए की संपत्ति फ्रीज

ईडी को शक है कि कंपनी ने अवैध तरीके से कमाई को गलत तरीके से ट्रांसफर किया है। छापेमारी में ईडी ने अपराध की आय के रूप में करीब 505 करोड़ रुपए की संपत्ति फ्रीज कर दी। इसमें बैंक बैलेंस, बॉन्ड्स, फिक्स्ड डिपॉजिट रिसीट (एफडीआर) और म्यूचुअल फंड शामिल हैं।

विन्जो के बारे में जानिए

विन्जो भारत का प्रमुख सोशल गेमिंग ऐप है। इस प्लेटफार्म पर 100 से ज्यादा स्किल-बेस्ड गेम्स जैसे लूडो, कैरम, शतरंज, पजल्स उपलब्ध हैं। इसके 25 करोड़ से ज्यादा भारतीय यूजर्स हैं, जबकि ग्लोबल 250 मिलियन हैं। यहां पर फ्री गेम्स, रेफर से कमाई करने का दावा किया जाता है। इसी साल रियल मनी गेमिंग पर बैन होने के बाद यहां पर अब फ्री मोड में जो टीवी, शॉर्ट ड्रामा एपिसोड आदि उपलब्ध करवाया जाता है। जिसके लिए यूजर्स से चार्ज किया जाता है। क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी इसका एड करते रहे हैं।

सट्टेबाजी और ऑनलाइन जुआ का मामला

ये दोनों मामले अलग-अलग हैं, लेकिन दोनों में ही ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग प्लेटफॉर्म्स पर सट्टेबाजी और जुए को बढ़ावा देने के साथ-साथ टैक्स चोरी और मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आरोप हैं। पिछले कुछ सालों में भारत में ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री तेजी से बढ़ी है, लेकिन इसके साथ ही जीएसटी चोरी, अवैध सट्टेबाजी और विदेशी सर्वर के जरिए काले धन के लेन-देन के मामले भी सामने आ रहे हैं।

गेमस्क्राफ्ट टेक्नोलॉजी कंपनी खंगाली

ईडी ने दूसरी कार्रवाई के तहत गेम्सक्राफ्ट टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड (जीटीपीएल) और उससे जुड़ी निर्देश नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड (एनएनपीएल) के दफ्तरों व निदेशकों के घरों पर छापेमारी की।

बेंगलुरु और गुरुग्राम में एक दर्जन ठिकानों पर एक साथ दबिश दी गई। जांच में कई आपत्तिजनक मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त किए गए। सबसे बड़ी कार्रवाई बैंक खातों पर हुई, जहां इन कंपनियों और संबंधित व्यक्तियों के 8 बैंक खातों में मौजूद करीब 18.57 करोड़ रुपए को फ्रीज कर दिया गया। फिलहाल ईडी इस मामले की जांच कर रही है।

यूजर्स से ली रकम को गलत तरीके से निवेश का शक

ईडी अधिकारियों के मुताबिक दोनों ही कंपनियों पर शक है कि उन्होंने यूजर्स से ली गई रकम को गलत तरीके से निवेश किया और टैक्स नियमों का उल्लंघन किया। जब्त डिजिटल डिवाइसों की फोरेंसिक जांच की जा रही है, जिससे और भी चौंकाने वाले खुलासे होने की संभावना है।

नशे में धुत ऑडी ड्राइवर ने बाइक सवार को किया किडनैप, यौन संबंध के लिए बनाया दबाव

मुंबई, 25 नवंबर (एजेंसियां)। मुंबई के सबसे पौश इलाकों में से एक बांद्रा में एक व्यक्ति की किडनैपिंग से हड़कंप मच गया। किडनैपर लक्जरी कार का ड्राइवर निकला। वहीं, किडनैपिंग की वजह पता चली, तो पुलिस भी हैरान रह गई। आरोपी ने युवक से यौन संबंध बनाने के लिए उसे अगवा किया था। आरोपी की पहचान 31 वर्षीय चिराग हरगुनानी के रूप में हुई है, जो ऑडी कार का ड्राइवर है। बांद्रा पुलिस स्टेशन ने चिराग के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, रविवार की सुबह चिराग ने बाइक से जा रहे 2 युवकों को रोककर आसपास मौजूद किसी पार्क का रास्ता पूछा। इसके बाद चिराग ने मोहम्मद ताबिश शोएब कुट्टी नामक युवक से रास्ता दिखाने के बहाने कार में बैठने को कहा। उस दौरान चिराग नशे में था। मोहम्मद के कार में बैठते ही चिराग ने कार भगा ली और उसे अगवा कर लिया। इसके बाद चिराग ने उसपर यौन संबंध बनाने का दबाव डाला।

सीएम पद पर सियासत

बंगलूरू, 25 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद को लेकर जारी रस्साकशी जारी है। ऐसे में इस बात को लेकर चर्चा तेज जब हो गई जब सिद्धारमैया की मुलाकात के बाद आज यानी मंगलवार को उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भी बंगलूरू में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक, शिवकुमार की मुलाकात ऐसे समय में हुई जब पार्टी अध्यक्ष खरगे दिल्ली जाने के लिए तैयार थे, तभी उपमुख्यमंत्री शिवकुमार उनसे मिलने पहुंचे।

इसके बाद मुलाकात के बाद, दोनों ने एक ही कार में बैठकर एयरपोर्ट की ओर रवाना हुए। बता दें कि कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद को लेकर अटकलें तेज तब हो गई जब राज्य की कांग्रेस सरकार ने 20 नवंबर को अपने पांच साल के कार्यकाल का आधा समय पूरा किया। इसी बीच, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच कथित 'पावर शेयरिंग' समझौते की बातें भी सामने आई हैं। ऐसे में चर्चा तेज हो गई कि क्या अब डीके शिवकुमार को अगले ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री पद दिया जा सकता है।

सिद्धारमैया के बाद डीके शिवकुमार ने भी की खरगे से मुलाकात

सिद्धारमैया ने क्या कहा था?

सोमवार को खरगे से मुलाकात के बाद सिद्धारमैया ने अपना रुख साफ किया था कि वे कांग्रेस हाई कमान के फैसले के आधार पर चलेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हाई कमान के फैसले का पालन करेंगे। जो भी निर्णय लिया जाएगा, मुझे उसे स्वीकार करना होगा। शिवकुमार को भी यही करना चाहिए। जब उनसे पूछा गया कि क्या शिवकुमार अगला मुख्यमंत्री होंगे, तो उन्होंने दोहराया कि यह फैसला हाई कमान करेगी।

फेरबदल पर कांग्रेस की हरी झंडी

कुछ महीने पहले हाई कमान ने कैबिनेट फेरबदल की मंजूरी दी थी, लेकिन सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि सरकार 2.5 साल पूरा करे, उसके बाद बदलाव होगा। अब उन्होंने कहा कि हाई कमान जो फैसला करेगी, वही मान्य होगा। ऐसे में पिछले हफ्ते कुछ डीके शिवकुमार के समर्थक विधायक दिल्ली गए और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मिले। इसके बाद सिद्धारमैया ने खरगे से बेंगलुरु में एक घंटे से ज्यादा लंबी बैठक की।

क्या चाहते हैं सिद्धारमैया और शिवकुमार?

सूत्रों की माने तो सीएम सिद्धारमैया कैबिनेट में फेरबदल चाहते हैं, जबकि शिवकुमार चाहते हैं कि पहले मुख्यमंत्री पद पर फैसला हो। ऐसे में अगर हाई कमान कैबिनेट फेरबदल को मंजूरी देती है, तो इसका मतलब होगा कि सिद्धारमैया पूरे पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे और शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने के मौके कम हो जाएंगे। गौरतलब है कि हाल ही में शिवकुमार के समर्थन में छह और विधायक दिल्ली गए हैं और कुछ और विधायक जल्द जाने की संभावना है।

कटक में बड़ा सड़क हादसा: डिवाइडर तोड़कर कंटेनर से टकराई बोलेरो 3 लोगों की मौत, 2 गंभीर

भुवनेश्वर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 16 पर कटक जिले के टांगी थाना अंतर्गत बइंचुआ–रजकणा चौक के पास तड़के एक भयावह सड़क हादसा हो गया। यहां एक बोलेरो डिवाइडर तोड़कर विपरीत दिशा से आ रहे कंटेनर से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर ही तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

टांगी पुलिस ने दोनों घायलों को तत्काल बचाकर कटक के बड़े मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। सूचना के अनुसार, मंगलवार तड़के करीब 3:50 बजे के आसपास केंदुझर से भुवनेश्वर की ओर आ रही एक बोलेरो डिवाइडर तोड़कर दूसरी दिशा से आ रहे कंटेनर से टकरा गई। कंटेनर भुवनेश्वर से चंडीखोल की ओर जा रहा था। बोलेरो में खदान में काम करने वाले लोग सवार थे। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि बोलेरो में सवार तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और दो गंभीर घायल हो गए।

पाकिस्तान की सरहद पार कर आया प्रेमी जोड़ा

अवैध तरीके से भारत में घुसने की कोशिश करते गिरफ्तार

कच्छ, 25 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात के कच्छ जिले के बालासर इलाके में बीएसएफ ने पाकिस्तानी प्रेमी जोड़े को अवैध तरीके से भारतीय सीमा में घुसते हुए गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार, दोनों युवक-युवती पिलर नंबर 1016 से होते हुए 150 मीटर खुली जगह में से सरहद पार कर भारत में पहुंचे थे। गुजरात के कच्छ जिले के बालासर इलाके में बीएसएफ ने पाकिस्तानी प्रेमी जोड़े को अवैध तरीके से भारतीय सीमा में घुसते हुए गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार, दोनों युवक-युवती पिलर नंबर 1016 से होते हुए 150 मीटर खुली जगह में से सरहद पार कर भारत में पहुंचे थे।

दोनों अपने आप को बता रहे पाकिस्तानी हिंदू

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि दोनों का आपस में प्रेम संबंध था। दोनों ही अपने आप को पाकिस्तानी हिंदू बता रहे है । पाकिस्तानी युवक खुद को चरवाहा बता रहा है और युवक का नाम पोपटलाल नाथू और युवती का नाम गौरी गुलाब मुंगारिया बताया जा रहा है। एक दूसरे को प्रेम करने वाले इन दोनों ने दो दिन और रात पैदल चलकर सरहद पार की लेकिन बीएसएफ के जवानों ने सक्रियता दिखाते हुए उन्हें सरहद पार करते ही दबोच लिया।

मामले की गहराई से जांच में जुटीं एजेंसियां

बीएसएफ जवानों ने जब दोनों को सीमा पार करते देखा, तो तत्काल कार्रवाई करके उन्हें रोक लिया। पूछताछ में यह साफ हुआ कि पाकिस्तानी युवक अपने प्रेम संबंध के चलते भारत आ रहा था। सुरक्षा एजेंसियां अब पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही हैं। घटना को लेकर स्थानीय क्षेत्र में सुरक्षा और सतर्कता बढ़ा दी गई है।इस मामले ने एक बार फिर सरहद पर होने वाली अवैध घुसपैठ को उजागर किया है।

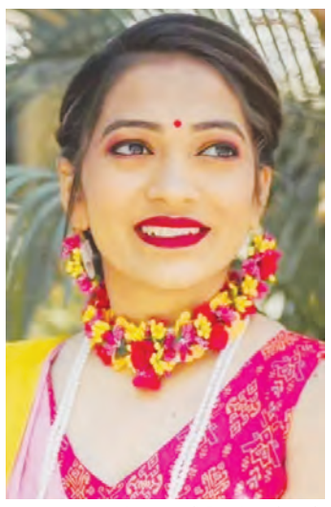

सूरत में बीएलओ की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

जांच में जुटी पुलिस

सूरत, 25 नवंबर (एजेंसियां)। देश के कई राज्यों में विशेष गहन पुनर्रीक्षण(एसआईआर) चल रही है। सूरत में एक बीएलओ की अपने घर के बाथरूम से शव मिलने से हड़कंप मच गया। गुजरात में बीएलओ का काम करने वाले सरकारी कर्मचारियों के मौत की खबरे लगातार सामने आ रही है। ऐसे में सोमवार को सूरत नगर निगम में कार्यरत एक महिला बीएलओ की अचानक मौत हो गई। जिससे परिवार में मातम छा गया है। वहीं मामले की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जानकारी ली और जांच करने में जुट गई है।

बीएलओ के रूप पे कार्य कर रही डिंकल थी सिंगोड़ीवाला

जानकारी के अनुसार सूरत नगर निगम में कार्यरत ओर बीएलओ के रूप में कार्य कर रही डिंकल सिंगोड़ीवाला अपने घर के बाथरूम में बेहोशी की हालत में मिली। परिजन उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे। लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना से पूरे परिवार में मातम छा गया। डिंकल सिंगोड़ीवाला को एसआईआर के काम के तहत बीएलओ की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि उनकी मौत कैसे हुई है।

बाथरूम में मिली थी बेहोश

सूरत की डिप्टी कलेक्टर नेहा सवाना ने बताया कि डिंकल सिंगोड़ीवाला बहुत अच्छी बीएलओ थी। अब तक उन्होंने अपने इलाके में 45% कार्य कर चुकी थी। प्राथमिक जांच में पता चला है कि वह बाथरूम में गई थी। बाथरूम में हवा जाने का कोई प्रबंध नहीं किया गया था। वहां गैस गीजर से निकलने वाली जेरी गेस की वजह से उनकी मौत हुई है। ऐसा अभी लग रहा है।

उनको काम का कोई टेंशन नहीं थी। क्योंकि उनके जोन में सबसे बढ़िया काम हुआ था। 45% जितना कार्य वह पूरा कर चुकी थी। अगर किसी बीएलओ को कोई दिक्कत भी है तो वह हमसे संपर्क करते है। हम उनका समाधान फौरन कर देते है।

राज ठाकरे को गाली देना ऑटो रिक्शा ड्राइवर को पड़ा भारी, मनसे कार्यकर्ताओं ने कराई उठक-बैठक

ठाणे, 25 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया। यहां महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे को गाली देना एक ऑटो रिक्शा ड्राइवर को महंगा पड़ गया। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं ने ऑटो रिक्शा ड्राइवर से उठक-बैठक कराई और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के लिए मजबूर किया। राज ठाकरे और पार्टी के अन्य नेताओं को कथित तौर पर गाली देने का एक वीडियो वायरल हो रहा था। इसके बाद महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ता भड़क गए और उन्होंने आरोपी ऑटो रिक्शा ड्राइवर से उठक-बैठक कराई और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के लिए मजबूर किया। आरोपी की पहचान शैलेन्द्र यादव (35) के रूप में हुई है। गाली देने का आरोपी ड्राइवर गिरफ्तार मामला प्रकाश में आने के बाद पुलिस ने मनसे के उप मंडल प्रमुख की शिकायत के आधार पर चितलसार पुलिस थाने में आरोपी ऑटोरिक्शा चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की

कर्नाटक में 9 महीने के बच्चों को भी पहनना होगा हेलमेट, हाई कोर्ट का आदेश

बेंगलूरू, 25 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को केंद्रीय मोटर वाहन नियमों का सख्ती से पालन कराने के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया है। इन नियमों के तहत दोपहिया वाहनों पर पीछे बैठने वाले बच्चों के लिए तय स्पीड लिमिट और हेलमेट पहनना अनिवार्य है। अदालत के निर्देश के बाद यातायात पुलिस एक्टिव हो गई है और ऐसे अभिभावकों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है, जो अपने बच्चों को बिना सुरक्षा उपायों के दोपहिया वाहनों पर ले जाते हैं।

सरकार आगामी छह महीनों में बच्चों के लिए हेलमेट संबंधी नियमों में संशोधन करने की तैयारी कर रही है। यानी अब कर्नाटक में 9 महीने से 4 साल तक के बच्चों को बाइक पर पीछे बैठाते समय हेलमेट पहनना अनिवार्य होगा। बेंगलुरु के ट्रैफिक संयुक्त पुलिस आयुक्त कार्तिक रेड्डी ने बताया कि 9 महीने से 4 साल तक के बच्चों के लिए हेलमेट पहनना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि हर जीवन किमती है और दुर्घटनाएं कभी भी हो सकती हैं, इसलिए लापरवाही न करें।

ट्रैफिक पुलिस ने शुरू की पहल

उन्होंने कहा कि बाजार में करीब 1,000 रुपये की कीमत में बच्चों के लिए कई तरह के हल्के और सुरक्षित हेलमेट मिल जाते हैं। पुलिस का मानना है कि बेंगलुरु में अभी भी कई अभिभावक अपने बच्चों के लिए हेलमेट खरीदने में पीछे रह जाते हैं, इसलिए जागरूकता जरूरी है। इसी बीच, बेंगलुरु ट्रैफिक पुलिस ने हाल ही में नियमों के उल्लंघन पर रोक लगाने और लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए कई पहलें शुरू की हैं।

'एक दिन के लिए पुलिसकर्मी बनें'

ट्रैफिक पुलिस ने एक दिन के लिए पुलिसकर्मी बनें अभियान की शुरुआत की है। इसके तहत नागरिकों को ट्रैफिक प्रबंधन का अनुभव देने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। रजिस्टर्ड प्रतिभागियों को न सिर्फ यह अनुभव मिलेगा कि ट्रैफिक बैरिकेड की दूसरी ओर खड़े होकर काम करना कैसा होता है, बल्कि उन्हें प्रमाणपत्र भी दिया जाएगा। इसके लिए बीटीपी एस्ट्राम ऐप पर रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है।

'ज़ुबीन गर्ग की मौत कोई हादसा नहीं बल्कि हत्या थी'

असम के सीएम हिमंता ने विधानसभा में किया बड़ा खुलासा

गुवाहाटी, 25 नवंबर (एजेंसियां)।

असम विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले ही दिन गायक ज़ुबिन गर्ग की मौत का मुद्दा गरमा गया। विपक्ष ने इस पर चर्चा के लिए स्थगन प्रस्ताव लाया, जिसे स्पीकर ने मंजूरी दे दी। इसके बाद मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने ऐसा बयान दिया, जिसने पूरे सदन का माहौल बदल दिया। बहस के दौरान मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि ज़ुबिन गर्ग की मौत किसी सामान्य दुर्घटना से नहीं हुई। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि यह न तो किसी लापरवाही का मामला है, न किसी आपराधिक साज़िश यानी प्लान बनाई हुई घटना का। उनके अनुसार यह एक "सीधी हत्या" है।

उन्होंने विधानसभा में दिया अपना पूरा बयान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी शेयर किया। जानकारी के मुताबिक, 52 साल के ज़ुबिन गर्ग की 19 सितम्बर को सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय मौत हो गई थी। तब इसे एक दुखद हादसा बताया गया था, लेकिन अब मुख्यमंत्री के बयान के बाद मामला नया मोड़ लेता दिख रहा है।

जांच आयोग की समय सीमा बढ़ी

ज़ुबिन की मौत की जांच के लिए असम सरकार ने एक सदस्यीय आयोग बनाया है, जिसकी अगुवाई गौहाटी हाई कोर्ट के जज जस्टिस सौमित्र कर रहे हैं। यह आयोग 3 नवम्बर से लोगों के बयान और कागज इकट्ठा कर रहा है पहले आयोग को अपनी रिपोर्ट 21 नवम्बर तक देनी थी, लेकिन अब सबूत जमा करने और गवाहियों की रिकॉर्डिंग की समय सीमा बढ़ाकर 12 दिसम्बर कर दी गई है।

आयोग को क्या-क्या जांचना है

आयोग का काम सिर्फ घटना की सतही जांच करना नहीं है। उसे ज़ुबिन की मौत से पहले और बाद की हर कड़ी जोड़नी है। यह देखना है कि कहीं किसी ने अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई, कोई लापरवाही तो नहीं हुई। साथ ही यह भी जांच करनी है कि कोई बाहरी व्यक्ति, कोई गलत मंशा, कोई प्लान, या कोई ऐसा कदम तो नहीं था जिसने इस घटना को प्रभावित किया हो। यानी आयोग को यह स्पष्ट करना है कि मौत के पीछे कोई छुपा हुआ पहलू या साज़िश तो नहीं थी।

चुनाव से पहले ममता बनर्जी ने उठाया बड़ा कदम, बनवा रहीं महाकाल मंदिर, हिंदुओं का दिल जीतने की कोशिश?

कोलकाता, 25 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक दल विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट चुके हैं। अगले साल वहां चुनाव का आयोजन होना है। इससे पहले राजनीतिक दलों ने लोगों को लुभाने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। इस बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी एक बड़ा कदम उठाया है। ममता सरकार ने नॉर्थ बंगाल में भगवान महाकाल का मंदिर बनवाने का फैसला किया है। जानकारी के मुताबिक, ममता बनर्जी के इस कदम को हिंदुओं के दिल को जीतने की एक कोशिश कहा जा रहा है।

1.66 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में 4 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

श्रीनगर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर क्राइम ब्रांच की इकोनॉमिक ऑफेंस विंग ने एक फर्जी प्रॉपर्टी डील से जुड़े 1.66 करोड़ रुपए के फ्रॉड में चार आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। ईओडब्ल्यू ने मंगलवार को यह जानकारी दी। क्राइम ब्रांच की ओर से जारी बयान में कहा गया, श्रीनगर के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की कोर्ट में चार आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट फाइल की है। जिन लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है, उनमें अब्दुल वाहिद खान, खान मोहल्ला, बघाट-ए-बरजुल्ला, श्रीनगर के रहने वाले; मोहम्मद यूसुफ मलिक, नई सड़क हब्बा कदल, श्रीनगर के रहने वाले, जो अभी नाटीपोरा श्रीनगर में रहते हैं; मोहम्मद अशरफ मीर, हखरीपोरा पुलवामा के रहने वाले और मोहम्मद मकबूल शाह, पीरबाग श्रीनगर के रहने वाले शामिल हैं। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि वे एक घर खरीदना चाहते थे और इन आरोपियों ने प्रॉपर्टी डीलर बनकर उनसे संपर्क किया। बयान में कहा गया, आरोपियों ने कथित तौर पर चिनार कॉलोनी, बघाट-ए-बरज़ुल्ला में जवाहर लाल राफिज की विधवा, श्रीमती कोशालिया की मालिकी वाली एक कनाल और पांच मरला जमीन वाला दो मंजिला घर दिखाया और माइग्रेंट प्रॉपर्टी बेचने के लिए झूठा एग्रीमेंट बनाकर 1.16 करोड़ रुपए देने के लिए उकसाया। शिकायतकर्ता ने आगे आरोप लगाया कि आरोपी ने बाद में सेल प्राइस बढ़ा दिया और 50 लाख रुपए और निकाल लिए, जिससे कुल रकम 1.66 करोड़ रुपए हो गई। इसके बाद शिकायतकर्ताओं को न तो प्रॉपर्टी का कब्जा दिया गया और न ही उनके पैसे वापस किए गए। जांच में पता चला कि आरोपियों ने क्रिमिनल साजिश रची और शिकायत करने वालों की मेहनत की कमाई हड़पने के लिए नकली डॉक्यूमेंट बनाए। क्राइम ब्रांच ने बयान में आगे कहा कि एफआईआर नंबर 14/2018 में सेक्शन 420, 468 और 471 के साथ 120-बी आरपीसी के तहत कोर्ट में न्यायिक फैसले के लिए चार्जशीट फाइल की गई है। कार्रवाई के दौरान, कोर्ट ने दो आरोपियों, मोहम्मद यूसुफ मलिक, जो अभी नई सड़क हब्बा कदल श्रीनगर के रहने वाले हैं,

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार

मौन से मस्तिष्क को आराम मिलता है और इसका अर्थ है शरीर को आराम मिलना

सीएम ने 'विजन 2047' दस्तावेज़ को अंतिम रूप देने के लिए विभागीय समीक्षाएँ शुरू कीं

हैदराबाद, 25 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार से फ़्यूचर सिटी में 8 और 9 दिसम्बर को आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित ग्लोबल समिट की सफल मेज़बानी के लिए की जा रही तैयारियों पर समीक्षा बैठकें शुरू कर दी हैं।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने मंत्रियों और संबंधित शीर्ष अधिकारियों के साथ परामर्श करके तेलंगाना राइजिंग 2047 विज़न दस्तावेज़ को अंतिम रूप दिया। सरकार इस विज़न दस्तावेज़ का अनावरण ग्लोबल समिट में करेगी। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का और आईटी एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू 30 नवम्बर तक कमांड कंट्रोल सेंटर में आयोजित सभी बैठकों में उपस्थित रहेंगे। पहली बैठक में मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, आईटी मंत्री श्रीधर बाबू, विशेष मुख्य सचिव और संबंधित विभागों के सचिव भाग लेंगे। इस बैठक में समिट की तैयारियों की समीक्षा की जाएगी।

बुधवार को रेवंत रेड्डी मंत्री पोनम प्रभाकर, सीतक्का और अधिकारियों के साथ दूसरी बैठक में लॉजिस्टिक्स और अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा करेंगे। 27 नवम्बर को मंत्री विवेक वेंकटस्वामी, पोनम प्रभाकर, सीतक्का, मोहम्मद अजहरुद्दीन, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, कोमटिरेड्डी वेंकटरेड्डी और अधिकारी, मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित अवसंरचना और विकास पर होने वाली समीक्षा बैठक में शामिल होंगे। इसी तरह, 28 नवम्बर को मुख्यमंत्री शाम 4 बजे शिक्षा और युवा कल्याण पर मंत्रियों वक्काटी श्रीहरि, विवेक वेंकटस्वामी और संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे।

शाम 6 बजे पर्यटन और मंदिर पर्यटन पर होने वाली बैठक में मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव, कोंडा सुरेखा और अधिकारी शामिल होंगे। 29 नवम्बर को कृषि और कल्याण विभागों पर समीक्षा बैठक में मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव, उत्तम कुमार रेड्डी, वक्काटी श्रीहरि और अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

शाम 6 बजे मंत्री पोनम प्रभाकर, अड्लूरी लक्ष्मण कुमार, सीतक्का और मोहम्मद अजहरुद्दीन समीक्षा बैठक में शामिल होंगे। 30 नवम्बर को स्वास्थ्य क्षेत्र के एजेंडा को अंतिम रूप देने के लिए मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा और अधिकारी मुख्यमंत्री की बैठक में भाग लेंगे।

मेदक में कांग्रेस नेताओं के दो गुटों में भिड़ंत, पुलिस ने संभाला हालात

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को मेदक में कांग्रेस नेताओं के दो गुटों के बीच उस समय विवाद हो गया जब टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ शिवमपेट स्थित बगलामुखी मंदिर पहुंचे। दोनों समूह अपने-अपने तरीके से उनका स्वागत करना चाहते थे और उन्हें अपने रास्ते से मंदिर तक ले जाने की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान नेताओं के बीच धक्का-मुक्की होने लगी, जिससे प्रवेश द्वार पर अफरा-तफरी मच गई। स्थिति बिगड़ती देखकर पुलिस को बीच-बचाव करना पड़ा और दोनों गुटों को अलग करके व्यवस्था बहाल की गई।

तेलंगाना में तीन चरणों में ग्राम पंचायत चुनाव

राज्य निर्वाचन आयोग ने किया शेड्यूल जारी

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को ग्राम पंचायत चुनावों का शेड्यूल जारी किया। ये चुनाव तीन चरणों में 11, 14 और 17 दिसंबर को होंगे। अधिसूचना जारी होने के साथ ही चुनाव आचार संहिता तुरंत लागू हो गई है। राज्य निर्वाचन आयुक्त रानी कुमुदिनी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि नामांकन प्रक्रिया 27 नवंबर से शुरू होगी। मतदान सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक होगा, जबकि मतगणना उसी दिन दोपहर 2 बजे से शुरू की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि कुल 1.66 करोड़ ग्रामीण मतदाता 12,760 पंचायतों और 13,534 वार्ड सीटों के चुनाव में भाग लेंगे। पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं और मतदाता विवरण एसईसी की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। आयुक्त ने नागरिकों से अपने मतदान अधिकार का सक्रिय रूप से प्रयोग करने की अपील की।

नेहरू जूलॉजिकल पार्क को मिला अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणपत्र

> हर वर्ष विश्वभर से 30 लाख से अधिक लोग आते है पार्क में

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित नेहरू जूलॉजिकल पार्क को अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है। इस प्रमाणपत्र को राज्य वन, पर्यावरण एवं देवदय विभाग की मंत्री कोंडा सुरेखा ने मंगलवार को तेलंगाना सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में जू की क्यूरेटर वसंता को प्रदान किया। जू मुख्य अधिकारी वसंता ने मंत्री को बताया कि हैदराबाद नेहरू जूलॉजिकल पार्क लगातार छठे वर्ष प्रमाणन प्राप्त करने वाला देश का पहला जू है। यह प्रमाणन गुणवत्ता प्रबंधन मानकों का अनुपालन दर्शाता है, जिनमें जू की स्थिर सेवा गुणवत्ता, पारदर्शी एवं प्रभावी आंतरिक प्रक्रियाएं, जंतु संरक्षण और प्रजनन की मानक विधियां, टिकटिंग और आगंतुक सेवाएं, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली, कर्मचारियों के प्रशिक्षण एवं कौशल विकास शामिल हैं। वसंता ने बताया कि किसी भी जू के लिए पर्यावरण प्रबंधन प्रमाणन प्राप्त करना एक बड़ी उपलब्धि है। यह दर्शाता है कि जू अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण प्रबंधन मानकों का पालन कर रहा है। हैदराबाद जू को इन क्षेत्रों में किए जा रहे प्रयासों को दर्शाता है, जिसमें कचरे के उत्पादन की निगरानी और उसमें कमी, ऊर्जा एवं जल उपयोग में दक्षता, कार्बन फुटप्रिंट में कमी, आवास प्रबंधन, प्रदूषण नियंत्रण, संसाधनों का जिम्मेदार उपयोग, पर्यावरण अनुकूल पद्धतियों को प्रोत्साहन शामिल है। इसके साथ ही, जू को फाइव- स्टार रेटिंग भी प्राप्त हुई है, जिसे जू के लिए सर्वोच्च अंतरराष्ट्रीय मान्यता में से एक माना जाता है। मंत्री ने कहा कि ये सारे प्रमाणपत्र हैदराबाद जू को देश के अन्य जूलॉजिकल पार्कों के लिए एक मानक संस्था के रूप में स्थापित करते हैं। इससे जू की लोकप्रियता, विश्वसनीयता, सीएसआर समर्थन, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और संरक्षण परियोजनाओं के अवसर बढ़ेंगे। नेहरू जूलॉजिकल पार्क की स्थापना 6 अक्टूबर 1963 को हुई थी, और तब से यह तेजी से विकसित हुआ है। आज यह भारत के सबसे बड़े जूलॉजिकल पार्कों में से एक है और हर वर्ष विश्वभर से 30 लाख से अधिक आगंतुकों को आकर्षित करता है, यह जानकारी भी मंत्री को दी गई।

मेडिकल कॉलेजों में असमान वेतन से नाराज सरकारी डॉक्टर

दूरदराज जिलों के डॉक्टरों को विशेष भत्ता न मिलने से रोष

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के नए मेडिकल कॉलेजों और परिधीय सरकारी अस्पतालों में तैनात वरिष्ठ डॉक्टरों में वेतन असमानता को लेकर तीखा असंतोष उभरकर सामने आया है। डॉक्टरों का कहना है कि परिधीय और दूरस्थ क्षेत्रों में ड्यूटी निभाने के बावजूद उन्हें हैदराबाद और वारंगल जैसे शहरी क्षेत्रों में काम कर रहे समान वरिष्ठता वाले डॉक्टरों की तुलना में कम भुगतान किया जा रहा है, जबकि जिम्मेदारियां समान या कई मामलों में अधिक हैं।

वरिष्ठ चिकित्सकों ने बताया कि हैदराबाद में काम कर रहा एक डॉक्टर समान पद व अनुभव वाले जिला स्तर के डॉक्टर से प्रति माह 40,000 से 60,000 रुपये अधिक वेतन प्राप्त करता है। यह स्थिति उन डॉक्टरों के लिए निराशा का कारण बन रही है जो कठिन परिस्थितियों और सीमित संसाधनों के बीच सेवाएं दे रहे हैं।

तेलंगाना गवर्नमेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (टीजीजीडीए) ने मंगलवार को राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि उसने दूरस्थ क्षेत्रों में कार्यरत डॉक्टरों के लिए विशेष भत्तों की घोषणा तो की, लेकिन व्यावहारिक तौर पर इसे 10 घोषित मेडिकल कॉलेजों में से केवल 5 तक ही सीमित कर दिया गया है। एसोसिएशन का कहना है कि यह निर्णय जिला स्तर पर उच्च गुणवत्ता वाले स्वास्थ्य ढांचे के विकास के सरकारी दावों के विपरीत है। टीजीजीडीए के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने कहा कि कैबिनेट उप-समिति ने लिखित रूप में सरकार की प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया था, लेकिन अभी तक इसका क्रियान्वयन जमीन पर नहीं हो पाया है। एसोसिएशन की मांग है कि विशेष भत्तों को केवल आदिवासी संस्थानों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि सभी नए मेडिकल कॉलेजों के वरिष्ठ शिक्षकों और डॉक्टरों को समान रूप से दिया जाए। सूत्रों के अनुसार, यदि राज्य सरकार दूरस्थ क्षेत्रों के डॉक्टरों को विशेष भत्ता देने का निर्णय लेती है, तो उस पर लगभग 200 करोड़ रुपये प्रति वर्ष का अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ेगा। लेकिन अभी तक सरकार की ओर से इस आर्थिक जिम्मेदारी को स्वीकार करने के संकेत नहीं मिले हैं। मंगलवार को टीजीजीडीए ने स्पष्ट मांग रखी कि सरकार तुरंत निर्णय लेकर विशेष भत्ते लागू करे, जिससे डॉक्टरों के बीच न्याय, समानता और सम्मान सुनिश्चित हो सके।

इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान में धमाके से आग, एक की मौत

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शाहलीबंडा क्षेत्र में सोमवार आधी रात एक इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान में हुए लगातार धमाकों से आग लग गई, जिसमें दुकान मालिक गंभीर रूप से घायल हो गए और एक अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई। घटना गोमती इलेक्ट्रॉनिक्स में हुई। मुगलपुरा पुलिस के अनुसार, दुकान मालिक शिवकुमार बसल (49) रात करीब 11 बजे शोरूम में मौजूद थे, तभी उन्हें तीन जोरदार धमाकों की आवाज सुनाई दी। कुछ ही क्षणों में आग की लपटें पूरे परिसर में फैल गईं, जिससे वे गंभीर रूप से झुलस गए और बेहोश होकर गिर पड़े। उन्हें तुरंत अपोलो अस्पताल ले जाया गया, जहां बर्न वार्ड में इलाज जारी है। धमाके के समय दुकान के पास खड़ा लगभग 50 वर्षीय एक अज्ञात व्यक्ति भी बुरी तरह झुलस गया। उसे उस्मानिया जनरल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

तिरुचनूर में पंचमी तीर्थम का भव्य आयोजन

तिरुपति, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुपति के तिरुचनूर में वार्षिक कार्तिक ब्रह्मोत्सव का अंतिम और पवित्र आयोजन पंचमी तीर्थम (चक्रस्नानम) मंगलवार को भव्यता के साथ संपन्न हुआ। हजारों श्रद्धालुओं ने पद्मा पुष्करिणी में 12:10 बजे पवित्र स्नान किया। टीटीडी अध्यक्ष बी.आर. नायुडू ने कहा कि देवी पद्मावती के पंचमी तीर्थम का आयोजन अप्रतिम भव्यता के साथ किया गया। उन्होंने सभी टीटीडी विभागों, पुलिस, श्रीवरी सेवकों और सफाई कर्मचारियों को उनकी सेवाओं के लिए धन्यवाद दिया। सुबह 4:30 बजे श्रीवरी मंदिर से प्रारंभ हुई पारंपरिक साड़ी यात्रा तिरुचूर पहुंची। वहां पुजारियों ने स्नापन तिरुमंजनम और अन्य धार्मिक अनुष्ठान पंचमी तीर्थम मंडपम में संपन्न किए। दिव्य परंपरा के अनुसार, श्री वेंकटेश्वर स्वामी ने देवी पद्मावती को भेंट स्वरूप सोने का कमला हार और 1.14 किलोग्राम का अड्डिगे प्रदान किया, जिसकी कीमत 1.31 करोड़ रुपये है। स्नापन तिरुमंजनम के दौरान, देवता को केसर, सूखे मेवे, अनानास, तुलसी, पुष्प मालाएं और अलंकृत मुकुट से सजाया गया, जिससे एक अत्यंत भव्य और दिव्य दृश्य बना।

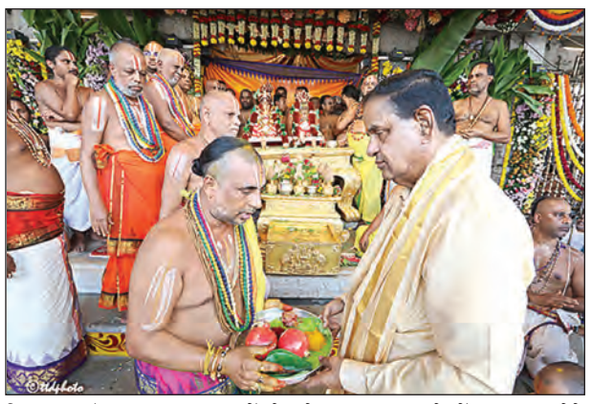

चक्रस्नानम अनुष्ठान 12:10 बजे से 12:20 बजे तक हुआ, जिसमें हजारों तीर्थयात्रियों ने सुदर्शन चक्रधालवर के साथ पवित्र स्नान किया। इस अवसर पर पेद्दाजियार स्वामी, श्री चिन्ना जियार स्वामी, टीटीडी अध्यक्ष बी.आर. नायुडू, ईओ अनिल कुमार सिंघल, जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस अवसर पर उपस्थित रहे। मंदिर में बुधवार, 26 नवंबर को शाम 5 बजे से 8 बजे तक पुष्पायोगम का आयोजन किया जाएगा।

तकनीकी रणनीतिकार खालिद सैफुल्लाह बने हैदराबाद डीसीसी अध्यक्ष

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तकनीकी उद्यमी और ऑल इंडिया कांग्रेस कमिटी (एआईसीसी) के वरिष्ठ डेटा रणनीतिकार सैयद खालिद सैफुल्लाह ने सोमवार को हैदराबाद जिला कांग्रेस कमेटी के नए अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया। दो दशकों से अधिक आईटी और राजनीतिक तकनीक अनुभव रखने वाले खालिद ने कांग्रेस के डिजिटल उपकरण, सर्वे सिस्टम, एआई एप्लिकेशन और मतदाता जुड़ाव प्लेटफॉर्म विकसित करने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कई सार्वजनिक सेवा तकनीकी पहलों का नेतृत्व किया, जिन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली।

संविदा नियुक्त कर्मचारियों की नियमितीकरण की मांग तेज

कार्यरत कर्मचारियों ने एमडी को सौंपा ज्ञापन

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) में ब्रेड विनर स्कीम और मेडिकल इनवैलिडेशन स्कीम के तहत नियुक्त लगभग 2,000 कर्मचारियों ने अपनी नियुक्तियों को नियमित करने की मांग को लेकर उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक वाई नागी रेड्डी को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा।

कर्मचारियों ने मांग की कि उनकी लंबित नियुक्तियों को बिना किसी और देरी के नियमित किया जाए। ज्ञापन देने वाले कर्मचारी वर्तमान में राज्य के विभिन्न डिपो में कंडक्टर, श्रमिक, ड्राइवर और कांस्टेबल के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि आरटीसी में सेवा देने वाले अपने परिवार के सदस्यों की मृत्यु के बाद से उन्हें वर्षों तक वित्तीय और भावनात्मक संकट से जूझना पड़ा। मृतक कर्मचारियों के कानूनी आश्रित होने के बावजूद, उनकी नियुक्तियां लगभग एक दशक से लंबित थीं।

कर्मचारियों के अनुसार, वर्ष 2023 में नियुक्ति प्रक्रिया दोबारा शुरू की गई, लेकिन अधिकांश उम्मीदवारों को नियमित पदों के बजाय केवल 20,600 रुपये के समेकित वेतन पर तीन साल की संविदा नियुक्ति दी गई। कर्मचारियों ने इसे टीजीएसआरटीसी के 93 वर्षों के इतिहास में अभूतपूर्व बताया और कहा कि न्याय के लिए आठ से अधिक वर्ष तक इंतजार करने के बाद भी उन्हें संविदा शर्तों पर रखा गया, जो अत्यंत अनुचित है। कर्मचारियों ने नियुक्ति प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप भी लगाया। उनका कहना है कि जिन उम्मीदवारों के परिवार के सदस्य की मृत्यु पहले हुई, उन्हें पीछे रखा गया, जबकि बाद में मृत्यु होने वालों को नियमित नियुक्ति दे दी गई।

कर्मचारियों ने बताया कि ऐसी गड़बड़ियां टीजीएसआरटीसी के सभी सात क्षेत्रों में सामने आई हैं।

उन्होंने कहा कि महालक्ष्मी मुफ्त बस यात्रा योजना के कारण काम का बोझ बहुत अधिक बढ़ गया है, लेकिन इसके बावजूद पिछले प्रबंधन ने उनकी शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया।

यूरिया के लिए फिर शुरू हुआ संघर्ष

पालकुर्थी में किसानों की लंबी कतारें

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के कई हिस्सों में यूरिया की कमी एक बार फिर किसानों के लिए चिंता का कारण बन गई है। जनगांव जिले के पालकुर्थी मंडल मुख्यालय में मंगलवार सुबह से ही एग्रोस रैतु सेवा केंद्र पर यूरिया लेने के लिए किसानों की लंबी कतारें लगी रहीं। सूत्रों के अनुसार, महिलाएं और वृद्ध किसान सहित बड़ी संख्या में लोग सुबह 5 बजे से ही केंद्र के बाहर खड़े रहे, ताकि उन्हें समय पर यूरिया का बैग मिल सके। किसान बताते हैं कि फसल के महत्वपूर्ण चरण में यूरिया की जरूरत होती है, लेकिन उपलब्धता न होने से परेशानी बढ़ती जा रही है। गौरतलब है कि अगस्त-सितंबर के मौसम में भी किसानों को यूरिया मिलने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। तब सरकार ने कमी के कारण अधिकारियों को निर्देश दिया था कि प्रत्येक किसान को केवल एक बैग ही दिया जाए।

बंडी संजय ने चेक डैम ठेकेदारों पर कार्रवाई की मांग की

> केन्द्रीय मंत्री ने लगाया घटिया निर्माण का आरोप

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री बंडी संजय ने मंगलवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से तेलंगाना भर में चेक डैम निर्माण में हुई कथित अनियमितताओं और घटिया गुणवत्ता की जांच कराने की मांग की। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में बंडी संजय ने करीमनगर जिले के जम्मीकुंटा मंडल के तानुगुला-गुंपू में हाल ही में ढह गए चेक डैम का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि इसके लिए ज़िम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाए, जिसमें आपराधिक मामले दर्ज करना और संपत्ति जब्त कर नुकसान की भरपाई करना शामिल है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता सहित मुख्यमंत्री को यह जानने का अधिकार है कि 1 लाख करोड़ रुपये से बने कालेश्वरम परियोजना का क्या हुआ और जनता के पैसे का दुरूपयोग कैसे हुआ। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि 11 वर्ष पूरे होने के बावजूद और जल-निधि-नियुक्तियां जैसे वादों के बावजूद, राज्य की जनता अभी भी ख़राब सिंचाई कार्यों के कारण परेशान है। उन्होंने कहा कि ताज़ा ढहना डिजाइन में खामियों और निम्न-स्तरीय निर्माण का नतीजा है। उन्होंने याद दिलाया कि इस डैम का बड़ा हिस्सा 2021 की बाढ़ में ही टूट चुका था। उन्होंने मुख्यमंत्री को यह भी याद दिलाया कि इस साल की शुरूआत में मनेर नदी पर करीमनगर, सिरिसिल्ला और पेद्दापल्ली जिलों में बने 57 चेक डैम के लिए 287 करोड़ रुपये के भुगतान पर की गई विजिलेंस जांच अब तक लंबित है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता, पूर्व बीआरएस सरकार की तरह, ठेके अपने लोगों को दिला रहे हैं और गुणवत्ता मानकों की उपेक्षा कर रहे हैं। संजय ने यह भी आरोप लगाया कि दोनों पार्टियों ने अवैध रेत खनन को बढ़ावा दिया, जिससे जलग्रहण क्षेत्रों को नुकसान पहुंचा और किसानों पर बुरा असर पड़ा। उन्होंने सार्वजनिक विश्वास बहाल करने और सिंचाई कार्यों में जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए स्वतंत्र जांच की मांग की।

लखनऊ में अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी गिरोह का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

सीबीआई ने छापा मारकर अवैध कॉल सेंटर ध्वस्त किया

14 लाख नकद और 52 लैपटॉप बरामद

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराध नेटवर्क को बड़ा झटका देते हुए उसके मुख्य आरोपी विकास कुमार निमार को लखनऊ से गिरफ्तार किया है। आरोपी विदेशी नागरिकों, खासकर अमेरिका के लोगों को फर्जी कॉल और टेक्नोलॉजी सपोर्ट के बहाने ठगने के मामले में वांछित था। सीबीआई के अनुसार, विकास सितंबर 2024 से फरार था।

उससे जुड़े लोगों द्वारा पुणे, हैदराबाद और विशाखापट्टनम में अवैध कॉल सेंटर चलाए जा रहे थे, जिनका सीबीआई ने पिछले साल पर्दाफाश किया था। विकास वीसी इन्फोमेट्रिक्स प्राइवेट लिमिटेड नाम की कंपनी के माध्यम से इन केंद्रों की स्थापना और संचालन में मदद करता था। पुणे के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा जारी वारंट के आधार पर सीबीआई ने लखनऊ में विकास के घर पर छापा मारा और उसे गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान 14 लाख रुपये नकद, कई मोबाइल फोन और संदिग्ध दस्तावेजों सहित महत्वपूर्ण सबूत बरामद किए गए। इसके साथ ही, सीबीआई ने शहर में चल रहे एक और अवैध कॉल सेंटर का भी भंडाफोड़ किया। छापेमारी में 52 लैपटॉप और डिजिटल सबूत मिले, जिनका इस्तेमाल अमेरिकी नागरिकों को ठगने में किया जा रहा था। एजेंसी का कहना है कि जांच अभी जारी है और इंटरपोल व अन्य विदेशी जांच एजेंसियों के साथ मिलकर संगठित साइबर अपराध नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी गई है। सीबीआई का उद्देश्य ऐसे अपराधियों पर सख्त कार्रवाई कर आम लोगों को ऑनलाइन ठगी से बचाना है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, MEHER UNNISA W/O Syed Abbas Hyder. H.No: D-16, I.Z.M Complex, Sadullah Nagar, Moulaali Hyd-500040. Medchal, T.S. Changed My Name as MEHER UNNISA BEGUM W/o. Syed Abbas Hyder.

I, SHAIK MOHAMMED AKBER S/o. Shaik Mohammed Yaseen H.No.18-7-423/3/1/A, Naseeman Nagar, Bhawani Nagar, Hyd. Changed My Name as MOHAMMED AKBER S/o Mohammed Yaseen.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

छत से बारात देख रही किशोरी को लगी गोली

हर्ष फायरिंग की वजह से गई जान

मेरठ, 25 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के मेरठ जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक शादी समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग करना महंगा पड़ गया। दरअसल, श्यामनगर रोड स्थित 20 फूटा शौकत वाली गली में बारात निकल रही थी। इसी दौरान कुछ लोग हर्ष फायरिंग कर रहे थे। गली में एक किशोरी छत से बारात देख रही थी। तभी हर्ष फायरिंग में की गई गोली जाकर किशोरी के पेट में लग गई। आनन-फानन में उसे अस्पताल लेकर जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना के बाद से आरोपी फरार चल रहे हैं।

बिहार में बिछेगा उद्योगों का जाल

नई सरकार बनते ही नीतीश कुमार ने कर दिया बड़ा ऐलान

पटना, 25 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में एनडीए की नई सरकार बनने के बाद अब बिहार के विकास पर जोर दिया जाने लगा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार (25 नवंबर, 2025) को एक्स पर पोस्ट कर आगे की रणनीति बताई है। सीएम ने कहा कि राज्य में अधिक से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार मिले, ये शुरू से ही हमलोगों की प्राथमिकता रही है। सात निश्चय-2 के तहत वर्ष 2020-25 के बीच राज्य में 50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी एवं रोजगार दिया गया है। अगले 5 वर्षों (2025-30) में हमलोगों ने एक करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

नीतीश कुमार ने कहा, नई सरकार के गठन के पश्चात राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देने एवं अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध करने के लिए हम लोगों ने तेजी से काम शुरू कर दिया है। बदलते बिहार के विकास की गति को बल देने हेतु बिहार में प्रौद्योगिकी और सेवा आधारित नवाचारों की न्यू ऐज इकोनॉमी के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु इस क्षेत्र की बिहार से संबंध रखने वाले अग्रणी उद्यमियों के सुझाव प्राप्त कर

योजनाओं एवं नीतियों का निर्धारण किया जाएगा। साथ ही बिहार को एक 'वैश्विक-बैक एंड-हब' एवं 'ग्लोबल वर्क प्लेस' के रूप में विकसित एवं स्थापित करने हेतु महत्वपूर्ण विभागों तथा प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों एवं विशेषज्ञों के सहयोग से एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

मेगा टेक सिटी... फिनटेक सिटी और भी बहुत कुछ

बताया गया कि बिहार की जनसंख्या में युवाओं की भागीदारी काफी अधिक है। इसको सार्थक दिशा देने पर बिहार देश का सबसे तेजी से विकास करने वाला राज्य बन सकता है। बिहार के बड़ी संख्या में उपलब्ध युवा मानव संसाधन को ध्यान में रखते हुए बिहार को पूर्वी भारत के नए टेक्नोलॉजी हब के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए बिहार में डिफेंस कॉरिडोर, सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग पार्क, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स, मेगा टेक सिटी व फिनटेक सिटी की स्थापना की जाएगी। उद्योगों का जाल बिछाने के लिए वृहद कार्ययोजना तैयार कर योजनाओं को क्रियान्वित किया जाएगा।

नीतीश कुमार ने कहा, राज्य में नई चीनी मिलों की स्थापना एवं पुरानी बंद पड़ी चीनी मिलों को पुनः चालू करने हेतु नीति एवं कार्ययोजना बनाई गई है। इसके साथ ही राज्य के सभी प्रमुख शहरों को बेहतर एवं सुंदर बनाने की योजना पर कार्य करने हेतु तैयारी एवं नई तकनीकों का उपयोग कर राज्य को अग्रणी बनाने हेतु बिहार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन की स्थापना की जाएगी। उन्होंने कहा, उक्त सभी बिंदुओं पर कार्ययोजना तैयार करने हेतु मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आज उच्चस्तरीय समिति गठित कर दी गई है। यह समिति राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देने एवं युवाओं के लिए अधिक से अधिक रोजगार के अवसर पैदा करने से संबंधित योजनाओं के क्रियान्वयन तथा अनुश्रवण का कार्य करेगी।

'जो काम हम लोग शुरू करते हैं उसे पूरा करते हैं'

सीएम ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में बिहार में औद्योगीकरण ने रफ्तार पकड़ी है। बिहार की नवनिर्वाचित नई सरकार दोगुनी ताकत से राज्य में बड़े पैमाने पर उद्योग लगाने के लिए कृतसंकल्पित है। राज्य में औद्योगिक विकास एवं अगले पांच वर्षों में युवाओं को नौकरी एवं रोजगार के लिए हम लोगों ने तेजी से काम शुरू कर दिया है और जो काम हम लोग शुरू करते हैं, उसे पूरा करते हैं।

डीआरआई की बड़ी कार्रवाई

कार के सीक्रेट चैंबर से 32 किलो गांजा जब्त

मुजफ्फरपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई), मुजफ्फरपुर की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में मादक पदार्थ गांजा बरामद किया है। यह कार्रवाई मधुबनी जिले के कोसी टोल प्लाजा के पास की गई, जहां टीम ने चेकिंग के दौरान एक कार से 32 किलो गांजा जब्त किया। तस्करों ने मादक पदार्थ को कार में बने सीक्रेट चैंबरनुमा बॉक्स में छिपाकर रखा था।

डीआरआई ने कार में सवार दो तस्करों उदयलाल राय और शंभू सरकार, दोनों पश्चिम बंगाल (कूचबिहार और जलपाईगुड़ी) के रहने वाले को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। बरामद गांजा गुवाहाटी (असम) से मधुबनी ले जाया जा रहा था। जानकारी के अनुसार, डीआरआई टीम को पहले से ही एक गुप्त सूचना मिली थी कि एक कार से मादक पदार्थ की खेप बिहार की ओर लाई जा रही है। इसके बाद टीम ने कोसी टोल प्लाजा के निकट वाहनों की जांच शुरू की और संदिग्ध कार से गांजा बरामद किया।

मुस्कान ने जन्मी बेटी: मुस्कान के साथ जेल में ही रहेगी बच्ची

जेलर ने बताया कि किन हालात में होगा डीएनए टेस्ट

मेरठ, 25 नवंबर (एजेंसियां)। बहुचर्चित नीले ड्रम वाले सौरभ हत्याकांड में मेरठ जिला जेल में बंद मुस्कान ने को बेटी को जन्म दिया। जेल की बैरक में प्रसव पीड़ा शुरू होने के बाद उसे मेरठ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उसकी सामान्य डिलीवरी कराई गई। चिकित्सकों ने जच्चा-बच्चा दोनों को स्वस्थ बताया है। पति सौरभ की हत्या के बाद शव को नीले ड्रम में ठिकाने लगाने को लेकर देश भर में सुर्खियों में मुस्कान गिरफ्तारी के समय से ही गर्भवती बताई जा रही थी।

पति की हत्या के मामले में उसे बीते 19 मार्च को जेल भेजा गया था। जेल प्रशासन के मुताबिक उस समय जेल में उसकी तबीयत खराब होने पर जब अल्ट्रासाउंड कराया गया था तभी उसके गर्भवती होने का पता चला था। इसके बाद उसका जेल में ही विशेष ध्यान रखा जा रहा था। उसको गर्भवती महिलाओं की ही तरह डाइट दी जा रही

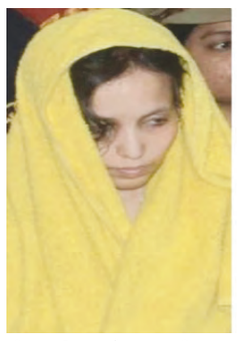

थी। वरिष्ठ जेल अधीक्षक डॉ वीरेश राज शर्मा के अनुसार सुबह मुस्कान को प्रसव पीड़ा शुरू हुई। जानकारी मिलने के बाद उसे तत्काल मेरठ मेडिकल कॉलेज के जच्चा-बच्चा वार्ड में भर्ती कराया गया। वहां महिला रोग विशेषज्ञ डॉ। शकुन की देखरेख में मुस्कान को रखा गया। डॉक्टरों का प्रयास था कि उसकी सामान्य डिलीवरी हो। शाम को मुस्कान ने सामान्य प्रसव के तहत बेटी को जन्म दिया। इससे पहले मेडिकल में जेल कर्मचारी तैनात रहे। इस दौरान किसी को भी उससे मिलने नहीं दिया गया। मीडिया से भी मुस्कान को दूर रखा गया। किसी को भी जच्चा-बच्चा वार्ड की ओर जाने नहीं दिया गया।

मायके और ससुराल वाले नहीं आए

जेल प्रशासन की ओर से मुस्कान को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराए जाने की जानकारी उसके परिजनों को दी गई, लेकिन कोई भी उसे देखने नहीं गया। मुस्कान के माता-पिता, भाइयों ने भी उससे दूरी बनाए रखी। सौरभ के परिवार से भी कोई मेडिकल कॉलेज में मुस्कान और उसकी नवजात पुत्री को देखने को नहीं गया।

सौरभ के जन्मदिन पर मुस्कान ने बेटी को जन्म दिया

मुस्कान ने पति सौरभ के जन्मदिन पर ही बेटी को जन्म दिया है। परिजनों के अनुसार सौरभ की जन्मतिथि 24 नवंबर 1994 थी। वह इस साल 31 वर्ष का होता। यह इत्तेफाक है कि सौरभ के जन्मदिन पर ही मुस्कान ने बेटी को जन्म दिया है। यह उसकी दूसरी बेटी है। पहली बेटी पीहू है, जो अपने नाना-नानी के पास रह रही है।

बेटी पर मां का अधिकार, दावा किया तो डीएनए टेस्ट होगा

वरिष्ठ जेल अधीक्षक डॉ वीरेश राज शर्मा ने बताया कि नवजात बेटी पर उसकी मां मुस्कान का अधिकार है। उसका लालन -पालन करने का अधिकार भी उसी का है। अभी किसी ने बच्चे पर दावा नहीं किया है। यदि कोई दावा करता है तो बच्चे का डीएनए टेस्ट कराया जाएगा।

अखिलेश यादव ने लिया बड़ा संकल्प

केदारेश्वर महादेव मंदिर निर्माण के बाद करेंगे प्रमुख शिवालयों के दर्शन

लखनऊ, 25 नवंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लोकसभा सांसद अखिलेश यादव ने मंगलवार को इटावा में अपने पैतृक क्षेत्र में बन रहे भव्य 'श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर' के कार्य प्रगति के बारे में बताया। इस दौरान उन्होंने एक धार्मिक संकल्प भी लिया कि मंदिर निर्माण का कार्य पूर्ण होने पर वह प्रमुख शिवालयों के दर्शन करेंगे। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए इटावा में अपने पैतृक क्षेत्र में बन रहे भव्य 'श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर' के शीघ्र पूर्ण होने की जानकारी दी। अखिलेश ने लिखा, पूर्णता ही पूर्णता की ओर ले जाती है।

ईश्वरीय प्रेरणा से इटावा में निर्माणाधीन 'श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर' के पूर्ण होने पर अन्य मंदिरों के दर्शन का संकल्प भी पूर्ण करेंगे। आस्था जीवन को सकारात्मकता और सद्भाव से भरने वाली ऊर्जा का ही नाम है। दर्शन के लिए ईश्वरीय इच्छा ही मार्ग

बनाती है, वही बुलाती है। सच तो ये है कि हम सब तो ईश्वर के बनाए मार्ग पर बस चलकर जाते हैं। आस्थावान रहें, सकारात्मक रहें!

इस पोस्ट के जरिए अखिलेश ने संकेत दिया कि केदारेश्वर महादेव मंदिर के उद्घाटन के बाद वे देश के प्रमुख ज्योतिर्लिंगों और शिवालयों के दर्शन करेंगे। सूत्रों के मुताबिक इसमें केदारनाथ, सोमनाथ, महाकालेश्वर और विश्वनाथ सहित बारह ज्योतिर्लिंगों की यात्रा शामिल हो सकती है। इटावा के सैफई के निकट बन रहा श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर यादव परिवार की आस्था का बड़ा केंद्र है। मुलायम सिंह यादव के समय शुरू हुआ यह मंदिर अब अंतिम चरण में है। मंदिर परिसर में 108 फीट ऊंची भगवान शिव की प्रतिमा स्थापित की जा रही है, जो उत्तर भारत की सबसे ऊंची शिव प्रतिमाओं में से एक होगी। परिसर में विशाल शिवलिंग, नंदी मंडपम और ध्यान केंद्र भी बनाया जा रहा है। राजनीतिक गलियारों में इसे अखिलेश की नई छवि का हिस्सा माना जा रहा है। पिछले कुछ महीनों से वे लगातार धार्मिक आयोजनों में हिस्सा ले रहे हैं।

अयोध्या में आज बहुत ही खुशी का दिनः गोविंद देव गिरी

अयोध्या, 25 नवंबर (एजेंसियां)। भव्य राम मंदिर के शिखर पर 'ध्वजारोहण' से पहले कार्यक्रम का हिस्सा बनने के लिए रामभक्तों और संतों की भीड़ अयोध्या में जुटी है। पूरे श्रद्धाभाव के साथ रामभक्त इस धार्मिक कार्य के गवाह बनने के लिए उत्साहित हैं। राम जन्मभूमि ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हम लोग आज बहुत खुश है जिस दिन का हमें इंतजार रहता था, वह दिन आ गया है। मंदिर में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है, कुछ शेष बची हुई है वह भी जल्द हो जाएंगी।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूरी तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि लगभग 6 हजार अतिथियों के आने की संभावना है। मेहमानों को कोई परेशानी न हो इसका विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसकी तैयारी काफी दिनों से चल रही थी। समय-समय पर देखकर इसे पूरा किया गया। अयोध्या के एक पुजारी ने कहा, आज का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि राम मंदिर पूर्ण हो गया है। हम योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री मोदी के आभारी हैं। मंदिर बहुत लगन से बनाया गया है, जो बहुत ही खूबसूरत है। यह शानदार और प्रेरणा देने वाला है, जो इसमें शामिल सभी लोगों की लगन और कड़ी मेहनत को दिखाता है। मूर्तिकार सत्य नारायण पांडे ने कहा, "जब भगवान प्रकट होते हैं, तो हमेशा एक खास दिव्य उपस्थिति होती है, जिसे बयान नहीं किया जा सकता।

ध्वजारोहण समारोह में अयोध्या सांसद अवधेश प्रसाद को नहीं मिला आमंत्रण, भड़के कांग्रेस सांसद इमरान मसूद

अयोध्या, 25 नवंबर (एजेंसियां)। राम मंदिर के ध्वजारोहण समारोह में अयोध्या के सपा सांसद अवधेश प्रसाद को आमंत्रित नहीं किया गया। इसको लेकर सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने बीजेपी और योगी आदित्यनाथ सरकार पर निशाना साधा है। इमरान मसूद ने कहा कि अवधेश प्रसाद को इसलिए नहीं बुलाया गया क्योंकि वह दलित हैं।

ये बड़े दुर्भाग्य की बात है। इमरान मसूद ने कहा कि अयोध्या में प्रधानमंत्री आ रहे हैं और इस मौके पर स्थानीय सांसद को भी निमंत्रण न हो तो इससे ज्यादा दुखदायी क्या हो सकता है। अगर प्रधानमंत्री अयोध्या आ रहे हैं तो सबसे पहला हक तो वहां के सांसद का है। अवधेश प्रसाद को इसलिए नहीं बुलाया गया क्योंकि वह दलित हैं।

'बीजेपी को राहुल और अखिलेश के अलावा कोई नहीं दिखाई देता'

कांग्रेस सांसद ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और राहुल गांधी के अयोध्या नहीं जाने पर कहा कि यह तो अपनी आस्था है, सबको अपनी आस्था का पालन करना चाहिए। उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें राहुल गांधी और अखिलेश यादव के अलावा कोई और दिखाई देता है या नहीं या सिर्फ वहीं दिखाई देते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या उन्हें आडवाणी नहीं दिखाई देते? आडवाणी भी तो राम मंदिर के दर्शन को नहीं गए।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज

आपको बता दें कि अवधेश प्रसाद फैजाबाद लोकसभा सीट से निर्वाचित सांसद हैं। इस महत्वपूर्ण आयोजन में उन्हें आमंत्रित न किए जाने से राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। सपा सांसद ने खुद को आमंत्रण ना मिलने पर दुख जताया था। उन्होंने कहा कि अगर बीजेपी ध्वजारोहण कार्यक्रम का आमंत्रण देती है तो वह नंगे पांव राम मंदिर जाएंगे। अवधेश प्रसाद ने कहा कि भले ही उन्हें राम मंदिर जाने न दिया जाए। फिर भी वह आम श्रद्धालु की तरह राम मंदिर के दर्शनों के लिए जाएंगे।

मतदाता कहीं खेत पर हैं, तो कहीं बाहर कमाने गए

एसआईआर का काम फिसड्डी, 52 बीएलओ पर गिर सकती है गाज

बांदा, 25 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के जनपद बांदा में विधानसभा चुनाव की तैयारियों के तहत चल रही विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में नरैनी तहसील की प्रगति सबसे पीछे पाई गई है। समीक्षा में लगातार लापरवाही सामने आने पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए सोमवार को नरैनी क्षेत्र के 52 बीएलओ और करीब दो दर्जन सुपरवाइजरों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

समय पर जवाब न देने पर इनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जा सकता है। बेसिक शिक्षा अधिकारी अव्यक्त राम तिवारी ने बताया कि निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा जारी सूची के आधार पर नोटिस भेजे गए हैं। कई बीएलओ और सुपरवाइजरों को बार-बार निर्देश देने के बावजूद वे पुनरीक्षण कार्य में रुचि नहीं ले रहे। यह चुनावी तैयारियों को प्रभावित करने वाली गंभीर लापरवाही है। बीएसए ने सभी को चेतावनी देते हुए कहा कि अपेक्षित कार्य में प्रगति न दिखाने वालों के खिलाफ नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी। सभी बीएलओ को प्रगति आख्या तथा लिखित स्पष्टीकरण खंड शिक्षा अधिकारी को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

जानकारी के अनुसार, नरैनी तहसील क्षेत्र में एसआईआर अभियान काफी सुस्त है। अब तक मात्र 25 प्रतिशत फार्म ही जमा हो पाए हैं, जबकि अंतिम तिथि 4 दिसंबर निर्धारित है। किसानों का खेतों में व्यस्त होना और मजदूरों का बाहर काम पर जाना बीएलओ के लिए चुनौती बन रहा है। कई घरों में लोग न मिलने के कारण कार्य अटक रहा है। वहीं कुछ बीएलओ केवल प्रपत्र बांटकर लौट आ रहे हैं,

तिहरा हत्याकांडः गुस्साए युवक ने पत्नी और पिता को मारी गोली फिर खुद भी कर ली खुदकुशी

रोहतास, 25 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के रोहतास जिले के भानस थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज खबर सामने आई है। पारिवारिक कलह के चलते एक युवक ने पहले अपनी पत्नी और पिता की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने खुद भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली। इस तिहरे हत्याकांड के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। बिक्रमगंज के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) संकेत कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि भानस थाना क्षेत्र में अमित सिंह नामक युवक ने इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, अमित सिंह ने सबसे पहले अपनी पत्नी को गोली मार दी। जब अमित के पिता शालिग्राम सिंह ने बीच-बचाव करने की कोशिश की और उसे रोकने का प्रयास किया,

सुनवाई के लिए सुको सहमत

कृष्ण जन्मभूमि-ईदगाह विवाद में एक हिंदू पक्ष के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था दूसरा पक्ष, आखिर क्या है पूरा मामला?

मथुरा, 25 नवंबर (एजेंसियां)। मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद में सुप्रीम कोर्ट एक हिंदू पक्ष की उस याचिका पर सुनवाई करने के लिए सहमत हो गया है, जिसने दूसरे हिंदू पक्ष को भगवान कृष्ण के सभी भक्तों का प्रतिनिधि बनाए जाने पर आपत्ति जताई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ यह याचिका दाखिल की गई है। कोर्ट ने कहा कि वह 1 दिसंबर को इस याचिका पर सुनवाई करेगा। जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने कहा कि इस मुद्दे पर विस्तृत सुनवाई की जरूरत है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मथुरा में विवादित स्थल से शाही ईदगाह मस्जिद को हटाने का अनुरोध करते हुए अलग मुकदमा दायर करने वाले एक अन्य हिंदू पक्ष को सभी भक्तों का प्रतिनिधि मानने की अनुमति दी थी। पीड़ित हिंदू पक्ष के एडवोकेट श्याम दीवान ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश में दूसरे पक्ष को सभी श्रद्धालुओं का प्रतिनिधि मानने में त्रुटि हुई। उन्होंने कहा कि वह (उनके मुवक्किल) मुकदमा दायर करने वाले पहले व्यक्ति थे और हाईकोर्ट का इस तरह के विवाद से जुड़े दीवानी मुकदमों में से एक में दूसरे पक्ष को आगे बढ़ाना अनुचित था। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट ने ये आदेश दिया है, जबकि उस पक्ष के आवेदन में ऐसी कोई मांग नहीं की गई थी। लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद में कुल 18 केस हैं, जिन्हें हाईकोर्ट ने अपने पास ट्रांसफर कर लिया है।

पति को गरीबी के चलते छोड़ने वाली पत्नी मेंटिनेंस की हकदार नहीं, इलाहाबाद एचसी का बड़ा फैसला

प्रयागराज, 25 नवंबर (एजेंसियां)। वैवाहिक विवाद से जुड़े एक मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने कहा कि गरीबी के कारण पति को छोड़ने वाली पत्नी भरण-पोषण भत्ते की हकदार नहीं है। कोर्ट ने यह भी पाया कि पत्नी बिना किसी उचित कारण के पति से अलग रह रही थी और उसने तथ्यों को छुपाकर अदालत को गुमराह करने का प्रयास किया।

यह आदेश न्यायमूर्ति मदनपाल सिंह ने चंदौली की रचना व्यास की पुनरीक्षण याचिका खारिज करते हुए दिया है। याचिका में फैमिली कोर्ट चंदौली के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें याची की ओर से 125 सीआरपीसी के तहत दाखिल भरण पोषण के आवेदन

को खारिज कर दिया गया था।

हाई कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को सही ठहराया

हाई कोर्ट ने फैमिली कोर्ट के आदेश को सही ठहराया। रचना व्यास के वकील ने तर्क दिया कि ट्रायल कोर्ट ने क्रूरता के आरोपों पर विचार नहीं किया। पत्नी के पास पति से अलग रहने का पर्याप्त कारण था। उन्होंने यह भी कहा कि पत्नी पर दूसरी शादी करने का आरोप सही नहीं है।

पत्नी की दूसरी शादी का दावा

दूसरी ओर, पति के अधिवक्ता ने बताया कि कि दोनों के बीच पंचायत में हुए समझौते के आधार पर संबंध विच्छेद हो चुका है। उन्होंने यह भी दावा किया कि पत्नी ने दूसरी शादी कर ली है, जिसका प्रमाण ग्राम प्रधान द्वारा दिया गया है।

आधार कार्ड में पति की जगह पिता का नाम जोड़ा

हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि ट्रायल कोर्ट के रिकॉर्ड से स्पष्ट है कि पत्नी ने अपनी मर्जी से ससुराल छोड़ा था। इसका कारण यह था कि उसका मायका अमीर था, जबकि पति गरीब परिवार से था। पत्नी ने जो आधार कार्ड ट्रायल कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया था, वह भी गलत पाया गया। ऐसा इसलिए था क्योंकि उसने अपने आधार कार्ड में बाद में पति के नाम के स्थान पर पिता का नाम जुड़वाया था। इस तथ्य को अदालत के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया गया था।

अवैध रूप से भारत में रह रही दो बांग्लादेशी महिलाएं गिरफ्तार, कोविड के दौरान किया था बार्डर क्रॉस

देहरादून, 25 नवंबर (एजेंसियां)। अवैध रूप से देहरादून में रह रही दो बांग्लादेशी महिलाओं को पुलिस ने हिरासत में लिया है। इनमें एक महिला के पास आधार, पेन कार्ड जैसे दस्तावेज नकली मिले हैं। इस कारण महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। जबकि अवैध रूप से रही दूसरी महिला को वापस बंग्लादेश भेजा जाएगा। गिरफ्तार अभियुक्ता कोविड के दौरान अवैध रूप से बार्डर क्रॉस कर भारत आई थी। भारत आने के बाद हिंदू महिला भूमि शर्मा के नाम से महिला ने अपने फर्जी दस्तावेज बनवा लिए थे। यहां रहने के लिए बबली खातून से भूमि शर्मा बन देहरादून में ही एक हिंदू युवक से विवाह कर लिया था।

गिरफ्तार अभियुक्ता के विरुद्ध फर्जी दस्तावेज बनाकर अवैध रूप से भारत में रहने पर पुलिस ने गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। फर्जी दस्तावेज बनाने में अभियुक्ता की सहायता करने वाले भी पुलिस के रडार पर हैं वहीं हिरासत में ली गई अन्य बांग्लादेशी महिला भी वर्ष 2023 में अवैध रूप से बॉर्डर क्रॉस कर भारत आई थी। हिरासत में ली गई बांग्लादेशी महिला मजदूरी का कार्य करती थी।

एलओसी पर किस खेल की तैयारी में पाकिस्तान, खुफिया रिपोर्ट से हड़कंप

पल भर में जवाबी एक्शन को तैयार इंडियन आर्मी

जम्मू, 25 नवंबर (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान सीमा पर एक फिर से सेना के जवानों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। दरअसल ऐसी खुफिया जानकारी मिली है कि पाकिस्तानी सेना खैबर पख्तूनख्वा में चल रहे विद्रोह प्रदर्शन से जनता का ध्यान भटकाने के लिए भारत से सटी सीमा पर कोई उकसावे वाली कार्रवाई की योजना बना रही है। सूत्रों के अनुसार, इस बेहद विश्वसनीय खुफिया इनपुट के आधार पर भारतीय सशस्त्र बलों को उच्चतम स्तर का अलर्ट जारी किया गया है। इसके मद्देनजर सीमा पर सैनिकों की तैनाती बढ़ा दी गई है।

यह अलर्ट ऐसे समय पर आया है जब पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में विद्रोह की आग तेज हो रही है। लंबे समय से पाकिस्तानी सेना की कथित दमनकारी कार्रवाइयों का शिकार हो रहा स्थानीय पश्तून समुदाय अब खुलकर बगावत पर उतर आया है। हाल के हफ्तों में, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और अन्य उग्रवादी समूहों ने सेना के खिलाफ कई हमले किए हैं।

पाकिस्तानी सेना के आईएसपीआर (इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस) ने इन्हें 'इंडियन प्रॉक्सी फित्ना अल खारिज' करार दिया है, लेकिन स्थानीय लोग इसे पंजाबी-प्रधान सेना की पश्तूनों पर अत्याचारों का नतीजा बता रहे हैं। अफगानिस्तान सीमा से सटा खैबर पख्तूनख्वा लंबे समय से उग्रवाद का गढ़ रहा है और पाकिस्तानी सेना इस आंतरिक विद्रोह से घिरी हुई है। ऐसे में अंदेशा जताया जा रहा है कि घरेलू हालात से ध्यान हटाने के लिए पाकिस्तान नियंत्रण रेखा (एलओसी) या अंतरराष्ट्रीय सीमा पर उकसावे की कार्रवाई कर सकता है। खुफिया रिपोर्टों के बाद भारतीय सेना को तुरंत सतर्क रहने के आदेश जारी किए गए हैं। सभी अग्रिम ठिकानों पर निगरानी बढ़ा दी गई है और सीमा क्षेत्रों में सुरक्षा मुस्तैद की गई है। सैन्य सूत्रों का कहना है कि भारतीय सशस्त्र बल किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और दुश्मन की किसी भी हरकत का मुंह तोड़ जवाब दिया जाएगा।

सेना की तरफ फिलहाल इस पर आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है, लेकिन रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता और जनता के भारी असंतोष के बीच सीमा पर तनाव बढ़ाने की रणनीति नई नहीं है। भारत की ओर से सीमा पर शांति बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई गई है, लेकिन यह भी स्पष्ट किया गया है कि सुरक्षा को लेकर किसी तरह की ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

दुबई में पकड़ा गया अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्कर पवन ठाकुर

जल्द भारत डिपोर्ट किया जाएगा

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। दुबई में अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्कर पवन ठाकुर को पकड़ लिया गया है। सूत्रों से मिली खबर के मुताबिक, उसे जल्द ही भारत डिपोर्ट किया जाएगा। पवन ठाकुर दिल्ली में हाल ही में पकड़े गए बड़े ड्रग मामलों का मास्टरमाइंड है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यानी कि एनसीबी ने दो दिन पहले दिल्ली में 262 करोड़ रुपये कीमत का मेथ ड्रग्स पकड़ा था, जिसमें पवन ठाकुर मुख्य आरोपी है। एनसीबी की इस बड़ी कार्रवाई में एक अंतरराष्ट्रीय सिंथेटिक ड्रग सिंडिकेट का पर्दाफाश हुआ है।

2500 करोड़ रुपये की कोकीन के मामले में भी मास्टरमाइंड है ठाकुर

बता दें कि पिछले साल नवंबर में दिल्ली में बरामद हुई 2500 करोड़ रुपये की कोकीन के मामले में भी पवन ठाकुर मास्टरमाइंड है। एनसीबी ने ये ड्रग्स बरामद की थी और तब इंटरपोल के जरिए पहला सिल्वर नोटिस जारी किया गया था। यह सिल्वर नोटिस पवन ठाकुर के खिलाफ निकाला गया था। ईडी ने भी पवन ठाकुर के ठिकानों पर छापेमारी की थी और उसके 118 बैंक अकाउंट फ्रीज कर दिए थे। बता दें कि एनसीबी और दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने छतरपुर स्थित एक घर से 328 किलोग्राम मेथामफेटामाइन बरामद करते हुए इस प्रतिबंधित पदार्थ की तस्करी में शामिल अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है।

कार्रवाई के दौरान एक महिला सहित 2 तस्कर किए गए गिरफ्तार

केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी बयान में कहा गया था कि जब्त मेथामफेटामाइन की कीमत 262 करोड़ रुपये के आसपास आंकी गई है। बयान में कहा गया है कि 'ऑपरेशन क्रिस्टल फोर्ट्रेस' के तहत 20 नवंबर को की गई कार्रवाई के दौरान एक महिला सहित 2 तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया। 'ऑपरेशन क्रिस्टल फोर्ट्रेस' बड़े पैमाने पर ड्रग्स तस्करी में शामिल गिरोहों पर नकेल कसने के लिए

चुनाव आयोग के बाहर बीएलओ का प्रदर्शन जारी

भाजपा नेता ने बताया टीएमसी के हॉकर

कोलकाता, 25 नवंबर (एजेंसियां)। कोलकाता में मंगलवार को बीएलओ ने मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। एसआईआर वर्कलोड को लेकर लंबे समय से नाराज बीएलओ ने कहा कि उनसे असहनीय दबाव में काम कराया जा रहा है, जिसके कारण मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। प्रदर्शनकारी बीएलओ ने कहा कि वे शांतिपूर्ण तरीके से अपनी आवाज उठाने पहुंचे थे, लेकिन उन्हें बीच में ही रोक दिया गया और जबरन बसों में भरकर हटाया गया। मौके पर माहौल काफी तनावपूर्ण हो गया। एक बीएलओ प्रदर्शनकारी ने कहा, हम यहां शांति से प्रदर्शन कर रहे हैं। हमारे पीछे बीएलओ राइट्स प्रोटेक्शन कमेटी के बैनर तले मंच तैयार किया गया है।

हम चुनाव आयोग के पास इसलिए आए हैं ताकि कुछ राहत मिल सके। बीएलओ पर भारी दबाव है, उनकी मानसिक स्थिति खराब हो रही है। कई लोग बीमार पड़ गए हैं और दुख की बात है कि कुछ साथियों की तो

मौत भी हो चुकी है। उन्होंने आगे कहा कि एसआईआर के दौरान रोज 10 से 12 घंटे लगातार काम करना पड़ रहा है, जबकि फील्ड वेरिफिकेशन के लिए पर्याप्त समय, साधन और सुरक्षा नहीं दी जा रही।

उनका सवाल है कि क्या लोकतंत्र को मजबूत करने वालों के साथ ऐसा व्यवहार उचित है? वहीं, दूसरी ओर भाजपा नेता साजल घोष ने प्रदर्शन को पूरी तरह गलत बताया और कहा कि यह विरोध असली बीएलओ द्वारा नहीं किया जा रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शन में बहुत कम संख्या में लोग आए और बाकी बीएलओ अपने काम में व्यस्त हैं।

सजल घोष ने कहा, बीएलओ कहां हैं? हमें बताइए, असली बीएलओ कौन हैं? 84,000 बीएलओ में से सिर्फ चार लोग आए थे। बाकी सब काम कर रहे हैं और लगभग 70 प्रतिशत काम पहले ही पूरा हो चुका है। पहला राउंड, जिसे 4 दिसंबर तक पूरा होना था, वह 25 या 26 नवंबर तक ही पूरा हो जाएगा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो भी प्रदर्शन कर रहे हैं, वे सब टीएमसी के हॉकर हैं। इन लोगों को यह भी नहीं पता होगा कि एसआईआर क्या है।

फिलहाल विरोध करने वाले बीएलओ ने घोषणा की है कि जब तक उन्हें समाधान नहीं मिलता, वे संघर्ष जारी रखेंगे। वहीं प्रशासन स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है।

नकली नोट का सरगना गिरफ्तार

खंडवा, 25 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के खंडवा के एक मदरसे में मिले 20 लाख के नकली नोट के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। खंडवा पुलिस ने भोपाल से मास्टरमाइंड डॉ। प्रतीक नवलखे समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी भोपाल की गोकुलधाम सोसाइटी में ट्रैवल एजेंसी की आड़ में नकली नोट छापते थे। इनके पास से 15 चेकबुक, 32 एटीएम कार्ड और नकली नोट मिले हैं। दरअसल, 2 नवंबर को खंडवा के पैठिया गांव के मदरसे में 19.78 लाख रुपए के नकली नोट मिले थे। यह कार्रवाई महाराष्ट्र के मालेगांव पुलिस द्वारा पकड़े गए मदरसे के इमाम जुबेर अंसारी की जानकारी पर हुई। जांच में पता चला कि जुबेर इस गिरोह में डॉ। नवलखे का पार्टनर था।

पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी डॉक्टर भोपाल में किराए के मकान में छिपा है। जावर पुलिस टीम ने 23 नवंबर को वहां दबिश देकर प्रतीक नवलखे, गोपाल पंवार और दिनेश गोरे को गिरफ्तार किया। मुख्य आरोपी के पास से 500 के 13 नकली नोट, 7 मोबाइल, लैपटॉप, 15 चेकबुक और 12 एटीएम कार्ड मिले। गोपाल पंवार के पास से 6 नकली नोट, ड्रायर मशीन, मोबाइल और 20 एटीएम कार्ड मिले।

हिडमा का नारा लगाने वालों पर कसा शिकंजा

एफआईआर में जुड़ी राष्ट्रीय एकता को खतरे में डालने की धारा

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के इंडिया गेट पर प्रदूषण के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान नक्सली कमांडर माडवी हिडमा के समर्थन में नारे लगाने और पुलिस पर पेपर स्प्रे छिड़कने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता यानी कि बीएलएस की धारा 197 जोड़ दी है,

जो राष्ट्रीय एकता को खतरे में डालने से जुड़ी है। अधिकारियों का कहना है कि प्रदर्शनकारियों के पास हिडमा के पोस्टर थे और उन्होंने 'लाल सलाम' के नारे लगाए, जिससे अर्बन नक्सल कनेक्शन की जांच शुरू हो गई है। पुलिस ने इस मामले में कुल 23 लोगों को पकड़ा है और 2 पुलिस स्टेशनों में एफआईआर दर्ज की गई हैं। कर्तव्य पथ पुलिस स्टेशन में 6 पुरुष प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बीएनएस की धाराएं 74 (महिलाओं पर हमला), 79 (बच्चों पर हमला), 115(2) (चोट पहुंचाना), 132 (सार्वजनिक सेवक पर हमला), 221 (सार्वजनिक सेवक को रोकना), 223 (आदेश की अवज्ञा), और 61(2) (आपराधिक साजिश) लगाई गई हैं।

दूसरी एफआईआर संसद मार्ग पुलिस स्टेशन में दर्ज हुई, जिसमें अन्य प्रदर्शनकारियों पर बीएनएस की धाराएं 223ए (सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान), 132, 221, 121ए (आपराधिक साजिश), 126(2) (गलत तरीके से रोकना), और 3(5) (सामान्य इरादा) लगाई गई हैं।

न्यायिक हिरासत में भेजे गए 5 आरोपी

कोर्ट ने 5 आरोपियों को दो दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। एक आरोपी, जो खुद को नाबालिग बता रहा है, को उसकी उम्र जांच होने तक सेफ हाउस में रखा गया है। उसकी जमानत अर्जी भी दाखिल की गई है। सुनवाई के दौरान आरोपियों के वकीलों ने पुलिस पर आरोप लगाए। 2 आरोपियों के वकील ने कहा, 'उन्हें हिरासत में यातना दी गई और चोटें पहुंचाई गईं। वे शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, किसी एंटी-नेशनल या नक्सली गतिविधि में नहीं शामिल थे।' एक अन्य आरोपी के वकील ने दावा किया कि वह प्रैक्टिसिंग वकील है और पुलिस ने उसे पीटा। कोर्ट ने चोटों की जांच की और सीसीटीवी फुटेज को संरक्षित रखने का आदेश दिया।

आरटीओ की बड़ी कार्रवाई, कई बसें जब्त, 1.50 लाख का जुर्माना

इंदौर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। इंदौर आरटीओ ने शहर की रिंग रोड पर वाहनों और बसों की व्यापक जाँच अभियान चलाया। इस दौरान बसों के परमिट, फिटनेस, बीमा सहित सभी आवश्यक दस्तावेजों की बारीकी से जांच की गई। टीम ने यह भी सुनिश्चित किया कि वाहन किसी भी प्रकार से फिटनेस या परमिट शर्तों का उल्लंघन तो नहीं कर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान फायर सेफ्टी उपकरणों, स्पीड गवर्नर और अन्य सुरक्षा साधनों की कार्यप्रणाली को भी परखा गया। आरटीओ टीम ने यात्रियों से फीडबैक भी लिया,

जिसमें यह जानकारी जुटाई गई कि वाहन चालक तेज गति से तो नहीं चलाते, या ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का उपयोग तो नहीं करते हैं। चेकिंग के दौरान मोटरयान अधिनियम के विभिन्न नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर हंस ट्रेवल्स की 02 बसों को तत्काल जब्त कर लिया गया। इसके साथ ही 05 अन्य बसों पर भी कार्रवाई की गई, जिनमें एक बस बिना परमिट संचालित पाई गई। इन सभी मामलों में अधिनियम के तहत सख्ती से दंडात्मक कार्रवाई की गई। इस संयुक्त अभियान में कुल 01 लाख 50 हजार रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला गया।

विधायक संजय पाठक को हाईकोर्ट का नोटिस, अब विधानसभा सचिव के माध्यम से तामील के निर्देश

जबलपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने अब्दुल रज्जाक द्वारा लगाए गए आरोपों पर सुनवाई करते हुए कटनी विधायक संजय पाठक को जारी नोटिस की तामील प्रक्रिया पर सोमवार को महत्वपूर्ण निर्देश दिए। हाईकोर्ट की जस्टिस विवेक अग्रवाल और जस्टिस रामकुमार चौबे की युगल पीठ के समक्ष हुई सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने बताया कि विधायक के आवास पर उपलब्ध न होने के कारण नोटिस तामील नहीं हो सका है। इस पर न्यायालय ने निर्देश दिया कि अब विधानसभा सचिव के माध्यम से नोटिस तामील कराया जाए। मामले की अगली सुनवाई 15 दिसंबर को निर्धारित

की गई है। यह मामला हिस्ट्रीशीटर बदमाश अब्दुल रज्जाक की ओर से दायर याचिका से संबंधित है। पिछली सुनवाई के दौरान रज्जाक की ओर से विधायक संजय पाठक पर यह आरोप लगाया गया था कि व्यावसायिक प्रतिद्वंद्विता के चलते उनके खिलाफ की जा रही कानूनी कार्रवाई पूर्व मंत्री और वर्तमान विधायक संजय पाठक के इशारे पर हो रही है। 29 अक्टूबर को हुई सुनवाई में हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता अब्दुल रज्जाक से पूछा था कि जिस विधायक और खनन कारोबारी पर वे आरोप लगा रहे हैं, उन्हें उन्होंने मामले में पक्षकार क्यों नहीं बनाया? सुनवाई के दौरान न्यायालय ने पुलिस प्रशासन की कार्रवाई पर भी प्रश्न उठाया। अदालत ने पूछा कि जब अब्दुल रज्जाक अगस्त 2021 से लगातार जेल में बंद था, तो उसी अवधि में उसके खिलाफ विभिन्न थानों में नए आपराधिक प्रकरण कैसे दर्ज हो गए। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मोहम्मद अली, शारिक अकील फारुकी और अमित रायजादा ने अदालत को बताया कि विधायक के प्रभाव में आकर शासन और पुलिस प्रशासन द्वारा उनके मुवक्किल को लगातार परेशान किया जा रहा है। उन्होंने यह भी दलील दी कि रज्जाक के खिलाफ दर्ज कई मामलों में अभी तक अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई है। जैसे ही किसी प्रकरण में जमानत मिलती है तुरंत किसी दूसरे मामले में नई गिरफ्तारी दिखा दी जाती है। अधिवक्ताओं ने कहा कि यह प्रक्रिया न्याय व्यवस्था के साथ छलावा है और इसमें राजनीतिक दबाव स्पष्ट रूप से झलकता है।

रोहिणी ने जारी किया सांसद चंद्रशेखर का कथित ऑडियो: लिखा- वह बीजेपी का साथ देगा; आज भीम आर्मी की रैली में शामिल होंगी

इंदौर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की नगीना सीट से सांसद चंद्रशेखर और उनकी कथित एक्स गर्लफ्रेंड डॉ। रोहिणी घावरी के बीच विवाद गहराता जा रहा है। मुजफ्फर नगर में 26 नवंबर को भीम आर्मी की संविधान रैली में शामिल होने की चुनौती दे चुकी रोहिणी ने अब चंद्रशेखर आजाद रावण का एक ऑडियो जारी किया है। 30 सेकंड के इस ऑडियो में चंद्रशेखर, समाजवादी पार्टी पर खुद को नुकसान पहुंचाने का जिक्र कर रहे हैं। यह ऑडियो रिकॉर्डिंग डॉ। रोहिणी घावरी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से रविवार रात को जारी की है। इसके साथ ही डॉ। रोहिणी ने लिखा- उसे बीजेपी ने सांसद बनाया। वह उत्तर प्रदेश चुनाव में बीजेपी का साथ देगा। यह मैं नहीं कह रही, चंद्रशेखर ने ही अपने ऑडियो में कहा है। जो मेरे खिलाफ जाएगा,

इस इलेक्शन में वो चाहे कांग्रेस हो या समाजवादी। जो भी मुझे नुकसान पहुंचाएगा, उससे मेरा जिंदगी भर के लिए बैर हो जाएगा। फिर चाहे मुझे बीजेपी की मदद क्यों न करना पड़े। बाद में, इनकी खाल उतारने के लिए। ये मेरे लिए है लास्ट बैटल। इस बैटल में अगर कोई घुस गया, मुझे डिस्टर्ब करने के लिए। जैसे समाजवादी के लोग प्रयास कर रहे हैं, तो मुझसे बुरा कोई नहीं होगा। इससे पहले रविवार रात को डॉ। रोहिणी घावरी ने सोशल मीडिया पर चंद्रशेखर को सीधे लहजे में चुनौती देते हुए लिखा था

दिल्ली पुलिस के हाथ लगा 'म्यूल खाता' किंगपिन, 300 से अधिक लोग कैसे आए साइबर ठगों के बहकावे में?

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की साइबर सेल को बड़ी सफलता हाथ लगी है। साइबर सेल ने 2.35 करोड़ के स्टॉक मार्केट निवेश घोटाले में 'म्यूल खाता' उपलब्ध कराने वाले दो मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को दबोचा है। दिल्ली पुलिस ने म्यूल खाते को लेकर एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। क्या होते हैं 'म्यूल खाते' स्टॉक मार्केट में निवेश करने वालों को यह खाता क्यों उपलब्ध कराए जाते हैं? कैसे जालसाजों के गिरफ्त में आ जाते हैं म्यूल खाता प्रोवाइड करने वाले? साइबर सेल के अनुसार, पीड़ितों को सोशल मीडिया, खासकर फेसबुक के माध्यम से संपर्क किया जाता था। उन्हें फॉरेक्स ट्रेडिंग और शेयर बाजार में निवेश के लिए लुभाया जाता था। विश्वास जीतने के लिए उन्हें मैनिपुलेट किए गए ऑनलाइन समूहों में जोड़ा जाता था, जहां फर्जी मुनाफे को दर्शाया जाता था।

क्या है पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी वीक

जिसे इस साल नहीं मनाएंगे नक्सली घुटने टेकने को हुए तैयार?

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। भारत सरकार के गृह मंत्री अमित शाह ने ऐलान किया था कि मार्च 2026 तक भारत नक्सल मुक्त होगा। 2025 के अंत आते ही लग रहा कि नक्सल भारत में अपनी आखिरी सांसे गिन रहा है। पिछले हफ्ते सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के सबसे बड़े कमांडर हिडमा को मार गिराया। रविवार को कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (माओवादी) की महाराष्ट्र-मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ स्पेशल जोनल कमेटी ने कथित तौर पर तीनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों को एक लेटर लिखा है। जिसमें सरेंडर करने की मांग की गई है। इसी लेटर में एमएमएस ने कहा है कि वह अपने प्रस्ताव पर भरोसा दिखाने के लिए इस बार पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी वीक नहीं मनाएंगे। एमएमएस ने पत्र में लिखा, "विश्वास का संकेत देने के लिए माओवादी इस साल 2 दिसंबर से शुरू होने वाला पीएलजीए सप्ताहनहीं मनाएंगे।" इस खबर के बाहर आने के बाद इस पीएलजीए वीक के बारे में चर्चा होने लगी है, आइये जानते हैं ये वीक क्या और क्यों मनाया जाता है।

क्या है पीएलजीए वीक?

हर साल 2 से 8 दिसंबर तक पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) हफ्ता मनाती है। इसमें पीएलजीए के उन सदस्यों को याद किया जाता था, जो सुरक्षा बलों के खिलाफ हमले के दौरान मारे जाते थे। इसके अलावा इसी वीक के दौरान संगठन के साल भर का लेखा-जोखा जारी किया जाता था। जाहिर है कि इसमें भी हिडमा की अहम भूमिका थी।

कुछ खबरों के मुताबिक मारे गए नक्सली हिंसा के सबसे कुख्यात चेहरा रहे हिडमा की अगुवाई में इसी हफ्ते सुरक्षा बलों पर हमले करने की आगे की रणनीति बनाई जाती थी। हिडमा के मारे जाने के बाद पहले ही माओवादी नेटवर्क को झटका लग चुका है। अब वह इस वीक को मनाने से भी पीछे हटते दिख रहे हैं।

सास का कत्ल: लाश संग छोटे बेटे की शादी के लिए आए कपड़े भी जलाए

नींद की गोलियां दे बहू ने बांध दिए थे हाथ-पैर

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली से रूह कंपाने वाला हत्याकांड सामने आया है। उत्तरी दिल्ली के वजीराबाद इलाके में गर्भवती महिला ने प्रॉपर्टी के लालच में सास को नींद की गोलियां देने के बाद हथौड़े से ताबड़तोड़ वारकर उनकी हत्या कर दी। इसके बाद केरोसिन डालकर शव को जला दिया। उत्तरी दिल्ली के वजीराबाद इलाके में गर्भवती ने प्रॉपर्टी के लालच में सास को नींद की गोलियां देने के बाद हथौड़े से ताबड़तोड़ वारकर उनकी हत्या कर दी। इसके बाद केरोसिन डालकर शव को जला दिया।

घर से धुआं उठता देखकर मौके पर पहुंचे पड़ोसियों ने किसी तरह आग पर काबू पाया। कमरे में बुजुर्ग का जला हुआ शव देखकर लोगों के होश उड़ गए। क्राइम टीम और एफएसएल की जांच पड़ताल में सामने आया कि बहू आफरीन गुमराह करने के लिए लूटपाट का सीन भी तैयार किया। लेकिन बाद में वह टूट गई और उसने हत्या की बात स्वीकार कर ली। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया लिया है। बहू आफरीन ने बताया कि उसे लगता था कि उसकी सास नसरीन बेगम (65) सारी प्रॉपर्टी अपने छोटे बेटे रिजवान के नाम कर देगी। इसी बात पर उसने सास की हत्या की योजना बनाई और वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने मकान से वारदात में इस्तेमाल खून से सना हथौड़ा भी बरामद कर लिया है।

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि 19 नवंबर की सुबह मकान की पहली मंजिल पर आग लगने की सूचना मिली थी। पुलिस ने आफरीन से पूछताछ की तो उसने बताया कि घर में चार बदमाश घुस गए थे। इन लोगों ने सास नसरीन की पिटाई करने के बाद लूटपाट की। वारदात के दौरान वह बेहोश हो गईं। बदमाश घर में आग लगाकर वहां से फरार हो गए।

परिजनों ने आशंका जताई है कि अकेले आफरीन खुद इतनी बड़ी वारदात को अंजाम नहीं दे सकती है। हत्या की वजह भी प्रॉपर्टी नहीं कुछ और है। परिवार को आशंका है कि वारदात में किसी और का भी हाथ हो सकता है। इसकी पड़ताल की जा रही है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 26 नवंबर- 2025

आतंकी हैंडलर

दिल्ली धमाके की जांच की परत जैसे-जैसे खुल रही है वैसे-वैसे चिंताएं भी बढ़ने लगी है कि कहीं देश भर के अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों में संदिग्ध गतिविधियों वाले आतंकी हैंडलर की नस्ल तो नहीं पनप रही है। राज्य सरकारों को भी चेताया गया है कि वह इन संस्थानों को लेकर अलर्ट रहें। दिल्ली धमाके में जिस तरह से फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी का नाम आया है, देश भर के अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों को लेकर संदेह गहरा गया है। दिल्ली धमाकों के तार अबतक अल-फलाह के तीन डॉक्टरों से सीधे तौर पर जुड़े पाए गए हैं। खुद फिदायीन हमलावर डॉ. उमर उन नबी भी वहीं पढ़ाता था। अब राज्य सरकारें अपने-अपने अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों पर नजर रखेंगी कि वहां किसी तरह की संदिग्ध गतिविधियां तो नहीं चल रही हैं या फिर किसी तरह की संदिग्ध वित्तीय अनियमितताएं तो नहीं की जा रही हैं। बीते सोमवार को एक उच्च स्तरीय बैठक में इस तरह के मामलों को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कड़े कदम उठाने का फैसला लिया गया है। इस बैठक में एनआईए, ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियों के बड़े अधिकारियों के साथ-साथ राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लेकर आपस में विचार-विमर्श किया है। नतीजतन, राज्य सरकारों को जैसे ही अपने अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों में किसी तरह की संदिग्ध गतिविधियों की भनक लगेगी, वह तुरंत केंद्रीय एजेंसियों को अलर्ट कर देगा। राज्य सरकारों से कहा गया है कि अगर कोई व्यक्ति अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान में नामांकन कराता है, तो यह देखना जरूरी होगा कि उसका अतीत कहीं संदेहास्पद तो नहीं रहा है। अगर कोई संदिग्ध गतिविधियों में शामिल पाया जाता है, उसे लेकर अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है। खासकर यदि वह स्टूडेंट्स के लिए मीडियेटर या हैंडलर के रूप में संदिग्ध गतिविधियों को अंजाम दे रहा है और वह भी विशेष रूप से जम्मू और कश्मीर से है तो उसको कडी निगरानी में रखा जाना चाहिए। राज्य सरकारों को 'स्पष्ट तौर पर यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि जांच-पड़ताल की वजह से किसी भी शिक्षण संस्थानों को किसी तरह की असुविधा न हो। जांच एजेंसियों की एकमात्र कोशिश होगी कि भविष्य में ऐसी किसी भी अप्रिय वारदात की पुनरावृत्ति न हो। इसके अलावा किसी भी संस्था या व्यक्ति को टारगेट करने से परहेज भी किया जाए। उल्लेखनीय है कि अल-फलाह ग्रुप का फाउंडर और चेयरमैन जवाद अहमद सिद्दीकी पहले से ही प्रवर्तन निदेशालय के शिकंजे में है। जब, उसकी यूनिवर्सिटी के तीन डॉक्टरों का नाम टेरर मॉड्यूल के रूप में सामने आया तो कुछ ही दिन बाद ईडी ने इसे गिरफ्तार कर लिया था। जवाद के ट्रस्ट से जुड़े करीब दो दर्जन ठिकानों पर ईडी छापा मार चुकी है। जवाद से जुड़ी यूएई की दो प्रॉपर्टी, यूके समेत विदेशी स्रोत से मिले हजारों डॉलर के फंड की जांच की की जा रही है। ईडी उन लोगों की भी तहकीकात कर रहा है, जो जवाद के लगातार संपर्क में रहे हैं। इन गतिविधियों को देखने के बाद भी जांच एजेंसियों ने ऐसे संस्थानों पर अपनी नजरें गडा दी है।

बंद आंखों से जीत ली दुनिया

आरके जैन

अँधकार की गिरहों को उधेड़कर उजाले को अपनी मुट्ठी में भर लेने का साहस-जहाँ आँखों में रोशनी भले न हो, पर भीतर का आकाश सपनों से दिपदिपाता हो-उसी पवित्र जगह पर भारत की बेटियाँ वह इतिहास रच रही हैं जो केवल धरती की धूल को सम्मान नहीं देता, बल्कि समाज की उन कठोर दीवारों को भी ध्वस्त करता है जो दृष्टि की कमी को सीमा समझ बैठी थीं। ये बेटियाँ साबित करती हैं-जब मन देखना सीख ले, तो दुनिया की हर बाधा धुंधली पड़ जाती है। जब कोलंबो के पी. सरवणमुत्तू स्टेडियम में सफेद गेंद खड़खड़ाती हुई विकेट की ओर लुढ़की और फुला सरेन ने उसे एक करारे शॉट में बाउंड्री के पार भेजा, तो उस एक पल में सदियों की चुप्पी टूट गई। भारत ने नेपाल को सात विकेट से रौंदकर पहला दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप (11 नवंबर से 23 नवंबर 2025 तक कोलंबो, श्रीलंका में आयोजित) अपने नाम कर लिया। बारह ओवर, तीन विकेट, 117 रन। लक्ष्य पूरा। यह सिर्फ़ जीत नहीं थी; यह उन अनगिनत भारतीय महिलाओं की सामूहिक पुकार थी, जिन्हें कभी मैदान से वंचित किया गया, घर की दीवारों में बाँध दिया गया, जिनकी आँखें तो खुली थीं पर सपनों को अंधा कर दिया गया था। आज उन सपनों ने काली पट्टी बाँधकर दुनिया को समझा दिया-अंधेरा आँखों में नहीं, इरादों में बसता है-और हमारे इरादे धधक रहे हैं।

इस उद्घाटन दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप में नियमों की कठोरता ने खेल को एक अनुशासन नहीं, एक जीवंत कला बना दिया। सोचिए उस गेंदबाज़ को, जो पहले धीमे से पूछता है, "तैयार हो?" और फिर "प्ले!" की पुकार के साथ अंडरआर्म गेंद डालता है, जिसे कम-से-कम एक उछाल अनिवार्य है। हर टीम में 11 योद्धा—पर उनमें कम से कम चार पूर्ण नेत्रहीन, बी-1 श्रेणी के (खिलाड़ी पट्टी बाँधते हैं), जिनके हर रन को दोगुना गिना जाता है। बी-1 बल्लेबाज़ रनर संग खेलते हैं, स्टंपिंग से मुक्त। फील्डर अपनी जगह ताली से बताते हैं, और आंशिक दृष्टि वाले बी-2 (2 मीटर तक) और बी-3 (6 मीटर तक) अपनी सीमित रोशनी में दुनिया को फिर से आकार देते हैं। यह क्रिकेट नहीं, एक संवेदनशील संवाद है-आवाजों का, स्पर्श का, और उस अदृश्य विश्वास का। और यही विश्वास कहता है-अंधेरा आँखों में हो सकता है, पर जीत हमेशा उस उजाले की होती है जो भीतर जलता है।

यह विश्व कप पहला था, इसलिए इसके हर रन में इतिहास लिखा जा रहा था। छह देश-ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, श्रीलंका, संयुक्त राज्य अमेरिका, नेपाल और भारत-एक ही मैदान पर, सबकी आँखें पट्टी से ढकी, फिर भी दृष्टि सबसे साफ़ भारत की थी। पूरे टूर्नामेंट में उसने एक भी मैच नहीं गंवाया। सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया बिखर गया, और फाइनल में नेपाल को इस कदर दबोचा गया कि पूरी पारी में उसके बल्ले से सिर्फ़ एक चौका निकला-सिर्फ़ एक। बाकी सब डॉट या विकेट। यह सिर्फ़ दबदबा नहीं था; यह अस्तित्व की धमक थी। फुला सरेन की प्लेयर ऑफ द मैच नाबाद 44 रन की पारी कोई सांख्यिकीय उपलब्धि नहीं, बल्कि झारखंड की उन आदिवासी बस्तियों से उठी लौ थी जहाँ बिजली की रौशनी आज भी संकोच में है, मगर हौसले सदियों से जलते आए हैं। उसने हर रन बी-1 श्रेणी में खेलते हुए बनाया-यानी पूरी तरह नेत्रहीन होकर। और नियम कहता है, बी1 का हर रन दोगुना गिना जाता है। यानी मैदान पर उसके 44 रन, स्कोरबोर्ड की दृष्टि में 88 बनकर दहाड़े-समाज की उन सारी आवाज़ों के मुँह पर, जिन्होंने कभी कहा था, "तू अंधी है, तू क्या कर लेगी?" पाकिस्तान की मेहरीन अली ने इस टूर्नामेंट में 600 से ज़्यादा रन बरसाए-78 गेंदों पर 230, टी-20 इतिहास की पहली डबल सेंचुरी। फिर भी सेमीफाइनल में नेपाल ने उसकी गति रोक दी। मेहरीन टूटी नहीं; उसने बस इतना कहा-"मेरा खेल खत्म नहीं हुआ।" और उसी सच को भारत की टीम ने उजागर कर दिया। खेल कभी समाप्त नहीं होता, वह बस अपना रूप बदलता है। आज उसका रूप विश्व कप की चमकती ट्रॉफी है; कल वही रूप लाखों नेत्रहीन लड़कियों में जगेगा, जो अब गली-मोहल्लों में प्लास्टिक की गेंद की खड़खड़ाहट सुनकर अपनी पहली बल्लेबाज़ी रचेंगी-और उस खड़खड़ाहट में अपने भविष्य की आवाज़ पहचानेंगी। हम उस देश में रहते हैं जहाँ दिव्यांगता को योग्यता नहीं, दया की चादर ओढ़ा दी जाती है। ऐसे में यह जीत सिर्फ़ एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति का पहला अंकुर है। 2011 की जनगणना अनुसार, भारत के 2.68 करोड़ दिव्यांग नागरिकों में लगभग 50 लाख नेत्रहीन हैं, जिनमें आधे से अधिक महिलाएँ। लेकिन खेल के मैदान पर उनकी उपस्थिति लगभग शून्य-क्रिकेट तो उनकी दुनिया में मानो किसी कल्पना-लोक की चीज़ रही।

यही कारण है कि डब्ल्यूबीसीसी के तहत खेला गया यह विश्व कप सिर्फ़ टूर्नामेंट नहीं, सशक्तिकरण का जीवंत प्रतीक बन गया। अरबों का बजट रखने वाले क्रिकेट बोर्ड के सामने ब्लाइंड क्रिकेट को आज भी फंड की गुहार लगानी पड़ती है। फिर भी ये बेटियाँ विश्व चैंपियन बनकर लौटीं। यह जीत नहीं-व्यवस्था के गाल पर गूँजता हुआ थप्पड़ है। यह सवाल है-जब ये लड़कियाँ आँखें बंद करके विश्व कप जीत सकती हैं, तो आँखें खोलकर हमारा सिस्टम इन्हें सम्मान देने से अब तक क्यों अंधा बना हुआ है? अब समय आ गया है साफ़-साफ़ फैसला करने का-या तो हम इन बेटियों को वही सम्मान दें जिसके वे जन्म से हक़दार हैं: राष्ट्रीय परेड में स्थान, स्टेडियमों की दीवारों पर उनके नाम, और आईपीएल जैसी भव्य एक ब्लाइंड महिला लीग; या फिर हम अपनी पुरानी आदत के मुताबिक़ इन्हें फिर से अनदेखा कर दें। पर याद रखें-इतिहास भुलक्कड़ नहीं होता। 2025 का यह नवंबर साफ़ कर चुका है कि भारत की असली ताकत उसकी बेटियों की धड़कनों में बसती है-भले ही उनकी आँखें देखती हों या नहीं। फुला सरेन, गंगाधारी महतो, रवीना, दीपाली-ये नाम अब सिर्फ़ स्कोरकार्ड पर नहीं, बल्कि इस देश की चेतना, उसके हर कोने, हर स्मृति और हर गर्व में दर्ज होने चाहिए।

इस जीत की गूंज, कोलंबो से दिल्ली तक, सोशल मीडिया पर तूफ़ान बन गई, जहां आम लोग अपनी कहानियां साझा कर रहे हैं। एक मां ने लिखा, मेरी बेटी भी अब आंखों की कमी से नहीं डरेगी। यह भावनात्मक उफान, तो जैसे नदी का बहाव जो बांध तोड़ देता है। नेपाल की हार में भी विजय है-उनकी सरिता घिमीरे ने साबित किया कि हिमालय की बेटियां भी मैदान पर गरज सकती हैं। भारत की अजेयता, टूर्नामेंट भर बरकरार, तो जैसे एक मंत्रः अंधकार में भी प्रकाश है, बस सुनना सीखो। भविष्य? अगला विश्व कप, 2027 में प्रस्तावित, भारत यदि अकेला मेजबान बना और फुला, सरिता, मेहरीन साथ खेलीं-तो वह क्रिकेट का महोत्सव नहीं, मानवता का उत्सव होगा। वहाँ गेंद की खड़खड़ाहट संगीत बन जाएगी, और पट्टीबद्ध आँखें सपनों की खुली खिड़कियाँ। भारत की बेटियों ने साबित कर दिया-इतिहास रचने के लिए आंखें नहीं, हौसला चाहिए। और यह हौसला, अब अमर हो चुका है। जो देश अपनी बेटियों को आँखों पर पट्टी बाँधकर भी विश्व विजेता बना दे-उसे कोई ताकत, कोई अंधेरा, कोई संदेह हरा नहीं सकता। यह विश्व कप नहीं था-यह घोषणा थी। भारत की नेत्रहीन बेटियों की घोषणा कि अंधेरा चाहे जितना भी गहरा क्यों न हो, हम उसी के भीतर अपना सूरज गढ़ देते हैं।

'हमेशा ऑनलाइन' के मायाजाल में थकते युवा

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

आज का भारतीय समाज एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है जहाँ तकनीक अवसर भी दे रही है और संकट भी खड़ा कर रही है। सोशल मीडिया का तेजी से बढ़ता दायरा इस संक्रमणकाल का सबसे बड़ा प्रतीक है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, एक्स और अन्य प्लेटफॉर्म ने आम लोगों को वह मंच दिया है, जिसकी कल्पना कुछ दशक पहले संभव नहीं थी। लेकिन यह सशक्तिकरण जितनी उम्मीदें लेकर आया था, उतने ही उलझाव उसने मनोवैज्ञानिक और सामाजिक स्तर पर पैदा कर दिए हैं। युवा पीढ़ी लाइक, व्यूज़, फॉलोअर्स और डिजिटल सेलिब्रिटी बनने की सतही चाह में उलझकर मानसिक थकान और सामाजिक दूरी के ऐसे भंवर में फंसती जा रही है जो दिखाई तो नहीं देता, पर भीतर तक कमजोर कर रहा है। भारत में सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं की संख्या 50 करोड़ पार कर चुकी है-यह दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल समुदायों में से एक है। यह संख्या जितनी विशाल है, उससे कहीं अधिक विशाल है वह दबाव, जो इसने युवाओं के मन पर डाला है। सुबह उठते ही फोन उठाकर रात को आंख बंद होने तक स्क्रीन पर स्क्रोल करते रहने की आदत आज सामान्य लगती है, लेकिन यह सामान्यता ही सबसे बड़ा खतरा बन चुकी है। लाइक-व्यूज़ के माध्यम से मान्यता पाने की चाह युवाओं को धीरे-धीरे वास्तविक जीवन से काट रही है।

सोशल मीडिया का सबसे आकर्षक और सबसे खतरनाक पहलू यह है कि यह एक समानांतर दुनिया रचता है—एक ऐसी दुनिया जहाँ आप अपनी इच्छानुसार छवि गढ़ सकते हैं, अपनी वास्तविकता से अलग व्यक्तित्व प्रदर्शित कर सकते हैं और अपनी जिंदगी को चमकदार फ्रेम्स में पिरो सकते हैं। लेकिन इस दुनिया में स्वीकृति की कीमत बहुत भारी है। कुछ सेकंड का ध्यान पाने के लिए लगातार नए पोस्ट, नई तस्वीरें, नए रील्स और नई अभिव्यक्तियाँ देनी पड़ती हैं। युवाओं में यह दबाव बढ़ रहा है कि यदि उनकी पोस्ट को पर्याप्त लाइक या व्यूज़ नहीं मिले, तो वे किसी अदृश्य प्रतियोगिता में पिछड़ गए हैं। यह डिजिटल पहचान की एक ऐसी प्रतिस्पर्धा है जिसमें न कोई स्पष्ट लक्ष्य है, न कोई अंत, और न ही कोई वास्तविक विजेता। हर युवा अपनी ही छवि की तुलना दूसरों से करता है। किसी और की मुस्कुराहट, जीवनशैली, शरीर, छुट्टियाँ, करियर, रिश्ते—सब कुछ तुलना का आधार बन जाता है। यह तुलना आत्म-सम्मान को चोट पहुंचाती है और धीरे-धीरे युवा महसूस करने लगते हैं कि वास्तविक जीवन में जितना वे पाते हैं, वह पर्याप्त नहीं है।

कई सर्वे बताते हैं कि 18–34 आयु वर्ग के 59% युवा स्वीकार करते हैं कि सोशल मीडिया उनके मानसिक संतुलन को प्रभावित कर रहा है। इनमें चिंता, तनाव, अनिद्रा, ओवरथिंकिंग, अत्यधिक उत्तेजना और आत्म-संदेह जैसी समस्याएँ तेजी से बढ़ रही हैं। युवाओं के दिमाग में हर समय दो सवाल घूमते रहते हैं-इस पोस्ट पर कितने लाइक आए? लोग मेरे बारे में क्या सोच रहे होंगे? इन सवालों का बोझ इतना बढ़ चुका है कि वास्तविक उपलब्धियाँ भी कई बार डिजिटल प्रतिक्रिया के बिना युवा को अधूरी लगती हैं। आत्मविश्वास की नींव खुद के मूल्य पर नहीं, बल्कि दूसरों की डिजिटल स्वीकृति पर टिकने लगती है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि सोशल मीडिया पर अधिक समय बिताने वाले युवाओं में अवसाद और अकेलेपन की समस्या तेजी से बढ़ी है। बाहर से वे "कनेक्टेड" दिखते हैं, लेकिन भीतर वे अत्यधिक अलगाव महसूस करते हैं। वास्तविक बातचीत में कमी आने से भावनात्मक अभिव्यक्ति भी कमजोर हो गई है। आज कई परिवारों में यह आम दृश्य है कि भोजन की मेज पर बैठे सभी लोग मोबाइल स्क्रीन में झुके हैं। माता-पिता कभी समझ नहीं पाते कि बच्चे किस पोस्ट को बनाने में इतना वक्त लगा रहे हैं, या क्यों एक तस्वीर को कई बार परफेक्ट एंगल से लेना आवश्यक है। युवा पीढ़ी की भावनाएँ, संवाद शैली और प्राथमिकताएँ तेजी से डिजिटल स्वरूप में बदल रही हैं, जबकि बुजुर्ग अभी भी वास्तविक संवाद और संबंधों को महत्व देते हैं। इस पीढ़ीगत अंतर ने परिवारों को भावनात्मक रूप से दूर कर दिया है।

दोस्तों के साथ घूमने जाना अब एक अनुभव नहीं, बल्कि कंटेंट बनाने का अवसर बन गया है। हर जगह "पोस्ट करने लायक" तस्वीर ढूंढना मानो एक अनिवार्य कार्य बन गया है। रिश्ते धीरे-धीरे वास्तविकता से हटकर प्रदर्शन के माध्यम बन रहे हैं। कई युवा स्वीकार करते हैं कि वे सोशल मीडिया पर दिखने वाले "परफेक्ट रिश्तों" से प्रभावित होकर अपने संबंधों को लेकर अनावश्यक उम्मीदें पाल लेते हैं, जो बाद में निराशा का कारण बनती हैं। सोशल मीडिया की सबसे बड़ी समस्या है-हमेशा उपलब्ध रहने का दबाव। नोटिफिकेशन की लगातार झंकार, मैसेज का तुरंत जवाब देने की आदत, किसी नए ट्रेंड में पीछे न छूटने का डर, और हर समय अपडेटेड दिखने की चाह युवाओं की मानसिक ऊर्जा को धीरे-धीरे खत्म कर रही है। डिजिटल थकान आज एक वास्तविक समस्या बन चुकी है। कई युवा रात को देर तक नींद नहीं ले पाते क्योंकि उन्हें लगता है कि वे कुछ मिस कर देंगे। दिन में उनकी एकाग्रता भंग रहती है क्योंकि दिमाग हर समय स्क्रीन की ओर खिंचता रहता है। यह चक्र अंतहीन है और जितना समय बढ़ता है, उतनी थकान गहराती जाती है।

प्लेटफॉर्म्स का उद्देश्य सरल है-उपयोगकर्ता को जितना अधिक समय स्क्रीन पर रोके रखा जाए, उतना अधिक लाभ। एल्गोरिद्म इस तरह डिजाइन किए जाते हैं कि उपयोगकर्ता स्क्रोल करना बंद ही न करे। वीडियो एक के बाद एक चलते रहते हैं, नोटिफिकेशन लगातार आकर्षित करते रहते हैं और कंटेंट का चयन इस प्रकार किया जाता है कि उपयोगकर्ता को लगे-"बस थोड़ा और।" इस रणनीति का सबसे अधिक प्रभाव युवा दिमागों पर पड़ता है, जो अभी भावनात्मक और बौद्धिक रूप से परिपक्व हो रहे होते हैं। उन्हें यह समझ नहीं आता कि सोशल मीडिया की यह दुनिया उनके समय, ऊर्जा और आत्मसम्मान को लगातार प्रभावित कर रही है।

समस्या जितनी बड़ी है, उसका समाधान भी उतना ही व्यवहारिक है—डिजिटल अनुशासन। युवाओं को प्रतिदिन एक निश्चित समय तय करना चाहिए—इससे आदतें नियंत्रित होंगी और थकान कम होगी। अनावश्यक नोटिफिकेशन बंद करने से मन पर होने वाला दबाव कम होता है। खुद को दूसरों के बनाए 'हाइलाइट रील' से तुलना करना बंद करना जरूरी है। परिवार, दोस्तों, किताबों, प्रकृति, खेल और रचनात्मक गतिविधियों पर ध्यान देना सकारात्मक ऊर्जा देता है। स्कूलों-कॉलेजों में डिजिटल व्यवहार और मानसिक स्वास्थ्य पर पाठ्यक्रम जोड़ना समय की मांग है। अभिभावकों को भी बच्चों में मोबाइल उपयोग की आदतों पर संयमित और संवेदनशील निगरानी रखनी चाहिए।

युवाओं को यह समझने की आवश्यकता है कि उनकी वास्तविक प्रतिभा, भावनाएँ, रचनात्मकता और मेहनत किसी स्क्रीन पर आए आंकड़ों से अधिक मूल्यवान हैं। जीवन का अर्थ डिजिटल तालियों से नहीं, बल्कि वास्तविक अनुभवों, रिश्तों और आत्मविकास से बनता है। सोशल मीडिया ने दुनिया को छोटा जरूर बनाया है, लेकिन इसका उपयोग यदि संयमित न हो तो यह हमारे ही जीवन का दायरा छोटा कर देता है। समय आ गया है कि युवा इस मायाजाल से जागें, स्क्रीन से थोड़ी दूरी बनाएं और अपनी वास्तविक पहचान की ओर लौटें। क्योंकि लाइक-व्यूज़ की यह दौड़ अंतहीन है-और इसमें थकना निश्चित है। लेकिन जीवन की दौड़ के रास्ते अनंत हैं, अर्थपूर्ण हैं और सच्चे हैं।

विश्व का सबसे प्रगतिशील संविधान है भारतीय संविधान

श्वेता गोयल

प्रतिवर्ष 26 नवम्बर को देश में संविधान दिवस मनाया जाता है और इस वर्ष भारतीय संविधान की 76 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पूरी हो रही है। वैसे तो भारतीय संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ था लेकिन इसे स्वीकृत 26 नवम्बर 1949 को ही कर लिया गया था। भारत के संविधान ने विगत सात दशकों में राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तनों के माध्यम से न केवल राष्ट्र का मार्गदर्शन किया है बल्कि न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को सुनिश्चित भी किया है, जो भारत के शासन के मूल सिद्धांत हैं। इन मूल्यों को ही प्रतिवर्ष संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। 26 नवम्बर वास्तव में वह ऐतिहासिक क्षण है, जब भारत ने केवल एक संविधान नहीं अपनाया बल्कि एक नए युग, नई चेतना और नए आत्मविश्वास को जन्म दिया। यह वही दिन है, जब डा. भीमराव अम्बेडकर और संविधान निर्माताओं की अद्भुत दूरदृष्टि ने करोड़ों भारतीयों को समानता, न्याय और अधिकारों का अटूट आधार दिया। भारतीय संविधान केवल कानूनों का संग्रह नहीं बल्कि एक ऐसी जीवंत प्रतिज्ञा है, जो हर नागरिक को उसकी गरिमा, स्वतंत्रता और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी का बोध कराती है। संविधान दिवस हमें याद दिलाता है कि भारत की ताकत उसकी विविधता में नहीं बल्कि उस विविधता को एक सूत्र में पिरोने वाले संविधान में निहित है।

डा. भीमराव अम्बेडकर के अथक प्रयासों के कारण ही भारत का संविधान ऐसे रूप में सामने आया था, जिसे दुनिया के कई अन्य देशों ने भी अपनाया। वर्ष 2015 में डा. अम्बेडकर के 125वें जयंती वर्ष में पहली बार देश में 26 नवम्बर को संविधान दिवस मनाए जाने का निर्णय लिया गया था। भारत का संविधान दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान है, जो 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया था। संविधान प्रारूप समिति की बैठकें 114 दिनों तक चली थी और संविधान के निर्माण में करीब तीन वर्ष का समय लगा था। संविधान के निर्माण कार्य पर करीब 64 लाख रुपये खर्च हुए थे और इसके निर्माण कार्य में कुल 7635 सूचनाओं पर चर्चा की गई थी। मूल संविधान में सात मौलिक अधिकार थे लेकिन 44वें संविधान संशोधन के जरिये सम्पत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकारों की सूची से हटाकर संविधान के अनुच्छेद 300 (ए) के अंतर्गत कानूनी अधिकार के रूप में रखा गया, जिसके बाद भारतीय नागरिकों को छह मूल अधिकार प्राप्त हैं, जिनमें समता या समानता का अधिकार (अनुच्छेद 14 से अनुच्छेद 18), स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19 से 22), शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23 से 24), धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25 से 28), संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार (अनुच्छेद 29 से 30) तथा संवैधानिक अधिकार (अनुच्छेद 32) शामिल हैं। संविधान के भाग-3 में अनुच्छेद 12 से अनुच्छेद 35 के अंतर्गत मूल अधिकारों का वर्णन है और संविधान में यह व्यवस्था भी की गई है कि इनमें संशोधन भी हो सकता है तथा राष्ट्रीय आपात के दौरान जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार को छोड़कर अन्य मौलिक अधिकारों को स्थगित किया जा सकता है।

भारतीय संविधान से जुड़े रोचक तथ्यों पर नजर डालें तो हमारे संविधान की सबसे बड़ी रोचक बात यही है कि यह दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। सर्वप्रथम सन् 1895 में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने मांग की थी कि अंग्रेजों के अधीनस्थ भारत का संविधान स्वयं भारतीयों द्वारा बनाया जाना चाहिए लेकिन भारत के लिए स्वतंत्र संविधान सभा के गठन की मांग को ब्रिटिश सरकार द्वारा ठुकरा दिया गया था।

1922 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने मांग की कि भारत का राजनैतिक भाग्य भारतीय स्वयं बनाएंगे लेकिन अंग्रेजों द्वारा संविधान सभा के गठन की लगातार उठती मांग को ठुकराया जाता रहा। आखिरकार 1939 में कांग्रेस अधिवेशन में पारित प्रस्ताव में कहा गया कि स्वतंत्र भारत के संविधान के निर्माण के लिए संविधान सभा ही एकमात्र उपाय है और सन् 1940 में ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत का संविधान भारत के लोगों द्वारा ही बनाए जाने की मांग को स्वीकार कर लिया गया। 1942 में क्रिप्स कमीशन द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में निर्वाचित संविधान सभा का गठन किया जाएगा, जो भारत का संविधान तैयार करेगी।

सच्चिदानंद सिन्हा की अध्यक्षता में 9 दिसम्बर 1946 को संविधान सभा पहली बार समवेत हुई किन्तु अलग पाकिस्तान बनाने की मांग को लेकर मुस्लिम लीग द्वारा बैठक का बहिष्कार किया गया। दो दिन बाद संविधान सभा की बैठक में डा. राजेन्द्र प्रसाद को संविधान सभा का अध्यक्ष चुना गया और वे संविधान बनाने का कार्य पूरा होने तक इस पद पर आसीन रहे। 15 अगस्त 1947 को भारत अंग्रेजों की गुलामी से आजाद हुआ और संविधान सभा द्वारा 29 अगस्त 1947 को संविधान का मसौदा तैयार करने वाली 'संविधान निर्मात्री समिति' का गठन किया गया, सर्वसम्मति से जिसके अध्यक्ष बने भारतीय संविधान के जनक डा. भीमराव अम्बेडकर। संविधान के उद्देश्यों को प्रकट करने के लिए संविधान में पहले एक प्रस्तावना प्रस्तुत की गई है, जिससे भारतीय संविधान का सार, उसकी अपेक्षाएं, उसका उद्देश्य, उसका लक्ष्य तथा दर्शन प्रकट होता है।

दक्षिण अफ्रीका में भरोसे का नया पैमाना

संजीव ठाकुर

भारत आज एक नए अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में तेजी से अग्रसर है; मोदी सरकार की विदेश नीतियाँ, आर्थिक सुधार और रणनीतिक साझेदारियाँ यह स्पष्ट करती हैं कि भारत अब किसी अन्य का मोहताज नहीं रहा, बल्कि अब विश्व शक्तिशाली देशों के लिए एक भरोसेमंद मित्र बन गया है1 अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, इजराइल और एशियाई-अरब देश भारत को आर्थिक, सामरिक और राजन नीतिक दृष्टि से केंद्र में देखना चाहते हैं। अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्रियों के अनुमान हैं कि आने वाले कूछ वर्षों में भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है, और उसकी थल सेना विश्व में चौथे स्थान पर मजबूती से खड़ी हो सकती है ।यह सब देश-स्तर के आत्मविश्वास और नई शक्ति की झलक है। भारत के आधुनिक विकास की नींव पंडित जवाहरलाल नेहरू के विजन से ही रखी गई थी: उन्होंने स्वतंत्रता के बाद पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से कृषि, उद्योग, विज्ञान और स्वास्थ्य में वैज्ञानिक सोच को बुनियाद दी, ताकि भारत वैश्विक परिप्रेक्ष्य में समृद्धि और शक्तिशाली राष्ट्र बने। समय के साथ सरकारें बदलती रहीं, लेकिन विकास की गति, ठहरने की बजाय, लेकर आगे बढ़ती रही, और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज इस विकास यात्रा को नई गति मिली है। आर्थिक दृष्टिकोण से देखें तो आईएमएफ की नवीनतम रिपोर्ट बताती है कि भारत 2025 में विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है, जिसकी नॉमिनल जीडीपी लगभग 4.19 ट्रिलियन डॉलर है, और यदि वर्तमान आर्थिक नीतियाँ बनी रहीं, तो अगले कुछ वर्षों में जर्मनी को पीछे छोड़कर तीसरे स्थान पर पहुंचने की संभावनाएँ हैं। क्रिसिल भी सहमत है कि 2025-2031 के बीच भारत की अर्थव्यवस्था लगभग 7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है, और प्रति-व्यक्ति आय 4,500 अमेरिकी डॉलर तक बढ़ सकती है जिससे भारत उच्च-मध्यम आय वाले देशों की श्रेणी में आएगा। विश्व बैंक भी भविष्यवाणी करता है कि भारत के लिए वित्त वर्ष 2025-26 में जीडीपी वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत के करीब होगी, जो निजी खपत, सार्वजनिक निवेश और घरेलू मांग की मजबूती का संकेत है। सामरिक दृष्टि से भी भारत की ताकत कम नहीं है: उसकी सेना अब वैश्विक मंच पर एक शक्तिशाली और भरोसेमंद ताकत के रूप में उभर रही है, जिससे छोटे और बड़े देशों दोनों के लिए भारत के साथ साझेदारी आकर्षक होती जा रही है। इस सामरिक महत्व ने भारत को केवल आर्थिक साझेदारी का केंद्र नहीं बनाया, बल्कि सुरक्षा सहयोग का भी भरोसेमंद आधार बना दिया है।

लेकिन जैसा कि विकास की कहानी चमक-दमक से भरी है, वास्तविक धरातल पर चुनौतियाँ भी बहुत बड़ी हैं। भारत की जनसंख्या 140 करोड़ के करीब पहुंच चुकी है, और गर ि बी, बेरोजगारी, असमानता, धार्मिक कट्टरता और अंधविश्वास जैसी दीर्घकालीन समस्याएँ अभी हल नहीं हुई हैं। गरीबी की दृष्टि से, विश्व बैंक के आंकड़े बताते हैं कि अतिमहंगाई या "e अत्यधिक गरीबी दर 2022-23 में $2.15 प्रति दिन की पीपीपी आधार रेखा पर घटकर 2.3 प्रतिशत हो गई है, और इससे करीब 1.71 अरब मानव जीवन बेहतर हुआ है। यह वास्तव में एक बड़ी उपलब्धि है, लेकिन इसका मतलब यह भी है कि हमारे देश का बहुत बड़ा हिस्सा अब भी आर्थिक विसंगति, असुरक्षा और निर्धनता के पारिस्थितिक चक्र से पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाया है। बेरोजगारी, विशेष रूप से युवा और स्नातक श्रेणियों में, भी एक गंभीर समस्या है: कुछ रिपोर्टों के अनुसार, विश्वविद्यालय स्नातकों में बेरोजगारी दर बहुत अधिक है, और अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में अरबों युवा अस्थिर रोजगार पर निर्भर हैं। ऊर्जा सुरक्षा भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। भारत अपनी अधिकांश ऊर्जा-विशेषकर कच्चे तेल-की जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है: वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत की क्रूड ऑइल आयात निर्भरता लगभग 87.7 प्रतिशत तक पहुंच गई, जबकि घरेलू उत्पादन लगभग स्थिर है। इस निर्भरता के चलते भारत वैश्विक तेल कीमतों की अस्थिरता के प्रति संवेदनशील है, और यह व्यापार घाटा, मुद्रा अस्थिरता और महंगाई जैसे जोखिमों को बढ़ा सकती है। ऊर्जा संतुलन बनाने के लिए आंतरिक तेल उत्पादन में और त्वरित सुधार करना होगा।

द ग्रेट 'कवि-सम्मेलन' वॉर

डॉ. सुरेश कुमार

मिसिरबाबू, आपको फिर से लख-लख बधाइयाँ! इस बार आप उस महायुद्ध से बच निकले हैं जिसका नाम है "द ग्रेट कवि-सम्मेलन वॉर"। यह कोई साधारण युद्ध नहीं, यह कविता का मंचीय महाभारत है, जहाँ अर्जुन और दुर्योधन की जगह अब 'कवि' और 'संयोजक' खड़े हैं। यहाँ तीर-कमान नहीं चलते, बल्कि 'माइक', 'तालियाँ' और 'पैसे दो पहले' के नारे चलते हैं। यह वह युद्ध है जिसमें कविता, साहित्य और संस्कृति सब कुछ 'स्टेज लाइट' की गोली से ढेर हो जाते हैं। सोचिए मिसिरबाबू, कल तक जो कवि अपने कमरे में गहन चिंतन करके कविता लिखते थे, आज वही कवि मंच पर खड़े होकर 'सुरीली मूर्खता' गा रहे हैं। मोहल्ले का शर्मा जी, जिनके घर में कभी 'दिनकर' और 'निराला' की किताबें थीं, अब कवि-सम्मेलन में जाकर 'हँसी के ठहाके' खरीद रहे हैं क्योंकि टिकट सिनेमा से सस्ता है। कविता की परिभाषा अब इतनी नाजुक हो गई है कि अगर कवि ने मंच पर 'देशभक्ति' की दो लाइनें नहीं पढ़ीं तो श्रोता उसे 'देशद्रोही' घोषित कर देते हैं। यमलोक में भी इस 'कवि-सम्मेलन वॉर' का असर पहुँच चुका है। चित्रगुप्त जी का 'कविता-प्रोसेसर 2.0' बार-बार क्रैश हो रहा है। यमराज ने इमरजेंसी मीटिंग बुलाई। चित्रगुप्त! ये क्या हो रहा है? कल तक जो लोग 'कविता' लिखकर पुण्य कमा रहे थे, आज उनके खाते में 'स्टेज पर उखाड़ दिया' की एंट्री क्यों आ रही है? चित्रगुप्त ने सिर पीट लिया। प्रभु, अब पुण्य और पाप का हिसाब कविता से नहीं, बल्कि 'तालियों' से तय होता है। जिसने सबसे ज़्यादा तालियाँ बटोरीं वही पुण्यवान है। जिसने मंच पर फिसड्डी साबित किया गया वही पापी है। और जिसने कविता लिखी लेकिन मंच पर नहीं पढ़ी, उसे तो सीधे नरक में भेजा जा रहा है। मिसिरबाबू, यह युद्ध इतना खतरनाक है कि अब कविता की असली परीक्षा 'तालियों' और 'हँसी' से होती है। कवि संयोजक को 'ब्लॉक' कर रहा है क्योंकि उसने पैसे नहीं दिए। संयोजक कवि को 'अनफ्रेंड' कर रहा है क्योंकि उसने मंच पर 'फ्लॉप' कर दिया। भाई कवि भाई कवि को 'उखाड़' रहा है क्योंकि उसने उससे ज़्यादा तालियाँ बटोर लीं। यह वह युद्ध है जहाँ खून नहीं बहता, बल्कि 'सम्मान' बहता है। यह वह युद्ध है जहाँ तलवारें नहीं चलतीं, बल्कि 'माइक' चलता है। और यह वह युद्ध है जहाँ कविता की कब्रें हर दिन खोदी जाती हैं, और हर दिन कोई न कोई 'कवि' मंच पर दफ़न हो जाता है। कवि-सम्मेलन की 'ट्रोल-आर्मी' इस युद्ध की असली सेनापति है। वे तय करते हैं कि कौन 'महाकवि' है और कौन 'फ्लॉप कवि'। अगर आपने मंच पर चुटकुला सुनाया तो आप 'लोकप्रिय'। अगर आपने गंभीर कविता पढ़ी तो आप 'बोरिंग'। और अगर आपने कविता लिखी लेकिन मंच पर नहीं आए तो आप 'अज्ञात'। मिसिरबाबू, यह कविता का कब्रिस्तान इतना बड़ा हो चुका है कि अब हर शहर में कवि-सम्मेलन की लाशें पड़ी हैं। लोग अब कविता को साहित्य से नहीं, बल्कि 'स्टेज पर तालियों' से गिनते हैं। लेकिन मिसिरबाबू, सवाल यह है कि आप कब तक इस 'कवि-सम्मेलन वॉर' से बचेंगे! आख़िर बकरे की अम्मा कब तक ख़ैर मनाएगी! एक दिन सिस्टम आपकी सादगी, आपके विवेक की बलि तो लेकर रहेगा। हो सकता है कल को 'एक देश, एक कवि-सम्मेलन' का क़ानून आ जाए।

अयोध्या का सप्त मंदिर, जिसमें विराजमान हैं गुरु

भक्त से लेकर मित्र तक, जो हैं प्रभु राम के जीवन के 7 प्रमुख पड़ाव

अयोध्या सप्त मंदिर

अयोध्या के विशाल राम मंदिर परिसर में सप्त मंदिर स्थित है. इस सप्त मंदिर में महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, महर्षि वाल्मीकि, देवी अहिल्या, निषादराज गुह और माता शबरी के मंदिर शामिल हैं. इस सप्त मंदिर में प्रभु राम के गुरु, भक्त से लेकर मित्र तक शामिल हैं. इन सभी लोगों का प्रभु राम के जीवन में बड़ा ही महत्व है. इस वजह से राम मंदिर परिसर के सप्त मंदिर में इनको स्थान दिया गया है.

महर्षि वशिष्ठः महर्षि वशिष्ठ भगवान राम के राजगुरु थे. महर्षि वशिष्ठ को ब्रह्मा जी का मानस पुत्र कहा जाता है. वे त्रिकालदर्शी और एक महान तपस्वी थे. उन्होंने प्रभु राम को वेद, धर्म शास्त्र और नीतिशास्त्र की शिक्षा दी थी. समय समय पर वे राजा दशरथ का मार्गदर्शन भी करते थे।

महर्षि विश्वामित्रः रामायण काल में महर्षि विश्वामित्र ने भगवान राम और उनके भाई लक्ष्मण को अस्त्र, शस्त्र, दिव्यास्त्र आदि की शिक्षा दी थी. महर्षि विश्वामित्र एक क्षत्रिय थे, जिन्होंने अपने तप से ब्रह्मर्षि की उपाधि प्राप्त की थी. उनके मार्गदर्शन में राम और लक्ष्मण जी ने कई राक्षसों का वध किया. वे ही राम और लक्ष्मण को सीता के स्वयंवर में लेकर गए थे, जहां पर रामजी ने शिव धनुष तोड़कर सीता जी का वरण किया था।

अगस्त्य मुनिः भगवान राम को जब 14 वर्ष का वनवास होता है और वे वन जाते हैं तो उनकी मुलाकात अगस्त्य मुनि से होती है. अगस्त्य मुनि ने रावण वध के लिए राम जी को दिव्य अस्त्र प्रदान किए थे, जिसमें धनुष, बाणों वाले तूरीण, तलवार और अमोघ कवच शामिल थे. उन्होंने लंका विजय के लिए राम जी का मार्गदर्शन भी किया था।

महर्षि वाल्मीकिः भगवान राम की कथा महर्षि वाल्मीकि के बिना पूरी नहीं हो सकती है. महर्षि वाल्मीकि ने रामायण की रचना की थी, जो संस्कृत में लिखी गई. भगवन राम के राजा बनने के बाद जब सीता जी वन गई थीं, तब महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में उन्होंने शरण ली. वहां रहते हुए लव और कुश का जन्म हुआ. महर्षि वाल्मीकि ने ही लव और कुश को शस्त्र, शास्त्र, वेद आदि का ज्ञान दिया था.

देवी अहिल्याः रामायण में देवी अहिल्या की घटना का वर्णन है. वनवास के समय जब राम जी गौतम ऋषि के आश्रम गए, तो उनके चरण पत्थर बनी अहिल्या से स्पर्श हुए तो वह श्राप मुक्त हुई और वह अपने वास्तविक स्वरूप में आ गईं. देवी अहिल्या का विवाह गौतम ऋषि से हुआ था, लेकिन एक दिन देवताओं के राजा इंद्र ने छल से गौतम ऋषि का स्वरूप धारण कर लिया और अहिल्या का पतिव्रता धर्म भंग कर दिया. इस पर क्रोधित होकर गौतम ऋषि ने अहिल्या को पत्थर बन जाने का श्राप दिया था।

निषादराज गुहः रामायण में केवट का जिक्र तब आता है, जब वनवास के समय प्रभु राम को गंगा नदी पार करनी होती है. केवट निषादराज गुह अपनी नाव से राम, लक्ष्मण और सीता जी को गंगा नदी पार कराते हैं. उससे पहले वे राम जी के पैर धोते हैं क्योंकि उनको ये बात पता थी कि उनके चरण स्पर्श से पत्थर रूपी अहिल्या एक महिला बन गईं, उनको चिंता थी कि कहीं राम जी के पैरों के स्पर्श से उनकी नाव महिला बन गई तो उनके परिवार का पालन पोषण कैसे होगा. राम जी को गंगा पार कराने पर केवट ने कुछ नहीं लिया, उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से आपको मैंने गंगा पार कराई है, वैसे ही आप मुझे भवसागर से पार करा दें. निषादराज प्रभु राम के मित्र बने।

माता शबरीः वनवास के समय ही माता शबरी की मुलाकात राम और लक्ष्मण से हुई. जब उनको पता चला कि राम इस क्षेत्र से होकर जाने वाले हैं, तो उन्होंने राम जी के लिए मीठे बेर चुनकर रखे थे. जब राम जी माता शबरी की कुटिया में गए तो उन्होंने वही बेर राम और लक्ष्मण को खाने के लिए दिए।

राम जी ने वे बेर बड़े ही प्रेम से खाए, लेकिन लक्ष्मण जी ने उसे फेंक दिया क्योंकि वे सभी बेर पहले से ही जूठे थे. माता शबरी ने जितने भी बेर रखे थे, उसे पहले स्वयं ही चख लिया था ताकि कोई खराब या खट्टी बेर उनके राम को न मिले. राम जी माता शबरी के प्रेम भाव को समझ गए, लेकिन लक्ष्मण जी अनभिज्ञ रहे. माता शबरी निश्छल राम भक्ति की प्रतीक हैं. माता शबरी ने आपना जीवन राम भक्ति और भगवान राम के आने की प्रतीक्षा में व्यतीत किया था।

घर में सही दिशा में रखें ये खास चीज, खुलेगा तरक्की का रास्ता

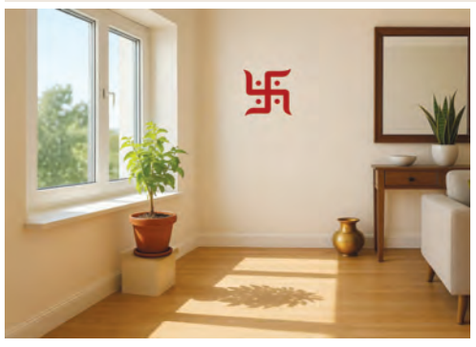

आजकल हर कोई चाहता है कि उसकी लाइफ में पैसे की कमी न रहे, रिश्ते मजबूत बने रहें और घर में हमेशा शांति और खुशियां बनी रहें. लोग अपनी मेहनत तो करते ही हैं, लेकिन कई बार किस्मत साथ नहीं देती या फिर अचानक ऐसे हालात बन जाते हैं कि सब कुछ रुक सा जाता है. ऐसे समय में लोग पॉजिटिव एनर्जी, वास्तु टिप्स और नैचुरल रेमेडीज की मदद लेने लगते हैं, ताकि घर का माहौल बेहतर हो सके. भारत में सदियों से वास्तुशास्त्र को सिर्फ घर बनाने का नियम नहीं, बल्कि लाइफस्टाइल का एक अहम हिस्सा माना जाता है. यह प्रकृति, दिशाओं और एनर्जी के बीच एक संतुलन बनाने में मदद करता है. माना जाता है कि अगर घर में कुछ खास चीजें सही दिशा में रखी जाएं, तो उनका असर घर के हर सदस्य की लाइफ, करियर और आर्थिक स्थिति पर पड़ता है।

1. तुलसी का पौधा – घर की हेल्थ और धन दोनों सुधरते हैं

तुलसी को कहीं सिर्फ एक पौधा नहीं बल्कि मां तुलसी का आशीर्वाद माना जाता है. भारतीय घरों में तुलसी का पौधा आंगन, बालकनी या खिड़की के पास जरूर दिखता है. वास्तु के अनुसार तुलसी को हमेशा उत्तर-पूर्व यानी ईशान दिशा में रखना शुभ माना जाता है. यह दिशा पॉजिटिव एनर्जी, आध्यात्मिकता और शुद्धि का प्रतीक है. कहा जाता है कि जहां रोज तुलसी की पूजा और देखभाल होती है, वहां तनाव कम होता है, मन शांत रहता है और रिश्तों में प्यार बढ़ता है. तुलसी हवा को भी शुद्ध करती है, इसलिए यह घर के वातावरण को हेल्दी और फ्रेश बनाए रखती है. कई एक्सपर्ट्स यह भी कहते हैं कि तुलसी घर की नेगेटिव एनर्जी को एब्जॉर्ब करती है और आर्थिक प्रगति में मदद करती है।

2. पानी से भरा कलश – समृद्धि और स्थिरता का प्रतीक

कलश भारतीय संस्कृति में पूजनीय माना जाता है. यह पवित्रता, सम्मान और धन का प्रतिनिधित्व करता है. वास्तु में सलाह दी जाती है कि पानी से भरा कलश घर के उत्तर या उत्तर-पूर्व दिशा में रखा जाए. उत्तर दिशा धन के देवता कुबेर की मानी जाती है, इसलिए इस दिशा में रखा जल कलश आर्थिक स्थिरता, सफलता और बिजनेस ग्रोथ ला सकता है. कई लोग इसमें लौंग, कपूर, गुलाब की पंखुड़ी या चंदन भी डालते हैं, जिससे एनर्जी और ज्यादा पॉजिटिव होती है. बस ध्यान रहे कि कलश का पानी समय-समय पर बदलते रहें और उसे हमेशा साफ रखें. ऐसा करने से घर में मानसिक स्पष्टता, आत्मविश्वास और निर्णय लेने की क्षमता भी बेहतर होती है।

3. शंख – नेगेटिविटी दूर करता है और घर में शांति लाता है

शंख समुद्र का पवित्र उपहार माना जाता है और इसे माता लक्ष्मी से भी जोड़ा जाता है. पूजा घर या मंदिर में शंख रखना बेहद शुभ माना गया है. जब भी शंख बजाया जाता है, उसकी ध्वनि पूरे वातावरण को शुद्ध कर देती है. यह नेगेटिव एनर्जी को दूर करती है और घर में आध्यात्मिक माहौल बनाती है. वास्तु के अनुसार शंख को हमेशा साफ और पवित्र जगह पर रखना चाहिए, और पूजा के बाद बजाना और भी शुभ माना जाता है. ऐसा करने से घर में झगड़े, तनाव और बेचैनी कम होती है, और मन में स्थिरता आती है. कई लोग मानते हैं कि शंख की आवाज से अचानक आने वाली रुकावटें भी कम हो जाती हैं।

4. स्वास्तिक का चिन्ह – तरक्की और नई शुरुआत का संकेत

स्वास्तिक को शुभ, मंगल और सफलता का प्रतीक माना गया है. यह सिर्फ एक चिन्ह नहीं बल्कि पॉजिटिव एनर्जी का पावरफुल स्रोत है. इसे घर के मेन डोर पर, मंदिर में या पूजा की जगह पर बनाया जाता है. मेन एंट्रेंस पर स्वास्तिक बनाने से माना जाता है कि घर में हमेशा खुशियां और समृद्धि प्रवेश करती हैं. यह बुरी नजर और नेगेटिव सोच को अंदर आने से रोकता है. स्वास्तिक नई शुरुआत, सफलता, तरक्की और लगातार ग्रोथ का प्रतीक भी है. इसलिए कई लोग व्यवसाय, शादी, नए घर या नए काम की शुरुआत इसी चिन्ह के साथ करते हैं।

पढ़ाई-लिखाई में तेज होते हैं तीन मूलांक के बच्चे

जन्मतिथि के आधार पर आप मूलांक निकाल सकते हैं और इसके आधार पर सामने वाले व्यक्ति के स्वभाव और व्यक्तित्व के बारे में जान सकते हैं. आज हम उन मूलांक वाले छात्रों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो पढ़ाई लिखाई में काफी तेज होते हैं और परिवार के साथ साथ समाज का नाम ऊंचा करते हैं. आइए जानते हैं मूलांक 3 वाले छात्रों के बारे में...

जन्मतिथि के अंकों का योग मूलांक कहलाता है और आप जन्मतिथि से ही सामने वाले व्यक्ति की मूल पहचान, स्वभाव और व्यक्तित्व को जान सकते हैं. साथ ही आप व्यक्ति के गुण और दोष के साथ-साथ जीवन की प्राथमिकताओं के बारे में जान सकते हैं. आज हम आपको उन मूलांक के छात्रों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बचपन से ही पढ़ाई-लिखाई में काफी तेज होते हैं. अंक ज्योतिष के अनुसार, मूलांक 3 के जातक बचपन से ही पढ़ाई में काफी तेज होते हैं. यह किसी भी चीज को जल्दी समझ जाते हैं और चीजों को याद करने की इनकी क्षमता भी कमाल की होती है. ऐसे बच्चे अपनी समझ और होशियारी से अपने माता-पिता का नाम भी रोशन करते हैं. आइए जानते हैं मूलांक 3 वाले छात्रों के बारे में...

मूलांक 3 वालों पर होती है गुरु ग्रह की कृपा - अंक ज्योतिष के अनुसार, 3, 12, 21 या 30 तारीख को जन्में बच्चों का मूलांक 3 होता है. जिन बच्चों का मूलांक 3 होता है, उनका

प्रतिनिधि ग्रह बृहस्पति है, जिसे देवताओं के गुरु भी कहा जाता है. यही वजह है कि ये बच्चे ज्ञान के मामले में बहुत आगे रहते हैं. वैदिक ज्योतिष में गुरु ग्रह को ज्ञान, बुद्धि, धर्म और उच्च शिक्षा का कारक ग्रह माना जाता है. गुरु ग्रह की कृपा से भाग्य साथ देता है और जीवन में सफलता मिलती है।

बहुत उत्साही और जिज्ञासु होते हैं मूलांक 3 वाले - गुरु ग्रह की वजह से मूलांक 3 वाले बच्चों का दिमाग शहंशाह की तरह चलता है और काम करने में भी बहुत सक्षम होता है. मूलांक 3 वालों को मेहनत करने का जो हौसला और साहस इन्हें जन्म से मिलता है, वह इन्हें किसी मुश्किल काम में भी पीछे नहीं हटने देता. ऐसे बच्चे बहुत उत्साही और जिज्ञासु होते हैं. अगर कुछ नया सीखने को मिले तो तुरंत उसमें हाथ डाल देते हैं.

परिवार का नाम ऊंचा करते हैं मूलांक 3 वाले - पढ़ाई के अलावा मूलांक 3 वालों की क्रिएटिविटी कमाल की होती है, फिर चाहे वह लिखाई हो, ड्रॉइंग हो या कोई और टैलेंट. लेकिन इन बच्चों को सही मार्गदर्शन की जरूरत होती है. अगर सही तरीके से उनका मार्गदर्शन किया जाए और उनकी मेहनत की सराहना की जाए, तो यह बच्चे बड़े होकर अपने माता-पिता और परिवार का नाम ऊंचा करते हैं।

इन क्षेत्रों में आगे बढ़ते हैं मूलांक 3 वाले - मूलांक 3 के बच्चों का दिमाग बहुत तेज चलता है. ये बच्चे जल्दी सोचते हैं और अपनी बुद्धि का इस्तेमाल कर समस्याओं का हल निकालते हैं. इसी वजह से ये पढ़ाई में तो अव्वल होते ही हैं, साथ ही जीवन के दूसरे क्षेत्रों में भी सफलता जल्दी पाते हैं. इनकी सोच कभी भी सीमित नहीं होती और ये हमेशा नए तरीके खोजते रहते हैं. मूलांक 3 के बच्चे अक्सर पुलिस, आर्मी या प्रशासनिक सेवाओं जैसे क्षेत्रों में भी बहुत तेजी से आगे बढ़ते हैं।

चेहरे की शांति के पीछे छिपी बेचैनी बड़ी चेतावनी है

ज्योतिष में पहला भाव इंसान की पर्सनैलिटी, सोच, आदतें, शक्ल-सूरत, आत्मविश्वास और लाइफ की दिशा को बताने वाला भाव माना जाता है. जब इस घर में केतु आता है, तो इंसान की लाइफ में कुछ ऐसे बदलाव दिखते हैं जिनकी वजह से लोग इस जातक को अलग नज़र से देखते हैं. केतु एक ऐसा ग्रह है जो मन को अंदर की तरफ ले जाता है।

केतु पहले भाव में सकारात्मक प्रभाव

1. गहरी सोच और इंट्यूशन

केतु पहले भाव का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह इंसान को बहुत गहरी समझ देता है. ऐसे लोग बाकी लोगों से ज़्यादा तेजी से स्थिति को समझ लेते हैं और उनका इंट्यूशन काफी मजबूत होता है।

2. आध्यात्मिक झुकाव

यह लोग दुनिया की चमक-दमक से जल्दी प्रभावित नहीं होते. इन्हें ध्यान, योग, मंत्र, पूजा-पाठ या ऊर्जा से जुड़े कामों में दिलचस्पी रहती है।

3. खुद से सीखने की क्षमता

केतु पहले भाव वाले लोग खुद अपने अनुभवों से सीखते हैं और किसी की कॉपी नहीं करते. इनकी अपनी सोच और अपना रास्ता होता है।

4. मजबूत इच्छाशक्ति

मुश्किल हालात में भी ये लोग घबराते नहीं, बल्कि अंदर से मजबूत होते हैं और धीरे-धीरे हालात पर पकड़ बना लेते हैं.

केतु पहले भाव में नकारात्मक प्रभाव

1. कन्फ्यूजन और अनिश्चितता

इनके मन में जल्दी उलझन पैदा होती है. कई बार अपनी लाइफ को लेकर साफ दिशा नहीं मिलती.

2. आत्मविश्वास में गिरावट

कुछ जातकों में खुद को कम आंकने की आदत दिखती है।

भीड़ में कम्फर्टेबल महसूस नहीं करते.

केतु के उपाय

3. लोगों से दूरी

यह लोग दूसरों से जल्दी खुलते नहीं हैं. कई रिश्तों में दूरी या गलतफहमी पैदा होने का खतरा रहता है।

4. सेहत पर हल्का असर

सिर से जुड़े मुद्दे, तनाव, माइग्रेन, नींद की कमी या डर इस योग में दिख सकते हैं।

केतु पहले भाव में होने पर करियर पर असर

केतु सच्चाई, रिसर्च और गहराई का ग्रह है. ऐसे लोग उन क्षेत्रों में अच्छा करते हैं जहां जांच, खोज या ऊर्जा का इस्तेमाल होता है, जैसे-

-ज्योतिष
-साइकोलॉजी
-रिसर्च
-आईटी
-मेडिटेशन या हीलिंग
-सोशल वर्क
-सुरक्षा या गुप्त सेवाएं

लेकिन इन्हें एक ही काम पर फोकस करना मुश्किल हो सकता है. कई बार बार-बार करियर बदलने की प्रवृत्ति दिखती है।

केतु पहले भाव में रिश्तों पर असर

केतु मन को अंदर ले जाता है, इसलिए रिश्तों में खुलकर बात नहीं कर पाना, पार्टनर को अपनी फीलिंग्स न बता पाना, या गलतफहमी बनना आम बात हो सकती है, अगर कुंडली में शुक्र या चंद्रमा कमजोर हो जाए, तो रिश्तों में दूरी या ठंडापन भी आ सकता है।

केतु पहले भाव के आसान उपाय

1. भगवान गणेश की उपासना

गणेश जी के मंत्र "ॐ गं गणपतये नमः" का रोज जाप लाभ देता है।

2. तांबे का सिक्का बहाना

मंगलवार को तांबे का छोटा सिक्का बहते पानी में प्रवाहित करना केतु को शांत करता है।

3. कुत्ते को भोजन कराना

केतु को मजबूत करने के लिए भूरे या काले कुत्ते को रोटी देना अच्छा माना जाता है।

4. धूप-दीप जलाना

घर में रोज हल्का दीया या धूप जलाने से मानसिक बेचैनी कम होती है।

5. ध्यान और प्राणायाम

आधा घंटा ध्यान करने से मन शांत होता है और कन्फ्यूजन घटता है।

खूबसूरत बुलाए जाने पर कैसा महसूस करते थे धर्मेंद्र?

प्रियंका चोपड़ा ने किया अभिनेता को याद

24 नवंबर को अभिनेता धर्मेंद्र का निधन हो गया। उनके निधन से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री और लाखों फैंस दुख में हैं। महान एक्टर को देश भर से श्रद्धांजलि दी जा रही है। उन्हें याद करने वालों में प्रियंका चोपड़ा भी हैं, जिन्होंने उनके बेटे सनी देओल के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया था। उन्होंने धर्मेंद्र का एक पुराना इंटरव्यू क्लिप शेयर किया, जिसमें वह अपने फैंस के प्यार के बारे में बात कर रहे थे।

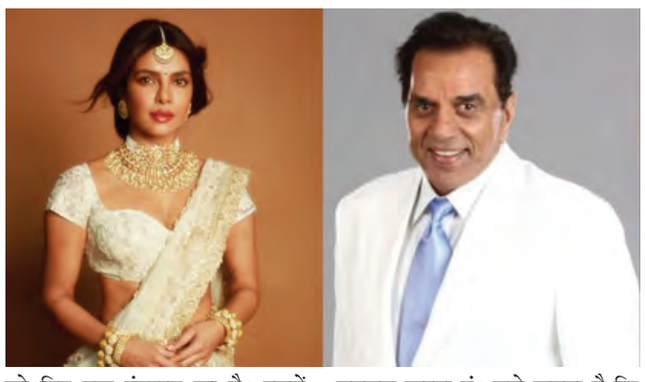

प्रियंका ने शेयर किया धर्मेंद्र का वीडियो

प्रियंका चोपड़ा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर धर्मेंद्र का एक वीडियो शेयर किया है। ये वीडियो 2018 में बीबीसी को दिए एक इंटरव्यू का है। इसमें धर्मेंद्र कहते हैं 'जितना आप मुझे कहते हैं कि मैं खूबसूरत हूं, मैं शर्मिंदा महसूस करता हूं। मुझे लगता है कि ऐसा क्या है, फिर मैं सोचता हूं कि लोग कहते हैं तो होगा। मैं तो अपनी खूबियों में भी खामियां ढूंढता रहता हूं। कहीं मैं अपने चाहने वालों की इस मुस्कान को खो ना दूं जो उन्होंने मुझे दे रखी है।'

प्यार करने वाले प्यार चाहते हैं

उन्होंने आगे कहा 'बहुत कुछ कहते हैं, ही मैन कहते हैं, गरम धरम कहते हैं और कभी-कभी ग्रीक गॉड कह देते हैं। प्यार करने वाले प्यार ही चाहते हैं। मुझे ऐसा लगता है, आप लोगों ने मुझे अपने दिलों में बसा लिया है।'

प्रियंका ने की थी पोस्ट

इससे पहले प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर धर्मेंद्र से अवॉर्ड लेते हुए एक पुरानी तस्वीर शेयर की थी। इसके साथ उन्होंने एक लंबी पोस्ट लिखी थी। उन्होंने सनी देओल के साथ अपनी पहली बॉलीवुड फिल्म, 'द हीरोः लव स्टोरी ऑफ ए स्पाई' को याद किया। उन्होंने बताया कि धर्मेंद्र और उनके परिवार ने उन्हें उस समय इंडस्ट्री से परिचय कराया, जब उन्हें कोई नहीं जानता था।

89 साल की उम्र में निधन

आपको बता दें कि 24 नवंबर की सुबह धर्मेंद्र के घर पर उनका 89 साल की उम्र में निधन हो गया। एक्टर का पवन हंस श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया। इसमें परिवार, करीबी दोस्त और फिल्म इंडस्ट्री के कई कलाकार पहुंचे।

मुंबई कोर्ट पहुंचीं सेलिना जेटली, पति पर लगाया घरेलू हिंसा और क्रूरता का आरोप; अदालत से की ये मांगें

बॉलीवुड एक्ट्रेस सेलिना जेटली मुंबई की एक अदालत पहुंची हैं। उन्होंने अपने पति पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाया है। उनका आरोप है कि उन्हें उनके पति पीटर हाग से इमोशनल, फिजिकल, सेक्सुअल और वर्बल अब्यूज का सामना करना पड़ा है।

सेलिना ने पति पर लगाया आरोप

सेलिना जेटली की अर्जी मंगलवार को अदालत में सुनवाई के लिए सामने आई। अदालत ने पीटर हाग को नोटिस जारी किया। इस मामले की सुनवाई 12 दिसंबर के लिए तय की। जेटली ने एक लॉ फर्म के जरिए याचिका दाखिल की। उन्होंने अपनी याचिका में पीटर हाग पर डोमेस्टिक वायलेंस एक्ट के प्रावधान के तहत घरेलू हिंसा और क्रूरता का आरोप लगाया।

हिंसा की वजह से घर छोड़ना पड़ा

47 साल की एक्ट्रेस ने दावा किया कि उनके पति ने उन्हें शारीरिक और मानसिक तौर से प्रताड़ित किया। इसकी वजह से उन्हें ऑस्ट्रिया में अपना घर छोड़कर भारत वापस आना पड़ा। पूर्व मिस इंडिया ने याचिका में आरोप लगाया कि शादी के बाद उनके पति ने उन्हें काम करने से रोक दिया। इस कपल ने सितंबर 2010 में शादी की और उनके तीन बच्चे हैं।

पति ने दी तलाक की अर्जी

याचिका में कहा गया, 'पीटर हाग अपने आप में रहने वाले इंसान हैं। वह गुस्सैल स्वभाव के हैं और उन्हें शराब पीने की आदत है। इससे सेलिना जेटली को तनाव होता रहा है।' याचिका में आगे कहा गया कि हाग ने इस साल अगस्त में ऑस्ट्रिया की एक अदालत में तलाक की अर्जी दी थी।

सेलिना जेटली ने की ये मांगें

सेलिना जेटली ने अदालत से मांग की है कि उनके पति 50 करोड़ रुपये मुआवजे के तौर पर और हर महीने 10 लाख रुपये गुजारा भत्ता दें। उन्होंने अपने तीन बच्चों से भी मिलने की इजाजत मांगी है, जो अभी ऑस्ट्रिया में अपने पिता के साथ रह रहे हैं।

सेलिना जेटली ने की पोस्ट

इस बीच सेलिना जोटली ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट की है। इसमें उन्होंने अपने परिवार और पति के बारे में कई बातें लिखी हैं। उन्होंने लिखा है कि उनके माता-पिता नहीं हैं। वह एकदम अकेली हैं। ऐसे में जिस व्यक्ति ने उन्हें सबसे ज्यादा प्यार किया था, वह भी उनके साथ नहीं है।

'अपने पीछे एक सन्नाटा छोड़ गए', धर्मेंद्र के निधन पर भावुक हुए अमिताभ; बोले- इंडस्ट्री बदली वो नहीं

बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार धर्मेंद्र का 24 नवंबर को 89 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से फिल्मी दुनिया के लोग सदमे में हैं। बॉलीवुड से लेकर साउथ के कई दिग्गज कलाकार उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। इसी कड़ी में धर्मेंद्र के साथी कलाकार और सदी के महानायक कहे जाने वाले अमिताभ बच्चन ने उनके निधन पर भावुक पोस्ट की है और दुख जताया है। आइए जानते हैं उन्होंने पोस्ट में क्या लिखा है?

अमिताभ बच्चन ने धर्मेंद्र को बताया बेदाग

अमिताभ बच्चन ने एक्स पर एक पोस्ट में धर्मेंद्र के बारे में लिखा 'एक और बहादुर हमें छोड़कर चले गए। अपने पीछे वह एक सन्नाटा छोड़ गए। धरम जी। वह अपने आप में मिसाल थे। वह न सिर्फ अपनी शारीरिक मौजूदगी के लिए, बल्कि अपने बड़े दिल और बेहतरीन सादगी के लिए जाने जाते थे। वह अपने साथ पंजाब के उस गांव की मिट्टी की खुशबू लाए थे, जहां से वह आए थे। वह उस मिट्टी के मिजाज के प्रति सच्चे रहे। जिस उद्योग ने हर दशक बदलाव देखे, वहां अपने शानदार करियर में वह बेदाग रहे।'

धर्मेंद्र के जाने से हमेशा खालीपन रहेगा

अमिताभ बच्चन ने आगे लिखा 'फिल्म उद्योग में बदलाव आया लेकिन उनमें (धर्मेंद्र) नहीं। उनकी मुस्कान, उनका आकर्षण और उनका अपनापन, उनके पास आने वाले हर किसी पर इसका प्रभाव पड़ता था। इस प्रोफेशन में यह बहुत कम देखने को मिलता है। धर्मेंद्र के जाने से हमारे आस-पास की जगह खाली है। एक खालीपन, जो हमेशा रहेगा। उनके लिए प्रार्थना करता हूं।'

धर्मेंद्र के अंतिम संस्कार में पहुंचे अमिताभ बच्चन

आपको बता दें कि धर्मेंद्र के निधन के बाद उनके अंतिम संस्कार में अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, अभिषेक बच्चन, आमिर खान, सलमान खान, सलीम खान, अक्षय कुमार, दीपिका पादुकोण जैसे कई सेलेब्स पहुंचे।

धर्मेंद्र की जल्दबाजी से विदाई पर गुस्से में ग्लोबल फैंस!

उठाए कई सवाल– क्यों नहीं करवाए अंतिम दर्शन
पद्म भूषण पर राजकीय सम्मान भी नहीं...?

भारतीय सिनेमा के आइकॉन और वैश्विक स्तर पर प्रशंसित अभिनेता धर्मेंद्र के निधन ने दुनिया भर में मौजूद उनके करोड़ों फैंस को गहरा झटका दिया है। अमेरिका, कनाडा, यूके, खाड़ी देशों और पाकिस्तान से लेकर कैरिबियन तक जहां-जहां भारतीय सिनेमा देखा जाता है, वहां-वहां सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलि की बाढ़ आ गई। लेकिन इसके विपरीत घर में हुई व्यवस्थाओं और अंतिम संस्कार की 'अचानक जल्दबाज़ी' ने दुनिया भर के फैंस में नाराज़गी और हैरानी पैदा कर दी है। कई अंतर्राष्ट्रीय प्रशंसक सवाल उठा रहे हैं कि पद्म भूषण अवॉर्डी धर्मेंद्र को सार्वजनिक अंतिम दर्शन क्यों नहीं दिए गए? राजकीय सम्मान क्यों नहीं? परिवार आधिकारिक जानकारी क्यों नहीं दे रहा था?

सबसे बड़ा सवाल

10 नवंबर को सांस लेने में दिक्कत के बाद उन्हें ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में भर्ती किया गया। एक वीडियो लीक हुआ जिसमें वे वेंटिलेटर पर थे। परिवार ने इस पर शिकायत की और स्टाफ गिरफ्तार भी हुआ। 12 नवंबर को उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया और घर पर डॉक्टर्स की निगरानी में रखा गया। परिवार लगातार कह रहा था कि वे "रिकवर कर रहे हैं" इसलिए अचानक निधन और उससे भी अचानक अंतिम संस्कार ने रहस्य और सवाल दोनों बढ़ा दिए हैं।

अचानक अंतिम संस्कार और गोपनीयता ने बढ़ाई बेचैनी

सोमवार दोपहर 1 बजे उनके जुहू स्थित बंगले के बाहर अचानक एम्बुलेंस दिखी, सिक्योरिटी बढ़ाई गई और विले पार्ले श्मशान घाट में भी कड़ी सुरक्षा तैनात कर दी गई। कुछ ही घंटों में खबर आई कि धर्मेंद्र का अंतिम संस्कार कर दिया गया है। ना पार्थिव देह सार्वजनिक रूप से रखी गई और ना ही परिवार ने समय रहते आधिकारिक बयान जारी किया। कई अंतरराष्ट्रीय फैंस ने लिखा- "हम लोग दुनिया के अलग-अलग देशों से उन्हें श्रद्धांजलि देना चाहते थे, पर हमें अंतिम दर्शन का मौका ही नहीं दिया गया।"

सेलेब्रिटीज़ पहुंचे, लेकिन फैंस को रोका

करीब 1:30 बजे ईशा देओल श्मशान घाट पहुंचीं। कुछ देर बाद हेमा मालिनी, अमिताभ बच्चन, सलमान खान, आमिर खान, अभिषेक बच्चन, करण जौहर जैसे बड़े सितारे भी पहुंचे। लेकिन आम फैंस को दूर रखा गया। अंतिम संस्कार करीब 3 बजे पूरा हो गया और हेमा मालिनी बाहर आकर रवाना हो गईं।

राजकीय सम्मान पर भी सवाल ?

2012 में पद्म भूषण से सम्मानित शख्सीयतों को सामान्यतः राजकीय सम्मान मिलने की परंपरा है। लेकिन धर्मेंद्र के संस्कार दौरान रिपोर्टर्स को अंदर प्रवेश नहीं मिला और बाहर किसी ने भी गार्ड ऑफ ऑनर नहीं सुना।

इससे यह साफ नहीं हो पाया कि उन्हें राजकीय सम्मान दिया गया या नहीं। फैंस इसकी तुलना श्रीदेवी के 2018 वाले अंतिम संस्कार से कर रहे हैं, जिन्हें पद्मश्री सम्मान के साथ राजकीय सम्मान मिला था।

नैचुरोपैथी का समर्थन करने के बाद हुई ट्रोलिंग पर सोनाली बेंद्रे ने तोड़ी चुप्पी

सोनाली बेंद्रे कैंसर सर्वाइवर हैं। उन्होने 2018 में इस खतरनाक बीमारी के खिलाफ जंग लड़ी। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया कि कैंसर से जंग में नेचुरोपैथ भी उनके लिए काफी मददगार साबित हुई। इसके बाद वे मेडिकल प्रोफेशनल्स के निशाने पर आ गईं। डॉक्टर साइरिएक एबी फिलिप्स ने उनकी

कड़ी आलोचना की है। उन्होंने सोनाली की पोस्ट पर सवाल उठाते हुए कहा कि, 'आपका कैंसर कीमोथेरेपी, रेडिएशन और सर्जरी से ठीक हुआ, ना कि नेचुरोपैथी से'। आलोचनाओं और सवाल के बाद सोनाली बेंद्रे ने चुप्पी तोड़ी है और सोशल मीडिया पर एक और पोस्ट शेयर किया है।

सोनाली ने नेचुरोपैथी को लेकर क्या कहा था?

सोनाली बेंद्रे ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किए गए एक पोस्ट में लिखा था, 'साल 2018 में जब मुझे कैंसर का पता चला तो मेरे नेचुरोपैथ ने मुझे ऑटोफैगी नाम की एक स्टडी के बारे में बताया। इसने मेरी रिकवरी में बहुत बड़ी भूमिका निभाई, इसलिए मैंने इसे पढ़ा, सीखा, प्रयोग किया और धीरे-धीरे इसे अपने रूटीन में शामिल कर लिया। मैं तब से इसे फॉलो कर रही हूं'। सोनाली के इस सवाल पर डॉक्टर्स ने सवाल उठा दिए। डॉक्टर साइरिएक एबी फिलिप्स ने एक लंबा-चौड़ा पोस्ट शेयर कर किया। बता दें कि डॉक्टर साइरिएक एबी फिलिप्स भारतीय हेपेटोलॉजिस्ट हैं, जो सोशल मीडिया पर 'द लिवर डॉक' के नाम से जाने जाते हैं।

विरोध के बाद सोनाली ने तोड़ी चुप्पी

विरोध के बाद सोनाली ने अब एक अन्य पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा है, 'हम सभी का सहमत होना जरूरी नहीं है, लेकिन हमें एक-दूसरे को सिर्फ इसलिए खारिज करने से बचना चाहिए क्योंकि हम अलग-अलग तरीकों की तरफ झुकते हैं'। सोनाली लिखती हैं, 'मैंने कभी डॉक्टर होने का दावा नहीं किया, लेकिन मैं पक्का कोई नीम-हकीम भी नहीं हूं। मैं एक कैंसर सर्वाइवर हूं, जिसने इस बीमारी से होने वाले डर, दर्द, अनिश्चितता और फिर से बनने की प्रक्रिया को झेला है'।

कहा- 'हर इंसान को वही चुनना चाहिए, जो उसे सही और सुरक्षित लगे'

अभिनेत्री ने आगे लिखा है, 'मैंने जो कुछ भी कहा है, वह मेरा अनुभव और सीख है। जैसा कि मैंने बार-बार कहा है कि कोई भी दो कैंसर एक जैसे नहीं होते और कोई भी इलाज का तरीका एक जैसा नहीं होता। पूरी रिसर्च और मेडिकल गाइडेंस के बाद, मैंने खुद जिन कई प्रोटोकॉल को एक्सप्लोर किया, उनमें से एक ऑटोफैगी था। इससे मेरे लिए तब फर्क पड़ा और आज भी यह मेरे लिए प्रभावी है। जो बात सच में मायने रखती है, वह है खुली, इज्जतदार तरीके से बातचीत। हम सभी का सहमत होना जरूरी नहीं है, लेकिन हमें एक-दूसरे को सिर्फ इसलिए खारिज करने से बचना चाहिए, क्योंकि हमारा झुकाव उपचार के अलग-अलग तरीकों की तरफ है। हर इंसान को वही चुनना चाहिए, जो उसे सही, सुरक्षित और मजबूती देने वाला लगे'।

फिल्म ट्रेड की नई कसौटी : मस्ती 4 में चमकी रुही सिंह

बॉलीवुड में हर साल कई फ़िल्में आती हैं, कुछ बड़ी हिट होती हैं, कुछ फ्लॉप। मगर कुछेक फ़िल्में ऐसी होती हैं जो बॉक्स ऑफ़िस का इतिहास नहीं, बल्कि भविष्य का इतिहास लिख जाती हैं। मिलाप झवेरी के निर्देशन में बनी, दिग्गज़ अभिनेताओं से भरी मस्ती 4 शायद इस साल की सबसे बड़ी कॉमेडी हिट न बने, और न ही इसे सिनेमाई उत्कृष्टता के लिए याद रखा जाएगा। लेकिन एक बात निश्चित हैः यह फ़िल्म हमें एक सितारा दे गई है—रूही सिंह.

जहां फ़िल्म की कहानी और पटकथा को लेकर दर्शकों की राय बंटी हुई है, वहीं रूही की स्क्रीन प्रेज़ेंस और कॉमिक टाइमिंग ने हर किसी को चौंकाया है। एक फ़्रैंचाइज़, जो पहले से ही स्थापित अभिनेताओं के कंधों पर टिकी थी, रूही ने वहाँ अपनी जगह बनाई और अपने हर सीन को पूरी कमांड के साथ निभाया। यह उनका 'ब्रेकआउट' मोमेंट है, जिसने साबित कर दिया कि वह सिर्फ़ 'ग्लैमर' नहीं, बल्कि अभिनय की गहरी खान हैं।

टैलेंट की सबसे बड़ी गारंटी

किसी कलाकार की प्रतिभा पर उद्योग में सबसे बड़ी मुहर लगती है, जब उसे किसी बड़े निर्देशक का समर्थन मिलता है। रूही को निर्देशक अनुराग कश्यप का समर्थन मिला है। कश्यप, जो ख़ुद एक संस्थान हैं, वह हमेशा उस मिट्टी को पहचानते हैं जिससे भविष्य के महान कलाकार निकलते हैं। उनका ट्रैक रिकॉर्ड किसी भविष्यवाणी से कम नहीं है।

गौर करने वाली बात है कि एक समय था जब कश्यप ने नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी पर अपना दांव लगाया था, जब नवाज़ सिर्फ़ एक साइड आर्टिस्ट थे। उन्होंने मनोज बाजपेयी को उनके सबसे शानदार किरदारों में गढ़ा। उन्होंने राजकुमार राव को पहचान दी और विनीत सिंह को मुक्काबाज़ में चमकाया। ये सभी वो कलाकार हैं जो आज अपने काम के महारथी हैं, और उनके करियर को हमेशा 'अनुराग कश्यप के पसंदीदा' होने का फ़ायदा मिला।

कश्यप ने रूही को भी एक 'शानदार और मे ह न ती अभिनेत्री' कहा था, जब वह ओटीटी पर रनअवे लुगाई जैसी गंभीर भूमिकाओं में थीं। अब, मस्ती 4 के साथ, यह बात पत्थर की लकीर बन गई हैः कश्यप की पारखी नज़र एक बार फिर सही साबित हुई है।

रूही सिंह का सफ़र एक दिलचस्प मोड़ पर है। उन्होंने कैलेंडर गर्ल्स के साथ ग्लैमरस शुरुआत की—यह उनका 'पहचान का शुरुआती मोमेंट' था। लेकिन उनका ओटीटी काम (जिसके लिए उन्हें फ़िल्मफ़ेयर ओटीटी नॉमिनेशन भी मिला) उनकी अभिनय क्षमता का प्रमाण है।

उन्होंने साबित किया है कि वह बिकिनी अपील और ज़बरदस्त कॉमेडी, दोनों को एक साथ निभा सकती हैं। अब समय आ गया है कि रूही सिंह को 'एक्टिंग' के लिए जाना जाए, न कि सिर्फ़ 'स्क्रीन प्रेज़ेंस' के लिए।

रूही सिंह ने अपना काम कर दिया है। उन्होंने थियेट्रिकल सर्किट में ख़ुद को न सिर्फ़ स्थापित किया है, बल्कि अपनी अभिनय क्षमता का प्रमाण भी दिया है।

एंटी नारकोटिक्स सेल पहुंचे सिद्धांत कपूर 252 करोड़ ड्रग्स मामले में पूछताछ

अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के कथित पंटर मोहम्मद सलीम सोहेल शेख की गिरफ्तारी के बाद उसने पुलिस के सामने पूछताछ में कई सेलिब्रिटों के नाम लिए हैं। इसी मामले में आज सिद्धांत अपने वकील के साथ एंटी नारकोटिक्स सेल पहुंचे हैं।

आज होगी पूछताछ

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर के भाई सिद्धांत कपूर को एंटी नारकोटिक्स सेल के घाटकोपर यूनिट में पूछताछ के लिए बुलाया गया है। सिद्धांत अपने वकील के साथ एंटी नारकोटिक्स सेल पहुंच चुके हैं।

ओरी का नाम भी हो चुका है शामिल

इससे पहले सोशल मीडिया

influncer ओरी को भी पूछताछ के लिए इसी यूनिट में बुलाया गया था। लेकिन ओरी पुलिस के सामने नहीं पहुंचे। मुंबई पुलिस की ANC इस ड्रग्स सिंडिकेट के तह तक जाने के लिए हर कड़ियों को जोड़ रही है। यही वजह है कि इस मामले में जिन जिन लोगों का नाम सामने आ रहा है, उन सभी को एक एक कर पूछताछ के लिए समन किया जा रहा है।

कौन हैं सिद्धांत कपूर

सिद्धांत कपूर एक भारतीय अभिनेता और सहायक निर्देशक हैं। वह दिग्गज अभिनेता शक्ति कपूर के बेटे और अभिनेत्री श्रद्धा कपूर के भाई हैं।

उन्होंने कॉमेडी हॉरर फिल्म 'भूल भुलैया', कॉमेडी मर्डर मिस्ट्री फिल्म 'भागम भाग' और कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'चुप चुप के' जैसी कई फिल्मों में सहायक निर्देशक के रूप में काम किया है। इसके अलावा सिद्धांत ने संजय गुप्ता की क्राइम फिल्म 'शूटआउट एट वडाला' और अनुराग कश्यप की मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म 'अग्ली' में अभिनय किया है।

एमी अवॉर्ड्स में शानदार लुक से छाए दिलजीत दोसांझ, अवॉर्ड के मामले में झोली रह गई खाली

53वें इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स में दिलजीत दोसांझ ने भले ही अपने शानदार लुक से महफिल लूट ली। मगर, अवॉर्ड के मामले में उनकी झोली खाली रह गई। एमी अवॉर्ड्स 2025 में एक्टर-सिंगर अवॉर्ड पाने से चूक गए। उन्हें इम्तियाज अली की फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' में उनकी परफॉर्मेंस के लिए नॉमिनेट किया गया था।

दो श्रेणियों में मिला था नामांकन

53वें इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स में दिलजीत दोसांझ को बायोग्राफिल ड्रामा 'अमर सिंह चमकीला' के लिए बेस्ट एक्टर के लिए नॉमिनेट किया गया था। वहीं, इस फिल्म को बेस्ट TV मिनी मूवी/मिनी सीरीज कैटिगरी में नॉमिनेट किया गया था। मगर, दोनों ही कैटिगरी में फिल्म अवॉर्ड नहीं जीत पाई।

अवॉर्ड नहीं मिलने पर फैंस निराश

बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड दिलजीत दोसांझ की बजाय ओरिओल प्ला को 'आई, एडिक्ट' फिल्म के लिए मिला। वहीं, बेस्ट टीवी मिनी मूवी/मिनी सीरीज कैटिगरी में 'अमर सिंह चमकीला' की बजाय 'लॉस्ट बॉयज एंड फेयरीज' ने अवॉर्ड झटका। दोनों कैटेगरी में फिल्म को नॉमिनेशन मिलने पर फैंस उम्मीद कर रहे थे कि इसे अवॉर्ड मिल सकता है, क्योंकि 'अमर सिंह चमकीला' को दुनियाभर में पसंद किया गया। मगर, दोनों श्रेणी में अवॉर्ड नहीं मिलने पर फैंस निराश हैं।

रेड कार्पेट पर छाए दिलजीत

अवॉर्ड फंक्शन में दिलजीत दोसांझ और इम्तियाज अली को शानदार अंदाज में रेड कार्पेट पर देखा गया। दिलजीत ने शिमर सूट जैकेट, व्हाइट शर्ट, ब्लैक बो, ब्लैक ट्राउजर और अपनी सिग्नेचर ब्लैक पगड़ी में एक शानदार स्टाइल स्टेटमेंट दिया। बात करें फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' की तो यह फिल्म साल 2024 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। दिलजीत के अपोजिट फिल्म में परिणीति चोपड़ा ने लीड रोल अदा किया। यह फिल्म पंजाब के मशहूर लोक गायक अमर सिंह चमकीला की कहानी पर आधारित है।

बोरिंग पति को रोमांटिक बनाना है तो अपनाएं ये तरीके

कहते हैं कि लड़के ज्यादा एक्सप्रेशिव यानी अपनी भावनाओं को अभिव्यक्ति करने वाले नहीं होते। पार्टनर या पति के मामले में अधिकतर ये धारणा सही होती है। जहां पत्नी खुलकर पति के लिए प्यार और लगाव को जाहिर करती हैं, वहीं अक्सर पति कम बोलते हैं और अपने में ही मगन रहते हैं। पत्नी उम्मीद करती हैं कि पति उनकी तारीख करें, उनके लिए प्यार भरी बातें कहें, रोमांटिक डेट नाइट या डिनर पर जाएं। हालांकि ये सब पति किसी खास मौके पर तो कर देते हैं या फिर पत्नी के कहने पर करते हैं। खुद से रोमांस जाहिर करने में वह थोड़े फिसड्डी हो सकते हैं।

ज्यादातर महिलाओं की शिकायत होती है कि उनके पति उनसे दिल की बात नहीं कहते, ज्यादा बातें नहीं करते और टीवी या फोन में व्यस्त रहते हैं। बोरिंग या अनरोमांटिक पति से परेशान पत्नी उनसे प्यार की उम्मीद करती हैं। ऐसे में पत्नी को ही कुछ तरीके अपनाकर रोमांस में कमजोर पति को सुधारने की जरूरत होती है। अगर आपके पति में भी ऐसे ही लक्षण दिखते हैं तो रिश्ते में प्यार लाने के लिए कुछ तरीके अपना सकते हैं।

खुलकर बातचीत करें

कई बार पति अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति खुलकर इसलिए नहीं कर पाते, क्योंकि उनके बीच संवाद कम होता है। इसके लिए जरूरी है कि पत्नी अपने पति से खुद इच्छाओं और भावनाओं के बारे में बात करें। साथ ही प्यार से समझाएं कि आप रिश्ते में रोमांस की उम्मीद करती हैं। अपनी बात बिना किसी शिकायत के पेश करें। ताकि वह खुलकर अपनी भावनाएं आपके साथ साझा कर सकें।

सरप्राइज दें

रिश्तों में छोटे छोटे सरप्राइज जादू का काम करते हैं। अगर पति रोमांटिक नहीं है तो आप उनके लिए सरप्राइज प्लान करें। उनकी पसंद का खाना बनाकर या कोई गिफ्ट देकर सरप्राइज कर सकती हैं। इससे उन्हें महसूस होगा कि आप उनके बारे में कितना सोचती हैं। ऐसे में उनके दिल में आपके लिए प्यार का भावना मजबूत होगी और वक्त के साथ पति भी आपके साथ उसी लगाव व स्नेह से पेश आएंगे, जिसकी उम्मीद आप उनसे करती हैं।अगर आप चाहती हैं कि आपका पति रोमांटिक हो, तो आपको खुद भी रोमांटिक बनना होगा। आप अपने प्यार का इज़हार छोटे-छोटे प्यारे संदेशों, प्यार भरे इशारों या खूबसूरत गिफ्ट्स के जरिए कर सकती हैं। जब आपका पति आपके प्यार और रोमांस को महसूस करेगा, तो वो भी आपकी तरह प्यार जताने के लिए प्रेरित होगा।

रिश्ते में स्पेस दें

हर व्यक्ति रिश्ते में स्पेस चाहता है। पति पर ज्यादा दबाव डालने से वह रोमांटिक होने की जगह और दूर हो सकते हैं। उन्हें थोड़ा वक्त दें। शिकायत न करें, बल्कि रिश्ते में अपनी ओर से प्यार को जाहिर करें ताकि वह बिना दबाव और जबरदस्ती के आप से अपने तरीके से प्यार को जाहिर कर सकें। हर व्यक्ति का अपने प्यार को व्यक्त करने का तरीका अलग होता है। अगर आपके पति सीधे तौर पर रोमांटिक नहीं हैं, तो उनसे धैर्यपूर्वक व्यवहार करें। वक्त के साथ और आपकी समझदारी के साथ वो भी आपके प्रति ज्यादा रोमांटिक हो सकते हैं। उन्हें जबरदस्ती बदलने की कोशिश करने के बजाय अपने रिश्ते को स्वाभाविक रूप से आगे बढ़ने दें।

पसंद को अपनाएं

रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए आपसी साझेदारी जरूरी है। इसके लिए एक दूसरे की पसंद या शौक में दिलचस्पी लेना फायदेमंद हो सकता है। आप दोनों की साझा रुचि होगी तो उसे साथ में करने से आपके बीच संवाद बढ़ेगा और नजदीकियां आएंगी। जैसे मूवी देखना, गाने सुनना या कोई आउटडोर एक्टिविटी। साथ में ये एक्टिविटी आपको एक दूसरे के करीब लाएगा और पति का आपके लिए रोमांस बढ़ेगा।

सरलता में भी प्यार को पहचानें

कभी-कभी पुरुष अपने प्यार का इजहार रोमांटिक शब्दों या खास तरीकों से नहीं करते, लेकिन उनके छोटे-छोटे कामों में भी प्यार छिपा होता है। अगर वो आपके लिए कुछ करते हैं, जैसे आपकी मदद करते हैं, आपकी बातें सुनते हैं या आपके काम में हाथ बंटाते हैं, तो इसे भी प्यार का इज़हार मानें और शब्दों के इंतजार में रहें।

इन छोटे-छोटे टिप्स को अपनाकर बढ़ा सकते हैं खाने का स्वाद

खाना पकाना एक कला है। जिसने इस कला को जान लिया, वह पाक कला में माहिर हो गया। मगर जब भी आप रेसिपी बुक खोलती हैं, आपको विभिन्न प्रांतों, देशों और संस्कृतियों की ढेर सारी रेसिपी देखने को मिलती हैं। आप किसी एक रेसिपी को पढ़ती हैं, किचन में जाती हैं और लग जाती हैं उसे बनाने में। लेकिन जब वह तैयार हो जाती है तो उसमें वह स्वाद नहीं आता, जो आपने कभी चखा था।

ताजी सामग्री का चयन

खाना बनाने की सबसे पहली और महत्वपूर्ण प्रक्रिया है- सही और ताजी सामग्रियों का चुनाव। ताजी और उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री न केवल खाने का स्वाद बेहतर बनाती है, बल्कि प्रतिरक्षा प्रणाली को भी मजबूत करती है। इसलिए किसी भी रेसिपी को बनाते समय सुनिश्चित करें कि सभी सामग्री ताजी हों, ताकि आपका खाना न केवल स्वादिष्ट बने, बल्कि सेहत को भी लाभ पहुंचाए।

सही आकार में कटी और धुली

खाना स्वादिष्ट बने, इसके लिए सब्जियों का सही आकार में कटा होना जरूरी है। सब्जियों को सही तरीके से काटने से भोजन का स्वाद बेहतर होता है, पकाने की प्रक्रिया भी प्रभावी होती है और पोषक तत्व

भी अधिक मात्रा में बरकरार रह पाते हैं। साथ ही हर तरह की सब्जी को उसके आकार और बनावट के अनुसार काटकर बनाने से उसमें सभी मसाले और अन्य फ्लेवर बेहतर तरीके से रम पाते हैं और भोजन का स्वाद भी बढ़ जाता है।

तेल और मसाले पकाने का समय

किसी भी तरह का व्यंजन बनाते समय तेल या घी को अधिक गरम करके उसमें सब्जी या कोई भी खाद्य पदार्थ तलने से उसके पोषक तत्व नष्ट हो सकते हैं और उसमें तला गया खाना अधिक वसा अवशोषित करता है, जिससे स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। वहीं अगर तेल कम गरम होगा तो खाना ठीक से नहीं पक सकेगा और उसका स्वाद भी खराब हो जाएगा। इसलिए तेल या घी को मध्यम आंच पर गरम करना चाहिए और तलते वक्त उसे बार-बार गरम करने से बचना चाहिए।

स्वाद और पोषण

हर रेसिपी में मसाले, नमक, मिर्च और पानी का सही संतुलन होता है। अगर आप किसी भी तत्व को अधिक या कम डालती हैं तो खाना बहुत तीखा, खट्टा या स्वादहीन बन सकता है। खाना पकाने की प्रक्रिया में अगर आप एक भी तत्व को अधिक या कम करती हैं तो इससे उनमें मौजूद विटामिन, खनिज, कैलोरी और स्वास्थ्यवर्धक तत्व नष्ट हो सकते हैं। इसलिए जब रेसिपी में कहा जाता है कि एक छोटा चम्मच मिर्च या गरम मसाला डालें तो इसका मतलब है कि आपको उतना ही इस्तेमाल करना है। साथ ही पोषक तत्वों के नष्ट होने की भी आशंका भी बढ़ जाती है।

पानी और तरल का संतुलन

जब आप कोई रेसिपी देखकर करी, सूप या स्टू जैसी चीज बनाती हैं तो रेसिपी में दी गई पानी या अन्य तरल पदार्थों की मात्रा को ध्यान से फॉलो करना जरूरी है। बहुत अधिक पानी डालने से वह पतला हो सकता है और स्वाद में कमी आ सकती है। कम पानी डालने से वह जल सकता है या फिर ठीक से पक नहीं पाता, जिससे आपको सही पोषण प्राप्त नहीं हो पाते हैं। इसलिए दही, नारियल का दूध, टमाटर का पेस्ट और पानी जैसे तरल पदार्थों का सही समय पर और सही मात्रा में उपयोग करने से स्वाद में इजाफा होता है।

स्वास्थ्य और सुरक्षा

रेसिपी के निर्देशों में बहुत ध्यान से खाना बनाने की प्रक्रिया को व्यवस्थित किया जाता है। इसमें कच्चे और पके खाद्य पदार्थों को अलग रखने, हाथ धोने और बर्तनों को साफ रखने जैसी बातें भी शामिल होती हैं। अगर हम खाने को उचित तापमान पर नहीं पकाते हैं तो उसमें बैक्टीरिया और वायरस विकसित हो सकते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं। इसलिए रेसिपी के स्टेप्स को फॉलो करना न केवल खाना बनाने की कला को बेहतर बनाता है, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी बहुत जरूरी है।

रिश्ते में हंसी-मजाक भी बन सकता है विवाद की वजह

पति-पत्नी के रिश्ते में हंसी-मजाक जरूरी है। यह संबंधों में मजबूती लाता है, लेकिन कहीं आप का या उनका यह मजाक तंज का रूप तो नहीं ले रहा?

नवीन और राधिका शादी के बाद से ही एक-दूसरे के हंसी-मजाक भरे व्यवहार के मुरीद थे। मगर शादी के दस साल बाद अब राधिका को नवीन का यह रवैया अच्छा नहीं लगता है। दरअसल, नवीन कई बार मजाकिया अंदाज में राधिका को ताने मार देता है, जो उसे पसंद नहीं आता और देखते-देखते दोनों के बीच बहस हो जाती है। नवीन और राधिका की तरह कहीं आपके रिश्ते में भी तो यह परेशानी नहीं आ रही?

मजाक के मायने

रिश्तों में हंसी-मजाक का बहुत महत्व है, क्योंकि इससे रिश्तों की दूरी कम होती है। मगर कई बार हंसी-मजाक गलतफहमी का कारण भी बन सकता है, खासकर तब, जब एक साथी भावनात्मक रूप से कमजोर महसूस कर रहा हो। मजाक करना एक भाव है, जिसके कई मायने हैं। इसलिए किसी को अपमानित करना, किसी की बेबसी पर हंसी उड़ाना या किसी पर मनचाहा तंज करना कभी

भी मुस्कुराहट की वजह नहीं बन सकता।

वाद हो, विवाद नहीं

अक्सर हम अपने इर्द-गिर्द ऐसे लोगों को देखते हैं, जो अपनी बात को किसी भी तरह से कह देते हैं और जब सामने वाले को बुरा लगता है तो उसे मजाक का नाम दे देते हैं। हमेशा ध्यान रखें कि मजाक ऐसा हो, जिसमें बोलने और सुनने वाला, दोनों हंसें। ऐसा न हो कि सामने वाला आहत हो रहा हो। यह स्थिति रिश्तों में दरार लाती है और मजाक विवाद का कारण बन जाता है।

पर्सनल अटैक नहीं

सोनाली की पुरानी सहेली टीना के घर में पार्टी थी। टीना का पति रोहन पार्टी में लेट आया। डिनर टेबल पर आते ही सोनाली ने कहा, "रोहन, तुम लेट हो।" इतने में टीना ने तपाक से कहा, "इनका तो रोज का है।" बात छोटी-सी थी, मगर दोनों की डिनर टेबल पर ही लड़ाई हो गई। टीना बोली, "मैंने मजाक किया था", लेकिन रोहन को वह बेइज्जती लगी। पति-पत्नी का संबंध थोड़ा हंसी-मजाक तो एक-दूसरे को समझने-समझाने का भी है। ऐसे में कई बातें पर्सनल अटैक की तरह लगती हैं, इसलिए आपको समय और जगह का ध्यान रखना चाहिए।

संवेदनशील मुद्दे

कभी-कभी मजाक ऐसी बातों पर होता है, जो व्यक्ति के लिए संवेदनशील या व्यक्तिगत होती हैं, जैसै कि माता-पिता, भाई-बहन या फिर कोई करीबी। ऐसे में एक बार के लिए सामने वाला आपकी बातों को मजाक में उड़ा सकता है, लेकिन बार-बार कहना विवाद उत्पन्न करता है, जिससे रिश्ते पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। साथी को ठेस पहुंचती है और यह नोक-झोंक लड़ाई का रूप ले सकती है। इसलिए इस बात का ध्यान रखें।

स्पष्ट और ईमानदार संवाद

मनोवैज्ञानिक सीमा रहमान कहती हैं, पति-पत्नी का संबध हंसी-मजाक, नोक-झोंक और एक-दूसरे को समझने-समझाने का है। मगर इस रिश्ते में अक्सर हम बहुत-सी बातें, जो मन में चल रही होती हैं, जिनको हम कह नहीं पाते है, उनको मजाक में बोल देते हैं। वहीं अगर सामने वाले को बुरा लग जाता है तो कह देते हैं, "अरे मैं तो मजाक कर रहा था या कर रही थी।"

लेकिन किसी भी रिश्ते में संवाद जितना स्पष्ट और ईमानदारी भरा होगा, वह रिश्ता उतना ही बेहतर रहेगा। इसलिए जो बातें आपको परेशान करती हैं, उन पर स्पष्ट बातचीत कीजिए, लेकिन घुमा-फिराकर या हंसी-मजाक का परदा डालकर बात मत कीजिए। आप दोनों के इस प्यार भरे बंधन में हंसी-मजाक रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए होना चाहिए, बातों या भावनाओं पर पर्दा डालने के लिए नहीं।

एक हफ्ते में कितनी बार करें शैंपू का इस्तेमाल ?

बाजार में आजकल तमाम तरह से शैंपू मिल रहे हैं, जोकि बालों से संबंधित हर समस्या का समाधान करते हैं। पर, बावजूद इसके कई बार ये देखने को मिलता है कि बाल कमजोर होते जा रहे हैं और रूखे दिख रहे हैं। ऐसा बालों में ज्यादा शैंपू के इस्तेमाल से भी होता है।

जी हां, भले ही ये सुनने में अजीब लगे लेकिन अगर आप अपने हेयर टाइप के हिसाब से बालों में शैंपू का इस्तेमाल नहीं करेंगे तो इससे बाल झड़ने लगेंगे। आपको इस बारे में भी जानकारी होना बेहद जरूरी है कि एक हफ्ते में कितनी बार बालों को धोया जाए। इसके लिए भी आपको अपने बालों के प्रकार पर ध्यान देने की जरूरत है।

तैलीय बाल हैं तो क्या करें

यदि आपके बाल काफी ज्यादा तैलीय हैं तो आपको इसे सही से साफ रखने की बेहद जरूरत है। इसके लिए आपको बार-बार शैंपू की जरूरत हो सकती है। आप चाहें तो हफ्ते में तीन से चार बार शैंपू से अपने बालं धोएं। हर दिन शैंपू से बचें, क्योंकि इससे स्कैल्प पर अन्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

रूखे बाल हैं तो क्या करें

बहुत से लोगों के बाल रूखे होते

हैं। खासतौर पर रूखे बालों की समस्या सर्दी के मौसम में शुरू होती है। ऐसे बालों को यदि बार-बार शैंपू से धोया जाएगा तो स्कैल्प और ड्राई हो जाएगी। इसके साथ ही इसकी वजह से बाल कमजोर होने लगते हैं। ऐसे में ड्राई बाल वाले लोग अपने बालों को हफ्ते में दो बार धो सकती हैं। सर्दी के मौसम में आपको ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है।

सामान्य बाल हैं तो क्या करे

यदि आपके बाल मौसम के अनुकूल हैं, यानी कि सामान्य हैं तो अच्छी बात है। ऐसे लोग अपने बालों तो हफ्ते में दो से तीन बार धो सकते हैं। बस ध्यान रखें कि जिस शैंपू का इस्तेमाल आप कर रहे हैं, वो ज्यादा माइल्ड नहीं हो। उसमें कोई हानिकारक तत्व नहीं होने चाहिए, वरना बालों को नुकसान पहुंच सकता है।

जिनके सिर में डैंड्रफ हैं वो क्या करें

यदि आपके सिर में काफी ज्यादा रूसी है तो हमेशा डर्मेटोलॉजिस्ट द्वारा सुझाए गए शैंपू का इस्तेमाल करें। इसमें एंटी-डैंड्रफ या मेडिकेटेड शैंपू शामिल हो सकता है, जिसे सप्ताह में 2-3 बार उपयोग करने की सलाह दी जाती है। कई बार लोगों को लगता है कि रूसी दूर करने के लिए किसी भी शैंपू से हर रोज बाल धो सकते हैं, जबकि ऐसा नहीं है। ऐसा करने से भी बाल खराब हो सकते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

अपने लिए शैंपू ले रहे हैं तो ध्यान रखें कि ये आपके हेयर टाइप के हिसाब से ही होना चाहिए। इसके अलावा ये बात ध्यान रखें कि बाल धोते समय ज्यादा शैंपू लगाने से कभी बाल साफ नहीं होते, बल्कि कई बार शैंपू बालों में रह जाता है तो गंदगी जमा करने लगता है। ऐसे में शैंपू इस्तेमाल करते वक्त इसकी मात्रा का ध्यान रखें और सही से इसे साफ भी करें।

शादी की पहली सालगिरह को इन यूनिक आइडिया से बनाएं खास

शादी किसी भी व्यक्ति के जीवन में महत्वपूर्ण है। हालांकि जीवन की नई शुरुआत शादी के बाद होती है। इस रिश्ते में बंधने के बाद हर साल लोग अपनी शादी को सेलिब्रेट करते हैं यानी शादी की सालगिरह मनाते हैं। शादी की सालगिरह एक जोड़े के प्यार और प्रतिबद्धता को याद करने का दिन होता है। रोजाना की व्यस्त जीवनशैली से अलग इस दिन कपल अपने रिश्ते पर ध्यान केंद्रित करते हैं। एक दूसरे को खास महसूस कराने का प्रयास करते हैं। ऐसा करने के लिए वह अपने जीवनसाथी को तोहफा देते हैं, उनके साथ वक्त बिताते हैं। एक दूसरे की प्रशंसा करते हैं और जीवन में आने के लिए कृतज्ञता दिखता हैं। अगर आपकी भी शादी की सालगिरह आने वाली है, तो इस दिन को अपने जीवनसाथी के साथ खास तरीके से मनाएं। पहली शादी की सालगिरह हो या पांचवी और 15वीं कुछ यूनिक आइडियाज के साथ दिन को स्पेशल बनाया जा सकता है।

शादी की सालगिरह मनाने के लिए कपल अक्सर एक दूसरे को तोहफे देते हैं। वह मूवी देखने जाते हैं या शाम को कहीं बाहर खाना खाने जाते हैं। ज्यादातर कपल अपने इस खास दिन को इसी तरह से सेलिब्रेट करते हैं। अगर आपकी शादी को कई साल बीत गए हैं और आप भी हर साल सालगिरह मनाने के लिए कुछ कॉमन तरीके अपनाते आ रहे हैं तो इस बार यूनिक आइडिया से

जीवनसाथी को सरप्राइज दे सकते हैं।

ट्रिप पर जाएं

सालगिरह के मौके पर आप घर और शहर से दूर कहीं ट्रिप पर जाने की योजना बना सकते हैं। ट्रिप दो दिन की या फिर आपकी छुट्टियों के मुताबिक कई दिन की हो सकती है। इस तरह आप हर वक्त एक दूसरे के साथ रहेंगे। शादी की सालगिरह के मौके पर घूमेंगे, व्यस्त जीवनशैली की परेशानियों से अलग सिर्फ एक दूसरे के साथ वक्त बिताएंगे। ये आपके सेकेंड हनीमून की तरह भी हो सकता है। यकीनन आपके पार्टनर को ये आइडिया काफी पसंद आएगा। इसे भी ट्विस्ट देने के लिए सरप्राइज ट्रिप प्लान कर सकते हैं। जैसे पार्टनर की पसंदीदा जगह के लिए फ्लाइट या ट्रेन टिकट पहले से बुक कर लें। पार्टनर को कोई अन्य वजह बोलकर छुट्टी के लिए दफ्तर में अप्लाई करने को बोल दें और ट्रिप के दिन उन्हें ये बोलकर सरप्राइज दें कि आप एनिवर्सरी ट्रिप पर जा रहे हैं।

सरप्राइज पार्टी प्लान करें

अगर आप अपने जीवनसाथी के साथ लंच या डिनर के लिए घर से बाहर जा रहे हैं तो रेस्तरां में बात करके पहले से वहां डेकोरेशन करवा सकते हैं। चाहें तो अपने और उनके दोस्तों, करीबी रिश्तेदारों या परिवार के लोगों को पार्टी में आमंत्रित कर सकते हैं और पार्टनर को सरप्राइज पार्टी देकर खुश कर सकते हैं।

ऑफिस भेजें तोहफे

शादी की सालगिरह को खास बनाता है आपका दिया तोहफा। हर पार्टनर उम्मीद में रहता है कि उनके जीवनसाथी इस मौके पर उन्हें कुछ यादगार उपहार देंगे। लेकिन हर साल इस अलग इस बार तोहफा देते समय कुछ अलग कर सकते हैं। जैसे सीधे गिफ्ट देने के बजाए सुबह उनके बिस्तर के पास तोहफा रखें ताकि नींद खुलते ही सबसे पहले उन्हें आपका गिफ्ट मिले। चाहें तो जब शादी दफ्तर पहुंच जाए तो उनके दफ्तर में गिफ्ट पार्लर कराएं ताकि वह तोहफा देकर सरप्राइज हो जाएं। इसके अलावा दिन भर इंतजार कराने के बाद रात में सोने से पहले उन्हें तोहफा देकर चौंका सकते हैं।

घर की सजावट

अगर दफ्तर से छुट्टी नहीं मिल रही या आप घर से बाहर नहीं जा सकते हैं तो शादी की सालगिरह के मौके पर खास सजावट भी इस दिन को यादगार बना सकती है। साथी के दफ्तर जाने के बाद आप घर या अपने कमरे की सुंदर सी सजावट करें। इसके लिए आप दोनों की तस्वीरों का वॉल हेंगिग, सुंदर रंग बिरंगी लाइट्स, फूल या कैंडिल का उपयोग कर सकते हैं। जब जीवनसाथी घर आएंगे तो आपकी सजावट देखकर इम्प्रेस हो जाएं। अपनी छत या बालकनी में डेकोरेशन करके घर पर ही डिनर डेट का लुत्फ उठा सकते हैं।

बाजार जैसी गजक बनाएं घर पर

सर्दियों का मौसम शुरू होते ही बाजार में गजक, रेवड़ी और तिल की मिठाइयों की खुशबू फैलने लगती है। खासकर तिल और गुड़ से बनी गजक न सिर्फ स्वाद में लाजवाब होती है, बल्कि सर्दियों में सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद मानी जाती है।

सर्दी के मौसम में तिल शरीर को गर्माहट देता है और गुड़ शरीर में आयरन व ऊर्जा की कमी को पूरा करता है। यही वजह है कि उत्तर भारत में गजक को विंटर सुपरफूड भी माना जाता है। अगर आप बाजार की मिलावट वाली गजक से बचना चाहते हैं, तो इसे घर पर बनाना सबसे अच्छा विकल्प है। घर की गजक ज्यादा स्वादिष्ट, ताजा और पूरी तरह हेल्दी होती है। इसे बनाना भी उतना मुश्किल नहीं जितना लोग सोचते हैं। इसे बनाने के लिए आपो बस कुछ आसान सामग्री

और थोड़ी सी तकनीक की जरूरत होती है। तो आइए आपको घर पर गजक बनाने की आसान विधि बताते हैं।

घर पर गजक बनाने का सामान

तिल (सफेद) – 1 कप
गुड़ – 1 कप
देसी घी – 1 छोटा चम्मच
इलायची पाउडर – चम्मच
विधि

अगर आप घर पर गजक बनाना चाहती हैं तो सबसे पहले तो सबसे पहले तिल को हल्की आंच पर 5–6 मिनट सूखा भूनें और अलग रख दें। तिल को साइड में रखने के बाद अब एक पैन में घी गर्म करें, फिर गुड़ और थोड़ा पानी डालकर पकाएं।

जब गुड़ चाशनी जैसा हो जाए और तार बनने लगे, तब तब इसमें भुने हुए तिल और इलायची पाउडर मिक्स करें। दोनों चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करें। अब इस मिश्रण को घी लगी प्लेट पर फैलाएं। चाहें तो बेलन से हल्का बेलें और मनचाहे आकार में काटकर ठंडा होने दें। ठंडा होते ही आपकी कुरकुरी, स्वादिष्ट और हेल्दी देसी गजक तैयार है।

गजक बनाते समय इन बातों का रखें ध्यान

1. तिल को ज्यादा न भूनें

तिल हल्का सुनहरा होने तक ही भूनें। ज्यादा भूनने पर स्वाद कड़वा हो जाता है और गजक का रंग भी खराब होता है।

2. गुड़ की चाशनी सही बनाएं

गुड़ को मध्यम आंच पर पकाएं। चाशनी "दो तार" जैसी होने पर ही तिल मिलाएं। अगर चाशनी कच्ची रही तो गजक चिपचिपी बनेगी, और ज्यादा पक गई तो कड़वी हो सकती है।

3. तेज आंच का इस्तेमाल न करें

गुड़ को हमेशा धीमी या मध्यम आंच पर पिघलाएं। तेज आंच से गुड़ जल सकता है। जले हुए गुड़ से गजक का स्वाद बिगड़ जाएगी।

4. तिल मिलाने के बाद जल्दी करें

गुड़ को पिघलाने के बाद ध्यान रखें कि गुड़ जमने में देर नहीं लगती, इसलिए तिल मिलाते ही तुरंत प्लेट में फैलाए और बेल लें। ताकि ये सही से बन जाए।

12 अरब के मार्केट पर कब्जे की तैयारी!

मुकेश अंबानी और कुमार मंगलम बिड़ला में है सीधी टक्कर

नई दिल्ली,25 नवंबर (एजेंसियां)। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही इकॉनमी है। देश में संपन्नता बढ़ने के साथ ही लोग लग्जरी आइटम्स पर ज्यादा खर्च कर रहे हैं। बहुत से भारतीय लग्जरी सामानों पर खूब खर्च करते हैं, लेकिन वे अक्सर विदेश जाकर खरीदारी करते हैं। अब यह ट्रेंड बदल रहा है। भारत का लग्जरी रिटेल बाजार 2023 में करीब 7.7 अरब डॉलर का था और 2028 तक यह 12 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। जाहिर है कि इस बाजार पर कब्जा करने के लिए बड़ी-बड़ी कंपनियों में होड़ मची है। रिलायंस इंडस्ट्रीज और आदित्य बिड़ला ग्रुप के रिटेल बिजनेस पहले से ही इस क्षेत्र में एक-दूसरे को टक्कर दे रहे हैं। पेरिस का मशहूर डिपार्टमेंट स्टोर गैलरीज लाफायेट इसी महीने मुंबई में खुला है। इसने रिलायंस इंडस्ट्रीज के जियो वर्ल्ड प्लाजा को सीधी टक्कर दी है। जियो वर्ल्ड प्लाजा में पहले से ही गुच्ची और डायर जैसे कई बड़े लग्जरी ब्रांड्स के शोरूम हैं। इस लॉन्च से रिलायंस और आदित्य बिड़ला ग्रुप के बीच मुकाबला और भी कड़ा हो गया है। गैलरीज लाफायेट भारत में आदित्य बिड़ला ग्रुप के साथ मिलकर काम कर रहा है।

चीन से पीछे है भारत

बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप के एमडी और पार्टनर पारुल बजाज के मुताबिक भारत का लग्जरी रिटेल मार्केट एक अहम मोड़ पर है। यह चीन के बाजार से करीब 15-20 साल पीछे है। लग्जरी अब सिर्फ खास मौकों पर खर्च करने वाली चीज नहीं रह गई है, बल्कि यह खुद को व्यक्त करने का जरिया बन गई है। अकेले पर्सनल और एक्सपीरिएंटल लग्जरी अगले दशक में तीन गुना बढ़ने की उम्मीद है। यही वजह है कि कंपनियां इस बाजार के मौके का फायदा उठाने के लिए आगे आ रही हैं। रिलायंस रिटेल अपनी रिलायंस ब्रांड्स जरिए लग्जरी और प्रीमियम ब्रांड्स का एक पोर्टफोलियो बना रही है। इस पोर्टफोलियो में अब 90 से ज्यादा ब्रांड्स शामिल हो गए हैं, जिनमें से 30 से ज्यादा लग्जरी ब्रांड्स हैं। इनमें बालेनसिएगा, बरबेरीऔर टिफैनी ऐंड कंपनी. जैसे नाम शामिल हैं। रिलायंस का पोर्टफोलियो ज्यादातर पश्चिमी ब्रांड्स पर केंद्रित है। इसके साथ ही, उन्होंने कुछ भारतीय डिजाइनर्स के साथ भी साझेदारी की है। इन कंपनियों में रिलायंस ने थोड़ी या पूरी हिस्सेदारी खरीदी है।

क्या होगा फायदा?

दूसरी ओर, आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल अपने एथनिक लग्जरी सेगमेंट को मजबूत कर रहा है। उन्होंने भारतीय डिजाइनर ब्रांड्स में बड़ी हिस्सेदारी खरीदी है, जिनमें सब्यसाची और तरुण तहिलियानी जैसे बड़े नाम शामिल हैं। डेलॉइट इंडिया के पार्टनर आनंद रामनाथन का कहना है कि जब बड़े लग्जरी ब्रांड्स भारत में आ जाएंगे, तो उसके बाद छोटे ब्रांड्स भी आएंगे। गैलरीज लाफायेट में आने वाले 250 से ज्यादा ब्रांड्स में से लगभग 70% ब्रांड्स भारत में पहली बार कदम रख रहे हैं। इनमें गिवेंची, बाल्मैन, जिल सैंडर और मैसन मार्जीला जैसे बड़े नाम शामिल हैं। यह नई प्रतिस्पर्धा भारत के लग्जरी बाजार के लिए एक अच्छा संकेत है। इससे न केवल ग्राहकों को ज्यादा विकल्प मिलेंगे, बल्कि यह बाजार को और भी बड़ा बनाने में मदद करेगा।

भारतीय अर्थव्यवस्था चार ट्रिलियन डॉलर को पार कर सकती है', सीईए नागेश्वरन ने किया दावा

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2026 में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार चार ट्रिलियन डॉलर को पार करने की उम्मीद है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने यह दावा किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में वैश्विक भू-राजनीति एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है। ऐसे में तेजी से आर्थिक वृद्धि भारत की अंतरराष्ट्रीय स्थिति और वैश्विक प्रभाव बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत वर्तमान में लगभग 3.9 ट्रिलियन डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद के साथ विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। आईवीसीए ग्रीन रिटर्न्स समिट 2025 में बोलते हुए नागेश्वरन ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष के दौरान चार ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर जाएगी। उन्होंने बताया कि मार्च 2025 के अंत में देश की जीडीपी 3.9 ट्रिलियन डॉलर थी और अब यह उससे आगे निकल रही है। नागेश्वरन ने कहा कि अर्थव्यवस्था को हरित दिशा में ले जाने, ऊर्जा संक्रमण, पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन से निपटने से जुड़ी सभी पहलें भारत की निकट और मध्यम अवधि की प्राथमिकताओं के अनुरूप होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश भली-भांति जानता है कि वैश्विक तापमान वृद्धि और जलवायु परिवर्तन का कृषि, पर्यावरण और तटीय इलाकों पर क्या प्रभाव पड़ सकता है। इसी कारण भारत ने 2070 तक नेट जीरो हासिल करने का लक्ष्य तय किया है।

आईटी-मीडिया शेयरों में बिकवाली

सेंसेक्स 313 अंक गिरा, निफ्टी 25900 के नीचे पहुंचा

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में इस हफ्ते लगातार दूसरे दिन लाल निशान पर क्लोजिंग हुई। मीडिया और आईटी शेयरों में बड़ी बिकवाली के साथ मंगलवार सेंसेक्स 313.70 (0.36%) अंक टूटकर 84,587.01 पर पहुंच गया। दूसरी ओर, निफ्टी 93.91 (0.36%) अंक टूटकर 25,865.60 पर पहुंच गया। इस दौरान अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयरों में तीन फीसदी और ट्रेंट के शेयरों में दो फीसदी की गिरावट देखी गई। रुपया भी चार पैसे टूट गया।

रुपया चार पैसे टूटकर 89.20 पर बंद हुआ

घरेलू शेयर बाजारों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच मंगलवार को रुपये ने शुरुआती बढ़त गंवा दी और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले चार पैसे कमजोर होकर 89.20 (अनंतिम) पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 89.02 पर खुला और कारोबार के दौरान 89.27 के निचले स्तर तक गया। विश्लेषकों के अनुसार कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने रुपये को सहारा दिया, लेकिन विदेशी फंडों की निकासी और मजबूत डॉलर ने दबाव बनाए रखा।'

सोमवार को रुपया 50 पैसे चढ़कर 89.16 पर बंद हुआ था, जबकि शुक्रवार को यह 98 पैसे टूटकर 89.66 पर आ गया था। कमोडिटी रिसर्च मिराए एसेट शेयरखान के अनुज चौधरी ने कहा कि घरेलू बाजारों की सकारात्मकता और तेल की कीमतों में गिरावट ने रुपये को सपोर्ट दिया, हालांकि एफआईआई की निकासी ने तेजी को सीमित कर दिया।

थक गया दुनिया का इंजन! चीन में निवेश में आ रही भारी गिरावट, भारत की आ सकती है मौज

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। दो दशक से भी अधिक समय से दुनिया के ग्रोथ का इंजन रहे चीन की इकॉनमी का दम अब फूलने लगा है। दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी बनने की चाह रखने वाले चीन की इकॉनमी कई मोर्चों पर संघर्ष कर रही है। चीन को अमेरिका जैसे विकसित देशों की कतार में आने के लिए अभी लंबा रास्ता तय करना है।

भले ही वह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी है लेकिन जीडीपी के हिसाब से वह अभी काफी पीछे है। अमेरिका की प्रति व्यक्ति आय जहां 89,600 है, वहीं चीन के मामले में यह 13,810 है। चीन में निवेश में भी अभूतपूर्व गिरावट आ रही है। साल 2025 के पहले 10 महीनों में देश में फिक्स्ड एसेट इनवेस्टमेंट पिछले साल के मुकाबले 1.7 फीसदी गिर गया जो इतिहास में सबसे अधिक है। केवल अक्तूबर के महीने में ही निवेश 12 फीसदी गिर गया। लगातार पांचवें महीने इसमें गिरावट आई है। इसमें प्रॉपर्टी इनवेस्टमेंट की सबसे बड़ी भूमिका है। साल के पहले 10 महीने में इसमें पिछले साल के मुकाबले 14.7 फीसदी गिरावट आई है। इसी तरह इन्फ्रास्ट्रक्चर पर खर्च में केवल 0.1 फीसदी बढ़ोतरी हुई है जबकि सरकार ने इसके लिए स्टीम्युलस दिया है। इससे साफ है कि चीन में ग्रोथ का मोमेंटम अब तेजी से खत्म हो रहा है। चीन की सबसे बड़ी समस्या रियल एस्टेट संकट है। चार साल पहले शुरू हुआ यह संकट दूर होने का नाम नहीं ले रहा है। इसके कारण चीन की पूरी इकॉनमी के डूबने का खतरा पैदा हो गया है। इसकी वजह यह है कि चीन की इकॉनमी में रियल एस्टेट की करीब एक तिहाई योगदान है। चीन की इकॉनमी में यह गिरावट भारत के लिए वरदान साबित हो सकती है। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही इकॉनमी है और दुनिया भर की कंपनियां और निवेशक भारत की ग्रोथ स्टोरी का फायदा उठाना चाहते हैं। कोरोना काल के बाद बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियां चीन पर अपनी निर्भरता कम करने के प्रयास कर रही हैं। आईफोन बनाने वाली कंपनी ऐपल समेत कई कंपनियां भारत में निवेश बढ़ा रही हैं। इससे भारत में बड़ी संख्या में रोजगार पैदा होने की संभावना है।

खाने-पीने पर सबसे कम है अमेरिका के लोगों का खर्च, नाइजीरिया है नंबर वन

नई दिल्ली,25 नवंबर (एजेंसियां)। दुनिया के अलग-अलग देशों में महंगाई अलग-अलग है। अमेरिका में परिवारों के कुल खर्च में खाने-पीने की चीजों की हिस्सेदारी महज 6.8% है दुनिया में सबसे कम है। यानी अमेरिका के लोग कुल जितना खर्च करते हैं, उसमें 10% से भी कम हिस्सा फूड एक्सपेंडीचर का होता है। वहीं अफ्रीकी देश नाइजीरिया के लोग कुल जितना खर्च करते हैं, उसमें 59.3% हिस्सा खाने-पाने की चीजों को खरीदने में ही चला जाता है। पड़ोसी देश बांग्लादेश में लोगों के कुल खर्च में से 52.8% हिस्सा खाने-पीने की चीजों को खरीदने में चला जाता

है। कई साल से युद्ध से जूझ रहे यूक्रेन में लोगों के कुल खर्च में फूड एक्सपेंडीचर का हिस्सा 41.7% है। इथियोपिया में यह 37.9 फीसदी, पाकिस्तान में 37.8 फीसदी, मिस्र में 36.9 फीसदी, वियतनाम में 34.9 फीसदी और इंडोनेशिया में 33.5 फीसदी है। भारत में कुल खर्च का 29.9 फीसदी हिस्सा खाने-पीने की चीजों को खरीदने में जाता है।

हमारे पड़ोसी देश श्रीलंका में कुल खर्च में फूड एक्सपेंडीचर का हिस्सा 27.1 फीसदी है। रूस में यह 25.3 फीसदी, अर्जेंटीना में 23.1 फीसदी, चीन में 21.2 फीसदी, सऊदी अरब में 20.5 फीसदी, जापान में 15.8 फीसदी, फ्रांस में 12.6 फीसदी, यूएई में 12.2 फीसदी, जर्मनी में 11.6 फीसदी, ऑस्ट्रेलिया में 9.9 फीसदी, कनाडा में 9.7 फीसदी, स्विट्जरलैंड में 9 फीसदी और यूके में 8.7 फीसदी है।

अडानी के प्लांट को नहीं मिल रहा कच्चा माल

1.2 अरब डालर लगाने के बाद बंद पड़ा है प्लांट

नई दिल्ली,25 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और एशिया के दूसरे बड़े रईस गौतम अडानी का गुजरात में 1.2 अरब डॉलर का कॉपर स्मेल्टर (तांबा गलाने का प्लांट) कच्चे माल की भारी कमी से जूझ रहा है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस प्लांट को पूरी क्षमता से चलने के लिए जरूरी कच्चा माल नहीं मिल पा रहा है। इसकी क्षमता 500,000 टन की है लेकिन इसे बहुत कम कच्चा माल मिल रहा है। इसकी वजह यह है कि दुनिया भर में तांबे की सप्लाई में कमी आई है। अडानी की कंपनी कच्छ कॉपर लिमिटेड ने जून में तांबा बनाना शुरू किया था। उसे जरूरी कच्चे माल का दसवें हिस्सा भी नहीं मिल पाया है।

यह जानकारी कस्टम डेटा से मिली है। अक्टूबर तक कंपनी ने करीब 147,000 टन कॉपर कन्सेंट्रेट आयात किया। वहीं, इसी अवधि में हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने 10 लाख टन से थोड़ा ज्यादा खरीदा। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस स्मेल्टर को पूरी क्षमता से चलाने के लिए लगभग 1.6 मिलियन टन कॉन्सेंट्रेट की जरूरत है। अडानी समूह को भेजे गए सवालों का कोई जवाब नहीं मिला। इस साल दुनिया भर के कॉपर स्मेल्टरों की सप्लाई कई खदानों में आई रुकावटों की वजह से प्रभावित हुई है।

कम मुनाफा

फ्रीपोर्ट-मैकमोरन इंक, हडबे मिनरल्स इंक, इवानहो माइंस लिमिटेड और चिली की सरकारी कंपनी कोडेलको जैसी बड़ी खदानों में भी दिक्कतें आई हैं। इसके अलावा, चीन अपने स्मेल्टरों की क्षमता लगातार बढ़ा रहा है। इससे दूसरे देशों के स्मेल्टरों के मुनाफे पर असर पड़ा है और कुछ उत्पादकों को उत्पादन कम करना पड़ा है या कारखाने बंद करने पड़े हैं। इसी वजह से, ट्रीटमेंट और रिफाइनिंग चार्ज इस साल रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। इसका मतलब है कि स्मेल्टर कच्चा माल हासिल करने के लिए बहुत कम मुनाफा लेने को भी तैयार हैं। कच्छ कॉपर अगले चार साल में अपनी सालाना क्षमता को दोगुना करके 1 मिलियन टन करने की योजना बना रही हैं। लेकिन सप्लाई की कमी का मतलब है कि उसे प्लांट चलाने के लिए ज्यादा खर्च करना पड़ेगा। साथ ही, प्लांट को पूरी क्षमता तक पहुंचाने में और भी ज्यादा समय लगेगा। ब्लूमबर्ग इंटेलिजेंस के एनालिस्ट ग्रांट स्पोरे ने कहा कि अडानी का स्मेल्टर नया है और इसलिए कई पुराने स्मेल्टरों से ज्यादा एफिशिएंट होना चाहिए। शुरुआत में स्मेल्टर घाटे में भी चल सकता है।

कहां से मिली सप्लाई

उन्होंने यह भी कहा कि भारत अपनी इंडस्ट्रीज को बचाने के लिए ज्यादा टैरिफ भी लगा सकता है। कस्टम डेटा के अनुसार, बीएचपी ग्रुप ने इस स्मेल्टर को 4,700 टन सप्लाई की है, जबकि बाकी शिपमेंट ग्लेंकोर पीएलसी और हडबे से आए हैं। कच्छ कॉपर की धीमी शुरुआत इस बात की याद दिलाती है कि भारत को अपनी धातुओं में आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों में कितनी मुश्किलें आ रही हैं। इन्फ्रास्ट्रक्चर, बिजली और निर्माण क्षेत्रों की मांग बढ़ रही है जबकि सप्लाई सीमित है।

महंगा हो गया सोना और चांदी शादियों के सीजन में बढ़ी कीमत

नई दिल्ली,25 नवंबर (एजेंसियां)। शादियों के सीजन में मंगलवार को सोना और चांदी महंगा हो गया। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व दिसंबर में ब्याज दरें घटा सकता है। इसी उम्मीद के चलते सोने के भाव में 1.2% तक की बढ़ोतरी हुई। एमसीएक्स पर सोने के दिसंबर वायदा की कीमत 1,070 रुपये या 0.86% बढ़कर 1,24,924 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। वहीं चांदी के दिसंबर वायदा अनुबंधों की कीमत 1,898 रुपये या 1.23% बढ़कर 1,56,380 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुली।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी मंगलवार को सोने की कीमतों में स्थिरता रही। पिछले कारोबारी सत्र में सोने के भाव में लगभग 2% की बढ़ोतरी हुई थी। अमेरिका में दिसंबर में ब्याज दरें घटने की बढ़ती उम्मीदों ने मजबूत डॉलर के असर को कम कर दिया। सोमवार को सोने की कीमत 1.8% बढ़कर 4,139.80 डॉलर पर पहुंच गई थी, जो 14 नवंबर के बाद का उच्चतम स्तर था। वहीं, अमेरिका में दिसंबर डिलीवरी के लिए गोल्ड फ्यूचर्स 0.7% बढ़कर 4,049.50 डॉलर प्रति औंस पर थे।अमेरिकी डॉलर पिछले हफ्ते के छह महीने के उच्च स्तर के करीब बना रहा, जिससे अन्य मुद्राओं वाले खरीदारों के लिए सोना महंगा हो गया। यूएस डॉलर इंडेक्स 100.15 के करीब मंडरा रहा था, जो 0.05 अंक या 0.05% की गिरावट दर्शाता है।न्यूयॉर्क फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जॉन विलियम्स ने शुक्रवार को कहा था कि अमेरिकी ब्याज दरों को निकट भविष्य में कम किया जा सकता है, जिससे फेड के मुद्रास्फीति लक्ष्य को खतरा नहीं होगा। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसा करने से श्रम बाजार की स्थिति खराब होने से रोकने में मदद मिल सकती है।

जानें किस शहर में क्या है सोने का भाव

दिल्ली में स्टैंडर्ड सोने (22 कैरेट) की कीमत 93,176 रुपये प्रति 8 ग्राम है, जबकि शुद्ध सोने (24 कैरेट) की कीमत 1,00,224 रुपये प्रति 8 ग्राम है।

मुंबई में स्टैंडर्ड सोने (22 कैरेट) की कीमत 92,512 रुपये प्रति 8 ग्राम है, जबकि शुद्ध सोने (24 कैरेट) की कीमत 99,464 रुपये प्रति 8 ग्राम है।

चेन्नई में स्टैंडर्ड सोने (22 कैरेट) की कीमत 92,472 रुपये प्रति 8 ग्राम है, जबकि शुद्ध सोने (24 कैरेट) की कीमत 99,504 रुपये प्रति 8 ग्राम है।

हैदराबाद में स्टैंडर्ड सोने (22 कैरेट) की कीमत 92,640 रुपये प्रति 8 ग्राम है, जबकि शुद्ध सोने (24 कैरेट) की कीमत 99,608 रुपये प्रति 8 ग्राम है।

आधी रह जाएगी पेट्रोल-डीजल की कीमत, महंगाई डायन होगी खत्म! जेपी मार्गन की भविष्यवाणी?

नई दिल्ली,25 नवंबर (एजेंसियां)। पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कीमत आने वाले दिनों में सस्ती हो सकती है। जेपी मॉर्गन का कहना है कि वित्त वर्ष 2027 तक ब्रेंट क्रूड की कीमतें 30 डॉलर प्रति बैरल तक गिर सकती हैं। ऐसा इसलिए होगा क्योंकि दुनिया भर में तेल की सप्लाई डिमांड से बहुत ज्यादा हो जाएगी। भारत जैसे देशों के लिए यह अच्छी खबर है। भारत अपनी जरूरत का 85% से ज्यादा कच्चा तेल आयात करता है। इसके लिए भारत को एक बड़ी रकम चुकानी पड़ती है।

जेपी मॉर्गन के ताजा अनुमान के मुताबिक अगले तीन साल में तेल की खपत बढ़ेगी, लेकिन तेल का उत्पादन और भी तेजी से बढ़ेगा।

खासकर ओपेक+ देशों के अलावा दूसरे देश भी कच्चे तेल का उत्पादन बढ़ाएंगे। इससे बाजार में तेल की अधिकता हो जाएगी और कीमतें नीचे आ जाएंगी। दुनिया भर में तेल की मांग 2025 में 0.9 मिलियन बैरल प्रतिदिन बढ़ेगी जिससे कुल खपत 105.5 मिलियन बैरल पहुंच जाएगी। साल 2026 और 2027 में भी यह बढ़ोतरी जारी रहेगी। जेपी मॉर्गन का अनुमान है कि तेल की सप्लाई मांग से लगभग तीन गुना ज्यादा तेजी से बढ़ेगी। 2027 में सप्लाई बढ़ने की रफ्तार थोड़ी कम होगी, लेकिन फिर भी बाजार के लिए यह बहुत ज्यादा होगी। डिमांड और सप्लाई में इस असंतुलन का कारण नॉन-ओपेक+ देशों से तेल का बढ़ता उत्पादन है। जेपी मॉर्गन का कहना है कि 2027 तक होने वाली कुल सप्लाई बढ़ोतरी में से आधा हिस्सा इन देशों से आएगा। इसकी वजह गहरे समुद्र में तेल निकालने की नई तकनीकें और दुनिया भर में शेल ऑयल का लगातार बढ़ता उत्पादन है। गहरे समुद्र से तेल निकालना अब एक भरोसेमंद और सस्ता तरीका बन गया है। 2029 तक के लिए तेल निकालने वाले ज्यादातर जहाज पहले ही तय हो चुके हैं। इस असंतुलन के कारण 2026 में ब्रेंट क्रूड की कीमतें 60 डॉलर से नीचे गिर सकती हैं और साल के आखिरी तीन महीनों में यह 50 डॉलर के शुरुआती स्तर तक आ सकती है। साल के अंत तक यह 40 डॉलर के आसपास हो सकती है। 2027 तक, औसत कीमतें 42 डॉलर तक गिर सकती हैं और साल के अंत तक यह 30 डॉलर के स्तर से भी नीचे आ सकती है। फिलहाल, ब्रेंट क्रूड की कीमत 60 डॉलर प्रति बैरल से थोड़ी ऊपर चल रही है।

दैनिक पंचांग

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य -	वृश्चिक में	वृश्चिक...	05-45 बजे
चंद्र -	मकर में	धनु.....	06-59 बजे
मंगल-	वृश्चिक में	मकर....	10-06 बजे
बुध -	वृश्चिक में	कुंभ....	12-05 बजे
गुरु -	कर्क में	मीन....	13-34 बजे
शुक्र -	तुला में	मेष.....	15-10 बजे
शनि -	मीन में	वृष.....	16-55 बजे
राहु -	कुंभ में	मिथुन..	18-54 बजे
केतु -	सिंह में	कर्क....	21-10 बजे
		सिंह....	23-20 बजे
		कन्या...	01-26 बजे
		तुला....	03-40 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय 06-25
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त. 17-36
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष बुधवार 26 Nov
तिथि - षष्ठी 24-02 तक उपरान्त सप्तमी
नक्षत्र - श्रवण 01-32 तक उप धनिष्ठा
योग - वृद्धि 12-42 तक उप ध्रुव
करण - कौलव 11-34 तक उप तैतिल
चम्पा स्कन्द - गुह षष्ठी
वृश्चिकके शुक्र 11-22 से

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 12-03 13-27

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
लाभ	06-25 - 07-49 शुभ	उत्पात	17-36 - 19-15 अशुभ
अमृत	07-49 - 09-13 शुभ	शुभ.	19-15 - 20-51 शुभ
काल	09-13 - 10-37 अशुभ	अमृत	20-51 - 22-27 शुभ
शुभ	10-37 - 12-01 शुभ	चंचल	22-27 - 00-04 शुभ
रोग	12-01 - 13-26 अशुभ	रोग	00-04 - 01-40 अशुभ
उत्पात	13-26 - 14-50 अशुभ	काल	01-40 - 03-16 अशुभ
चंचल	14-50 - 16-14 शुभ	लाभ	03-16 - 04-53 शुभ
लाभ	16-14 - 17-36 शुभ	उत्पात	04-53 - 06-25 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,

आज आपके मालिक केवल वे सुनेंगे जो वे सुनना चाहते हैं और यह स्थिति स्वतंत्र रूप से अपने आप को व्यक्त करने से आपको रोकती है। आपके सहयोगियों ने ऐसी स्थितियों में बहुत अच्छी तरह से आप का समर्थन किया है और ये समय उन लोगों से प्राप्त हुई मदद की सराहना करने का समय है। जब आपके मालिक का मन स्थिर होगा , तब आपके धन प्राप्ति के योग है ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आपकी पेशेवर ज़िंदगी आपकी गर्मजोशी और रचनात्मकता से ऊर्जा प्राप्त करती है, जो सकारात्मक ध्यान आकर्षित करती है। तीव्र भावनाएँ उत्पन्न हो सकती हैं, जो आपके लक्ष्यों पर गहन चिंतन को प्रेरित करती हैं। उतार-चढ़ाव वाली भावनाएँ अस्थायी भ्रम पैदा कर सकती हैं, इसलिए भावनात्मक संतुलन का लक्ष्य रखें।

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,

आज आप अपनी पढ़ाई और नई परियोजनाओं के बारे में उत्साहित महसूस करते हैं। स्पष्ट और दयालु संचार आपको अपने विचारों और भावनाओं को आसानी से साझा करने में मदद करता है। सहायक कनेक्शन टीमवर्क को अधिक आनंददायक और उत्पादक बनाते हैं। खुले और ईमानदार रहें, और आप अपने लक्ष्यों में लगातार प्रगति करते हुए मजबूत, स्थायी संबंध बनाएंगे।

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,

आपकी वित्तीय स्थिति में लगातार वृद्धि दिख रही है और आगे भी इसमें सुधार की संभावना है , परन्तु आप ऐसा महसूस करेंगे की आपके नियंत्रण से परे स्थितियां आपकी उत्पादकता और काम करने की क्षमता को प्रभावित कर रही है , लेकिन आपका डर निराधार हैं।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

जैसे जैसे दिन आगे की और बढ़ेगा ये और बेहतर होता चला जाएगा। आपने पिछले कुछ दिनों में जो निराशाओं का अनुभव किया है , उनका अंत हो जाएगा और आप आशावादिता की ताजा हवा में सांस ले सकते हैं। आपके वरिष्ठ अधिकारी आपकी क्षमता के अनुरूप कठिन मुद्दों से निपटने के लिए आपको पुरस्कृत भी कर सकते है।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

पेशेवर परिस्थितियों में आपका आत्मविश्वास झलकता है, जिससे आप सहजता से नेतृत्व कर पाते हैं। अंतर्ज्ञान आपके निर्णय को तेज करता है, जिससे आप सूक्ष्म गतिशीलता को कुशलता से समझ पाते हैं। आपका आकर्षण और कलात्मक प्रतिभा, खासकर महिलाओं के साथ सहयोग करते समय, एक गहरी छाप छोड़ती है।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपका करिश्मा आत्मविश्वास बढ़ाता है और आपको पेशेवर रूप से अलग दिखने में मदद करता है। एक अनुशासित मानसिकता स्थिर प्रगति का समर्थन करती है, जबकि आशावाद की भावना विकास के द्वार खोलती है। रिश्तों में तनाव पैदा हो सकता है, इसलिए स्पष्ट और दिल से संवाद करना महत्वपूर्ण है।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज्ञाकारी होना अच्छा है, लेकिन दूसरों के मुताबिक कार्य करना सही नहीं है । आप और आपके विचार सब से अलग है ।आपको जो सही लगे वह करे और लोगो की बातो में आने से बचे । आप अपने व्यय योजना में अपने खर्चों को कम करने की कोशिश कर रहे है ताकि सकारात्मक वित्तीय बदलाव आये , इसलिए आगे बढे और योजना को अंजाम दे !

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज आपको अप्रत्याशित रूप से खोया धन मिल सकता है , जिससे आसानी से आप अपनी सभी वित्तीय प्रतिबद्धताओं को पूरा कर पायेंगे । यह आपकी वर्तमान वित्तीय स्थिति को काफी राहत प्रदान करने वाला होगा , हालांकि इस धन को बहुत बुद्धिमानी से खर्च करना होगा।

मकर भो, जा, जी, खो, खु, खे, खो, गा, गी

आज आतिथ्य / परोपकारी गतिविधियों में काम कर रहे लोगों के लिए एक विशेष दिन है। आज आपके विद्रोही भी आपके सामने झुकेंगे । सफलता आपके पास आयेगी। आप किसी भी दबाव में या जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें जिससे आपको कोई नुकसान हो ।अगर आप आय के अधिक स्रोतों को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है , तो आज आप भाग्यशाली हो सकते है।

कुंभ गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आपके अहं को आज पूरी तरह से तृप्ति मिलेगी क्योंकि आपके नेतृत्व और संगठन के लिए बहुमूल्य योगदान के लिए आपको पुरस्कृत किया जाएगा । आप परदे के पीछे रहकर अच्छी तरह से काम नहीं कर सकते है , इसलिए आपको अपनी प्रतिभा और क्षमता अपने विभिन्न मुद्दों में जिस पर आप अभी कार्य कर रहे है।

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

अगर आप बेरोजगार हैं, तो एक अवसर आज आपके दरवाजे पर अपनी दस्तक दे सकता है। दोनों हाथों से इसे ले । आपके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है। कृपया करके मुफ्त सलाह प्रदान करने वालो से दूर रहे । आप नौकरी पाने के पश्चात अपनी ईमानदारी और समर्पण दिखाए ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

अमित बघेल को एससी से फटकार

कहा–जुबान पर लगाम रखें

रायपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के अध्यक्ष और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के प्रमुख अमित बघेल की मुश्किलें अब और बढ़ने वाली है। अपने बयानों को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे अमित बघेल को सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई है।

अग्रिम जमानत के लिए याचिका लगाने पर अमित बघेल को राहत नहीं मिली है। 24 नवंबर को कोर्ट ने साफ कर दिया कि जहां-जहां एफआईआर दर्ज हुई है, आरोपी को वहां की कानूनी प्रक्रिया का सामना करना होगा।

अमित बघेल की ओर से दर्ज सभी एफआईआर को क्लब करने की मांग पर कोर्ट ने कहा, आप अपनी ज़ुबान संभालकर रखें। राज्य पुलिस आएगी, आपको अपने-अपने राज्यों में ले जाएगी। पूरे देश की सैर का आनंद लीजिए। बता दें कि अमित बघेल पिछले 26 दिनों से फरार है, उन पर 12 राज्यों में एफआईआर दर्ज है।

बघेल की ओर से पैरवी कर रहे एडवोकेट ने न्यायालय में सुनवाई के दौरान कहा था कि बयान स्वीकार्य नहीं थे, लेकिन गुस्से में दिए गए थे और किसी की भावनाएं आहत करने का इरादा नहीं था। उन्होंने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ में पांच एफआईआर दर्ज हैं, इसलिए अन्य राज्यों के मामले वहीं ट्रांसफर कर दिए जाएं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने दलील मानने से इनकार कर दिया। पीठ ने कहा कि वे इस मामले में हस्तक्षेप नहीं करेगी और आरोपी को हर राज्य में दर्ज एफआईआर के तहत प्रक्रिया का सामना करना होगा। बता दें कि अमित बघेल के खिलाफ छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के प्रमुख अमित बघेल ने अग्रसेन महाराज, सिंधी समाज के ईष्ट देवता झूलेलाल पर टिप्पणी की थी। अमित बघेल के बयान के बाद अग्रवाल समाज और सिंधी समाज ने प्रदेशभर और देशभर में प्रदर्शन किया। दरअसल, 26 अक्टूबर 2025 को रायपुर के VIP चौक पर छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति से तोड़फोड़ की गई। अगले दिन छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना मौके पर पहुंची और जमकर हंगामा किया। इस दौरान क्रांति सेना और पुलिसकर्मियों के बीच झड़प भी देखने को मिली।

हंगामे के बाद, छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति दोबारा स्थापित कर दी गई। पुलिस ने अगले दिन सुबह राम मंदिर के पास से आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया था। आरोपी मानसिक रूप से बीमार था और उसने नशे में मूर्ति तोड़ी थी। दरअसल, 27 अक्टूबर 2025 को अमित बघेल ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी और अग्रसेन महाराज के खिलाफ विवादित टिप्पणी की थी। कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु सहित कई राज्यों में दर्जनभर से अधिक एफआईआर दर्ज हैं। विवादित बयान के बाद देशभर में सिंधी समाज ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया था।

कई शहरों में बघेल का पुतला फूंका गया और राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। समुदाय का आरोप है कि बघेल ने सिंधी समाज को 'पाकिस्तानी' कहकर अपमानित किया था।

छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति तोड़ने को लेकर 27 अक्टूबर को

फूड प्रोसेसिंग सेक्टर में मिल सकती है बड़ी सौगात

सीएम ने चिराग पासवान से की मुलाकात

रायपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सोमवार को दो दिवसीय दिल्ली दौरे पर रवाना हुए। सीएम ने नई दिल्ली में केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री चिराग पासवान से मुलाकात की। सीएम साय राज्य में खाद्य सुरक्षा, कृषि-आधारित उद्योगों और फूड प्रोसेसिंग सेक्टर से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चिराग पासवान से चर्चा की। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से आग्रह किया कि नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फूड टेक्नोलॉजी, एंटरप्रेन्योरशिप एंड मैनेजमेंट(एनआइएफटीइएम) संस्थान की स्थापना छत्तीसगढ़ में की जाए। सीएम ने कहा कि राज्य के युवाओं को आधुनिक खाद्य तकनीक, उद्यमिता तथा नए रोजगारों से संबंधित उच्चस्तरीय प्रशिक्षण का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि कृषि दृष्टि से छत्तीसगढ़ एक मजबूत राज्य है और यहां ऐसे संस्थान से हजारों छात्रों, किसानों तथा खाद्य-आधारित उद्यमों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

नारायणपुर में 28 नक्सलियों ने सरेंडर किया

इसमें 19 महिलाएं, तीन ने हथियार डाले, सभी पर 89 लाख का इनाम था

जगदलपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में 28 नक्सलियों ने सरेंडर किया है, जिसमें 19 महिला नक्सली शामिल हैं। आईजी सुंदरराज पी समेत अन्य पुलिस अधिकारियों के सामने सभी ने आत्मसमर्पण किया है। तीन नक्सली अपने साथ एसएलआर, इंसास और 303 राइफल लेकर आए थे।

जानकारी के मुताबिक, सरेंडर नक्सलियों पर 89 लाख रुपए का इनाम था। आत्मसमर्पण करने वाले कैडरों में अलग-अलग स्तरों के सदस्य शामिल हैं। जिसमें माड डिवीजन डीवीसीएम सदस्य, पीएलजीए कंपनी नंबर 6 के सैन्य सदस्य के मैंबर शामिल हैं।

इसके अलावा एरिया कमेटी सदस्य (एसीएम), तकनीकी टीम सदस्य, सैन्य प्लाटून पीपीसीएम, सैन्य प्लाटून सदस्य, एसजेडसीएम भास्कर की गार्ड टीम के पार्टी सदस्य (पीएम), सप्लाई टीम सदस्य (पीएम), एलओएस सदस्य (पीएम) और जनताना सरकार के सदस्य शामिल हैं।

नारायणपुर एसपी रॉबिन्सन गुड़िया ने बताया कि आज की कार्रवाई के बाद 2025 में जिले में कुल 287 माओवादी कैडर हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हो चुके हैं। वहीं, आईजी सुंदरराज पी ने कहा कि नारायणपुर में 28 माओवादी कैडरों का पुनर्वास दर्शाता है कि हिंसक और जनविरोधी माओवादी विचारधारा का अंत अब निकट है।

उन्होंने कहा कि लोग पूना मारगेम पहल पर भरोसा जता रहे हैं और शांति, गरिमा और स्थायी प्रगति का मार्ग चुन रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले 50 दिनों में बस्तर रेंज में 512 से अधिक माओवादी कैडरों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर सामाजिक मुख्यधारा से जुड़ने का फैसला किया है। आईजी ने बाकी नक्सलियों से मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की है।

17 अक्टूबर को जगदलपुर में 210 नक्सलियों ने पुलिस के सामने सरेंडर किया था। 153 हथियार भी सौंपे गए थे। जिसमें एके-47, इंसास राइफलें, एसएलआर और 303 राइफलें थी। सरेंडर कार्यक्रम स्थल पर नक्सलियों को 3 बसों के जरिए लाया गया था।

ब्याज-वसूली से परेशान किसान ने लगाई फांसी

राजनांदगांव, 25 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में एक किसान ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। 19 नवंबर की सुबह रामखिलावन साहू का शव (49 साल) सिंघोला धान खरीदी केंद्र के पास एक पेड़ से लटका मिला। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है।

सुसाइड नोट में राजनांदगांव के सर्राफा व्यापारी आरके ज्वेलर्स के संचालक, मंडी कारोबारी उमेश पालीवाल और रमेश पालीवाल के नाम लिखे गए हैं।

जानकारी के मुताबिक आरके ज्वेलर्स के संचालक राजू गोलछा हैं। परिजनों के अनुसार किसान ने इन लोगों से कुछ रकम उधार ली थी, जिस पर 5 प्रतिशत तक ज्यादा ब्याज वसूला जा रहा था। उन्हें लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। वहीं, घटना के 6 दिन बाद भी कार्रवाई नहीं होने से परिजनों ने पुलिस पर सवाल उठाए हैं।

मामला सुरगी पुलिस चौकी क्षेत्र का है। परिजनों ने बताया कि उनके घर गुंडे भेजे जा रहे थे। धमकाया जा रहा था। सभी के सामने अपमानित किया गया। इससे परेशान होकर किसान ने आत्महत्या जैसा कदम उठाया।

रामखिलावन साहू संबलपुर (सिंघोला) के रहने वाले थे। वह कृषि उपज मंडी में धान की खरीदी-बिक्री से जुड़े थे। रामखिलावन ने आत्महत्या से पहले एक सुसाइड नोट लिखा था, जिसमें कुछ लोगों के नाम दर्ज हैं।

परिजनों का आरोप है कि इन्हीं लोगों की प्रताड़ना के कारण रामखिलावन साहू ने यह कदम उठाया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का रोका काफिला

रजिस्ट्री शुल्क में बढ़ोतरी का विरोध, पुलिस से भिड़े कांग्रेस बोली–बीजेपी नेताओं का ऐसा ही हाल होगा

दुर्ग-भिलाई, 25 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नई गाइडलाइन लागू होने के बाद रजिस्ट्री शुल्क और जमीन की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। इसके खिलाफ दुर्ग में लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव का काफिला वहां से गुजर रहा था, जिसे प्रदर्शनकारियों ने बीच सड़क पर रोक दिया।

विरोध के चलते प्रदेश अध्यक्ष को लोगों के आक्रोश का सामना करना पड़ा। स्थिति को कंट्रोल करने पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झूमाझटकी भी हुई। कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि जो हाल बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष का दुर्ग में हुआ है, वो हाल सभी बीजेपी नेताओं का होने वाला है।

वहीं भाजपा विधायक रिकेश सेन ने कहा कि किरण सिंहदेव के साथ जो व्यवहार किया गया, यह लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। बातचीत करके भी समाधान निकाला जा सकता है। प्रदर्शनकारियों में कुछ राजनीतिक दलों के लोग थे।

दरअसल, रजिस्ट्री शुल्क में बढ़ोतरी के विरोध में जमीन खरीदी-बिक्री के कारोबार से जुड़े लोग और आम नागरिक पटेल चौक पर जमा हुए। वहां से रैली निकालकर कलेक्ट्रेट के प्रवेश द्वार तक पहुंचे। भीड़ ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

प्रदर्शनकारियों ने कहा रजिस्ट्री शुल्क बढ़ोतरी आम जनता पर सीधा आर्थिक बोझ है। जिसे किसी भी तरह स्वीकार नहीं किया जा सकता। घर-दुकान और जमीन खरीदने का खर्च पहले ही बढ़ चुका है। ऐसे में रजिस्ट्री शुल्क और मार्केट वैल्यू में अचानक बढ़ोतरी करना सरकार का जनविरोधी कदम है।

इसी बीच एक निजी कार्यक्रम से लौट रहे प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंहदेव का काफिला प्रदर्शन स्थल से गुजरने लगा। प्रदर्शनकारियों ने तुरंत काफिले को घेर लिया और गाड़ी के सामने खड़े होकर किरण सिंहदेव को ज्ञापन सौंपने की मांग करने लगे।

प्रदर्शनकारियों के अचानक सड़क पर आ जाने से कुछ देर के लिए यातायात भी बाधित हो गया। काफिले के साथ चल रहे फॉलो गार्ड, भाजपा कार्यकर्ताओं और मौके पर मौजूद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को पीछे हटाने का प्रयास किया।

लेकिन वो अपनी मांगों पर अड़े रहे और रजिस्ट्री शुल्क बढ़ोतरी वापस लेने की मांग को लेकर नारेबाजी करने लगे।

छात्रवृत्ति भुगतान में देरी पर छात्रों का प्रदर्शन

डीसी को सौंपा ज्ञापन, कल राज्य स्तरीय आंदोलन का ऐलान

गिरिडीह, 25 नवंबर (एजेंसियां)। गिरिडीह में छात्रवृत्ति भुगतान में देरी को लेकर छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने डीसी को ज्ञापन सौंपा और 27 नवंबर को राज्य स्तरीय आंदोलन की चेतावनी दी है।

गिरिडीह में 2024-25 सत्र की छात्रवृत्ति जारी न होने से नाराज सैकड़ों छात्रों ने मंगलवार को झंडा मैदान से समाहरणालय तक मार्च निकाला। आजसू छात्र संघ के जिला सचिव अक्षय यादव के नेतृत्व में छात्रों ने कल्याण विभाग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने डीसी रामनिवास यादव को झारखंड कल्याण विभाग मंत्रालय के नाम एक ज्ञापन सौंपा।

छात्रों ने आरोप लगाया कि राज्य और केंद्र सरकार के बीच के विवाद का खामियाजा लाखों छात्रों को भुगतना पड़ रहा है। इनमें 10वीं, 12वीं, यूजी, पीजी, बीएड, बीटेक, फार्मेसी और इंजीनियरिंग जैसे विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्र शामिल हैं। उनका कहना है कि वर्तमान सत्र 2025-26 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, लेकिन पिछले सत्र 2024-25 की छात्रवृत्ति का भुगतान अब तक नहीं हुआ है। फाइनल अप्रूवल के बावजूद छात्र एक साल से भुगतान का इंतजार कर रहे हैं। आजसू छात्र संघ के जिला सचिव अक्षय यादव ने बताया कि पिछले 2-3 वर्षों से छात्रवृत्ति व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। उन्होंने कहा कि अभी तक मात्र 10% विद्यार्थियों को ही 2024-25 की छात्रवृत्ति प्राप्त हो पाई है।

मकान मालिक की पत्नी से लूट का मामला

किरायेदार समेत पांच गिरफ्तार, वारदात में प्लास्टिक की बंदूक का किया था इस्तेमाल

पलामू, 25 नवंबर (एजेंसियां)। पलामू में 18 नवंबर को हुई लूटपाट के मामले में पुलिस ने छह दिनों के भीतर पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें मुख्य साजिशकर्ता किरायेदार भी शामिल है। पुलिस ने लूटे गए सभी सोने के आभूषण और घटना में इस्तेमाल किए गए सामान बरामद कर लिए हैं।

यह घटना शहर थाना अंतर्गत रेडमा छेछानी टोला में हुई थी। फायर ब्रिगेड कर्मी अनिल तिवारी की पत्नी पूनम तिवारी को बंधक बनाकर लूट की वारदात को अंजाम दिया गया था। लुटेरों ने ऑनलाइन मंगाए गए प्लास्टिक की बंदूक का इस्तेमाल डराने के लिए किया था।

एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि लूट की साजिश तीन माह से रह रहे ऑटो चालक किरायेदार विशाल कुमार ने रची थी। विशाल चैनपुर के बंदुआ का रहने वाला है। उसने अपने गांव के कुख्यात अपराधी राजकुमार उर्फ राजू चंद्रवंशी के साथ मिलकर योजना बनाई थी। राजकुमार पर हत्या और आर्म्स एक्ट के सात मामले पलामू और गढ़वा के थानों में दर्ज हैं। घटना में बंदुआ के सचिन कुमार, रोशन कुमार सिंह उर्फ करण और गढ़वा जिले का एक नाबालिग भी शामिल था।

पुलिस ने छापेमारी कर दो सोने के मंगलसूत्र, दो सोने की चेन, एक लोकेट, एक अंगूठी, एक फाइबर पिस्टल, घटना में इस्तेमाल बाइक और पांच मोबाइल फोन बरामद किए हैं। लूटकांड के बाद शहर थाना में कांड दर्ज किया गया था। अनुसंधान के दौरान तकनीकी शाखा से मिली गुप्त सूचना पर पुलिस टीम ने बंदुआ, चैनपुर स्थित एक घर से मुख्य आरोपी राजकुमार को पकड़ा।

तेजी से बदल रहा मौसम का मिजाज

पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव, कई जिलों में पारा 10 डिग्री से नीचे, हवाई यात्रा पर असर

रांची, 25 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। अगले एक सप्ताह तक सर्दी का असर लगातार बढ़ने वाला है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची के अनुसार 24 नवंबर से 30 नवंबर के बीच राज्य के अधिकांश जिलों में सुबह घना कोहरा और धुंध छाई रहेगी। इसके कारण दृश्यता में कमी रहेगी।

सुबह के समय यातायात पर भी असर पड़ सकता है। दिन में आसमान पर हल्के बादल मंडराते रहेंगे, जिससे ठंड के एहसास में और इजाफा होगा। राजधानी रांची में सोमवार को अधिकतम तापमान 24.6 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 12.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जबकि चतरा का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री के आसपास रहा। मौसम विभाग ने चेताया है कि आज न्यूनतम तापमान में अचानक 2 से 4 डिग्री तक गिरावट दर्ज हो सकती है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, लोहरदगा, रामगढ़, कोडरमा और आसपास के जिलों में ठंड का असर और तेज महसूस होगा। 26 से 28 नवंबर तक भी सुबह घना कोहरा और धुंध बनी रह सकती है। दोपहर तक हल्की धूप मिलने की संभावना रहेगी।

बोकारो इस्पात प्रबंधन के खिलाफ भूखंडधारियों का महाधरना

मनमाने लीज नवीकरण शुल्क और नई ट्रेड पॉलिसी के खिलाफ प्रदर्शन

बोकारो, 25 नवंबर (एजेंसियां)। बोकारो इस्पात प्रबंधन की नीतियों के खिलाफ भूखंडधारियों और व्यापारियों ने मंगलवार को नगर सेवा विभाग के समक्ष महाधरना दिया। बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में सैकड़ों होटल, रेस्टोरेंट, मेडिकल शॉप, नर्सिंग होम और डेंटल क्लिनिक सहित विभिन्न प्रतिष्ठानों के संचालक बड़ी संख्या में शामिल हुए।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि बोकारो स्टील लिमिटेड (बीएसएल) प्रबंधन लीज नवीकरण के नाम पर मनमाने ढंग से अत्यधिक शुल्क वसूल रहा है। चैंबर के महामंत्री राजकुमार जायसवाल ने बताया कि सिटी सेंटर में 501 वर्गमीटर के प्लॉट का वन-टाइम लीज कॉस्ट पहले लगभग 33 हजार रुपए होता था, जिसकी अवधि 33 साल थी।

अब उसी प्लॉट के नवीकरण के लिए प्रबंधन द्वारा करीब 35 लाख रुपए की मांग की जा रही है, जो पूर्व शुल्क से सैकड़ों गुना अधिक है। राजकुमार जायसवाल ने इस वृद्धि को अव्यावहारिक और शोषणकारी करार दिया।

इसी तरह, सालाना लीज रेंट और सर्विस चार्ज, जो पहले कुल 848 रुपये (600 रुपए सर्विस चार्ज तथा 248 रुपए लीज रेंट) लिया जाता था, उसे बढ़ाकर अब करीब 3,93,558 रुपए सालाना कर दिया गया है। व्यापारियों का कहना है कि इतनी भारी-भरकम वृद्धि उचित नहीं है और यह छोटे व मध्यम व्यवसायों के लिए अस्तित्व का संकट बन चुकी है। कई व्यापारियों ने आरोप लगाया कि दुकानें जारी रखने पर लीज रद्द करने और जबरन वसूली जैसी धमकियां भी दी जा रही हैं।

व्यापारियों ने नई प्रतिबंधित ट्रेड पॉलिसी को भी अव्यावहारिक और व्यवसाय-विरोधी बताया। उनका कहना है कि इस नीति के लागू होने से कई प्रतिष्ठान बंद होने की कगार पर पहुंच गए हैं। चैंबर ने यह भी स्पष्ट किया कि पहले से ही लीज रेंट, सर्विस चार्ज और अन्य मदों में राशि ली जाती है, ऐसे में अलग से पार्किंग शुल्क थोपना अनुचित है।

प्रेमजाल में फंसाकर किया शारीरिक शोषण

कोरबा, 25 नवंबर (एजेंसियां)। कोरबा में युवक-युवती मोबाइल पर बातचीत के जरिए करीब आए। युवक ने युवती को झांसे में लेकर दैहिक शोषण करना शुरू कर दिया। जब पीड़िता के पांव भारी हुए तो उसने अपनाने का आश्वासन दिया, लेकिन ऐनवक्त पर वह अपने वादे से मुकर गया। पीड़िता का स्थानीय अस्पताल में प्रसव कराया गया। दुखद पहलू तो यह है कि समय से पूर्व जन्मे नवजात ने महज तीन दिन बाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल में दम तोड़ दिया। मामले में अस्पताल पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई की है।

हरदीबाजार पुलिस चौकी अंतर्गत एक परिवार निवास करता है। इस परिवार के सदस्य शादी विवाह सहित अन्य कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुती देते हैं। करीब चार साल पहले उनके घर जांजगीर चांपा जिले के बलौदा थानांतर्गत डरगा बहरा में रहने वाला अरविंद ओग्रे पहुंचा। उसने परिजनों की गैर मौजूदगी में युवती से मोबाइल नंबर हासिल कर लिया। इसके साथ ही दोनों के बीच बातचीत का सिलसिला शुरू हो गया। उनके बीच कुछ ही दिनों में नजदीकी बढ़ गई।

युवक चोरी छिपे घर पहुंचकर शादी का झांसा देते हुए युवती का दैहिक शोषण करने लगा। युवती के पांव भारी होने पर उसने अरविंद को जानकारी दी। वह युवती को बच्चे के साथ अपनाने का आश्वासन दे दिया, जिससे पीड़िता निष्फिक्र थी। मामले में उस वक्त नया मोड़ आ गया, जब 19 नवंबर को सात माह के गर्भवती युवती को प्रसव पीड़ा शुरू हो गया।

नए रोजगार के खुलेंगे दरवाजे

6321 करोड़ रुपये के निवेश पर बनी सहमति उद्योगपतियों को पसंद आ रहा छत्तीसगढ़

रायपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में निवेश को बढ़ाने को लेकर सीएम विष्णुदेव साय ने दिल्ली में आयोजित इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम में कई उद्योगपतियों से चर्चा की। इस दौरान स्टील, ऊर्जा और पर्यटन सहित विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख कंपनियों ने राज्य में उद्योग स्थापित करने, क्षमता विस्तार, होटल निर्माण और वेस्ट-टू-एनर्जी प्रोजेक्ट के लिए रुचि दिखाई। कार्यक्रम में शामिल कंपनियों ने कुल 6321.25 करोड़ के औद्योगिक निवेश और 505 करोड़ का पर्यटन निवेश का प्रस्ताव दिया है। इन परियोजनाओं से आगामी वर्षों में 3,000 से अधिक रोजगार अवसर सृजित होने की उम्मीद है। इस निवेश प्रस्ताव के साथ अब तक छत्तीसगढ़ को कुल 7.90 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उद्योग जगत के प्रमुख निवेशकों, विशेषज्ञों और उद्योग प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की एवं स्टील और टूरिज़्म सेक्टर की कई कंपनियों को निवेश प्रस्ताव पत्र सौंपे।

मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों को निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ आज देश के सबसे भरोसेमंद, स्थिर और तेज़ी से उभरते हुए औद्योगिक गंतव्यों में शामिल है। उन्होंने कहा कि राज्य में ऊर्जा, खनिज, सक्षम मानव संसाधन और निवेशक-हितैषी नीति का ऐसा संयोजन मौजूद है, जो किसी भी उद्योग के लिए अत्यंत उपयुक्त वातावरण तैयार करता है।

हाथियों को गांव तक ला रही धान की खुशबू

रांची, 25 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड में धान पकने का मौसम इस साल किसानों के लिए उम्मीदों के साथ-साथ एक बड़ी चिंता लेकर आया है। पकी फसल की सुगंध और भोजन के लालच में जंगली हाथियों के झुंड लगातार गांवों की ओर बढ़ रहे हैं, जिससे ग्रामीण इलाकों में दहशत का माहौल है।

पिछले कुछ दिनों के हालात बेहद चिंताजनक हैं। गढ़वा, गुमला, सिमडेगा और गिरिडीह जिलों में हाथियों ने 250 एकड़ से अधिक तैयार धान की फसल को रौंद दिया है।

जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। फसलों के विनाश के साथ-साथ, इन घटनाओं में अब तक पांच ग्रामीणों की जान चली गई हैं। कई लोग घायल हुए हैं। सैकड़ों गांवों के किसान रात-दिन अपनी फसलों की रखवाली में जुटे हुए हैं।

रात होते ही खेत-खलिहान पहुंच रहे हाथी

रात होते ही हाथियों के झुंड जंगल से निकलकर खेतों और खलिहानों तक पहुंच रहे हैं। ग्रामीण हाथियों को भगाने के लिए टीन पीटते हैं और पटाखे फोड़ते हैं, लेकिन कई बार हाथियों की बड़ी संख्या और ताकत के सामने उनके ये प्रयास बेअसर साबित हो रहे हैं।

वन विभाग लगातार प्रयास कर रहा है, लेकिन विभाग भी यह स्वीकार करता है कि इस समस्या का कोई स्थायी समाधान अभी तक मौजूद नहीं है। हाथियों का झुंड हर साल नए इलाकों में प्रवेश कर रहा है, जिसके कारण इंसान और हाथी के बीच संघर्ष लगातार बढ़ रहा है।

गढ़वा जिले के रंका, चिनिया, डंडई और धुरकी प्रखंडों में हाथियों का झुंड पिछले कई दिनों से सक्रिय है। रात होते ही ये झुंड खेतों में आकर धान की फसल रौंद रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार, अब तक लगभग 200 एकड़ फसल पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है। सौभाग्य से इस बार मानव नुकसान की कोई खबर नहीं है, लेकिन व्यापक फसल नुकसान से बड़ी चिंता बनी हुई है। डीएफओ एविन बेन अब्राहम का कहना है कि हाथी भोजन की तलाश में गांवों की ओर आ रहे हैं, इसलिए ग्रामीणों को सतर्क रहने और विभाग को अलर्ट पर रहने की सलाह दी गई है।

गुमला में पिछले हफ्ते हाथियों ने भरनो में 3 एकड़, चैनपुर में 6 एकड़ और कामडारा में 5 एकड़ यानी कुल 14 एकड़ में तैयार धान को नष्ट कर दिया। इस दौरान, दीया महतो (55) नामक एक वृद्ध की हमले में मौत हो गई।

कनाडा में खालिस्तानी आतंकियों ने तिरंगे का अपमान किया

'भारतीय पीएम के विरोध में नारे लगाए, बच्चे-प्रेग्नेंट महिलाएं शामिल, पंजाब को अलग करने पर वोटिंग की

ओटावा, 25 नवंबर (एजेंसियां)। कनाडा के ओटावा में रविवार को खालिस्तान जनमत संग्रह के दौरान खालिस्तानी आतंकियों ने भारतीय ध्वज 'तिरंगे' का अपमान किया। इन लोगों ने भारतीय पीएम और अधिकारियों को मार डालने के नारे लगाए।

ये लोग एक अनौपचारिक और गैर-कानूनी वोटिंग में हिस्सा ले रहे थे, जिसे 'खालिस्तान रेफरेंडम' कहा जा रहा है। इस वोटिंग में एक सवाल पूछा जा रहा था कि 'क्या पंजाब को भारत से अलग करके एक नया आजाद देश खालिस्तान बनाया जाना चाहिए?'

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हजारों लोगों ने इसमें भाग लिया। लोग सुबह से शाम तक पीले रंग के खालिस्तान झंडे हाथ में लेकर करीब दो किलोमीटर लंबी कतार में खड़े रहे। इसका आयोजन आतंकवादी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) ने किया था। आयोजकों का दावा है कि ओंटेरियो, अल्बर्टा, ब्रिटिश कोलंबिया और क्यूबेक प्रांतों से

53,000 से ज्यादा खालिस्तान समर्थक वोट डालने आए। लोग छोटे-छोटे बच्चे, प्रेग्नेंट महिलाओं और बुजुर्गों के साथ आए।

भारतीय पीएम के खिलाफ नारे लगाए

वोटिंग स्थल मैकनैब कम्युनिटी सेंटर के बाहर खालिस्तान समर्थकों ने भारत के प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और दूसरे नेताओं के खिलाफ 'मार डालो-मार डालो' जैसे नारे लगाए गए। लोगों को भारत के खिलाफ उकसाया।

एसएफजे हेड आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने विदेश से सैटेलाइट के जरिए लोगों को संबोधित किया।

कनाडाई पीएम मार्क कार्नी ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका में जी-20 समिट के दौरान पीएम मोदी से मुलाकात की थी। एसएफजे ने इस बात पर सवाल उठाया कि जब कनाडा में भारत-विरोधी और अलगाववादी गतिविधियां हो रही हैं, तब कनाडाई पीएम भारतीय पीएम से क्यों मिले।

भारत सरकार ने इस आयोजन को अवैध बताया और कहा कि यह भारत की संप्रभुता पर हमला है। कनाडा की धरती का इस्तेमाल भारत तोड़ने के लिए किया जा रहा है। दूसरी तरफ भारत और कनाडा ने ट्रेड डील के लिए फिर से बातचीत शुरू करने का ऐलान किया है। दो साल के तनाव के बाद अब दोनों देश व्यापार समझौते पर बातचीत के लिए तैयार हुए हैं। यह फैसला जोहांसबर्ग में जी20 समिट के दौरान पीएम मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की द्विपक्षीय मुलाकात में लिया गया है। ऐलान के बाद कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि 2030 तक दोनों देशों के बीच व्यापार 50 बिलियन डॉलर(4.45 लाख करोड़) तक ले जाने का टारगेट है। क्रिटिकल मिनरल्स, क्रिटिकल मिनरल्स प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी और न्यूक्लियर एनर्जी पर खास फोकस रहेगा। कनाडा यूरेनियम सप्लाई पर पहले से सहयोग कर रहा है।

गवर्नर पद के उम्मीदवार बोले- अमेरिकी छात्र से 4 साल आगे चीनी छात्र

78% बच्चे मैथ्स में अच्छे नहीं

वाशिंगटन, 25 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय मूल के रिपब्लिकन नेता और ओहायो के गवर्नर पद के उम्मीदवार विवेक रामास्वामी ने अमेरिकी शिक्षा के मौजूदा हालातों पर चिंता जताई है।

उन्होंने ताजा सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा है कि अमेरिका के हाई स्कूल के 78% छात्र मैथ्स में अच्छे नहीं हैं। पिछले महीने रामास्वामी ने कहा था कि उन्हें लगता है कि एक एवरेज चीनी छात्र अमेरिकी छात्र से लगभग चार साल आगे है।

रामास्वामी अमेरिकी श्रम विभाग कि एक रिपोर्ट शेयर करते हुए बताया कि 12वीं कक्षा के केवल 22% छात्र मैथ्स में अच्छे हैं।

यह रिपोर्ट 2024 के राष्ट्रीय शैक्षिक प्रगति मूल्यांकन (एनईपी) पर आधारित है, जिसे अक्सर राष्ट्र का रिपोर्ट कार्ड कहा जाता है। इससे पहले रामास्वामी अमेरिकियों को आलसी बता चुके हैं।

शांति की कवायद के बीच यूक्रेन में रूस का एक्शन

छह लोगों की मौत, ऊर्जा संयंत्र पर भी हमले

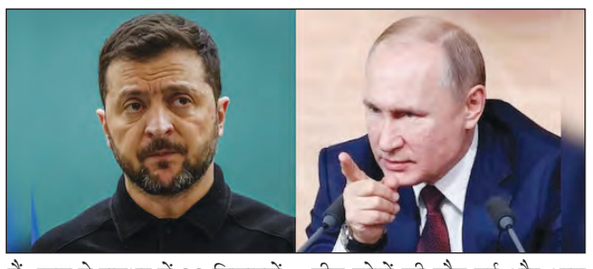

कीव, 25 नवंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूस के ताजा हमलों ने एक बार फिर युद्ध को लेकर बढ़ती अनिश्चितता को सामने ला दिया है। कम से कम छह लोग मारे गए और कई इलाकों की ऊर्जा आपूर्ति बाधित हुई है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका की ओर से शांति योजना पर जारी बातचीत नए मोड़ पर पहुंच रही है और युद्ध को खत्म करने के लिए कूटनीतिक प्रयास तेज हुए हैं।

अमेरिकी आर्मी सेक्रेटरी डैन ड्रिस्कॉल ने अबू धाबी में रूसी अधिकारियों के साथ कई घंटे वार्ता की। वे हाल ही में अमेरिकी टीम में शामिल हुए हैं और शांति समझौते की शर्तों पर चर्चा का नेतृत्व कर रहे हैं। एक अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक यूक्रेन इन बातचीत से अवगत है और सभी पक्ष जल्द से जल्द संघर्ष रोकने के लिए एक रास्ता तलाशना चाहते हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने भी कहा कि जिनेवा में हुए अमेरिकी-यूक्रेनी प्रतिनिधियों के बीच संवाद के बाद समाधान की दिशा में कदम संभव दिख रहे हैं। रूस ने रातभर में 22 मिसाइलें और 460 से अधिक ड्रोन दागे। कीव के कई हिस्सों में पानी, बिजली और हीट सप्लाई बाधित हो गई।

पूर्वी दिनीप्रोवस्की जिले में एक नौ मंजिला इमारत धू-धू कर जल उठी। मेयर विटाली क्लिचको ने बताया कि इस क्षेत्र में दो लोगों की मौत हुई। 90 वर्षीया ल्यूबोव पेत्रिवना ने बताया कि उनके घर का सब कुछ टूट गया और उन पर कांच बरसा। उन्हें शांति योजना पर भरोसा नहीं है। उनका कहना है कि पुतिन तब तक नहीं रुकेंगे जब तक सब खत्म न कर दें।

दोनों तरफ बढ़ी जवाबी कार्रवाई

इसी बीच यूक्रेन के ड्रोन हमले में दक्षिण रूस के रोस्तोव क्षेत्र में तीन लोगों की मौत हुई और आठ घायल हुए। टैगानरोग शहर में कई घर, बहुमंजिला इमारतें, एक वेयरहाउस और अन्य ढांचे क्षतिग्रस्त हुए। रूसी रक्षा मंत्रालय के अनुसार 249 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए गए, जिनमें 116 ब्लैक सी क्षेत्र में थे। यह रूस पर अब तक के चौथे सबसे बड़े ड्रोन हमलों में से एक बताया गया। यूक्रेन के ऊर्जा मंत्रालय ने कहा कि कई ऊर्जा प्रतिष्ठान हमलों की चपेट में आए, जबकि ओडेसा क्षेत्र में बंदरगाह और ऊर्जा ढांचे पर हमले में दो बच्चों सहित छह लोग घायल हुए।

पड़ोसी रोमानिया और मोल्दोवा ने बताया कि कुछ ड्रोन उनके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन कर गए।

नवोदय विद्यालय के छात्र की मौत

परिजन बोले- तबीयत बिगड़ने पर प्रबंधन ने नहीं कराया इलाज

बिलासपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में नवोदय विद्यालय के एक छात्र की मौत हो गई। परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि तबीयत बिगड़ने पर स्कूल प्रबंधन ने न तो उचित इलाज कराया और न ही अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। मामला मल्हार स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय का है। जानकारी के मुताबिक, छात्र का नाम हर्षित यादव है। जो कि 10वीं में पढ़ता था और वह बेलगहना का रहने वाला था। हॉस्टल प्रबंधन ने पिता को बेटे की तबीयत खराब होने की जानकारी दी। इसके बाद परिजन हॉस्टल पहुंचे और उसे लेकर घर चले गए। सोमवार की सुबह उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। परिवार उसे फिर से बिलासपुर के निजी अस्पताल लाया, जहां आईसीयू में भर्ती किया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

दाह संस्कार के लिए 500 किमी दूर ले गया भाई

आग लगने से पहले ताबूत में हुई दस्तक, जिंदा निकली महिला

बैंकॉक, 25 नवंबर (एजेंसियां)। थाईलैंड में एक महिला का दाह संस्कार किए जाने से पहले अचानक ताबूत में दस्तक हुई। इसके बाद जब ताबूत खोलकर देखा गया तो उसमें महिला जिंदा निकली।

इस घटना से मंदिर के कर्मचारियों भी चौंक गए। अंतिम संस्कार के लिए लाए जाने के बाद महिला अपने ताबूत में हिलने लगी थी।

बैंकॉक के बाहरी इलाके में नोनथाबुरी प्रांत में स्थित बौद्ध मंदिर वाट रत प्रखोंग थाम ने अपने फेसबुक पेज पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें एक महिला को एक पिकअप ट्रक के पीछे सफेद ताबूत में लेटे हुए दिखाया गया है, जो अपने हाथों और सिर को थोड़ा हिला रही है, जिससे मंदिर के कर्मचारी हैरान रह गए।

मंदिर के सामान्य और वित्तीय मामलों के प्रबंधक, पायरत सूदथूप ने सोमवार को बताया कि 65 वर्षीय महिला का भाई उसे दाह संस्कार के लिए फिट्सानुलोक प्रांत से गाड़ी में लेकर आया था। उन्होंने बताया कि उन्होंने ताबूत से हल्की सी दस्तक सुनी।

मंदिर के कर्मचारी ने बताया कि मैं थोड़ा हैरान था, इसलिए मैंने उनसे ताबूत खोलने को कहा और सब चौंक गए। उन्होंने कहा कि मैंने देखा कि उसने अपनी आंखें थोड़ी खोलीं और ताबूत के किनारे पर दस्तक दी। वह शायद काफी देर से दस्तक दे रही होगी।

पायरत के मुताबिक उसके भाई ने बताया कि उसकी बहन लगभग दो साल से बिस्तर पर थी। अचानक उसकी तबीयत बिगड़ी और वह बेहोश हो गई। ऐसा लगा जैसे दो दिन पहले उसकी सांसें थम गई हों।

फिर भाई ने उसे एक ताबूत में रखा और 500 किलोमीटर का सफर तय करके बैंकॉक के एक अस्पताल पहुंचा, जहां महिला ने अपने अंगदान की इच्छा जताई थी।

पायरत ने बताया कि अस्पताल ने भाई के प्रस्ताव को स्वीकार करने से इनकार कर दिया, क्योंकि उसके पास आधिकारिक मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं था।

उनके मंदिर में मुफ्त दाह संस्कार की सुविधा है, इसलिए भाई ने रविवार को उनसे संपर्क किया, लेकिन दस्तावेज न होने के कारण उन्हें भी मना कर दिया गया।

मंदिर प्रबंधक ने बताया कि जब वह उसे मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने का तरीका समझा रहे थे, तभी उन्हें ताबूत से दस्तक सुनाई दी। फिर उन्होंने उसकी जांच की और उसे पास के अस्पताल भेज दिया। पायरत के अनुसार मठाधीश ने कहा कि मंदिर उनके इलाज का सारा खर्च उठाएगा।

टी-20 वर्ल्ड कप में इंडिया-पाक मुकाबला 15 फरवरी को

भारत-श्रीलंका के 8 वेन्यू पर 29 दिन में 55 मैच

स्पोर्ट्स डेस्क, 25 नवंबर (एजेंसियां)। आईसीसी ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का शेड्यूल रिलीज कर दिया है। भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप स्टेज का मुकाबला 15 फरवरी को कोलंबो में होगा। टूर्नामेंट भारत और श्रीलंका में 7 शहरों के 8 वेन्यू पर खेला जाएगा। 29 दिन में 55 मैच होंगे। भारत के वर्ल्ड कप विनिंग कैप्टन रोहित शर्मा को टूर्नामेंट का ब्रांड एम्बेसडर बनाया गया।

मुंबई में आईसीसी की सेरेमनी हुई, यहां कमेटी ने बताया कि ओपनिंग मैच 7 फरवरी को पाकिस्तान और नीदरलैंड के बीच होगा। ग्रुप स्टेज में हर दिन 3 मैच खेले जाएंगे। फाइनल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। अगर पाकिस्तान ने नॉकआउट राउंड में एंट्री की तो मैच श्रीलंका में होंगे। टूर्नामेंट में 20 टीमें हैं, जिन्हें 4 अलग-अलग ग्रुपों में बांटा गया। भारत में अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम, नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम, कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम, चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम और मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में टूर्नामेंट के मैच खेले जाएंगे। वहीं श्रीलंका में कोलंबो और कैंडी में मुकाबले होंगे। कोलंबो में आर प्रेमदासा और सिनहले स्पोर्ट्स क्लब स्टेडियम पर मैच खेले जाएंगे। टीम इंडिया मुंबई, दिल्ली, कोलंबो और अहमदाबाद में ग्रुप स्टेज के मैच खेलेगी। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले बीसीसीआई और पीसीबी के बीच यह सहमति बनी थी कि भविष्य में दोनों टीमें एक-दूसरे के देशों की यात्रा नहीं करेंगी। वहीं मल्टीनेशन टूर्नामेंट के मैच न्यूट्रल वेन्यू पर खेलेंगी।

इसी साल चैंपियंस ट्रॉफी में भारत-पाकिस्तान मैच दुबई में हुआ था। इसलिए वर्ल्ड कप मैच कोलंबो में खेला जाएगा। ग्रुप स्टेज में कुल 20 टीमें शामिल हैं, जिन्हें 4 अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया। हर टीम अपने ग्रुप में 4 लीग मुकाबले खेलेगी। लीग स्टेज के बाद हर ग्रुप से 2-2 टॉप टीमों को सुपर-8 स्टेज में एंट्री मिलेगी। सुपर-8 में भी टीमों को 2 ग्रुप में बांटा जाएगा। यहां भी 2-2 टॉप टीमों के सेमीफाइनल में एंट्री मिलेगी। जिसे जीतने वाली टीम 8 मार्च को अहमदाबाद में फाइनल खेलेगी।

ग्रुप-सी की बांग्लादेश और ग्रुप-डी की अफगानिस्तान का ग्रुप सबसे मुश्किल नजर आ रहा है। क्योंकि इनमें इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड शामिल हैं।

चारों टीमों को फाइनल खेलने का अनुभव हैं, वहीं बांग्लादेश और अफगानिस्तान कभी किसी वर्ल्ड कप के फाइनल में नहीं पहुंच सकीं।

इथियोपिया में भूकंप से 12000 साल बाद तबाही

इनसे इंसानों को कितना खतरा दुनिया में कितने निष्क्रिय ज्वालामुखी

अदीस अबाबा, 25 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर-पूर्वी इथियोपिया में एक लंबे समय से शांत ज्वालामुखी हायली गुब्बी लगभग 12,000 सालों में पहली बार फटा है। इससे राख के बड़े-बड़े गुबार निकले जो वायुमंडल में लगभग 14 किलोमीटर तक ऊपर उठे। इस ज्वालामुखी की राख यमन, ओमान, भारत और पाकिस्तान तक फैली है। हायली गुब्बी ज्वालामुखी राजधानी अबाबा से लगभग 800 किलोमीटर दूर, इरिट्रिया की सीमा के पास अफार इलाके में मौजूद है। यह ज्वालामुखी रविवार को अचानक सक्रिय हो गया और कई घंटों तक राख, धूल, धुआं और मलबा उगलता रहा। यह ज्वालामुखी इसलिए भी खतरनाक है, क्योंकि इसकी स्थिति भूगर्भीय रूप से अस्थिर रिफ्ट वैली में है, जहां दो टेक्टोनिक प्लेटें आपस में टकराती

हैं। स्मिथसोनियन इंस्टीट्यूशन के ग्लोबल वोल्केनिज़्म प्रोग्राम के अनुसार, हायली गुब्बी में होलोसीन के दौरान कोई विस्फोट नहीं हुआ है, जो लगभग 12,000 साल पहले पिछले आइस एज के आखिर में शुरू हुआ था। हायली गुब्बी एक निष्किय ज्वालामुखी था, जिस कारण इसे लेकर इंसान निश्चिंत थे। पूरे मानव इतिहास में हायली गुब्बी ने कभी भी ऐसा संकेत नहीं दिया कि वह फिर से सक्रिय होने जा रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर निष्क्रिय ज्वालामुखी क्या हैं और दुनिया में इनकी संख्या कितनी है। एक निष्क्रिय ज्वालामुखी वह ज्वालामुखी होता है जो अभी फट नहीं रहा है, लेकिन खत्म भी नहीं हुआ है। इसका आम तौर पर मतलब है कि इसमें भविष्य में भी फटने की संभावना है।

निष्क्रिय ज्वालामुखी की कुछ खास बातें यह हैं कि इसमें हाल ही में कोई विस्फोट नहीं हुआ है - अक्सर सैकड़ों या हज़ारों सालों से और इसमें अंदरूनी गर्मी या भूकंपीय गतिविधि के संकेत दिखते हैं, जो बताते हैं कि मैग्मा सिस्टम अभी भी जिंदा है।

निष्क्रिय ज्वालामुखियों के कुछ उदाहरण हैं माउंट फूजी, जिसमें आखिरी बार 1707 में विस्फोट हुआ था, तंजानिया में माउंट किलिमंजारो जो निष्क्रिय है लेकिन खत्म नहीं हुआ है, और यूएसए का येलोस्टोन काल्डेरा जिसमें विस्फोटों के बीच बहुत लंबा अंतराल दिखता है।

पाकिस्तानी हवाई हमले का देंगे करारा जवाब

मुनीर सेना के 9 अफगान बच्चों की हत्या के बाद तालिबान ने खाई कसम

काबुल, 25 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तानी वायुसेना ने कायराना हरकत करते हुए अफगानिस्तान के खोश्त, पाकटीका और कुनार प्रांत में हवाई हमला करके 9 अफगान बच्चों को मार दिया है। पाकिस्तानी हवाई हमले के बाद तालिबानी सरकार के प्रवक्ता जबीउल्ला मुजाहिद ने इस हमले की कड़ी निंदा की है और अफगानिस्तान के संप्रभुता का उल्लंघन करार दिया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के इस ताजा हमले का करारा जवाब दिया जाएगा। जबीउल्ला ने कहा कि अपने देश के हवाई क्षेत्र, जमीन और लोगों की रक्षा करना वैधानिक अधिकार है। जबीउल्ला ने यह नहीं बताया कि पाकिस्तानी हमले का कब जवाब दिया जाएगा लेकिन जोर देकर कहा कि इसका समय से जवाब दिया जाना

चाहिए। जबीउल्ला ने कहा कि पाकिस्तान का खोश्त, पाकटीका और कुनार प्रांत में हमला अंतरराष्ट्रीय मानकों का खुला उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि इस तरह के हमले करके पाकिस्तान की सेना को कुछ भी हासिल नहीं होगा। इस अभियान से केवल तनाव बढ़ेगा और पाकिस्तान का वर्तमान सैन्य शासन दुनिया के सामने बेनकाब हो जाएगा। बता दें कि अफगानिस्तान के खोस्त प्रांत के एक रिहायशी इलाके में पाकिस्तानी सेना के हमले में नौ बच्चों समेत दस लोग मारे गए। अफगान सरकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, यह हमला आधी रात के कुछ समय बाद हुआ और इसमें एक स्थानीय निवासी के घर को निशाना बनाया गया, जिससे सीमा पर दुश्मनी बढ़ने की चिंता फिर से बढ़ गई है।

तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने बताया कि यह हमला मंगलवार को सुबह करीब 12:00 बजे खोस्त के गुरबुज जिले के मुगलगई इलाके में हुआ।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी हमलावर सेनाओं ने एक लोकल नागरिक, वालियत खान, काजी मीर के बेटे के घर पर बमबारी की। इस हमले में 9 बच्चे (पांच लड़के और चार लड़कियां) और एक महिला की मौत हो गई और उनका घर तबाह हो गया।

आर्मेनिया ने भारत के साथ तेजस फाइटर जेट पर बातचीत रोकी?

दुबई एयरशो हादसे के बाद 1.2 अरब डॉलर के सौदे को झटका

येरेवान, 25 नवंबर (एजेंसियां)। दुबई एयरशो में तेजस लड़ाकू विमान हादसे के बाद एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि आर्मेनिया ने भारत के साथ तेजस लड़ाकू विमान सौदे पर बातचीत रोक दी है।

इस खतरनाक हादसे में तेजस एयरक्राफ्ट के पायलट, भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर नमांश स्याल की मौत हो गई थी। जेरूसलम पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि आर्मेनिया, भारत सरकार और एयरक्राफ्ट बनाने वाली कंपनी एचएएल के साथ 1.2 अरब डॉलर में में 12 एयरक्राफ्ट खरीदने की डील के आखिरी स्टेज पर था। नवभारत टाइम्स इस दावे की पुष्टि नहीं करता है। आपको बता दें कि दुबई एयरशो में 2 दिसंबर को खतरनाक हादसा हुआ था। जब भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर नमांश स्याल की मौत हो गई। इस घटना ने पूरी दुनिया के झकझोर कर रख दिया है। रिपोर्ट्स में अनुमान लगाया गया है कि हादसे के बाद आर्मेनिया ने विमान की सुरक्षा और तकनीकी समीक्षा के पूरा होने तक बातचीत रोकने का फैसला किया है, हालांकि भारत या आर्मेनिया दोनों की ओर से आधिकारिक पुष्टि अभी तक सामने नहीं आई है।

पिछले दिनों रिपोर्ट आई थी की भारत और आर्मेनिया के बीच 1.2 अरब डॉलर की तेजस फाइटर जेट को लेकर बातचीत चल रही है।

'ट्रंप ने कह दिया है- अमेरिकी लोगों को ही देनी होंगी नौकरियां'

एच-1बी वीजा पर बोला व्हाइट हाउस

वॉशिंगटन, 25 नवंबर (एजेंसियां)। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट का यह बयान एच-1बी वीजा की बढ़ती जांच और विदेशी श्रमिकों की वजह से प्रमुख उद्योगों में अमेरिकी नौकरियां के विस्थापन की संभावना पर सामने आया है। लेविट ने कहा कि ट्रंप ने विदेशी कंपनियों को अमेरिका में सीधे निवेश करने का आदेश दिया है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति ने इन विदेशी कंपनियों से कहा है कि आप यहां निवेश कर रहे हैं अगर आप यहां व्यापार करना चाहते हैं तो आपको अमेरिकी लोगों को ही नौकरियां देनी होंगी।

कैरोलिन लेविट ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिकी कर्मचारियों को बदले जाने का समर्थन नहीं करते हैं। राष्ट्रपति चाहते हैं कि अमेरिकी

मैन्यूफैक्चरिंग उद्योग पहले से कहीं अधिक बेहतर तरीके से चले। ये उसी का हिस्सा है, जिसके तहत राष्ट्रपति टैरिफ का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल और दुनियाभर में अच्छे व्यापार सौदे में कटौती के जरिए कर रहे हैं।'

एच-1बी वीजा से जुड़ी चिंताओं पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि जहां तक एच-1बी वीजा के मुद्दे की बात है तो इस पर राष्ट्रपति की राय सूक्ष्म और व्यावहारिक है। उन्होंने कहा कि अगर विदेशी कंपनियां अमेरिका में खरबों रुपयों का निवेश कर रही हैं और बैटरी जैसे उत्पादों को बनाने के लिए विदेशी कामगारों को ला रही हैं तो राष्ट्रपति चाहते हैं कि उन कारखानों को शुरुआत में ही चालू कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति इन नौकरियों में अमेरिकी लोगों को देखना चाहते हैं।

बीते दिनों डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1बी वीजा योजना के बचाव में कहा था कि उन्हें अपने कंजर्वेटिव दोस्तों और मागा समर्थकों से प्यार है। हालांकि, उन्होंने माना था कि अमेरिका में विदेशी कुशल कामगारों की जरूरत है।

यूएस-सऊदी इन्वेस्टमेंट फोरम में 20 नवंबर को अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने समर्थकों की ओर से की जा रही आलोचना का जवाब दिया था।

उन्होंने तर्क देते हुए कहा था कि उन्नत तकनीक में भारी निवेश कर रही कंपनियां एक कंप्यूटर चिप फैक्ट्री यूं ही नहीं खोल सकती हैं और फिर बेरोजगारों की कतार से लोगों को नौकरियों दें। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि विदेश विशेषज्ञों को जाने से पहले अमेरिकी कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने की जरूरत है।

पत्नी का गला घोंटा

फिर पंखे से झूल गया पति

बिलासपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक घर में पति-पत्नी की लाश मिली है। सोमवार को कमरे में पत्नी बिस्तर पर मृत पड़ी थी, जबकि पति पंखे से फांसी पर लटका मिला। वहीं, कमरे की दीवार पर लिपस्टिक से राजेश विश्वास नाम और उससे पत्नी की बात करने और मिलने जैसी बातें लिखी है।

आशंका है कि चरित्र संदेह के चलते पहले पति ने गला घोंटकर पत्नी को मार दिया फिर उसने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। दीवार पर लिखा है कि 'राजेश विश्वास के कारण हम मर रहे हैं। अपनी मां के मोबाइल में बात करते पकड़ी गई। पति के नहीं रहने पर वह बात करती थी। ऊर्जा पार्क में भी पकड़ी गई। बच्चे आई लव यू।' घटना सरकंडा थाना क्षेत्र की है। पुलिस ने बताया कि मृतिका नेहा उर्फ शिवानी तांबे ने 10 साल पहले राज तांबे से लव मैरिज की थी। दंपती के 3 बच्चे हैं। चरित्र संदेह को लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। टीआई प्रदीप आर्या ने बताया कि अटल आवास में राज तांबे और नेहा उर्फ शिवानी तांबे रहते थे। दोनों लायंस कंपनी में सफाईकर्मी का काम करते थे। उनके 3 बच्चे हैं। दोनों पति-पत्नी 24 नवंबर की दोपहर तक घर से बाहर नहीं निकले।

तब मोहल्ले में ही रहने वाली मृतका की मां रीना चिन्ना उन्हें देखने के लिए घर गई। तब घर का दरवाजा बंद था।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने ठहरे हुए पानी में मारा कंकर

भारत-पाक के लाखों दिलों में मची हलचल

बाड़मेर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के सिंध इलाके में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के एक बयान ने हलचल मचा दी है, जिसका असर सीमांत बाड़मेर-जैसलमेर में भी है। सिंध की जमीन को भविष्य में भारत का हिस्सा बनाने की उम्मीद से इंकार नहीं करने का यह बयान यहां बसे एक लाख से अधिक सिंध से आए पाक विस्थापितों की जैसे दुखती रग पर हाथ रख गया है। रोटी-बेटी के रिश्ता निभा रहे इन परिवारों के लिए थार एक्सप्रेस बंद होने के बाद रिश्तों में दूरियां आई हैं तो दूसरी ओर दोनों देशों का तनाव भी उन्हें परेशान करता है। इन दिनों पाकिस्तान के सिंध सहित अन्य इलाकों में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार और धर्म परिवर्तन की घटनाएं प्रतिदिन इन परिवारों को दु:खी किए हुए हैं।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली में सिंधी समाज के एक कार्यक्रम में कहा कि सिंध भौगोलिक रूप से पहले भारत का हिस्सा था। 1947 के बंटवारे में यह अलग हुआ। उन्होंने कहा कि कल को भौगोलिक स्थिति बदल सकती है। सिंध भारत में हो सकता है। उनके इस बयान का बड़ा असर सीमांत बाड़मेर-जैसलमेर ही नहीं समूचे राजस्थान के पाक विस्थापितों पर पड़ा है।

1947 के बंटवारे में 66 हजार से अधिक, 1965 व 1971 के युद्ध में 33 हजार और इसके बाद में लगातार पाकिस्तान के सिंध इलाके से भारत में पाक विस्थापित आते रहे हैं। इनको भारत में आने के बाद शरण मिली है। साथ ही इन सभी को लगभग अब भारत की नागरिकता मिल गई है। ये परिवार पाकिस्तान छोड़कर यहां आने के बाद से खुश हैं।

सिंध इलाके छाछरो, मीरपुर खास, मिठी, गडरा, खिपरो सहित तमाम इलाकों से लोग यहां आकर बसे हैं तो उनके परिवार के वे सदस्य जो नहीं आए हैं, वे सिंध में ही है। इन परिवारों के साथ इनका रोटी-बेटी का रिश्ता है। अभी तक पाकिस्तान से दुल्हनें यहां आती हैं और शादियां रचाई जा रही हैं। पाकिस्तान में किसी की मौत होने पर भारत में बैठक होती है, भारत से खबर पहुंचते ही वहां शोक होता है।

पाकिस्तान के ऐसे कई गांव है जहां पर हिन्दू परिवार अपनी जमीनें और संपत्तियां छोड़कर आ गए हैं। इन परिवारों की संपत्ति आज भी वहां पर है, जिसकी देखभाल परिवार के दूसरे लोग कर रहे हैं। जब भी वे आएंगे इसके ताले खोलेंगे।

सिंध में रहने वाले लोगों के लिए अब वहां पर मुश्किलें बढ़ रही है। धार्मिक प्रताड़ना के शिकार होने लगे हैं। हाल ही में 21 नवंबर को एक युवती का धर्म परिवर्तन हुआ है। आए दिन हिन्दुओं पर धर्म परिवर्तन का दबाव बन रहा है। 1947 में पाकिस्तान में कुल आबादी का करीब 14 प्रतिशत हिस्सा हिन्दू थे, अब केवल दो प्रतिशत ही बचे हैं। इसमें भी अधिकांश सिंध इलाके में ही रहे हैं। हिन्दू युवतियों का अपहरण कर उनका जबरन निकाह हो रहा है। जिसमें पिछड़े और दलित परिवार ज्यादा है।

सिंध इलाके का विकास नहीं हो रहा है। यहां पानी की भारी किल्लत है। कई महीनों से पाकिस्तान के सिंध इलाके के लोग अपने हिस्से का पानी, पाकिस्तान के पंजाब से जुड़े इलाके को देने और सिंध को वंचित रखने को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। सिंधु जल नदी बंटवारे का पानी भारत की ओर से रोकने का भी बड़ा असर सिंध को ही झेलना पड़ रहा है।

2006 से 2018 के बीच में भारत-पाक के बीच में जोधपुर से कराची के बीच में साप्ताहिक रेल थार एक्सप्रेस संचालित हो रही थी, जिसे पुलवामा हमले के बाद बंद कर दिया गया। इस रेल से 14 लाख यात्रियों ने 12 साल में सफर किया। इसमें से भी बड़ी संख्या में सिंध के लोग वापस नहीं गए। अस्थायी वीजा पर रहे इन लोगों को भी नागरिकता मिलती रही है।

जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा
धर्मांतरण करने वालों घरों पर चलेगा बुलडोजर

अजमेर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि कांग्रेस के समय सरकार की शह पर धर्मांतरण होता था यह किसी से छिपा नहीं है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा व कांग्रेस धर्मांतरण में लिप्त अपराधियों को आश्रय देते थे। हाल ही में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा के विधानसभा क्षेत्र का एक मुस्लिम युवक नेछवा थाने के पटोदा गांव की दलित युवती को बहला फुसला कर भगा ले गया। इस तरह से खुलेआम कृत्य होने से ऐसा लगता है डोटासरा ने धर्मांतरण की खुली छूट दी है। लेकिन अब सरकार धर्मांतरण करने वालों पर सख्त कार्रवाई करेगी।

अजमेर सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में जल संसाधन मंत्री रावत ने कहा कि मानसून सत्र के दौरान चतुर्थ सत्र में धर्मांतरण के विरुद्ध विधानसभा में बिल पास हुआ। जहां-जहां भी जबरन धर्म परिवर्तन के मामले सरकार के संज्ञान में आए वहां त्वरित कार्रवाई की। धर्मांतरण के खिलाफ बिल लाने की सरकार को आवश्यकता इसलिए पड़ी कि लंबे समय तक राजस्थान में कांग्रेस की सरकार रही, तब धर्मांतरण के मामले बढ़े।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष के विधानसभा क्षेत्र में धर्मांतरण के मामले पर कसा तंज

हाल ही में कांग्रेस पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा की विधानसभा क्षेत्र लक्ष्मणगढ़ में एक मुस्लिम युवक नेछवा थाने के पटोदा गांव की दलित युवती को बहला फुसलाकर भगा ले गया। पुलिस में प्रकरण दर्ज है और पुलिस कार्रवाई कर रही है। उनकी विधानसभा में इस तरह से खुलेआम कृत्य होने से ऐसा लगता है डोटासरा ने धर्मांतरण की खुली छूट दी है। एक धर्म विशेष की ओर से जबरन धर्मांतरण की मंशा अब नहीं चलने वाली है। ऐसी संस्था कोई कृत्य करती है तो दंड दिया जाएगा। कांग्रेस के लोग जो शह दे रहे हैं, उन्हें चेताना चाहता हूं कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार व उनके नेतृत्व में धर्मांतरण का बिल राजस्थान में पास हो चुका है। इस तरह के कृत्य को अंजाम देने वाले लोगों को किसी भी तरह से बक्शा नहीं जाएगा। उनके पास दो ही विकल्प है या तो जेल जाएं या राज्य से बाहर चले जाएं। धर्मांतरण कराने वालों की अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर चलेगा। अजमेर में ऐसा मामला कहां दर्ज हुआ है।

धर्मांतरण मामलों में सजा के यह रखे प्रावधान

अवैध धर्मांतरण पर न्यूनतम 7 वर्ष और अधिकतम 14 वर्ष कारावास और 5 लाख जुर्माना का प्रावधान रखा गया है। इस कानून में गैर जमानती धाराओं का प्रावधान किया गया है।नाबालिग, दिव्यांग, महिला, एससी एसटी पीड़ित के विरुद्ध अपराध करने पर न्यूनतम 10 वर्ष व अधिकतम 20 वर्ष कारावास एवं न्यूनतम 10 लाख के जुर्माने व कारावास का प्रावधान रखा गया है। सामूहिक धर्म परिवर्तन पर न्यूनतम 20 वर्ष और अधिकतम 25 लाख रुपए का जुर्माने का प्रावधान रखा गया है।

नरेश मीणा की फिर बढ़ी मुश्किलें : पीएम-सीएम पर अभद्र टिप्पणी के आरोप में केस दर्ज

करौली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। अंता विधानसभा उपचुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने वाले चर्चित युवा नेता नरेश मीणा एक बार फिर मुश्किलों में पड़ते नजर आ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के खिलाफ कथित अभद्र टिप्पणी को लेकर उनके खिलाफ सपोटरा थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। यह मामला भाजपा जिला विधि प्रकोष्ठ के सह-संयोजक विकास सिंह की शिकायत पर दर्ज हुआ।

दरअसल, राम जल सेतु लिंक परियोजना (पीकेसी-ईआरसीपी) के तहत बनने वाले डूंगरी बांध के विरोध में 21 नवंबर को सपोटरा उपखंड की ग्राम पंचायत जोड़ली में महापंचायत आयोजित की गई थी। इसमें हजारों किसान और ग्रामीण शामिल हुए थे।

इस दौरान नरेश मीणा ने चेतावनी दी थी कि यदि डूंगरी बांध का निर्माण शुरू हुआ तो इसे रोकने के लिए आर-पार की लड़ाई लड़ी जाएगी। जरूरत पड़ने पर ट्रेन रोकने जैसे कदम भी उठाए जाएंगे। इस दौरान मंच से भाषण देते हुए नरेश मीणा पर पीएम और सीएम के खिलाफ अभद्र टिप्पणियां करने का आरोप है। घटना के वीडियो सामने आने के बाद मामला गर्मा गया।

शिकायत में छवि खराब करने का आरोप

शिकायतकर्ता विकास सिंह ने बताया कि नरेश मीणा ने संवैधानिक पदों पर बैठे नेताओं के प्रति अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया, जिससे न केवल उनकी सार्वजनिक छवि धूमिल हुई बल्कि पद की गरिमा का भी अपमान हुआ। वीडियो और शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रिंटिंग फैक्ट्री में लगी भीषण आग
मशीनरी और कपड़े के थान जलकर राख; लाखों रुपये का नुकसान

बालोतरा, 25 नवंबर (एजेंसियां)। बालोतरा के औद्योगिक तृतीय चरण में स्थित एक प्रिंटिंग प्रोसेस फैक्ट्री में भीषण आग लगने की घटना सामने आई, जिसमें कपड़े के भारी मात्रा में थान, मशीनें और अन्य सामग्री जलकर राख हो गई। आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि कुछ ही मिनटों में पूरी फैक्ट्री धुएं से भर गई और आग की लपटें दूर से ही दिखाई देने लगीं। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार लाखों रुपए का नुकसान होने की आशंका है। सूचना मिलते ही नगर परिषद और सीईटीपी की दमकल टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। आग पर काबू पाने में टीमों को भारी मशक्कत करनी पड़ी, क्योंकि फैक्ट्री परिसर में रखे कपड़े के थान ने आग को तेजी से फैलाया। दमकलकर्मियों ने करीब एक घंटे तक लगातार पानी की बौछारें कर आग को नियंत्रित किया, ताकि आग अन्य यूनिटों तक न पहुंचे। स्थानीय लोगों ने भी दमकल टीम की मदद की और आसपास के क्षेत्र को सुरक्षित कराया। घटना स्थल से मिली जानकारी के अनुसार फैक्ट्री में रखी मुख्य प्रिंटिंग मशीन आग की चपेट में आकर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इसके अलावा तैयार माल और कच्चे कपड़े के करीब 40 से अधिक थान जलकर राख में तब्दील हो गए। फैक्ट्री संचालक के अनुसार केवल मशीनरी और कपड़े के नुकसान का अनुमान ही लाखों रुपए तक पहुंच रहा है, जबकि वास्तविक नुकसान का आकलन अभी किया जा रहा है।

पूर्व सरपंच ने 100 रुपए में बांट दिए बेशकीमती भूमि के पट्टे, पूर्व मंत्री की पत्नी पर लगे ये गंभीर आरोप

कोटा, 25 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री स्वर्गीय भरत सिंह की पत्नी, मीना कुमारी पर गंभीर आरोप लगे हैं। राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने उनके खिलाफ भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। इस मामले की जांच एसीबी कोटा के डीएसपी अनिस अहमद के जिम्मे सौंपी गई है।

एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकुल शर्मा ने एफआईआर का ड्राफ्ट तैयार कर जयपुर मुख्यालय को भेजा था, जहां 20 नवंबर को मुकदमा दर्ज किया। जांच अधिकारी ने बताया कि मुकदमा तो दर्ज हो चुका है लेकिन अभी तक पत्रावली उनके पास नहीं पहुंची है। जैसे ही दस्तावेज मिलेंगे जांच प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

मीना कुमारी के खिलाफ शिकायत सांगोद के उप प्रधान ओम नागर अडूसा ने दी थी। शिकायत के आधार पर पंचायत राज विभाग ने विभागीय स्तर पर जांच करवाई। इसके लिए जयपुर से विशेष जांच समिति गठित की गई, जिसने मामले की रिपोर्ट तैयार की।

समिति की रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि 'मीना कुमारी और तत्कालीन ग्राम सचिव ने चार आवंटियों को बेशकीमती भूमि पर डीएलसी दर की बजाय केवल 100 रुपए में पट्टे जारी किए। जिन लोगों को पट्टे दिए गए, उनमें दिनेश नागर, लक्ष्मण सिंह, ईश्वर सिंह और अर्जुन सिंह शामिल हैं।'

जांच रिपोर्ट मिलने के बाद अगस्त 2025 में पंचायत राज विभाग के एडिशनल कमिश्नर और उपशासन सचिव इंद्रजीत सिंह ने एफआईआर दर्ज करने के निर्देश जारी किए थे।

'कांग्रेस समर्थित क्षेत्रों से 20-25 हजार वोट काटने की साजिश'
पीसीसी चीफ डोटासरा का बड़ा बयान

जयपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मतदाता सूची शुद्धिकरण प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर धांधली का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि एब्सेंट-शिफ्टेड-डेथ की आड़ में कांग्रेस समर्थित क्षेत्रों से 20-25 हजार वोट तक काटने की साजिश की जा रही है। डोटासरा ने आरोप लगाया कि एएसडी मार्किंग में भारी गड़बड़ी हो रही है। उन्होंने कहा- एब्सेंट में पूरी बेईमानी, जिसे चाहें उसे "घर पर नहीं मिला" बताकर एब्सेंट मार्क कर दिया जाता है। शिफ्टेड में 50% बेईमानी, बिना किसी ठोस जांच के लोगों को स्थायी रूप से शिफ्टेड दिखाया जा रहा है। डेथ कैटेगरी में भी 10% गड़बड़ी, जीवित लोगों को मृत दिखाया जा रहा है। डोटासरा का दावा है कि जहां कांग्रेस का वोट बैंक अधिक है, वहां एएसडी मार्किंग ज्यादा दिख रही है, जबकि बीजेपी समर्थित क्षेत्रों में यह संख्या बेहद कम है। उन्होंने कहा कि समय आने पर पार्टी यह खुलासा करेगी कि किस वार्ड और किस मोहल्ले में कितना एएसडी लागू किया गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के बूथ लेवल एजेंट से बीएलओ संपर्क ही नहीं कर रहे। बीएलएस को न तो प्रक्रिया में शामिल किया जा रहा है और न ही एएसडी की जानकारी दिखाई जा रही है। डोटासरा ने कहा कि बाद में यह कह दिया जाता है कि "लास्ट में दिखा देंगे", जबकि पूरा काम ऑनलाइन चल रहा है जहां बीएलए को कोई पहुंच नहीं है।

कांग्रेस के नए जिलाध्यक्षों पर सिर फुटव्वल!
सबसे पॉवरफुल नेता ने काटी कन्नी

जोधपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने राजस्थान में हाल ही में 45 जिला अध्यक्षों की घोषणा की है। नई जिलाध्यक्षों की सूची ने पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नाराजगी पैदा कर दी है। इसे लेकर सिर फुटव्वल जारी है। जिला अध्यक्षों की घोषणा के बाद सियासत में हलचल मची हुई है कि आखिर इस प्रक्रिया में पूर्व सीएम अशोक गहलोत और सचिन पायलट में से किसकी सबसे ज्यादा चली, कांग्रेस के किस नेता को अधिक तवज्जो दिया गया है? इधर, इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का बड़ा बयान सामने आया है। जिसमें उन्होंने कहा कि जिला अध्यक्षों के नाम को लेकर मैंने पहले ही हाई कमान को कह दिया था कि मैं इंटरफेयर नहीं करूंगा, जो भी हुआ पार्टी हाई कमान की पसंद से हुआ है।

गहलोत बोले- मैंने इंटरफेयर नहीं किया है, सब हाई कमान ने किया है

कांग्रेस के जिला अध्यक्षों की घोषणा के बाद से सियासी गलियारों में कांग्रेस के 'पावर सेंटर' को लेकर चर्चा हो रही है। आखिर 45 जिला अध्यक्षों के नामों की घोषणा में हाई कमान के आगे किस नेता की चली, किस दिग्गज नेता को तवज्जो मिला हैं। इधर, जोधपुर में मीडिया के एक सवाल के जवाब में गहलोत ने साफ कर दिया कि मैंने पहले ही हाई कमान को कह दिया था कि मैं इंटरफेयर नहीं करूंगा। उन्होंने कहा कि सब हाई कमान की पसंद से हुआ है, जो 45 जिला अध्यक्ष बने हैं, वह सब मेरे समर्थक है और मैं उनका।

जोधपुर में वर्मा को साफा पहनाने की घटना चर्चा में

प्रदेश में कांग्रेस के जिला अध्यक्षों की घोषणा से पहले पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का एक वीडियो वायरल हुआ, जो काफी चर्चा में है। दरअसल, जोधपुर में गहलोत ने सर्किट हाउस में कार्यकर्ताओं से मुलाकात के दौरान अपना साफा उतार कर कांग्रेस के नेता ओमकार वर्मा को पहना दिया था। उस समय चर्चा शुरू हो गई थी कि गहलोत ने ओम प्रकाश वर्मा को साफा पहनाकर संकेत में ही पहले से ही बधाई दे दी। बाद में हुआ भी यहीं। कांग्रेस के जिला अध्यक्षों की लिस्ट आई, तो ओमकार वर्मा जोधपुर के शहर जिला अध्यक्ष मनोनीत किए गए।

निकाय-पंचायत चुनाव पर मंत्री झाबर सिंह खर्रा का बड़ा बयान
ओबीसी आरक्षण पर दो-टूक, बताया कब होगा इलेक्शन

जयपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में निकाय और पंचायत चुनावों को लेकर राजनीतिक माहौल फिर गर्म हो गया है। नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने इन चुनावों को लेकर बड़ा बयान दिया है। लक्ष्मणगढ़ दौरे के दौरान मंत्री ने ओबीसी आरक्षण पर कड़ा रुख जाहिर करते हुए साफ कहा कि राज्य में बिना आरक्षण तय किए कोई भी चुनाव कराना संभव नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस इस मुद्दे पर जनता के बीच भ्रम फैलाने की कोशिश कर रही है।

मंत्री खर्रा मंगलवार को सीकर जिले के लक्ष्मणगढ़ स्थित रामलीला मैदान में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान मंत्री खर्रा ने सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर निकाली गई 'एकता पदयात्रा' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। संबोधन के दौरान उन्होंने सरदार पटेल के योगदान को याद किया, लेकिन उनका मुख्य फोकस आगामी चुनावों और ओबीसी आरक्षण को लेकर बनी राजनीतिक चर्चा पर रहा।

मंत्री खर्रा ने कहा कि राज्य सरकार ने सितंबर में ही निकाय और पंचायत चुनावों के लिए नोटिफिकेशन जारी कर दिया था, लेकिन दो अहम प्रक्रियाएं अभी बाकी हैं। राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग को ओबीसी आबादी से जुड़े नए आंकड़े जुटाने हैं। वहीं राज्य निर्वाचन विभाग को मतदाता सूची का अंतिम संशोधन पूरा करना है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इन दोनों औपचारिकताओं के पूरा होने के बाद ही चुनाव संभव होंगे और सरकार चाहती है कि निकाय और पंचायत दोनों चुनाव एक साथ करवाए जाएं।

उन्होंने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस बिना ओबीसी आरक्षण व्यवस्था पूरी किए चुनाव करवाने की बात कर रही है, जबकि बीजेपी सरकार ऐसा नहीं होने देगी। मंत्री खर्रा ने कहा कि ओबीसी समुदाय का अधिकार सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। चुनाव प्रक्रिया में

बर्फीली हवाओं के साथ अब बारिश का अलर्ट
क्या सर्दी कहर ढाने वाली है सर्दी

जयपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। पिछले चार दिन से राजस्थान के तापमान में उतार चढाव जारी है। कई शहरों का तापमान डाउन हो रहा है तो कई शहरों में तापमान में बढोतरी हो रही है। बादलों की भी आवाजाही बनी हुई है। हालांकि आज मंगलवार को बादलों का असर कम हुआ है। पहाड़ी इलाकों से आने वाली ठंडी हवाओं के कारण प्रदेश में सर्दी का प्रकोप बना हुआ है। इसी बीच अब बारिश की चेतावनी ने डरा दिया है। मौसम विभाग का मानना है कि दो दिन बाद प्रदेश के कई जिलों में बारिश होने वाली है। ऐसे में यह तय है कि अब प्रदेश में कड़ाके की सर्दी पड़ने वाली है।

शेखावाटी क्षेत्र के साथ पश्चिमी राजस्थान में सर्द हवाओं के कारण सर्दी का असर ज्यादा है। इसी बीच मौसम केंद्र जयपुर ने बारिश का अलर्ट जारी कर दिया है। मौसम विभाग के मुताबिक गुरुवार 27 नवंबर को प्रदेश के कई जिलों में बारिश होने वाली है। उदयपुर, अजमेर और जोधपुर संभाग के कई जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। बारिश होने से सर्दी का प्रकोप बढ़ना तय है। शेखावाटी का तापमान वर्तमान में 5 से 6 डिग्री सेल्सियस के आसपास है। बारिश के कारण तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आ सकती है।

राजस्थान में कोहरा अब कमजोर पड़ गया है। रविवार और सोमवार की तुलना में मंगलवार की सुबह कम कोहरे की रही। जयपुर सहित कई शहरों में कोहरा का असर कम देखने को मिला। हालांकि ठंडी हवाएं चलती रही लेकिन आसमान साफ रहा। ताजा रोशनी के साथ सूर्य भी निकल गया। ज्यादातर शहरों में दिन और रात का तापमान सामान्य से नीचे रहा। इसका साफ अर्थ यह हुआ कि सर्दी का असर धीरे धीरे बढ रहा है।

ट्रक में घुसी बस, 2 लोगों की दर्दनाक मौत

अलवर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, बस में सवार 31 यात्री घायल हो गए। सूचना पर राजगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे घायलों को निकाला और अस्पताल पहुंचाया।

हादसा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर पिनान इंटरचेंज पुलिया पर हुआ। अहमदाबाद से दिल्ली जा रही बस सुबह करीब 6 बजे पुलिया पर खड़े एक ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस का अगला हिस्सा ट्रक में घुस गया। बताया जा रहा है कि बस अहमदाबाद से रविवार दोपहर 2.30 बजे दिल्ली के लिए रवाना हुई थी।

हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। तेज धमाके की आवाज से आसपास के लोग भी सहम गए और मदद के लिए दौड़ पड़े। ग्रामीणों ने खून से लथपथ घायल लोगों को बस से बाहर निकाला। इस दौरान सभी यात्री बुरी तरह डरे हुए थे। हादसा इतना जबरदस्त था कि बस का आगे का हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया।

बीएलओ बोले- आप मर चुके हैं, एसआईआर में आया चौंकाने वाला मामला

सवाई माधोपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। प्रदेश में चुनाव आयोग की ओर से विशेष गहन मतदाता पुन निरीक्षण यानी (SIR) अभियान का काम चल रहा है। इसको लेकर कई हैरान करने वाले मामले भी सामने आ रहे हैं। ताजा मामला गंगापुर सिटी से आया है, जहां इस अभियान को लेकर बड़ी लापरवाही सामने आई है। इस दौरान एक 72 वर्षीय सेवानिवृत्ति चिकित्सा अधिकारी को मतदाता सूची में मृत घोषित कर दिया है। इसको लेकर पीड़ित ने मीडिया में बयान देते हुए इस मामले को उजागर किया। यह मामला सामने आने के बाद अब चुनाव आयोग की इस प्रक्रिया पर कई बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं।

हैरान कर देने वाला यह मामला गंगापुर सिटी के वार्ड नंबर 33 निवासी कवि गोपीनाथ पुत्र महेश चंद्र शर्मा (72) वर्ष के साथ सामने आया है। यहां उन्हें मतदाता सूची में मृत घोषित कर दिया गया। मीडिया से बातचीत के दौरान गोपीनाथ ने बताया कि गंगापुर सिटी में एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है, लेकिन 16 नवंबर तक उनके पास कोई प्रपत्र नहीं पहुंचा, तो उन्होंने अपने बीएलओ छोटू खान से संपर्क किया। इस दौरान उन्हें जब हैरानी हुई कि मतदाता सूची में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया है। मीडिया में बोलते हुए उन्होंने कहा कि मैं आपके सामने जिंदा खड़ा हूं, लेकिन इसके बावजूद लापरवाही से मुझे मत घोषित कर दिया गया है। उन्होंने इसे अपना अपमान और निर्वाचन प्रक्रिया की बड़ी लापरवाही बताई। मीडिया से बातचीत के दौरान गोपीनाथ ने बताया कि उन्होंने इस मामले को लेकर ऊपर जिला निर्वाचन एवं रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के समक्ष शिकायत दर्ज कराई। इसके लिए वह कई बार चक्कर काट चुके हैं, लेकिन अभी तक उनका नाम वापस मतदाता सूची में नहीं जोड़ा गया है।

किसानों को बीज बिल 2025 के मसौदे के बारे में दी गई जानकारी

कृषि मंत्री ने एनएफएसएम योजना के तहत बीज बांटा

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रैतुनेस्तम कार्यक्रम में मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, किसान कल्याण आयोग के अध्यक्ष एम. कोदंड रेड्डी और सीड कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष बी. अन्वेश रेड्डी ने भाग लिया। कृषि मंत्री तुम्मला ने रैतुनेस्तम कार्यक्रम के दौरान केंद्र सरकार द्वारा लाए गए बीज बिल 2025 मसौदे की संक्षिप्त जानकारी किसानों को दी। विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में किसान किसान मंचों के माध्यम से इस कार्यक्रम में उपस्थित हुए। मंत्री तुम्मला ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम) योजना के तहत बीज वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अधिकारियों और वैज्ञानिकों ने किसानों को फसल अवशेषों को जलाए बिना उठाने के तरीकों के बारे में जानकारी दी। मंगलवार को आयोजित रैतुनेस्तम कार्यक्रम में मंत्री ने राज्य भर के किसान मंचों के माध्यम से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए किसानों को बीज बिल 2025 के मसौदे के बारे में बताया। इसके बाद जिला कलेक्टरों की देखरेख में सम्मेलनों का आयोजन कर किसानों से लिखित सुझाव और राय एकत्र करने के निर्देश कृषि विभाग निदेशक बी. गोपी को दिए गए। साथ ही, मंत्री ने एनएफएसएम योजना के तहत आज 16 जिलों के किसानों को 5500 क्विंटल धान बीज 50 प्रतिशत सब्सिडी पर वितरित करने का कार्यक्रम भी शुरू किया।

कार्यक्रम में वैज्ञानिकों ने किसानों को तेलपाम फसलों में अंतर फसल की आवश्यकता, धान कटाई के बाद फसल अवशेषों को जलाए बिना मिट्टी में दबाने के महत्व और पर्यावरण संरक्षण के उपायों की जानकारी दी। अधिकारियों ने फसल अवशेषों और अपशिष्ट प्रबंधन पर एक लघु चित्रण भी प्रस्तुत किया। कृषि मंत्री ने कहा कि पिछली सरकार ने किसानों के लिए बनाए गए मंचों को उपयोग में नहीं लाया। हमारी सरकार के गठन के बाद, इन मंचों में दृश्य और श्रव्य माध्यमों की व्यवस्था की गई और उन्हें किसानों के लिए सक्रिय रूप से इस्तेमाल किया जा रहा है। हर मंगलवार आयोजित रैतुनेस्तम कार्यक्रम में इन मंचों के माध्यम से लगभग 30,000 किसान शामिल हुए।

किसान मंचों के माध्यम से किसानों को विभिन्न योजनाओं और पहलुओं की त्वरित जानकारी मिल रही है, जिससे सरकार के प्रयास सफल हो रहे हैं। मंत्री ने बताया कि पहली बार किसानों को बीज कानून मसौदा 2025 विस्तार से समझाया गया और यह जानकारी दी गई कि इस कानून से किसानों को मिलने वाले अधिकार और लाभ किस प्रकार प्रभावित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह एक नया अध्याय है और पहले किसी भी सरकार ने ऐसी पहल नहीं की। कार्यक्रम में तेलंगाना राज्य कृषि और किसान कल्याण आयोग के सदस्य सुनील, इल्लंदु-कोत्तगुड़ेम विधानसभा के सदस्य कोरम कनकैया, कृषि संचालक डा. बी. गोपी, राज्य भर के कृषि बाजार समिति अध्यक्ष और कृषि उद्यमी उपस्थित थे।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें x@SCRailwayindia पर फालो करें। दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे की निविदा सूचनाओं का विवरण हमारे वेबसाइटः www.scr.indianrailways.gov.in पर देखें

निविदा सूचना संख्या सीइइपीएससी-2x25केवी-पीएमएस-01/2025-26-01, दि.24-11-2025 PUB/1479

कृते भारत के राष्ट्रपति भारतीय गणराज्य की ओर से व के लिए, मुख्य बिजली अभियंता (परियोजनाएं), सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं (आनलाइन) आमंत्रित हैं।

क्रम संख्याः 1, **निविदा संख्याः** सीइइपीएससी-2x25केवी-पीएमएस-01, दि.22-11-2025, **कार्य विवरणः** दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे के तहत मुख्य बिजली अभियंता/परियोजनाएं/सिकंदराबाद के क्षेत्राधिकार के तहत परियोजना प्रबंधन सेवाएं (पीएमएस) प्रदान करने हेतु एथारिटी इंजीनियिर की नियुक्ति हेतु प्रस्ताव अनुरोध या रिक्वेस्ट फार प्रपोजल (आरएफपी)। **अनुमानित मूल्य रु.25,62,45,250.00** आनलाइन में जमा की जानेवाली पूर्व धरोहर राशि रु.14,31,200.00 **निविदा प्रपत्र मूल्य रु.** शून्य **कार्य पूरा करने की अवधिः** 730 दिन (24 महिने) निविदा खोलने की जगहः सिकंदराबाद

ई-निविदा (आनलाइन) द्वारा निविदा बंद करने की तिथिः 09-01-2026 समयः 15.00 बजे, ई-निविदा (आनलाइन) द्वारा निविदा खोलने की तिथिः 09-01-2026 समयः 16.00 बजे

यदि निविदा खोलने की तिथि को अवकाश घोषित होता है तो निविदा को तदनंतर उसके अगले कार्य दिवस में तत्संबंधित निर्धारित समय पर खोला जायेगा।

निविदा शर्तें/अधिक जानकारी व निविदाओं की प्रस्तुति हेतु कृपया हमारे वेबसाइटःwww.ireps.gov.in देखिए।

टिप्पणीः /निविदा दस्तावेजों से जुडे कोई भी संशोधन/शुद्धिपत्र/जोड हेतु यदि आवश्यक होने पर उसे केवल उपरोक्त वेबसाइट पर ही जारी किया जायेगा।

मुख्य बिजली अभियंता (परियोजनाएं), सिकंदराबाद

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (http://ireps.gov.in द्वारा) PUB/1480

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य बिजली अभियंता (निर्माण), दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु दो पैकेट सिस्टम की टेन्डरिंग में ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्याः 1, एनआयटी नं. 04-2025-2026-बी-252-टीआरडी, **कार्य विवरणः** दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, विजयवाडा डिवीजन में 65 स्क्वे.एमएम कैटेनरी वायर तथा 10%स्क्वे.एमएम एचडीजी कापर कान्टैक्ट वायर सहित 25केवी, 50एचजेड, सिंगल फेज एसी ट्रैक्शन ओवरहेड इक्वीपमेंट की डिझाइन, आपूर्ति, इरेक्शन, परीक्षण एवं कमीशनींग तथा एलटी सप्लाई ट्रांसफार्मर स्टेशन्स के साथ मुस्ताबाडा (एमबीडी) तथा रायनापाडु (आरवायपी) के बीच आरओआर सहित प्रस्तावित बायपास लाईन के साथ मौजूदा ओएचइ का परिवर्तन (शेष कार्य)। **विवरणः अनुमानित मूल्य** रु.1,91,06,294.00, **पूर्व धरोहर राशि रु.2,45,500.00** निविदा दस्तावेज मूल्य रु. शून्य, **कार्य पूरा करने की अवधिः** 12 महिने, **बंद करने की तिथिः 15-12-2025** के 15.00 बजे

1. **बोली दस्तावेज व अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः http://ireps.gov.in पर लागिन करें।**

2. **बोली सुरक्षा/पूधरा** को नकद रूप में या आईआरइपीएस पर उपलब्ध ई-पेमेंट गेटवे द्वारा या किसी भी अनुसूचित भारतीय वाणिज्यिक बैंक से, एफए एण्ड सीएओ/सी/एससी के पक्ष में आहरित बैंक गारंटी बांड के रूप में या निविदा दस्तावेजों में विवरितानुसार तत्संबंधित भुगतान कर सकते हैं। यह बैंक गारंटी बैंक एनेक्सर -VIA नुसार होना चाहिए तथा यह बांड बोली वैधता अवधि से परे, 90 दिनों तक वैध होना चाहिए।

3. निविदाकार अपने आफर्स को, आनलाइन में, निविदा प्रस्तुति की अवधि के दौरान जो निविदा बंद करने की तिथि से पहले, पंद्रह दिन की अवधि में प्रस्तुत करना चाहिए।

4. निविदाकार किसी भी शुद्धिपत्र को (केवल आनलाइन पर जारी) निविदा प्रस्तुति अवधि के प्रारंभिक तिथि तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं।

मुख्य बिजली अभियंता/ निर्माण/सिकंदराबाद

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (http://ireps.gov.in द्वारा) PUB/1481

भारत के राष्ट्रपति की ओर से डीवाय. सीइ/जीएस/एससी, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु सिंगल पैकेट सिस्टम की टेन्डरिंग में ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्याः 1, एनआयटी नं. सीई-29-जीएसयु-इलेक-03-2025-26, **कार्य विवरणः निविदा संख्या** सीई-29-जीएसयु-इलेक-03-2025-26, दि.21-11-25 1) एससी डिवीजन के ओपन लाइन में चित्तापुर पर फ्राइट वैगन रखरखाव सुविधाओं के उन्नयन/वृद्धि के प्रति ओएचइ व्यवस्था तथा डिजास्टर मैनेजमेंट रोलिंग स्टाक रखरखाव सुविधाओं से जुडा तत्संबंधित कार्य।
2) चित्तापुर-एससी डिवीजन में चित्तापुर पर वाडी छोर (एन्ड) पर शन्टिंग नेक का प्रावधान-ओएचइ व्यवस्थाएं। **विवरणः निविदा मूल्य रु.** 3,56,68,186.10, **कार्य पूरा करने की अवधिः**9 महिने, बंद करने की तिथिः 15-12-2025 के 15.00 बजे

निविदा शर्तें/अन्य विवरण, आईआरईपीएस **वेबसाइटः**www.ireps.gov.in पर निविदा दस्तावेज में उपलब्ध है, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है, जिसमें भाग लिया जा सकता है तथा यदि कोई तत्संबंधित परिवर्तन हो तो उसका अवलोकन किया जा सकता है। निविदाकार किसी भी शुद्धिपत्र (केवल आनलाइन पर जारी) को निविदा प्रस्तुति अवधि के प्रारंभिक तिथि तक ही अवलोकन कर सकते हैं।

उप मुख्य बिजली अभियंता/गति शक्ति/सिकंदराबाद

निविदा सूचना सं.जी/इ.29/टीआर./टेंडर नोटिस/32/2025-26 दि.24-11-2025 PUB/1482

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. जीटीएल-टीआरडी-29-ईटीएन-60-2025-26, **कार्य विवरणः** गुंटकल डिवीजनः वायए/एसपी के सूदूर छोर पर लो वोल्टेज को मिटीगेट करने हेतु जम्मलमडुगु/एसएसपी का एसपी में रूपांतरण। **अनुमानित मूल्य** रु.1,37,51,636.00, पूधरा रु.2,18,800.00

निविदा बंद करने की तिथि व समयः 16-12-2025 के 15.00 बजे

निविदा दस्तावेज व अन्य विवरण को **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। शुद्धिपत्र यदि कोई होतो उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन, गुंटकल

निविदा सूचना सं. 108 से 110_ डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी _25 दि. 20-11-2025 PUB/1483

भारत के राष्ट्रपति की ओर से विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य, हैदराबाद डिवीजन, दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से दि. 15-12-2025 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. 108_ डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी _25, **कार्य विवरणः** सिकंदराबाद-ढोने सेक्शनः टिम्बल गेडो वोर्सीज सिस्टम का उपयोग करते हुए प्री एण्ड पोस्ट टैम्पिंग ट्रैक मीजरमेंट सर्वे या सर्वेक्षण। (25.93 पार्ट (1) का सीटीआर (पी) कार्य एवं 0.80 किमी वर्क का टीआरआर (पी) कार्य। (2) 21 का सीटीआर (पी) **कार्य तथा** 1.7 किमी का टीआरआर(पी) कार्य)। **अनुमानित मूल्य** रु. 1,13,53,162.00, **पूधरा रु. 2,06,800.00**

निविदा सं. 109_ डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी _25, **कार्य विवरणः** एचवायबी डिवीजनः बासर-प्लाटफार्म नं.4, शेल्टर (सीओपी), रिटेनिंग वाल का प्रावधान तथा गोदावरी पुष्करम-2027 के संबंध में न्यू होल्डिंग एरिया के विकास के अंग के रूप में पीफ 4 के इएक्सजी. एफओबी का विस्तार करना-वर्क ए-एन्ड प्लाटफार्म (फुल लेन्थ या लंबाई 560x10एम) के साथ पीएफ वाल एवम् वेटिंग एरिया- वर्क बी- शेल्टर एफपीआर 50 X10एम=250 स्क्वे.मी.-वर्क सी- रिटेनिंग वाल (550एम) का प्रावधान। **अनुमानित मूल्य रु.** 9,58,86,258.00, पूधरा रु. 6,29,400.00

निविदा सं. 110_ डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी _25, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः 8 हाल्ट स्टेशनों (एचजी-2/3) पर दिव्यांगजन एमेनीटीज का प्रावधान तथा एचवायबी डिवीजन के 5 एसजी-3 स्टेशनों पर शौचालयों का उन्नयन (प्राजेक्ट आयडी 11.03.53.25.3.52.009 के हिस्से के रूप में उक्त कार्य निष्पादित किया जाना चाहिए)। **अनुमानित मूल्य रु.** 2.01,17.064.00, पूधरा रु.2,50,600.00

अधिक जानकारी हेतु वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें।

एसआर.डीइएन/को-आर्ड./ हैदराबाद

निविदा सूचना सं.111_ डीआरएम_ डब्ल्यू_एचवायबी _25, दि.21-11-2025 PUB/1484

भारत के राष्ट्रपति की ओर से विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे- दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से दि. **17-12-2025** के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. 111_ डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी _25, **कार्य विवरणः** हैदराबाद डिवीजनः 8 हाल्ट स्टेशनों (एचजी-2/3) पर दिव्यांगजन एमेनीटीज का प्रावधान तथा एचवायबी डिवीजन के 7 एसजी-3 स्टेशनों पर शौचालयों का उन्नयन या अपग्रेडेशन (प्राजेक्ट आयडी 11.03.53.25.3.52.009 के हिस्से के रूप में एससी-डीएचएनइ पर उक्त कार्य निष्पादित किया जाना चाहिए)। **अनुमानित मूल्य रु.** 2.01,.04,219.00, पूधरा रु.2,50,500.00

अधिक जानकारी हेतु वेबसाइटः www.ireps.gov.in **देखें।**

एसआर. डीइएन/को-आर्ड/हैदराबाद

A1877

निविदा शर्तें/अधिक जानकारी व निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्स http://www .ireps. gov.in या www.scr.indianrail-ways.gov.in देखें।

राज्य बीजेपी अध्यक्ष ने गुरु तेग बहादुर को श्रद्धांजलि अर्पित की

हैदराबाद, 25 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य बीजेपी अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने मंगलवार को गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राव ने कहा कि गुरु तेग बहादुर का सर्वोच्च बलिदान ,जिन्होंने राष्ट्र के लिए अपना जीवन समर्पित किया और धर्म (धार्मिक सत्य) की रक्षा के लिए अडिग रहे , भारतीय इतिहास में सदा अमर रहेगा। गुरु का अटूट संकल्प और प्रतिबद्धता आज भी हर भारतीय को प्रेरित करता है और लोगों को उनके पदचिह्नों पर चलने का प्रयास करना चाहिए।

सखी मठ में सत्यनारायण की कथा संपन्न

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री सखी बाबा मठ में विवाह पंचमी महोत्सव बड़े ही धूमधाम से बनाया गया है अवसर प्रति महंत ठाकुर दास ने सत्यनारायण भगवान की कथा सुनाई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए भगवान का ध्यान करना आवश्यक है यश पाने के लिए भागवत सुमिरन एकमात्र मार्ग है। अवसर पर दर्शन करते हुए गोपाल बलदवा राजेंद्र जयसवाल श्याम लोया अनिल वी ने सामूहिक सत्यनारायण भगवान की कथा मैं भाग ले कर कथा श्रवण किया।

केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान

संतोषनगर, सैदाबाद पोस्ट, हैदराबाद-500059

फोन:040-24530161, 24530163, 24530157, फैक्स:040-24531802, 040-24535336, वेबसाइट:www.icar-crida.res.in ईमेलः hoa.crida@icar.org.in

विज्ञापन सं.24/2025/एनआईसीआरए

साक्षात्कार के माध्यम से दि.11-12-2025 के 10.00 बजे अस्थायी तौर पर यंग प्रोफेशनल-।। (1 पद) की भर्ती की जा रही है।

अधिक जानकारी हेतु http://www.icar-crida.res.in पर जाएं।

हस्ता./-
प्रशासन अधिकारी
सहायक प्रशासकीय अधिकारी

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें X@SCRailwayindia पर फालो करें। दक्षिण मध्य रेलवे -दमरे की निविदा सूचनाओं का विवरण हमारे वेबसाइटः www.scr.indianrailways.gov.in पर भी देखें।

लॉजिस्टिक्स सर्विस प्रोवाइडर्स की सूचीबद्धता हेतु रूचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) PUB/1488

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद डिवीजन द्वारा प्रौद्योगिकी संचालित परिवहन प्रदान करने में तथा भारतभर में पहली व अंतिम मील लॉजिस्टिक्स समाधान में सहयोग करने के प्रति लॉजिस्टिक्स सर्विस प्रोवाईडर्स की सूचीबद्धता हेतु प्रतिष्ठित तथा अनुभवी फर्मों/एजेंसियों से रूचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित हैं।

उद्देश्यः
डिजीटल फ्लीट मैनेजमेंट या प्रबंधन के माध्यम से भारतीय रेलवे का समर्थन करने में सक्षम, पारदर्शी असाइनमेंट सिस्टम्स तथा विश्वसनीय सेवा मानकों में सक्षम पेशेवर लॉजिस्टिक्स साझेदारों की पहचान करना। यह ईओआई, जो भविष्य के ऐप-आधारित इंटिग्रेटेड पार्सल लॉजिस्टिक्स पहलों के लिए, फर्मों को चयन सूची में शामिल करने का लक्ष्य भी रखता है।

अर्हताः
रीयल-टाईम असाइनमेंट, ट्रैकिंग व निगरानी या मानिटरिंग हेतु नेटिव मोबाइल ऐप/प्लेटफ़ॉर्म।
कम से कम तीन मुख्य भारतीय शहरों में संचालन।
पर्याप्त फ्लीट/कर्मी शक्ति या मैनपावर सहित साबित लॉजिस्टिक्स अनुभव।

प्रस्तुति या सबमिशनः
मुहरबंद लिफाफे में डाले हुए ईओआईज या रूचि की अभिव्यक्तियों को, अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में दि.25-11-2025 को अवश्य पहुंच जाने चाहिए अथवा तत्संबंधित ईओआई को आफिशियल **आयडी:srdcm@hyb.railnet.gov.in** पर ई-मेल कर सकते हैं।
अधिक जानकारी हेतु कृपया अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर किसी भी कार्यालयीन दिन में समय 10.00 से 17.00 बजे के बीच संपर्क कर सकते हैं अथवा फोन नं. 040-27786086/(कमर्शियल इंसपेक्टर आर. गिरीश मोबाईल नं.9701372964 तथा एम. सुरेश बाबू मोबाईल नं.9701372965) को फोन कर सकते हैं।
कृपया हमारे **वेबसाइटःwww.scr.indianrailways.gov.in** का अवलोकन करें।

हस्ता./-
A1888 **वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद**

चुनाव कार्यक्रम घोषित करना संवैधानिक अधिकारों पर हमला : दासोजू

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी दासोजू श्रवण ने स्थानीय निकाय चुनाव कार्यक्रम की घोषणा पर कड़ा एतराज जताया है। उन्होंने कहा कि जबकि 42 प्रतिशत बीसी आरक्षण का मामला अभी भी न्यायालय में विचाराधीन है, ऐसे समय में चुनाव कार्यक्रम जारी करना पिछड़े वर्गों के संवैधानिक अधिकारों पर खुला हमला है। श्रवण ने इसे प्रशासनिक मनमानी बताते हुए कहा कि सरकारी आदेश संख्या 9, जिसके तहत स्थानीय निकायों में बीसी वर्ग को 42 प्रतिशत आरक्षण दिया गया था, उस पर तेलंगाना हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट दोनों ने रोक लगा रखी है।

एससीआर महाप्रबंधक ने सीमेंट उद्योगों के फ्रेट ग्राहकों के साथ बैठक की

सीमेंट परिवहन से संबंधित नवीनतम फ्रेट नीति पहलों पर चर्चा

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे मंगलवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में प्रमुख सीमेंट निर्माताओं के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की। इस बैठक में संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक, एससीआर, श्रीमती पद्मजा, प्रधान मुख्य संचालन प्रबंधक, श्रीमती इति पांडे, प्रधान मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक और संचालन व वाणिज्यिक विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। विभिन्न सीमेंट कंपनियों के प्रतिनिधियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में शामिल होकर नवीनतम फ्रेट नीतियों पर अपने सुझाव और विचार साझा किए। इस अवसर पर बोलते हुए संजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि रेलवे का मुख्य कार्य फ्रेट परिवहन है और इसे सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। उन्होंने बताया कि रेलवे मंत्रालय द्वारा हाल ही में पेश की गई फ्रेट नीति पहलें सीमेंट उद्योग के लिए गेम चेंजर साबित होंगी और रेलवे परिवहन क्षेत्र में वृद्धि को बढ़ावा देंगी, क्योंकि रेलवे पर्यावरण के अनुकूल और लागत प्रभावी है। बैठक में रेलवे मंत्रालय द्वारा पेश की गई नवीनतम फ्रेट नीति, बुलक सीमेंट के परिवहन और विशेष फ्रेट टर्मिनलों की स्थापना के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही, उन्होंने पिछली और चालू वित्तीय वर्ष में ज़ोन में सीमेंट लोडिंग के प्रदर्शन की जानकारी भी साझा की। बैठक से पहले, पीसीओएम पद्मजा, और पीसीसीएम इति पांडे ने रेलवे मंत्रालय द्वारा पेश की गई नवीनतम फ्रेट नीति पहलों के बारे में जानकारी दी।

डीजीपी कार्यालय में आईपीएस प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य पुलिस मुख्यालय में मंगलवार को राज्य में आबंटित आईपीएस प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में शामिल अधिकारियों मंधारे सोहम सुनील (2023 बैच), राहुल कांत (2023 बैच), आयेशा फातिमा (2023 बैच), और मनीषा नेहरा (2024 बैच) ने डीजीपी कार्यालय की विभिन्न शाखाओं का भ्रमण किया और उनके कार्यों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया। प्रशिक्षु अधिकारियों ने सबसे पहले अतिरिक्त डीजीपी (कानून और व्यवस्था) महेश एम. भागवत से भेंट की, जिन्होंने उन्हें राज्य में कानून और व्यवस्था की निगरानी की प्रक्रियाओं और चुनौतियों के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा उन्हें कई विषयों पर राज्य संगठनात्मक ढांचा, एआईजी (कानून और व्यवस्था) रमना कुमार, पुलिस कंप्यूटर सेवाएँ एवं संचार प्रणाली, अतिरिक्त डीजीपी (तकनीकी सेवाएं) वी.वी. श्रीनिवास राव, प्रावधान और लॉजिस्टिक्स, आईजीपी (प्रावधान और लॉजिस्टिक्स) एम. रमेश, संगठनात्मक प्रशासन, अतिरिक्त डीजीपी श्रीमती स्वाति लकरा, महिला सुरक्षा पहल, अतिरिक्त डीजीपी मिस चारु सिन् द्वारा हा मार्गदर्शन दिया गया। तेलंगाना राज्य पुलिस अकादमी में प्रशिक्षण पूरा करने के बाद, प्रशिक्षु अधिकारियों को राज्य के विभिन्न इकाइयों में जिला प्रशिक्षण के लिए भेजा जाएगा। मंधारे सोहम सुनील (महाराष्ट्र) को करीमनगर कमिश्नरेट में प्रशिक्षण दिया जाएगा। राहुल कांत (झारखंड) को आदिलाबाद जिले में प्रशिक्षण मिलेगा। आयेशा फातिमा (मध्य प्रदेश) को सिद्धिपेट कमिश्नरेट में प्रशिक्षण दिया जाएगा। मनीषा नेहरा (राजस्थान) को मुलुगु जिले में प्रशिक्षण प्राप्त होगा।

तेलंगाना हेरिटेज विभाग ने आयोजित किया वर्ल्ड हेरिटेज वीक 2025

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना हेरिटेज विभाग, प्रोफेसर अर्जुन राव कुतादी (निर्देशक) के नेतृत्व में, 19 से 25 नवंबर तक वर्ल्ड हेरिटेज वीक का सफल आयोजन किया। यह कार्यक्रम श्री भगवान महावीर ऑडिटोरियम, तेलंगाना स्टेट म्यूज़ियम, हैदराबाद में संपन्न हुआ। समापन दिवस के कार्यक्रम के अंतर्गत, डॉ.ई. शिवनागि रेड्डी ने तेलंगाना के इतिहास और धरोहर में महत्वपूर्ण मील के पत्थर विषय पर पावरपॉइंट प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति ने छात्रों को क्षेत्र की समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर प्रोफेसर अर्जुन राव कुतादी ने कहा कि धरोहर का संरक्षण प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है और छात्रों की भूमिका को उजागर किया कि वे इस विरासत को संरक्षित करके भविष्य की पीढ़ियों तक पहुंचाने में अहम योगदान दे सकते हैं।

कश्मीर से कन्याकुमारी साइक्लिंग अभियान, तेलंगाना पुलिस अधिकारी ने 4,249 किमी की यात्रा पूरी की

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। युवा मामलों और खेल मंत्रालय, फिट इंडिया मूवमेंट के सहयोग से, श्री सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर कश्मीर से कन्याकुमारी साइक्लिंग अभियान का आयोजन किया। यह अभियान 31 अक्टूबर से 17 नवंबर 2025 तक 18 दिनों में संपन्न हुआ, जिसमें कुल 4,249 किलोमीटर की दूरी तय की गई और इसमें 150 साइकिलिस्टों ने भाग लिया। रेगल्ला गोपी, पीसी, सीएआर खम्मम से, इस अभियान में शामिल हुए और पूरी यात्रा सफलतापूर्वक पूरी की। इस उपलब्धि के सम्मान में, आरवी रामराव, डीसीपी और खेल अधिकारी तथा साइकिलिस्ट के साथ के. मधु, आरआई. और गच्चीबावली स्टेडियम के प्रशासक, एम. रमेश, आईपीएस, पुलिस महानिरीक्षक (खेल), तेलंगाना से मिले। आईपीजी (खेल) ने इस असाधारण उपलब्धि पर साइकिलिस्ट को बधाई दी और सम्मानित किया। रेगल्ला गोपी ने पुलिस सेवा में अनुशासन, साहस, मानसिक दृढ़ता और शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन करते हुए इस राष्ट्रीय स्तर के साइक्लिंग अभियान में भाग लिया। उनकी यह उपलब्धि तेलंगाना पुलिस विभाग के लिए गर्व का विषय है।

महिला शूटर ईशा सिंह ने अतिरिक्त डीजीपी से भेंट की

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महिला शूटर ईशा सिंह ने मंगलवार को डीजीपी कार्यालय में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून और व्यवस्था) महेश एम. भागवत से भेंट की। हाल ही में ईशा सिंह ने काहिरा, मिस्र में आयोजित विश्व शूटिंग चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज़ मेडल जीता, साथ ही 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड और टीम इवेंट्स में दो सिल्वर मेडल भी अपने नाम किए। अतिरिक्त डीजीपी महेश एम. भागवत ने उन्हें प्रतिष्ठित चैंपियनशिप में तीन पदक जीतने पर बधाई दी। इस प्रतियोगिता में लगभग 70 देशों के 700 से अधिक एथलीटों ने भाग लिया। उन्होंने एशा सिंह के शानदार प्रदर्शन की सराहना की और भविष्य की प्रतियोगिताओं में उनके और अधिक सफलता की कामना की।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

मानसिक गुलामी से

जिसके पहिये शौर्य और धैर्य हों। ऐसा रथ जिसकी ध्वजा नीति-नीयत से समझौता न करे। ऐसा रथ जिसके घोड़े बल, विवेक, संयम और परोपकार हों। आज से 190 साल पहले 1835 में लॉर्ड मैकाले ने मानसिक गुलामी की नींव रखी थी। 2035 में उस अपवित्र घटना को 200 साल पूरे हो रहे हैं।

हमें आने वाले 10 सालों में भारत को गुलामी की मानसिकता से मुक्त करना है। मैकाले ने जो सोचा था, उसका प्रभाव व्यापक हुआ। हमें विकार आ गया कि विदेशी चीज अच्छी है, हमारी चीज में खोट है। हर कोने में गुलामी की मानसिकता ने डेरा डाला है। नौसेना के ध्वज पर ऐसे प्रतीक बने थे, जिनका हमारी विरासत से कोई संबंध नहीं था। हमने गुलामी के प्रतीक को हटाया है।

हमारे राम भेद से नहीं, भाव से जुड़ते हैं। उनके लिए कुल नहीं, भक्ति महत्वपूर्ण है। जब देश का हर व्यक्ति सशक्त होता है तो संकल्प की सिद्धि में सबका प्रयास लगता है। राम यानी आदर्श, राम यानी मर्यादा, राम यानी जीवन का सर्वोच्च चरित्र, राम यानी धर्म पथ पर चलने वाला व्यक्तित्व, राम यानी जनता के सुख को सर्वोपरि रखने वाला। अगर समाज को सामर्थ्यवान बनाना है तो भीतर राम की स्थापना करनी होगी।

भागवत बोले ...

संकल्प का कोई विकल्प नहीं होता। सभी ने 11 वर्षों में बदलते भारत को देखा है। 500 वर्षों में साम्राज्य बदले, पीढ़ियां बदलीं, लेकिन आस्था अडिग रही। आस्था न झुकी, न रुकी। जन-जन का विश्वास अटल था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठन के हाथों में कमान आई तो हर मुंह से एक ही उद्घोष निकलता था- रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। लाठी-गोली खाएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे।

एक समय था, जब वैभवशाली अयोध्या संघर्ष और बदहाली का शिकार बन चुकी थी, लेकिन पीएम मोदी के नेतृत्व में अयोध्या उत्सवों की वैश्विक राजधानी बन रही है। यहां हर दिन पर्व है, हर दान प्रताप है और हर दिशा में रामराज्य की पुनर्स्थापना की दिव्य अनुभूति हो रही है।

शीतकालीन सत्र से ...

संसदीय शिष्टाचार का पालन हो :

बुलेटिन में सांसदों को यह भी याद दिलाया गया है कि सदन में तख्तियां दिखाने की अनुमति नहीं है और अगर कोई सांसद किसी अन्य एमपी या मंत्री की आलोचना करता है और फिर उसके जवाब के समय अनुपस्थित हो जाता है तो यह शिष्टाचार का उल्लंघन माना जाएगा। इसके अनुसार अगर एक सांसद किसी दूसरे सदस्य या मंत्री की आलोचना करता है तो यह उम्मीद की जाती है कि जवाब देते वक्त उसे सुनने के लिए भी सदन में उपस्थित रहे। जवाब के समय अनुपस्थित होना संसदीय शिष्टाचार का उल्लंघन है।

विपक्षी सांसदों से रहा है विवाद :

वैसे तो यह संसद के दोनों सदनों के स्टैंडर्ड हैंडबुक का हिस्सा है, लेकिन जारी किए गए बुलेटिन की अहमियत इसलिए बढ़ गई है, क्योंकि उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्ण पहली बार राज्यसभा की कार्यवाही का सभापतित्व करेंगे। पिछले कुछ वर्षों में राज्यसभा सभापति और विपक्षी सांसदों के संबंधों में बहुत ज्यादा कड़वाहट देखने को मिली है। यहां तक कि विपक्ष ने पहली बार तत्कालीन सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ महाभियोग तक का नोटिस दे दिया था। हालांकि, उपसभापति हरिवंश ने इस नोटिस को 'गंभीर रूप से दोषपूर्ण' और संवैधानिक पद को नीचा दिखाने के लक्ष्य से लाया गया बताकर खारिज कर दिया था।

संसद का शीतकालीन सत्र इस बार 1 दिसंबर से 19 दिसंबर तक चलेगा, जिसमें कुल 15 बैठकें होंगी। इस बार यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि धनखड़ से बार-बार उलझने वाला विपक्ष, राधाकृष्णन के कार्यकाल में क्या रुख अपनाता है।

'हिरासत में मौत...

सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट को बताया कि कुछ समय पहले एक सुझाव आया था कि सीएसआर फंड से प्राइवेट जेल बनाई जाएं। इस पर कोर्ट ने कहा कि वह पहले से ही ओपन एयर प्रिजन मॉडल पर एक केस देख रहा है, जो भीड़भाड़ की समस्या, जेलों में हिंसा जैसे मुद्दों को कम कर सकता है।

कोर्ट की सख्त चेतावनी :

कोर्ट ने आदेश दिया, जो राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अभी तक रिपोर्ट नहीं दे पाए हैं, उन्हें तीन हफ्तों में हर हाल में अपनी जानकारी देनी होगी। अगर रिपोर्ट नहीं दी गई, तो उन राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के गृह विभाग के प्रमुख सचिव को कोर्ट में पेश होना पड़ेगा। केंद्र से कोर्ट ने कहा कि यदि केंद्रीय एजेंसियों ने पालन नहीं किया तो उनके निदेशक को बुलाया जाएगा। कोर्ट ने पूरे मामले को 16 दिसंबर के लिए सूचीबद्ध किया है। तब तक सभी राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों और केंद्र को अपनी-अपनी रिपोर्ट हर हाल में जमा करनी होगी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

गुवाहाटी टेस्ट- भारत पर क्लीन स्वीप का खतरा

हार टालने के लिए बुधवार को पूरा दिन निकालना होगा, साउथ अफ्रीका को 8 विकेट चाहिए

गुवाहाटी, 25 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 2 मैचों की टेस्ट सीरीज दूसरा मैच गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है।चौथे दिन भारत ने दूसरी पारी में 27 रन पर 2 विकेट गंवा दिए। भारत लक्ष्य से अब भी 522 रन दूर है। वहीं साउथ अफ्रीका को इतिहास रचने के लिए महज 8 अच्छी गेंद फेंकनी है। दूसरी पारी में यशस्वी जायसवाल 13 और केएल राहुल महज 6 रन बनाकर आउट हो गए। साउथ अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 489 रन बनाए। जिसके जवाब में भारतीय टीम सिर्फ 201 रनों पर सिमट गई और मेहमान टीम ने 288 रनों की बढ़त हासिल की। वहीं, साउथ अफ्रीका ने दूसरा पारी 260 रन बनाकर घोषित की और भारत को जीत के लिए 549 रनों का टारगेट दिया।

टीम इंडिया का बुरा हाल

मैच के पहले दिन साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत के खिलाफ स्टंप तक छह विकेट पर 247 रन बनाए थे। दूसरे दिन साउथ अफ्रीका ने 6 विकेट के नुकसान पर 247 रन से आगे खेलना शुरू किया और सेनुरन मुथुसामी-काइल वेरेना की जोड़ी ने भारतीय गेंदबाजों के परेशान कर दिया। काइल वेरेना भले ही अर्धशतक से चूक गए, लेकिन मुथुसामी ने 109 रनों की पारी खेली। इसके बाद मार्को यानसन ने ताबड़तोड़ अंदाज में 93 रन बनाते हुए साउथ अफ्रीकी टीम को इस बड़े स्कोर तक पहुंचाया। वहीं, तीसरे दिन भारतीय बल्लेबाज पूरी तरह फ्लॉप रहे। यशस्वी जायसवाल के अलावा कोई भी खिलाड़ी 50 रन का आंकड़ा नहीं छू सका, जिसने टीम इंडिया इस मैच में भी पछाड़ दिया।

गौतम गंभीर की गलतियों का खामियाजा भुगत रहा भारत

सिर्फ 3 स्पेशलिस्ट बैटर, ऑलराउंडर्स बेदम साबित हो रहे; एक्सपर्ट बोले- टेस्ट कोच बदलना चाहिए

गुवाहाटी, 25 नवंबर (एजेंसियां)। गुवाहाटी टेस्ट में भारत हार की कगार पर है। साउथ अफ्रीका ने कोलकाता में पहला टेस्ट जीता था, दूसरा मैच जीतकर टीम सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप कर लेगी। अगर ऐसा हुआ तो गौतम गंभीर की कोचिंग में भारत 13 महीने के अंदर दूसरी बार घरेलू कंडीशन में क्लीन स्वीप हो जाएगा। 2024 में न्यूजीलैंड ने 3-0 से हराया था।

टेस्ट में बेहद खराब प्रदर्शन के बाद कोच गंभीर की जमकर आलोचनाएं हो रही हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अतुल वासन ने तो यहां तक कह दिया कि गंभीर को टेस्ट से हटा देना चाहिए। उनकी जगह राहुल द्रविड़ को फिर से लाना चाहिए। वहीं पूर्व सिलेक्टर सबा करीम ने कहा कि टीम इंडिया टेस्ट खेलना ही भूल चुकी है। गौतम गंभीर की कोचिंग में टीम इंडिया व्हाइट बॉल के साथ रेड बॉल क्रिकेट में भी ऑलराउंडर्स पर बहुत ज्यादा जोर देने लगी। इसका असर ये हुआ कि टीम में 3 या 4 स्पेशलिस्ट बल्लेबाजों को ही मौका मिल पा रहा है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में तो भारत ने दोनों टेस्ट में 3-3 स्पेशलिस्ट बैटर्स को ही खिलाया। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने दोनों टेस्ट खेले, वहीं पहले में शुभमन गिल और दूसरे में साई सुदर्शन को मौका मिला।

पहले मैच में भारत के 3 बैटर्स स्पिन पिच पर कुछ खास नहीं कर सके, लेकिन दूसरे मुकाबले की पहली पारी में तीनों ने 95 रन बनाए। जबकि 4 से 7 नंबर के बल्लेबाज मिलकर 23 रन ही बना सके। ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल जैसे खिलाड़ी तो रिस्की शॉट खेलने की कोशिश में अपना विकेट दे बैठे। जबकि इस फॉर्मेट में इन शॉट्स की कुछ खास जरूरत भी नहीं रहती।

गंभीर की कोचिंग में टीम इंडिया की नंबर-3 की बैटिंग पोजिशन फिक्स नहीं हो पा रही। साउथ अफ्रीका टेस्ट को ही देखें तो यहां पहले मुकाबले में वॉशिंगटन सुंदर और दूसरे में साई सुदर्शन ने नंबर-3 पर बैटिंग की। इस पोजिशन पर करुण नायर को भी मौका दिया गया, लेकिन किसी भी प्लेयर को ज्यादा समय तक यह पोजिशन नहीं मिली।

गंभीर के कोच बनने से पहले 25 साल भारत को इस पोजिशन की चिंता नहीं करनी पड़ी। पहले राहुल द्रविड़ तो बाद में चेतेश्वर पुजारा ने इस पोजिशन को संभाला और कई तरह की सिचुएशन में टीम को बिखरने से रोका। नंबर-5 की पोजिशन भी परेशानी की बात है, यहां ऋषभ पंत, ध्रुव जुरेल और रवींद्र जडेजा को ट्राई किया जा रहा है। इस पोजिशन को वीवीएस लक्ष्मण और अजिंक्य रहाणे ने संभाले रखा था, लेकिन अब यहां भी बहुत ज्यादा एक्सपेरिमेंट हो रहे हैं। जिससे टीम में स्थिरता नहीं आ पा रही। टीम इंडिया में विकेट टेकिंग फिंगर स्पिनर की भी कमी होने लगी है। एशियन कंडीशन में 2013 से 2023 तक भारत के दबदबे की बड़ी वजह रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा की स्पिन जोड़ी रही। न्यूजीलैंड से पिछले साल घर में क्लीन स्वीप के बाद भारत के सेकेंड टॉप विकेट टेकर रविचंद्रन अश्विन ने रिटायरमेंट ले लिया।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अश्विन की जगह ऑफ स्पिन ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर को प्राथमिकता दी गई। जिसके बाद उन्होंने आगे खेलना कन्टीन्यू नहीं किया। अश्विन टीम के स्ट्राइक बॉलर थे, उनके जाने के बाद जडेजा अकेले पड़ जा रहे हैं। नए कप्तान भी जडेजा की बॉलिंग को उतने बेहतर तरीके से इस्तेमाल नहीं कर पा रहे, जिस तरीके से एमएस धोनी और विराट कोहली करते थे।

अश्विन ने टीम इंडिया की लगाई क्लास

गुवाहाटी टेस्ट के चौथे दिन कही चुभने वाली बात!

गुवाहाटी, 25 नवंबर (एजेंसियां)। गुवाहाटी में भारत और साउथ अफ्रीका के बीच दूसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है। इस टेस्ट में साउथ अफ्रीका ने चौथे दिन टी-ब्रेक तक 395 रन की बढ़त बना ली है और टीम इंडिया पर अब सीरीज हार का खतरा मंडरा रहा है। इसी बीच पूर्व भारतीय दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को लगता है कि भारतीय बल्लेबाज दूसरी पारी में वापसी कर सकते हैं, लेकिन उन्होंने फील्डिंग के दौरान खिलाड़ियों की बॉडी लैंग्वेज पर चिंता जताई है।

भारतीय खिलाड़ियों की बॉडी लैंग्वेज पर भड़के अश्विन

गुवाहाटी टेस्ट मैच के चौथे दिन भारतीय खिलाड़ियों की बॉडी लैंग्वेज देखकर पूर्व भारतीय स्पिनर अश्विन भड़क गए। अश्विन ने अपने एक्स अकाउंट पर ऋषभ पंत की एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, "मुझे उम्मीद है कि हम दूसरी पारी में वापसी कर पाएंगे, लेकिन मैदान पर बॉडी लैंग्वेज के संकेत..." साथ में उन्होंने टूटा हुआ दिल का इमोजी भी लगाया।

पहले सत्र में गिरे 3 विकेट

पहले सत्र में भारत साउथ अफ्रीका की ओपनिंग जोड़ तोड़ने में थोड़ा संघर्ष करता दिखा। हालांकि, रवींद्र जडेजा ने सलामी बल्लेबाज रयान रिकेल्टन को आउट करके टीम को बड़ी सफलता दिलाई। रिकेल्टन ने 64 गेंदों में 35 रन बनाए। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 59 रन जोड़े। बाद में जडेजा ने मार्करम को भी शानदार गेंद से पवेलियन भेजा। मार्करम ने 84 गेंदों में 29 रन बनाए। वहीं, सत्र का तीसरा विकेट वाशिंगटन सुंदर ने लिया। टेम्बा बावुमा सिर्फ एक रन बनाकर सुंदर की गेंद पर नीतीश रेड्डी को लेग स्लिप पर कैच थमा बैठे।

बल्लेबाजी में सिर्फ यशस्वी ने दम दिखाया

मैच की बात करें तो साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और 489 रन का विशाल स्कोर बनाया। सेनुरन मुथुसामी ने शतक (109) जड़ा, वहीं मार्को यानसेन ने 93 रन की तेज पारी खेली। इस मैच में और पूरी सीरीज में भारत की ओर से अब तक सिर्फ यशस्वी जायसवाल ही अर्धशतक (58) लगा पाए हैं। कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट में भारत को सिर्फ 124 रन का लक्ष्य हासिल करना था, लेकिन तीन दिन में मैच हार गया। अगर दूसरा टेस्ट ड्रा भी हो जाता है, तो साउथ अफ्रीका सीरीज जीत जाएगा।

क्रिकेट के मैदान पर वापसी करने जा रहे स्टार खिलाड़ी

उमेश यादव, 1 साल पहले खेला था आखिरी मैच

मुंबई, 25 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय घरेलू क्रिकेट के सबसे बड़ा टी20 टूर्नामेंट सयैद मुश्ताक अली 26 नवंबर से शुरू होने जा रहा है। आईपीएल 2026 के ऑक्शन से पहले कई खिलाड़ी अपनी छाप छोड़ने के लिए मैदान पर उतरेंगे। इसमें टीम इंडिया के एक स्टार खिलाड़ी का नाम भी शामिल है, जिसने पिछले 1 साल से कोई भी कॉम्पिटेटिव क्रिकेट नहीं खेला है।

सयैद मुश्ताक अली टूर्नामेंट के लिए विदर्भ ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। इस टीम की कमान हर्ष दुबे संभालेंगे, जिन्होंने हाल ही में एशिया कप राइजिंग स्टार्स में कमाल का खेल दिखाया था। वहीं, स्क्वॉड में भारतीय तेज गेंदबाज उमेश यादव को भी शामिल किया गया है।

उमेश यादव अनफिट होने के चलते पिछले 1 साल से क्रिकेट के मैदान से दूर हैं। उन्होंने पिछले साल नवंबर में ही अपना आखिरी प्रोफेशनल मैच खेला था। तब भी वह सयैद मुश्ताक अली में खेलते हुए नजर आए थे। हालांकि, अब वह आईपीएल 2026 ऑक्शन से पहले क्रिकेट के मैदान पर वापसी करने जा रहे हैं।

38 साल के उमेश यादव पिछले आईपीएल सीजन का हिस्सा नहीं थे। पिछले साल नवंबर में हुए आईपीएल 2025 ऑक्शन में उमेश यादव को कोई खरीदार नहीं मिला था और वह अनसोल्ड रहे थे। हालांकि, उमेश यादव के पास सयैद मुश्ताक अली टूर्नामेंट में दमदार प्रदर्शन करने आईपीएल में भी वापसी करने का मौका होगा।

उमेश यादव ने पिछले 2 साल से टीम इंडिया के लिए भी कोई मैच नहीं खेला है। उमेश यादव आखिरी बार भारत के लिए सफेद जर्सी में साल 2023 में खेले थे। वहीं, उन्होंने टीम इंडिया के लिए अभी तक कुल 57 टेस्ट, 75 वनडे और 9 टी20 मैच खेले हैं, इस दौरान उन्होंने 288 विकेट चटकाए हैं। लेकिन वह अब टीम इंडिया के सेटअप का हिस्सा नहीं हैं।

दोबारा मैदान पर नजर आएंगे हार्दिक पांड्या

टी20 विश्व कप के लिए तैयारी कर रहे हैं

मुंबई, 25 नवंबर (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 के दौरान टीम इंडिया के सुपरस्टार खिलाड़ी हार्दिक पांड्या चोटिल हो गए थे। जिसके कारण ही वो फाइनल मुकाबले में खेल भी नहीं सके थे। एशिया कप 2025 के बाद हार्दिक मैदान पर कमबैक नहीं कर सके हैं। अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में भी पांड्या टीम का हिस्सा नहीं हैं। इस बीच सभी पांड्या के फैंस को बहुत बड़ी खुशखबरी मिली है।

वाइट बॉल क्रिकेट में हार्दिक पांड्या टीम इंडिया के लिए बड़े मैच विनर हैं। ऐसे में उनके नहीं खेलने से टीम टी20 और वनडे फॉर्मेट में कमजोर नजर आ रही है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में ही वनडे सीरीज के लिए टीम का ऐलान हुआ। जिसमें पांड्या का नाम शामिल नहीं है। अब भारतीय टीम के फैंस के लिए बहुत बड़ी खुशखबरी आई है। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर पांड्या के वापसी का डेट अब सामने आ गया है। जिसके बारे में खुद कोच ने बताया है।

हार्दिक पांड्या जल्द करेंगे वापसी

पीटीआई के रिपोर्ट्स के मुताबिक बड़ौदा टीम के हेड कोच मुकुंद परमार ने कहा है कि हार्दिक पांड्या ग्रुप स्टेज के अधिकतर मैचों के लिए उपलब्ध रहने वाले हैं। भारतीय टीम के चयनकर्ता भी इस दौरान पांड्या पर नजर बनाए रखेंगे। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 की शुरुआत 26 नवंबर से होने वाली है। वहीं इस टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 18 दिसंबर को खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे मुकाबलों के बाद टीम इंडिया 5 मैचों की टी20 सीरीज भी खेलेगी। जिसकी शुरुआत 9 दिसंबर को होने वाली है। ऐसे में पांड्या दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में खेलते हुए नजर आ सकते हैं।

टी20 विश्व कप के लिए तैयारी कर रहे हैं पांड्या

तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या टी20 विश्व कप 2026 में टीम इंडिया के लिए बहुत ही अहम खिलाड़ी हैं। ऐसे में घरेलू मैदान पर होने वाले अगले 10 टी20 मैचों में पांड्या खेलते हुए नजर आ सकते हैं। पांड्या दक्षिण अफ्रीका के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ भी 5 मैचों की टी20 सीरीज खेलते हुए नजर आ सकते हैं। टी20 विश्व कप 2026 से पहले टीम इंडिया पांड्या को बहुत ही संभाल कर इस्तेमाल करना चाहेगी। टीम इंडिया के लिए पांड्या के 4 ओवर गेंदबाजी में बहुत ही अहम साबित होंगे। वहीं बल्लेबाजी में तो वो मैच फिनिशर की भूमिका में नजर ही आने वाले हैं।

पाकिस्तान ने बदला अपना फैसला

कुछ ही दिनों में हटाया सलमान बट पर लगा लाइफ टाइम बैन

इस्लामाबाद, 25 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के स्टार एथलीट अरशद नदीम के लंबे समय से कोच रहे सलमान बट पर बड़ा फैसला लिया गया है। पिछले महीने 12 अक्टूबर को पाकिस्तान के एथलेटिक्स महासंघ ने पंजाब एथलेटिक्स संघ के संविधान का उल्लंघन करने के आरोप में लाइफ टाइम बैन लगा दिया था। वह इस संघ के अध्यक्ष थे। पाकिस्तान एमेच्योर एथलेटिक्स महासंघ ने इकबाल पर पंजाब संघ के चुनाव कराकर उल्लंघन करने का आरोप लगाया था, जो अगस्त में हुए थे। हालांकि अब इस फैसले को बदल दिया गया है।

लाइफ टाइम बैन के तहत इकबाल किसी भी एथलेटिक्स गतिविधि में भाग नहीं ले सकते, न ही कोचिंग दे सकते थे और न ही किसी भी स्तर पर कोई पद संभाल सकते थे। लेकिन पाकिस्तान स्पोर्ट्स बोर्ड (पीएसबी) ने इस फैसले को रद्द कर दिया है। इस फैसले को पीएसबी की ओर से नियुक्त एडजुडिकेटर सीनेटर परवेज राशिद ने 'असंवैधानिक' करार देते हुए पलटा दिया, क्योंकि इसमें उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया था। यह कदम एथलेटिक्स जगत में एक राहत की सांस लेकर आया है, खासकर नदीम जैसे ओलंपिक मेडल विजेता के लिए, जिनकी सफलता में बट की भूमिका अहम रही है।

अक्टूबर में पाकिस्तान एमेच्योर एथलेटिक्स फेडरेशन (पीएएएफ) ने सलमान बट पर यह कठोर कार्रवाई की थी। घटना की जड़ वर्लड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में नदीम के 10वें स्थान पर समाप्त होने से भी जुड़ी है। बट ने फेडरेशन को एक रिपोर्ट सौंपी थी, जिसमें उन्होंने नदीम की खराब प्रदर्शन के पीछे स्वास्थ्य संबंधी कारणों का जिक्र किया था। नदीम ने जुलाई में पिंडली की मांसपेशी पर सर्जरी कराई थी और रिकवरी के दौरान उनकी ट्रेनिंग प्रभावित हुई थी। इसके अलावा, बट ने रिपोर्ट में पीएएएफ की ओर से पिछले एक साल में नदीम के ट्रेनिंग में किसी भी सहयोग न देने का भी उल्लेख किया। अर्शद नदीम पाकिस्तान के उन चुनिंदा एथलीटों में शुमार हैं, जिन्होंने वर्ल्ड लेवल पर देश का नाम रोशन किया है। इसमें कोच सलमान बट का भी अहम योगदान है। ऐसे में इस फैसले के बाद सलमान बट और अर्शद नदीम की जोड़ी फिर से ट्रैक पर लौट सकेगी। हालांकि, बैन के बावजूद पाकिस्तान ओलंपिक समिति ने बट को रियाद में इस्लामिक सॉलिडेरिटी गेम्स में नदीम के साथ जाने की खास मंजूरी दी थी, जहां अर्शद नदीम ने गोल्ड मेडल जीता था।

विश्व रैपिड और ब्लिट्ज चैंपियनशिप के लिए फिडे ने बदले नियम, ड्रेस संहिता में ढील दी; क्यों लिया फैसला?

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। शतरंज की वैश्विक संस्था फिडे ने अगले महीने दोहा में होने वाली विश्व रैपिड और ब्लिट्ज चैंपियनशिप के लिए नियम बदले हैं। फिडे ने ड्रेस संहिता में ढील दी है जिससे अब खिलाड़ी कम्फर्ट ड्रेस पहन सकेंगे जिसमें पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए क्लासिक नॉन-डिस्ट्रेस्ड जींस पहनने की अनुमति होगी। दरअसल, एक साल पहले इसी टूर्नामेंट में मैग्नस कार्लसन के जींस पहनने से विवाद खड़ा हो गया था, जिसके बाद अब फिडे ने नियम में ढील देने का फैसला किया है।

फिडे ने नियमों में किया संशोधन

विश्व शतरंज संचालन संस्था के अपडेट हुए नियमों के अनुसार 25 से 30 दिसंबर तक दोहा में होने वाली प्रतियोगिता के लिए पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए गहरे रंग के बिजनेस-कैजुअल ट्राउजर पहनने की अनुमति होगी जिसमें पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए नीले, काले या स्लेटी रंग में क्लासिक, नॉन-डिस्ट्रेस्ड जींस भी शामिल हैं। फिडे ड्रेस संहिता के अनुसार पुरुषों के लिए सूट, एक रंग की शर्ट, जूते, लोफर्स और एक रंग के स्नीकर्स की भी अनुमति है, जबकि महिला खिलाड़ी स्कर्ट या पैंट सूट, ड्रेस, जींस और गहरे रंग के ट्राउजर, ब्लाउज और इसी के अनुसार जूते पहन सकती हैं।

संहिता के मुताबिक कपड़े साफ-सुथरे होने चाहिए जो कहीं से फटे नहीं हों या उन पर आपत्तिजनक शब्द या लोगो नहीं होने चाहिए। टूर्नामेंट के दौरान टी-शर्ट, शॉर्ट्स, बेसबॉल कैप और बीचवियर पर पांबदी बरकरार है। शतरंज की 101 साल पुरानी विश्व संचालन संस्था ने पिछले साल हुए विवाद के बाद सितंबर में लंबे समय से चली आ रही ड्रेस संहिता में ढील देकर परंपरा तोड़ दी थी। इसने खिलाड़ियों को ग्रैंड स्विस और महिला ग्रैंड स्विस टूर्नामेंट में जींस पहनने की इजाजत दी थी जो अब पूरे बोर्ड में लागू हो गई है।

कार्लसन के जींस पहनने पर क्यों हुआ था विवाद?

कार्लसन पिछले साल इसी प्रतियोगिता के रैपिड दौर के लिए ऐसी जींस पहनकर पहुंचे थे जो 2024 की ड्रेस संहिता के मुताबिक नहीं थी। उन पर 200 डॉलर का जुर्माना लगाया गया था। उन्हें चेतावनी भी दी गई थी लेकिन उन्होंने तुरंत जींस बदलने से इनकार कर दिया था। उन्होंने रैपिड टूर्नामेंट के बाकी हिस्से से नाम वापस ले लिया था और फिडे की आलोचना भी की थी। वह ब्लिट्ज वर्ग में इयान नेपोमनियाच्ची के साथ संयुक्त विजेता बने और बाद में अपनी जींस लगभग 31.5 लाख रुपये में नीलाम कर दी थी। इस राशि को उन्होंने दान कर दिया था। विश्व चैंपियन डी गुकेश साल के आखिर में होने वाली चैंपियनशिप में 41 दल की भारतीय टीम (28 पुरुष और 13 महिला) की अगुआई करेंगे।

टाटा स्टील वर्ल्ड 25के इंटरनेशनल इवेंट एंबेसडर बने ओलंपिक स्टार केनी बेडनारक

21 दिसंबर को होगा आयोजन

कोलकाता, 25 नवंबर (एजेंसियां)। टाटा स्टील वर्ल्ड 25के कोलकाता (टीएसडब्यू 25 के) के 10वें संस्करण के लिए आयोजकों ने दुनिया के दिग्गज धावक और डबल ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट केनी बेडनारक को इंटरनेशनल इवेंट ऐंबेसडर नियुक्त किया है। यह प्रतिष्ठित दौड़ 21 दिसंबर 2025 को आयोजित होगी, जिसे वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड लेबल का दर्जा प्राप्त है। 27 वर्षीय बेडनारक, जिन्हें खेल जगत में प्यार से 'कुंग फू केनी' कहा जाता है—200 मीटर में टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 ओलंपिक में सिल्वर जीतने के अलावा टोक्यो में हुई 2025 विश्व चैंपियनशिप में गोल्ड और सिल्वर अपने नाम कर चुके हैं। दुनिया के सबसे स्थिर और भरोसेमंद स्प्रिंटर्स में उनकी गिनती होती है।

प्रेरणादायक रहा है केनी का जीवन

कठिन बचपन, गोद लिए जाने और संघर्षों के बाद अमेरिकी धावक का सामुदायिक कॉलेज से वैश्विक एथलेटिक्स के शीर्ष मंच तक पहुंचना प्रेरणादायक सफर है। बेडनारक कहते हैं—"ज़िंदगी ने सिखाया है कि मंज़िल से ज्यादा सफर मायने रखता है। हर कदम आपको बनाता है। कोलकाता की ऊर्जा और इस दौड़ का सामुदायिक भाव मुझे बेहद प्रेरित करता है।

उनके नाम 100 मीटर (9.79 सेकेंड, 2025), 200 मीटर (19.57 सेकेंड, 2024) और 400 मीटर (44.73 सेकेंड, 2019) में शानदार व्यक्तिगत प्रदर्शन दर्ज हैं।

केनी का स्वागत, गौरव की बातः सुंदर

टाटा स्टील के वाइस प्रेसिडेंट (कॉरपोरेट सर्विसेज) डीबी सुंदर रमम ने कहा,10वें संस्करण में केनी का स्वागत हमारे लिए गौरव की बात है। उनका सफर दृढ़ता और संकल्प का प्रतीक है—वे मूल्य जो इस इवेंट और टाटा स्टील दोनों की सोच से मेल खाते हैं। प्रोकैम इंटरनेशनल के जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर विवेक सिंह ने कहा, इस जश्न में केनी का जुड़ना बेहद प्रेरक है। उत्कृष्टता की राह पर उनका धैर्य और निरंतरता इस इवेंट की भावना को और मजबूत करते हैं। हम कोलकाता में उनका स्वागत करने को उत्साहित हैं।

साइबर ठगों को म्यूल बैंक अकाउंट सप्लाई करने वाले 8 गिरफ्तार

> इन खातों में साइबर अपराधियों ने ठगी के 24 करोड़ जमा कराए

> मुख्य आरोपी कन्हैया, रमेश और पूनम की तलाश जारी

हैदराबाद, 25 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर क्राइम पुलिस, हैदराबाद ने कमिश्नर टास्क फोर्स ईस्ट ज़ोन टीम के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए 8 सदस्यों के ऐसे गिरोह को गिरफ्तार किया है, जो बड़े पैमाने पर म्यूल बैंक अकाउंट खोलकर उन्हें साइबर अपराधियों को उपलब्ध करा रहा था। इन खातों का उपयोग देशभर में बड़े साइबर फ्रॉड को अंजाम देने के लिए किया जा रहा था। अक्टूबर 2023 में ऑटो चालक पूजारी जगदीश उर्फ जग्गू की मुलाकात एक यात्री कन्हैया (राजस्थान निवासी) से हुई, जिसने उसे बैंक खातों के बदले पैसे देने का लालच दिया। इसके बाद जगदीश ने अपने, अपनी पत्नी, रिश्तेदारों और दोस्तों के नाम पर कई बैंक खाते खुलवाए और पासबुक, एटीएम कार्ड व क्रेडेंशियल कन्हैया को सौंप दिए। आसान तरीके से पैसा मिलने पर जगदीश ने अपने रिश्तेदार और दोस्तों को भी शामिल कर लिया। धीरे-धीरे गिरोह का नेटवर्क बढ़ता गया और इनकी सीधी पहुँच साइबर ठग पूनम और रमेश (दोनों राजस्थान निवासी) तक हो गई। खाता खुलवाने के लिए प्रति व्यक्ति 1,500 से 3,000 रुपये दिए जाते थे। बाद में आरोपी ने अपना अलग समूह बनाकर करूर वैश्य बैंक के बीडीएम बालाजी नायक की मदद से और भी खाते खुलवाने शुरू कर दिए। सभी बैंक खाते के दस्तावेज ब्लू डार्ट कोरियर से साइबर ठगों को भेजे जाते थे। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से 127 बैंक खातों से संबंधित पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक, 30 ब्लू डार्ट कंसाइनमेंट रसीदें, सिम कार्ड, मोबाइल फोन, बायोमेट्रिक डिवाइस और एक टैब, खाते संबंधी नोटबुक और अकाउंट किट आदि बरामद किया है। इन खातों में कुल जमा धोखाधड़ी राशि 24.10 करोड़ रुपए रही, जिसमें से 23.99 करोड़ रुपए निकाल लिए गए। पुलिस द्वारा फ्रीज़/उपलब्ध राशि 16.31 लाख रुपए है। इन खातों में कुल 21 एनसीआरपी शिकायतें और विभिन्न राज्यों के 6 मामले जुड़े पाए गए। राजस्थान के रहने वाले फरार आरोपी कन्हैया, रमेश , पूनम की तलाश जारी है। इनकी गिरफ्तारी के लिए साइबर क्राइम और टास्क फोर्स की एक विशेष टीम गठित कर दी गई है। पुलिस ने नागरिकों को चेतावनी दी है कि किसी भी व्यक्ति के कहने पर अपने बैंक खाते न खुलवाएं और न ही बैंक संबंधी जानकारी या एटीएम कार्ड किसी अजनबी को दें। इस तरह की जानकारी का उपयोग साइबर अपराधों में किया जाता है। यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं एसआईटी) हैदराबाद के निर्देशन में, टास्क फोर्स के अधिकारियों तथा साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन की विशेष टीम द्वारा की गई।

आग दुर्घटना में नुकसान उठाने वाले को आर्थिक सहायता दी जाए : निरंजन

पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष ने घटनास्थल का दौरा किया

हैदराबाद, 25 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष जी. निरंजन ने हैदराबाद के शाह अलीबंडा क्षेत्र में स्थित गोमती एंटरप्राइज़ेज दुकान में हुए भीषण आग दुर्घटना स्थल का दौरा किया और दुकान तथा आस-पास की दुकानों को हुए नुकसान का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। पास के निवासियों से जानकारी लेने पर उन्होंने बताया कि यह घटना रात लगभग 10:28 बजे हुई तथा लगातार तीन तेज़ धमाके जैसी आवाज़ें सुनाई पड़ीं। बगल में स्थित रेडीमेड कपड़ों की दुकान पूरी तरह जलकर राख हो गई और पास की मिठाई की दुकान के शटर तथा दरवाज़ों में भी दरारें आ गईं। दुर्घटना में वहाँ खड़ी दो टू-व्हीलर और एक कार भी पूरी तरह जल गईं। घटनास्थल पर एक अज्ञात व्यक्ति की मौके पर ही मृत्यु हो गई। गोमती इलेक्ट्रॉनिक्स के मालिक श्री शिव को गंभीर हालत में एक अस्पताल, कंचनबाग ले जाया गया, जबकि दो कर्मचारी गणेश और कार्तिक को उस्मानिया जनरल अस्पताल पहुँचाया गया। बाद में अध्यक्ष जी. निरंजन ने अस्पताल, कंचनबाग और उस्मानिया जनरल अस्पताल जाकर घायलों का हालचाल जाना और दुर्घटना की पृष्ठभूमि के बारे में अधिकारियों से चर्चा की। निजी अस्पताल के चिकित्सकों ने बताया कि श्री शिव के 807 से अधिक शरीर पर जलने के घाव हैं और उन्हें सर्वोत्तम उपचार दिया जा रहा है। उस्मानिया जनरल अस्पताल के अधीक्षक ने बताया कि गणेश और कार्तिक दोनों को लगभग 257 जलन है और उनके स्वस्थ होने की संभावना अच्छी है। अध्यक्ष श्री निरंजन ने राज्य सरकार से अपील की कि आग दुर्घटना में नुकसान उठाने वाले आस-पास के दुकानदारों को आर्थिक सहायता दी जाए, हुए नुकसान की भरपाई की जाए और पुनर्वास में आवश्यक मदद प्रदान की जाए।

आत्मदाह मामले में तीसरी मौत

बोराबंडा में प्रदर्शन के दौरान घायल ट्रांसजेंडर की अस्पताल में मौत

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बोराबंडा में पिछले सोमवार को हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान कथित आत्मदाह की घटना में गंभीर रूप से झुलसे एक ट्रांसजेंडर व्यक्ति की मंगलवार सुबह गांधी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान नवनीता (24) के रूप में हुई है। इस घटना में मरने वालों की कुल संख्या अब तीन हो गई है। जानकारी के अनुसार, बोराबंडा बस स्टैंड पर ट्रांसजेंडर समुदाय के एक समूह ने मोनालिसा नामक ट्रांसजेंडर नेता के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया था।

विरोध के दौरान समूह के कुछ सदस्यों ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। इस घटना में आठ लोग गंभीर रूप से झुलस गए थे और सभी को तुरंत गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इससे पहले, 20 और 23 नवंबर को अफसाना और हीना नामक दो ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की इलाज के दौरान मौत हो चुकी है। शिकायत मिलने पर बोराबंडा पुलिस ने आरोपित ट्रांसजेंडर मोनालिसा को पिछले बुधवार को गिरफ्तार किया था और बाद में उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

डांट से नाराज बालिका ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कथित तौर पर अपने शैक्षणिक प्रदर्शन को लेकर घर में हुए विवाद से परेशान होकर मंगलवार को हब्सीगुडा में एक 15 वर्षीय लड़की ने आत्महत्या कर ली। शुरूआती जानकारी के अनुसार, दसवीं कक्षा में पढ़ने वाली यह लड़की कथित तौर पर कम अंक लाने पर अपने माता-पिता द्वारा डांटे जाने से परेशान थी। माना जा रहा है कि इसी बात से व्यथित होकर उसने यह आत्मघाती कदम उठाया। उस्मानिया विश्वविद्यालय पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर प्रारंभिक जांच की और शव को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल भेज दिया। मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

ग्राम पंचायत चुनावों से पहले लाभ वितरण पर राजनीति गर्माई

रेवंत सरकार महिला मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश में

> सिद्दीपेट में पूर्व मंत्री टी हरीश राव का आरोप

सिद्दीपेट, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस के वरिष्ठ नेता टी हरीश राव ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ग्राम पंचायत चुनावों से पहले महिलाओं को साड़ियाँ और ब्याज-मुक्त ऋण वितरित करके स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिला मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं।

मंगलवार को सिद्दीपेट में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को ब्याज-मुक्त ऋण वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हरीश राव ने कहा कि बीआरएस सरकार ने प्रत्येक बतुकम्मा त्योहार के दौरान 1.30 करोड़ महिलाओं को साड़ियां वितरित की थीं, जबकि वर्तमान कांग्रेस सरकार यह लाभ केवल 46 लाख एसएचजी महिलाओं तक सीमित कर रही है। उन्होंने कहा कि सिद्दीपेट में 3.83 लाख पात्र महिलाओं में से कांग्रेस सरकार केवल 1.99 लाख महिलाओं को ही साड़ियां दे रही है, जो अन्य महिलाओं के साथ भेदभाव है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने पिछले दो दशहरा त्योहारों में बतुकम्मा साड़ियों का वितरण भी नहीं किया। हरीश राव ने मुख्यमंत्री के उस बयान की आलोचना की जिसमें उन्होंने साड़ी वितरण को विवाह के बाद माता-पिता द्वारा दी जाने वाली पारंपरिक साड़ियों से जोड़ा था। उन्होंने माँग की कि महालक्ष्मी योजना के तहत प्रत्येक महिला को मिलने वाले 2,500 रुपये के लाभ को तुरंत वितरित किया जाए, क्योंकि यह पिछले दो वर्षों से लंबित है और कुल बकाया 60,000 रुपये बनता है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि साड़ियां और ब्याज-मुक्त ऋण नगर पालिकाओं और निगमों में इसलिए नहीं वितरित किए गए क्योंकि वहां चुनाव नहीं हैं। उनके अनुसार, सरकार स्वयं सहायता समूहों को प्रति वर्ष 25,000 करोड़ रुपये के ऋण दे रही है, जिनमें से केवल 5,000 करोड़ रुपये ही ब्याज-मुक्त हैं। इस बीच, जैसे ही चुनाव आयोग ने बुधवार को ग्राम पंचायत चुनावों के लिए अधिसूचना जारी की, हरीश राव ने कहा कि अधिकारियों के लिए मंगलवार का दिन बेहद व्यस्त रहा, क्योंकि उन्हें शाम तक सभी गांवों में लाभ वितरण सुनिश्चित करना था।

आशीष मेहरोत्रा ने दक्षिण मध्य रेलवे के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक का पदभार संभाला

हैदराबाद, 25 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। आशीष मेहरोत्रा ने दक्षिण मध्य रेलवे के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण किया। वे भारतीय रेलवे सेवा (इलेक्ट्रिकल इंजीनियर्स)-आईआरएसईई के 1992 बैच से संबंधित हैं। वरिष्ठ उप महाप्रबंधक एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी, दक्षिण मध्य रेलवे के नए पद का कार्यभार संभालने से पहले वे उत्तरी रेलवे, नई दिल्ली में मुख्य विद्युत वितरण अभियंता (सीईडीई) के रूप में कार्यरत थे। मुख्य विद्युत वितरण अभियंता, उत्तरी रेलवे का कार्यभार संभालने से पूर्व वे पटियाला स्थित लोकोमोटिव वर्क्स में प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता के रूप में कार्यरत थे, जहाँ उन्होंने विद्युत वितरण और अवसंरचना प्रबंधन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। मेहरोत्रा ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक, ऊर्जा प्रबंधन (एनर्जी मैनेजमेंट) में स्नातकोत्तर तथा एमबीए (एमबीए) की डिग्री हासिल की है, जो उनके मजबूत शैक्षणिक पृष्ठभूमि और भारतीय रेल में व्यापक पेशेवर अनुभव को दर्शाता है।

उन्होंने भारतीय रेलवे में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है, जिनमें मुख्य महाप्रबंधक, इनकान , नई दिल्ली; निदेशक (सुरक्षा), रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली; और संयुक्त महाप्रबंधक एवं महाप्रबंधक, डीएमआरसी, नई दिल्ली शामिल हैं। उन्हें 1995 में प्रतिष्ठित राष्ट्रपति पदक (आरएससी), 2000 में दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक पुरस्कार, 2006 में रेल मंत्री पुरस्कार, और 2023 में अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

सिद्दीपेट कांग्रेस में घमासान तेज

जिला कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्ति पर वरिष्ठ नेताओं में रोष, फैसले को उलटने की तैयारी

सिद्दीपेट, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कांग्रेस अध्यक्ष पद को लेकर सिद्दीपेट कांग्रेस में गंभीर अंदरूनी विवाद उभर आया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) द्वारा तुमुकुंटा आकांक्षा रेड्डी को सिद्दीपेट जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) का नया अध्यक्ष नियुक्त करने के फैसले का जिले के कई वरिष्ठ नेताओं ने कड़ा विरोध किया है। गजवेल के पूर्व विधायक तुमुकुंटा नरसा रेड्डी की बेटी आकांक्षा रेड्डी ने अपने पिता की जगह लेते हुए पद संभाला है। यह निर्णय नरसा रेड्डी खेमे और म्यानमपल्ली हनुमंत राव गुट के बीच वर्षों पुराने विवाद की पृष्ठभूमि में सामने आया है। सूत्रों के अनुसार, भारी राजनीतिक दबाव के बावजूद नरसा रेड्डी ने अपने परिवार के लिए यह पद सुरक्षित करने में सफलता पाई।

एआईसीसी की घोषणा के एक दिन बाद, पुजाला हरि कृष्ण, कोम्मू विजय कुमार, बंदरी श्रीकांत राव, नरेंद्र रेड्डी सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने सोमवार को हैदराबाद में बैठक की और फैसले के खिलाफ संगठित विरोध शुरू किया। नेताओं ने एक व्हाट्सएप समूह बनाकर रणनीति तैयार की और पार्टी नेतृत्व से निर्णय पर पुनर्विचार कराने के लिए दबाव बनाने की योजना बनाई। पुजाला हरि कृष्ण और कोम्मू विजय कुमार के डीसीसी अध्यक्ष पद के दावेदार रहने की चर्चा थी, जबकि टीपीसीसी महासचिव पी. श्रवण कुमार रेड्डी ने भी रुचि दिखाई थी। म्यानमपल्ली हनुमंत राव के नेतृत्व में विरोधी नेता टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपने तथा नई दिल्ली में एआईसीसी नेताओं से मिलने की तैयारी कर रहे हैं।

इस विवाद पर जिला प्रभारी मंत्री जी विवेकानंद और सिद्दीपेट मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है, जिससे पार्टी कार्यकर्ताओं में उलझन और असंतोष बढ़ गया है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह विवाद आगामी पंचायत चुनावों में कांग्रेस की संभावनाओं को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है क्योंकि दोनों गुट समझौते के मूड में नहीं हैं। गौरतलब है कि पुजाला हरि कृष्ण ने 2023 में सिद्दीपेट से विधानसभा चुनाव लड़ा था लेकिन हार गए थे, जबकि बंदरी श्रीकांत राव गजवेल सीट से टिकट की दावेदारी कर रहे थे। कोम्मू विजय कुमार पूर्व में एससी सेल के जिला अध्यक्ष रह चुके हैं, और नरेंद्र रेड्डी गजवेल क्षेत्र में प्रभावी माने जाते हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि इन नेताओं का समूह तब तक विरोध जारी रखेगा जब तक एआईसीसी अपने निर्णय में बदलाव नहीं करता।

लंबित बिलों को तुरंत जारी करने की अपील

हैदराबाद, 25 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी ने राज्य सरकार से मना ऊरु-मना बडी पहल से संबंधित बकाया बिलों के भुगतान में तेजी लाने की अपील की है।

मंगलवार को मना ऊरु-मना बडी योजना में शामिल ठेकेदारों ने सुखेंद्र रेड्डी से मुलाकात की और अपने बकाया भुगतान के शीघ्र निपटान में सहायता का अनुरोध किया। उनकी चिंताओं पर प्रतिक्रिया देते हुए, सुखेंद्र रेड्डी ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री भट्टी विक्रमार्का को फोन कर राज्यभर में मना ऊरु-मना बडी कार्यक्रम से जुड़े सभी लंबित बिलों को बिना विलंब प्रोसेस करने का आग्रह किया। इसके अलावा, सुकेन्दर रेड्डी ने उपमुख्यमंत्री को एक पत्र भी भेजा, जिसमें उन्होंने उल्लेख किया कि मना ऊरु-मना बडी परियोजनाओं को लागू करने वाले छोटे ठेकेदार बकाया बिलों के भुगतान न होने के कारण गंभीर आर्थिक मुश्किलों का सामना कर रहे हैं।

औद्योगिक परिवर्तन नीति के खिलाफ बीआरएस का प्रदर्शन

जीएचएमसी आम सभा बैठक से पहले विरोध, सभागार में हल्का तनाव

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी की आम सभा की बैठक से ठीक पहले बीआरएस पार्टी ने मंगलवार को औद्योगिक परिवर्तन नीति के खिलाफ बड़ा विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी नेताओं और समर्थकों ने आदर्श नगर स्थित विधायक आवास से रैली निकाली, जो जीएचएमसी मुख्यालय तक पहुंची। रैली में बीआरएस विधायक, वरिष्ठ नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

जीएचएमसी मीटिंग हॉल (पंवार हॉल) में उस समय हल्का तनाव पैदा हो गया, जब आम सभा की बैठक शुरू होने से कुछ देर पहले मार्शलों ने बीआरएस और भाजपा पार्षदों से तख्तियां छीन लीं।

सभागार में संबोधन करते हुए जीएचएमसी महापौर जी विजया लक्ष्मी ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में शहर में सड़कों, जल निकासी व्यवस्था और अन्य शहरी सुविधाओं में महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हैदराबाद को विश्वस्तरीय शहर बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। सभा के दौरान दिवंगत नेताओं-बीआरएस विधायक मगंती गोपीनाथ और तेलंगाना के प्रसिद्ध कवि-गीतकार तथा पार्षद अन्देसरी-को श्रद्धांजलि दी गई। भाजपा पार्षदों ने बैठक की शुरुआत 'वंदेमातरम' से करने की मांग उठाई, जिस पर चर्चा के बीच महापौर ने संकेत दिया कि आम सभा की बैठक अगले सप्ताह भी होगी। वहीं, जुबली हिल्स के विधायक वी नवीन यादव ने अपने विधानसभा क्षेत्र के संपूर्ण विकास का आश्वासन दिया।

हैदराबाद पुलिस का सशस्त्र रिजर्व कांस्टेबल हिरासत में

मधुरानगर में महिला से छेड़छाड़ का मामला

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मधुरानगर इलाके में एक महिला से छेड़छाड़ के मामले में हैदराबाद पुलिस के सशस्त्र रिजर्व (एआर) कांस्टेबल को मंगलवार को हिरासत में लिया गया है। घटना उस समय हुई जब पीड़िता पुलिस स्टेशन के पास सड़क पर चल रही थी। पुलिस के अनुसार, बाइक सवार आरोपी महिला के पास आया और उसके पीछे से अनुचित तरीके से छूने के बाद तेजी से वहां से फरार हो गया। अचानक हुए इस हमले से स्तब्ध महिला ने तुरंत मधुरानगर पुलिस स्टेशन पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत प्राप्त होने पर पुलिस टीमों ने कार्रवाई शुरू की और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज के आधार पर बाइक और आरोपी की पहचान की गई। जांच में यह सामने आया कि आरोपी हैदराबाद सिटी पुलिस में ड्यूटी पर तैनात सशस्त्र रिजर्व कांस्टेबल है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

सीएनजी कार विस्फोट से थमा ऐतिहासिक क्लॉक टॉवर

गोमती इलेक्ट्रॉनिक्स में लगी आग और विस्फोट से इलाके में दहशत

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार देर रात शाहलीबंडा में हुए नाटकीय घटनाक्रम में उस समय लोग सिहर उठे, जब गोमती इलेक्ट्रॉनिक्स शोरूम में आग लगने के कुछ ही पलों बाद वहां खड़ी एक सीएनजी कार में जोरदार विस्फोट हो गया। इस अचानक हुए धमाके ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी और क्षण भर के लिए वातावरण पूरी तरह थम गया।

विस्फोट का प्रभाव इतना शक्तिशाली था कि आस-पास की इमारतें हिल गईं और सदियों पुराना राजा राय क्लॉक टॉवर जिसे शाहलीबंडा क्लॉक टॉवर के नाम से भी जाना जाता है काम करना बंद कर गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, क्लॉक टॉवर की सुइयां रात 10:25 बजे पर रुक गईं, जिसे उसी समय विस्फोट होने का संकेत माना जा रहा है। पुराने शहर की संकरी गलियों में रहने वाले लोगों ने बताया कि धमाका इतना तेज था कि उनके कान सुन्न हो गए।

कुछ ही क्षणों बाद उन्होंने देखा कि घड़ी रुक चुकी है। लोगों के लिए यह टॉवर केवल एक घड़ी नहीं, बल्कि जीवन का अभिन्न हिस्सा है, जिसे यूँ अचानक रुकता देख लोग सदमे में आ गए। इस बीच, मुगलपुरा पुलिस और अग्निशमन विभाग ने आग और सीएनजी वाहन विस्फोट दोनों की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने कहा कि घटनास्थल से सीसीटीवी फुटेज और राहगीरों द्वारा बनाए गए वीडियो एकत्र किए जा रहे हैं, जिनके आधार पर घटनाक्रम के क्रम को समझने की कोशिश की जाएगी।

हालांकि देर रात तक आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन घटना ने लोगों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ दी है। कई निवासी अब भी उस भयावह आवाज़ और ऐतिहासिक घंटाघर के रुक जाने के क्षण को भूला नहीं पा रहे हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि जांच में सहयोग करें और किसी भी संबंधित जानकारी को साझा करें।

जुबली हिल्स में आधी रात डकैती की कोशिश नाकाम

चौकीदार सहित पांच आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स क्षेत्र स्थित एक घर में रविवार आधी रात डकैती की कोशिश को पुलिस ने समय रहते विफल कर दिया। यह घटना अजय अग्रवाल के घर पर हुई, जहां कई वर्षों से चौकीदार के रूप में काम कर रहे राधा चंद (40) ने कथित रूप से पांच अन्य लोगों के साथ मिलकर लूट की योजना बनाई थी। पुलिस के अनुसार, आरोपी चौकीदार ने अपने साथियों के साथ चाकू और रस्सियों से लैस होकर देर रात घर में घुसने की कोशिश की। गिरोह ने सबसे पहले ड्राइवर पर हमला किया और फिर घर के अंदर मौजूद परिवार को धमकाने की कोशिश की।

घटना के दौरान घबराए परिजनों ने तुरंत जुबली हिल्स पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और सभी आरोपियों को पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि डकैती की इस साजिश में शामिल पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिनमें चौकीदार भी शामिल है, जिसे इस योजना का मास्टरमाइंड माना जा रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.